नया उपन्यास

विश्व विख्यात थ्रिलर उपन्यासकार

जेम्स हेडली चेईज़

मास्टर माइण्ड

एक ऐसा खतरनाक मास्टर माइण्ड जिसकी खूनी योजनाएं शत-प्रतिशत कामयाब होती थीं।

comicsmylife.blogspot.in

"मेरा मन तो करता था कि जोर से शोर मचाकर
सी को अपनी मदद के लिये पुकारूं, लेकिन मैंने ऐसा
ना ठीक न समझा, क्योंकि आज हमारी कोठी का
ई भी छुट्टी पर चला गया था। उसके किसी करीबी
तेदार की मौत हो गयी थी, जिसके कारण अचानक
उसे छुट्टी देनी पड़ी थी।"

"तुमने अपने मम्मी-डैडी के बेडरूम में क्या
ा?"

"जैसे ही मैंने उनके बैडरूम में कदम रखा, मेरी
ख निकलते-निकलते बची। मैंने देखा कि मेरे मम्मी
डैडी के मुंह पर टेप चिपकाया हुआ था। उनके सिर
कुल्हाड़ी जैसी किसी धारदार चीज से प्रहार किया
या था। उनके सिर से बहने वाला खून पलंग की चादर
र जम गया था। पूरा कमरा बदबू से भरा हुआ था।"

"उसके बाद तुमने क्या किया?"

"मैंने आसपास के कुछ लोगों से जिक्र किया तो
न्होंने आपके पास आने के लिए बोला और मैं यहां
ली आई।"

"अब तुम्हें तनिक भी घबराने की जरूरत नहीं है,
लो मैं तुम्हारे साथ चलता हूं।"

यह कहकर कार्ल जेनर अपने स्थान से उठ खड़ा
हुआ। उसने अपनी यूनिफार्म पहनी, जूते पहने व तैयार
होकर कमरे से बाहर निकलकर जीप की ओर बढ़ गया।

—इसी उपन्यास से

मास्टर माइंड

WE'LL SHARE A DOUBLE FUNERAL
का हिन्दी अनुवाद

□□□

जेम्स हेडली चेईज

थ्रिल, सस्पेंस, एक्शन, क्राइम और
रोमांसपूर्ण उपन्यासों के बेताज बादशाह
का एक और नया जासूसी उपन्यास

मास्टर माइंड

जेम्स हेडली चेईज

हाहाकारी उपन्यास ! आदि से अन्त तक रोचक !!
एक ही बैठक में पठनीय, अनोखा क्लाइमैक्स !!!

उपन्यास : मास्टर माइंड
मूल लेखक : जेम्स हेडली चेईज
अनुवादक : राधेश्याम शर्मा

Original Title
WE'LL SHARE A DOUBLE FUNERAL

A Complete Novel by
JAMES HADLEY CHASE

प्रकाशक : राधा पॉकेट बुक्स
33, हरी नगर, मेरठ-250 002
© (0121) 2518734

लेजर टाइपसैटिंग : जतिन कम्प्यूटर, मेरठ।

मुद्रक : रिषभ ऑफसैट, मेरठ।

मास्टर माइंड : उपन्यास : जेम्स हेडली चेईज

मूल्य : तीस रुपये केवल

मास्टर माइंड

जेम्स हेडली चेईज

स्वीटी व जेनर अपने ड्राइंगरूम में बैठे टी.वी. पर कोई प्रोग्राम देख रहे थे। कुछ देर पहले ही उनकी घरेलू नौकरानी उनके सामने नाश्ते की ट्रे रख गयी थी। बीच-बीच में वे गर्मागर्म चाय का भी आनन्द ले रहे थे।

अचानक टी.वी. पर एक विशेष समाचार दिया गया। जिसमें चेट लोगन से जनता को सावधान रहने के लिए कहा गया था। यह एक ऐसा आतंकवादी था, जिसने प्रशासन एवं कानून को गड़बड़ाकर रख दिया था।

अभी वे चाय का आनन्द ले ही रहे थे कि बाहर की ओर गेट पर किसी महिला के रोने की आवाज सुनाई पड़ी।

इस आवाज ने उन दोनों का ही ध्यान आकर्षित किया।

आवाज सुनते ही जेनर उठ खड़ा हुआ।

"क्या हुआ डियर?"

"डार्लिंग! लगता है गेट पर कोई है।"

"आप नाश्ता कीजिए मैं अभी देखती हूं।"

यह सुनते ही जेनर यथास्थान बैठ गया। उसके बैठते ही स्वीटी बाहर गेट की ओर लपकी।

उसने मेजिक आई से झांककर देखा तो गेट पर कोई यौवना खड़ी दिखाई पड़ी।

उसे देखकर ऐसा प्रतीत होता था कि वह किसी गहरे संकट में फंसी थी तथा तत्काल मदद के लिए उसे सख्त जरूरत थी।

उसको परेशानी की हालत में देखकर स्वीटी का हृदय करूणा से भर आया व उसने हाथ बढ़ाकर गेट खोल दिया।

आगन्तुक यौवना के कपोलों पर आंसुओं की रेखाएं स्पष्ट नजर आ रही थीं।

''कहो क्या बात है?''

''साहब घर पर हैं न?''

''हां, वे घर पर ही हैं।''

''मेहरबानी करके मुझे उनसे मिलवाइए ताकि मैं अपनी गमभरी दास्तान उन्हें सुना सकूं।''

''वे तो नाश्ता कर रहे हैं, आओ मेरे साथ।''

यह कहकर स्वीटी आगन्तुक यौवना को अपने साथ भीतर लिवा ले गई।

''गुड मार्निंग साहब!''

''गुड मार्निंग, आओ बैठो।'' कार्ल जेनर ने शालीनता के साथ कहा।

''साहब! मैं बेहद जल्दी में हूं। कृपा करके मेरी गमभरी दास्तान सुन लीजिए।''

''बोलो क्या गड़बड़ है तुम्हारे साथ? साफ-साफ कहो, मैं तुम्हारी हर परेशानी को दूर करने की कोशिश करूंगा।''

''साहिब! मैं मिस्टर फ्रेडरिक से अगले बंगले में रहती हूं। मेरे साथ मेरा भाई व भाभी रहते थे। आज आधी रात के बाद ही मुझे पता चला कि किसी ने उनका कत्ल कर दिया है।''

''लेकिन उस वक्त तुम कहां थीं?''

''मैं उस वक्त शौचालय में थी, क्योंकि मैं दो दिन से लूज मोशन (पेचिश) से परेशान थी।''

''तब तो तुम उस वक्त किसी को देख भी नहीं सकी होंगी?''

''यही तो मेरी बदकिस्मती है सर।''

''क्या उनकी किसी से दुश्मनी थी?''

''नो सर! इस बात की तो उन्होंने कभी चर्चा भी नहीं की कि उनकी किसी से कहा-सुनी तक हुई हो।''

''इस बारे में तुम्हारे सिवाय किसी ने घटनास्थल पर आते हुए देखा था।

''मैंने आसपास के लोगों को दबी जुबान में यही कहते सुना

है कि यह काम चेट लोगन के सिवाय और किसी का नहीं हो सकता।''

''वे लोग ऐसा किस आधार पर कह सकते हैं?''

''क्योंकि उनकी नजरों में कातिल ने जो हत्या का तरीका अपनाया है वह चेट लोगन का ही है।''

''कौन-सा तरीका अपनाया है?''

''उन दोनों के सिर पर तेज धारदार हथियार से वार किया गया था।''

''उनके नाम बताओ।''

''विल्सन व मैक्सी।''

''और तुम्हारा?''

''पेप्सी... ।''

''तुमने उन्हें मरने से कितनी देर पहले देखा था?''

''लगभग दस मिनट पहले।''

''तुम उनके पास कब पहुंचीं?''

''जब मैंने फोन की घण्टी सुनी।''

''क्या भीतर पहुंचकर तुमने फोन सुना?''

''नहीं, मैं इस कदर घबराई हुई थी कि रिसीवर उठाने तक का भी साहस न बटोर सकी। मैं कितनी अभागिन हूं कि अपने भैया व भाभी के लिए कुछ भी न कर सकी।''

''मेरी एक बात समझ नहीं आ रही पेप्सी।''

''कौन-सी बात साहब?''

''कि आधी रात के बाद की घटना की सूचना तुम इतनी देर से क्यों दे रही हो?''

''साहब, मैं तो उसी वक्त आना चाहती थी, लेकिन इस तूफानी रात में अकेली जान कहां-कहां मारी-मारी फिरी होगी, यह शायद आप नहीं जान सकते।''

''मैं तुम्हारी पीड़ा को बाखूबी समझता हूं पेप्सी तथा मुझे तुमसे पूरी तरह सहानुभूति भी है, क्या तुम किसी को साथ लेकर नहीं आ सकती थीं?''

''साहब! मैं आपको पहले ही बता चुकी हूं कि इस तूफानी रात में कोई भी मेरी मदद के लिए आगे नहीं आ सका। मैं मदद के लिए जिस भी द्वार पर गयी वही बन्द मिला। इस वक्त भी मैं न जाने कितनी परेशानियों का सामना करती हुई आप तक पहुंची

हूं।"

"लेकिन मुझे तुम्हारे बयान में कुछ विरोधाभास लगता है।"

"मतलब?"

"मतलब साफ है मिस पेप्सी! कुछ देर पहले तुमने जो बयान दिये थे, उन पर गौर करने की कोशिश करो।"

"साहब, मैंने अपनी ओर से न तो एक भी शब्द झूठ बोला है और न ही कोई बात आपसे छिपाई है। आप इसी वक्त मेरे साथ चलिये और सब कुछ अपनी आंखों से देख लीजिए।"

"तुम्हारे साथ तो मैं चलूंगा ही, लेकिन एक बात सोच लो कि यदि तुम्हारे कथन में जरा-सी भी हेराफेरी नजर आई तो मैं यह भूल जाऊंगा कि तुम एक लड़की हो और तुम्हें मेरी मदद की जरूरत है।"

"सर! जल्दी कीजिए, कहीं ऐसा न हो कि अपराधी मेरा पीछा करता हुआ यहां तक आ पहुंचे और आपको एक नयी मुसीबत से टकराना पड़ जाये।"

"उसकी तुम परवाह न करो, मेरे होते तुम्हारा कोई अहित नहीं कर सकता। मैं एक तो क्या पचासों चेट लोगनों के लिए भी भारी पड़ूंगा। मेरे होते वह तुम्हें छू भी नहीं सकेगा।"

"अब मेरी हालत पर रहम खाइए सर! कहीं ऐसा न हो अपराधी वहां से मेरे भैया व भाभी की लाशें ही गायब न कर दे, ताकि मैं न तो उनकी अन्त्येष्टि ही कर सकूं और गुनाह का सबूत भी खत्म हो जाये।"

"मैं जरूर चलूंगा, पहले मेरी एक बात का उत्तर दो।"

"पूछिए साहब!"

"कुछ देर पहले तुमने कहा था कि जब मैंने लोगों को मदद के लिए पुकारा तो कोई भी नहीं आया।"

"जी वह तो मैं अब भी कह सकती हूं कि उस बस्ती में रहने वाले सब-के-सब स्वार्थी, खुदगर्ज व नामर्द हैं उनमें से कोई भी मेरी मदद के लिए आने को तैयार नहीं हुआ, वरना मैं आधी रात के समय ही आपकी मदद पाने में कामयाब हो जाती।"

"लेकिन दूसरी ओर तुमने यह भी कहा है कि आस-पास के लोगों ने लाशों को देखकर दबी जुबान में यह भी कहा था कि यह हत्या करने का ढंग सिर्फ चेट लोगन का ही हो सकता है।"

जैसे ही पेप्सी ने जेनर के मुख से ये शब्द सुने, वह बुरी तरह

सकते में आ गई। वह अपने ही कहे गए शब्दों के जाल में खुद को फंसा हुआ महसूस कर रही थी।

"साहब! बातें तो दोनों ही ठीक हैं... आपकी भी व मेरी भी।"

"ऐसा कैसे हो सकता है?"

"पहले जब मैं उन लोगों के पास गई तो उनके द्वार बन्द थे। हो सकता है भारी तूफान के शोर के कारण वे लोग द्वार खोलने न आए हों, लेकिन जब तीन-चार घण्टे बाद तूफान थमा तो उन लोगों ने मेरी रोने की आवाजें जरूर सुनी होंगी, तभी वे लाश को देखने आए होंगे।"

"ठीक है, बैठ जाओ, मैं अभी नाश्ता करके चलता हूं।"

"साहब! लगता है, आपके दिल में रहम नाम की कोई चीज नहीं है, आप जान-बूझकर देर कर रहे हैं। लगता है आप भी दूसरे अधिकारियों की ही तरह... ।"

"शटअप... माइण्ड योर लेंग्वेज।"

"यदि आप मेरी मदद के लिए नहीं चले तो मैं आपकी ऊपर तक शिकायत करूंगी।"

"लगता है, अभी तुम्हारी ट्रेनिंग में काफी कमी है।"

"ट्रेनिंग में... ? कैसी ट्रेनिंग में साहिब, मेरी तो कुछ भी समझ नहीं आता?"

"तुम्हें चेट लोगन ने पूरी तरह ट्रेन्ड करके नहीं भेजा है। तुम इस नाटक में पूरी तरह नाकाम हो चुकी हो।"

"लगता है आपको कोई वहम हो गया है सर! आप वास्तव में गलतफहमी के शिकार हो गए हैं, वरना आप एक लाचार व बेसहारा लड़की पर इस कदर झूठा आरोप न लगाते।"

"वहम मुझे नहीं, बल्कि तुम्हें हो गया है जोकि कार्ल जेनर के हमशक्ल को कार्ल जेनर समझने की भूल कर रही हो। तुमने यह भी नहीं सोचा कि जब तुम चेट लोगन के सामने एक गलत आदमी को लेकर पहुंचोगी तो वह तुम्हारी क्या गत बनाएगा।" जेनर ने उसे चकराने की नियत से कहा।

"मैं किसी चेट लोगन को नहीं जानती। मैंने तो उसका नाम भी यहां के लोगों के मुंह से ही सुना है।"

"मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि तुम पेप्सी नहीं हो।"

"तब कौन हूं मैं?"

"तुम चेट लोगन की सैक्रेट्री हो।"

"यह एकदम झूठ है, मैं पेप्सी हूं, तुम्हें चलना हो तो चलो, वरना मैं किसी दूसरे अधिकारी से मदद के लिए प्रार्थना करूंगी।"

"नहीं, तुम कहीं नहीं जा सकतीं, तुम्हें मेरे साथ ही चलना होगा।"

"तुम चल कहां रहे हो? तुम तो व्यर्थ ही मेरा कीमती वक्त बर्बाद कर रहे हो?"

"तुम कार्ल जेनर को धोखा दे सकती हो, लेकिन मुझे नहीं।"

"क्या मैं गलत जगह पर आ गयी हूं?" अचानक ही यौवना के मुंह से निकल पड़ा।

"हो सकता है, लेकिन शीघ्र ही तुम्हें सही जगह पर पहुंचा दिया जायेगा।"

"कहां?"

"पुलिस स्टेशन।"

"लेकिन क्यों?"

"ताकि आज के बाद तुम्हें कार्ल जेनर की खोज में न भटकना पड़े।"

"मैं जा रही हूं, तुम मुझे नहीं रोक सकते।"

"कोशिश करके देखो।"

इससे पहले कि वह बाहर का रुख कर पाती, जेनर के हाथों में रिवाल्वर चमक उठा।

"यदि चालाकी दिखाने की कोशिश की तो इसकी तमाम गोलियां तुम्हारे मखमली सीने में उतर जाएंगी।"

"कानून को अपने हाथ में लेने की भूल मत करो जेनर!"

"मैं कानून को अपने हाथ में नहीं ले रहा, बल्कि कानून की हिफाजत करना चाहता हूं।"

"तुम एक बेसहारा व सताई हुई लड़की की जान लेना चाहते हो। मैं पूरे दावे के साथ कह सकती हूं कि तुम चेट लोगन से मिले हुए हो, इसलिए तुम मेरे साथ नहीं चलना चाहते।"

"यदि अपनी जान की सलामती चाहती हो तो जीप आने तक शान्त बैठी रहो।"

यह कहकर जेनर ने अपने ट्रांसमीटर का स्विच ऑन किया व कंट्रोलरूम के लिए सम्पर्क स्थापित किया।

अभी वह ट्रांसमीटर पर घटना के बारे में पूरी तरह विवरण भी न दे पाया था कि अचानक उसके पीछे से स्वीटी की चीख सुनाई पड़ी। स्विच ऑफ करके उसने ट्रांसमीटर को मेज पर रखा व पीछे की ओर पलटा।

इसी बीच उसने देखा कि स्वीटी के सिर से खून बह रहा था। वह फुर्ती से स्वीटी के पास पहुंचा।

"स्वीटी... स्वीटी डार्लिंग! क्या हुआ तुम्हें, आंखें खोलो।"

"ग... ग... गुलदस्ता... ।"

यह कहकर स्वीटी फर्श पर लुढ़क गई। पास ही एक कांच का गुलदस्ता टूटा पड़ा था।

इसे देखते ही जेनर सारा मामला समझ गया। दरअसल उसके सिर पर कांच के गुलदस्ते से वार किया गया था, ताकि वह पुलिस को इन्फॉर्म न कर सके। लेकिन इत्तफाक से स्वीटी बीच में आ गई व उसके सिर में चोट लग गई।

अभी वह अपनी पत्नी को ठीक से संभाल भी न पाया था कि गेट खुलने की आवाज हुई।

उसने देखा कि पेप्सी कमरे से गायब हो गयी है।

वह उसके पीछे भागा, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, वह निराश होकर अपनी पत्नी के पास लौट आया।

उसने फर्स्ट एड बॉक्स उठाकर अपनी पत्नी की मरहम-पट्टी की व बैठकर गंभीरतापूर्वक अगले कदम के बारे में सोचने लगा।

❑❑❑

❑❑❑

कन्ट्रोल रूम में जिस वक्त जेनर ने कॉल किया था, अटैन्डिंग सीट पर शेरिफ रोज बैठा हुआ था। वह पहली ही आवाज में जान चुका था कि उसका सीनियर अफसर एक गहन संकट में फंसा हुआ है। वह उसकी घबराई हुई आवाज से ही यह अंदाजा लगा चुका था कि कुछ-न-कुछ गड़बड़ उसके साथ जरूर है।

जैसे ही मैसेज अधूरा सुना गया उसे पूरा विश्वास हो गया कि उसके सीनियर कार्ल जेनर की जान भी खतरे में हो सकती है। उसने संकेत से एक सार्जेंट को अपने पास बुलाया।

"सार्जेंट!"

"यस सर!"

"फौरन जीप तैयार करो, हमें मिशन पर जाना है।"

"ओ०के० सर!"

यह कहकर सार्जेंट गाड़ी की ओर बढ़ गया। वह गैरेज से जीप निकालकर उनके करीब ले आया। इसी बीच रोज ने अपना जरूरी काम एक-दूसरे शेरिफ को सौंपकर अपना रिवाल्वर चैक किया व गाड़ी की ओर बढ़ गया। अब गाड़ी में रोज सहित पांच जवान थे। रोज ने गाड़ी की ड्राइविंग सीट संभाली व स्टार्ट कर दी।

अगले ही पल गाड़ी अपनी मंजिल की ओर दौड़ने लगी।

अभी वे मुश्किल से आधी ही मंजिल तय कर पाए थे कि उन्हें गाड़ी रोक देनी पड़ी।

रोज को दूर से खतरे की गन्ध महसूस होने लगी थी।

"सर! लगता है, कोई ताजा दुर्घटना है।"

"हां, और देखने में कोई महिला लगती है।"

"कमाल है, इतनी चलने वाली सड़क पर दुर्घटना हुई और कन्ट्रोल रूम को इसकी सूचना तक नहीं है!"

"हो सकता है यह कोई लावारिस लाश हो।"

"नहीं, यह तो कोई भले घर की पढ़ी-लिखी लड़की लगती है।" जीप को एक ओर रोकते हुए कहा।

"आओ देखते हैं, आखिर यह बदनसीब है कौन?"

यह कहकर गाड़ी से वे पांचों नीचे उतर पड़े।

लाश के पास फिलहाल कोई नहीं था। चारों ओर झाड़ियां ही झाड़ियां थीं। रोज ने लाश के पास पहुंचकर देखा उसकी पुतलियां चढ़ी हुई थीं। उसके लिबास से खून बह रहा था।

लाश के पास ही एक बैग पड़ा था, जिसे उस लड़की ने अपनी कोहनी पर लटकाया हुआ था। अभी रोज उसकी तलाशी ही लेना चाहता था कि अचानक फायर की आवाज उभरी। फायर झाड़ियों के पीछे से हुआ था।

जैसे ही रोज ने पीछे देखने के लिए गर्दन घुमाई, उसकी दोनों टांगों के बीच एक जबरदस्त ठोकर पड़ी। वह पीड़ा के कारण बिलबिलाकर रह गया।

उसने ख्वाब में भी न सोचा था कि एक लाश उसके लिए इतनी जल्दी खतरनाक साबित हो सकती है।

"फायर!" अचानक ही लड़की के मुंह से निकला।

उसका आदेश सुनते ही झाड़ियों से गोलियां आने लगीं। लेकिन रोज व उसके साथी जीप की ओट में होकर ही जवाबी कार्रवाई के लिए फायर करते रहे।

लेकिन आश्चर्य इस बात का था कि लगभग पन्द्रह मिनट तक फायर होने के बाद भी झाड़ियों से कोई चीख न उभरी थी। यह इस बात का प्रमाण था कि दुश्मन पूरी तरह चाक-चौबन्द था व सुरक्षित था।

इसी बीच साहस बटोरकर रोज ने उस यौवना पर छलांग लगा दी, लेकिन इस ओर से वह कतई भी लापरवाह न थी, जैसे ही उसने वापिसी में रोज को अपनी ओर आते देखा, वह अपने स्थान से एक ओर को सरक गई। रोज धड़ाम से नीचे गिर पड़ा।

लेकिन अगले ही पल वह संभल गया।

उसने अपने स्थान से एक हाई जम्प ली व वापिसी में एक झाड़ी के दूसरी ओर जा गिरा।

"आ...ऽऽऽह!" अचानक झाड़ी से एक दर्दनाक चीख उभरी। इस बार वह संयोगवश दुश्मन के एक जवान के ऊपर आ गिरा था। गिरते वक्त उसके जूतों में लगे ब्लेड्स बाहर निकल आए थे।

रोज ने जूते का दबाव उसके चेहरे पर बढ़ाया और दबाता ही चला गया।

उसका पूरा चेहरा लहूलुहान हो चुका था। उसके मुंह से चीखें उबलने लगी थीं।

उसने कराटे का वार करके उसे अचेत करके उसकी स्टेनगन उठा ली व अगले ही पल वह उस यौवना की ओर बढ़ा। वह उसे शूट करना ही चाहता था कि अचानक उसे अपना एक साथी हाथ से रुक जाने का संकेत करते हुए पाया।

"यस... !"

"सर! उसे जिन्दा ही पकड़ना है।"

"क्यों? क्या हुआ?"

"जेनर साहब का मैसेज आया है।"

"ओ०के०।"

यह कहकर शेरिफ ने अपने स्थान से एक ओर हाई जम्प ली व वापिसी में उस यौवना पर आ गिरा जोकि कुछ देर पहले ही लाश के रूप में मिली थी।

इस अफरा-तफरी में यौवना के हाथों से रिवाल्वर खिसक गया। अब वह निहत्थी हो चुकी थी, लेकिन उसकी चुस्ती-फुर्ती में अभी भी किसी तरह की कमी न आ सकी थी।

"हैंड्सअप... ।" रोज गुर्राया।

उस यौवना ने नाटकीय ढंग से दोनों हाथ ऊपर उठा दिये।

"बोलो कौन हो तुम?"

"तुम सबकी मौत।"

"शायद अभी तुमने मौत का सिर्फ नाम सुना है, उतने करीब से नहीं देखा है, जितना कि तुम्हें देखना चाहिए था।"

"मौत मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मौत तो हर पल मेरी मुट्ठी में रहती है। मौत के फरिश्ते मुझे दूर से ही सैल्यूट मारते हैं, और कुछ जानना है मौत की तारीफ में?"

"तुमने शायद यह नहीं सोचा होगा कि मौत कितनी दर्दनाक व बेरहम होती है, वह कभी न तो किसी के साथ रियायत बरतती है और न ही कोई समझौता करती है।"

"मैं कभी मौत की परवाह नहीं करती, क्योंकि मौत से खेलना तो मेरा शौक है व साथ ही पेशा भी।"

"ठीक है यदि मौत से गले मिलने का इतना ही शौक है तो मरने के लिए तैयार हो जाओ।"

यह कहकर रोज ने एक झटके के साथ स्टेनगन का फायर बर्स्ट खोल दिया व अगले ही पल—

"रेट... रेट... रेट... ।"

गोलियों की एक बाढ़-सी उस यौवना की ओर लपकी। लेकिन वह जरूरत से ज्यादा होशियार निकली। इससे पहले कि रोज की गन से निकली एक भी गोली उसके मखमली सीने को छलनी कर पाती, उसने अपने स्थान से एक जम्प ली व वापिसी में झाड़ियों के पीछे जा छिपी।

इस बीच झाड़ियों में छिपे उसके साथी भी बाहर निकल आए। अब वह खुद को सुरक्षित महसूस कर रही थी।

उसे पूरी उम्मीद थी कि अब उस तक पहुंचने के लिए उसके कमाण्डोज की लाशों पर से गुजरकर ही वहां तक जाना होगा।

इसी बीच उसने अपने तमाम साथियों को संकेत से अपने पास बुलाया व कुछ काना-फूसी की। उसकी बातों को कोई दूसरा नहीं

सुन सकता था।

उसके साथियों ने अपनी गनें जमीन पर रखीं व गाड़ी में जा बैठे। अब वहां शेरिफ रोज सिर्फ अकेला था।

अगले ही पल जीप स्टार्ट हुई व वापिस लौट गयी।

झाड़ियों में छिपे दुश्मन ने सोचा कि या तो बला टल चुकी है अथवा गाड़ी में तेल की कमी है ये लोग जरूर कुछ देर के लिए कहीं चले गए हैं।

उन्होंने सोचा कि शेरिफ रोज को किडनेप करने के लिए इससे बढ़िया मौका नहीं हो सकता।

रोज को एकान्त में अपने तमाम हथियारों के साथ बैठे देखकर व सभी बाहर निकल आए। उन्होंने आते ही चारों ओर से रोज को घेर लिया।

इसके बाद उन्होंने बारी-बारी से रोज के साथियों के तमाम हथियार उठाकर झाड़ियों की ओर उछाल दिए। उन्हें उठाकर उस यौवना ने सुरक्षित कर दिया।

"हैंड्स अप!" उनमें से एक गुर्राया।

रोज ने उनके आदेश का पालन किया व नाटकीय ढंग से दोनों हाथ ऊपर उठा लिए।

"अब मरने के लिए तैयार हो जाओ।"

"मैं तो कब से तैयार हूं, लेकिन मुझे तो लगता है कि तुम्हें तुम्हारे बॉस ने ट्रेनिंग ही अधूरी दी है, वरना तुम कब का मेरी मौत का जश्न मना चुके होते।"

"दरअसल हम तुम्हें जिन्दा ही पकड़ना चाहते थे।"

"मेरा जिन्दा रहना तुम्हारी सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है, यदि मुझे मार ही डालोगे तो फायदे में रहोगे।"

"अब तो मजबूरी है, हमें तुम्हारी जान लेनी ही होगी।"

"तो लेते क्यों नहीं, हिम्मत जवाब दे रही है या गोलियां नकली हैं?" रोज ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा।

"फायर... ।" उनमें से एक ने कहा।

ऑर्डर मिलते ही गोलियों की बाढ़-सी उमड़ी—

"रेट... रेट... रेट... ।"

और उनकी इस बेवकूफी का परिणाम यह हुआ कि वे अपने ही चार साथियों की जान ले बैठे। क्योंकि जैसे ही उनकी उंगलियों

की पकड़ सख्त हुई रोज ने हवा में एक कलाबाजी खाई व वापिस उस स्थान पर जा पहुंचा जहां कि वह यौवना छिपी हुई थी।

अभी दुश्मन अपने साथियों की नब्जें टटोल ही रहा था कि वापिसी में तूफानी गति से रोज की जीप आई व सबको रौंदती हुई निकल गयी।

अब उस यौवना के बचे-खुचे साथी भी जन्नतपुरम के लिए रवाना हो चुके थे।

उन सबको ठिकाने लगाने के बाद जीप पुनः लौट आई। सभी लोग जीप से नीचे उतरे व झाड़ियों की ओर बढ़ने लगे।

"अब कितने बाकी बचे हैं?" रोज ने अपने साथियों से पूछा।

"सबका सफाया कर दिया सर!"

"वैलडन यंग मैन वैलडन!"

रोज ने अपने एक साथी की पीठ थपथपाते हुए कहा।

इसके बाद रोज उस यौवना की ओर लपका।

"बोल...कौन है तू?"

"म...म...मैं...।"

"क्या बकरी की तरह मिमिया रही है, साफ बता कौन है तू?"

"मैं लोगन साहब की...।"

"जल्दी से बक तू क्या लगती है उसकी?"

"मैं उनके दिल की धड़कन हूं, मेरे बिना वे पल भर भी नहीं रह सकते।"

"क्या रखैल है तू उसकी?"

"नहीं, उसके लिए मैं सबकुछ हूं, वे मुझे जिस रूप में भी देखना व इस्तेमाल करना चाहते हैं मैं उसी रूप में उनके सामने आ जाती हूं।"

"मैंने सुना है तू उसकी सैक्रेटरी है।"

"तुम मुझे उनकी सबकुछ समझ सकते हो।"

"वह फिलहाल कहां है?"

"कुछ नहीं कहा जा सकता।"

"क्यों नहीं कहा जा सकता?"

"क्योंकि अपने मन का राजा है वह, उसका दिल जहां भी पहुंचने का होता है, पहुंच जाता है।"

"तेरी बातों से तो लगता है कि तू उसकी कुछ भी नहीं है,

क्योंकि यदि तू उसकी सबकुछ होती तो तुझे उसके हरेक रहस्य की जानकारी होनी चाहिए थी।"

"क्या तूने मुझे इतनी पागल समझ रखा है कि मैं तुझे अपने बॉस की तमाम बातें बता दूंगी?"

"नहीं बताएगी तो उम्रभर जेल की चक्की पीसेगी। इतनी सख्त सजा दूंगा कि तू ऊपरवाले से हर पल मौत की भीख मांगेगी और मौत तुझे अंगूठा दिखायेगी।"

"मैं तेरी किसी भी गीदड़ भभकी में आने वाली नहीं हूं।"

"ठीक है तो मैं अभी तेरी अक्ल ठिकाने लगाता हूं।"

यह कहकर उसने उसे उठाया व पूरी ताकत से उसके सिर के बालों को जकड़कर इतने जोर से झंझोड़ा कि वह बुरी तरह कराह उठी।

इसी बीच उसे आकाश में किसी हैलीकॉप्टर का शोर सुनाई पड़ा।

उसे एक नए खतरे का एहसास हो चुका था। उसने उस यौवन को कराटे चाप के वार से बेहोश किया व जीप में लिटाकर खुद ड्राइविंग सीट पर जा बैठा। उसने जीप स्टार्ट की व मुख्यालय की ओर बढ़ चला।

❑❑❑

❑❑❑

कार्ल जेनर अपने बेडरूम में एक चेयर पर बैठा हुआ था। उसके पास ही बेड पर उसकी पत्नी स्वीटी लेटी हुई थी। इस वक्त वह अर्द्ध-मूर्च्छा की स्थिति में थी। आज घर पर कोई नौकर वगैरह भी न था।

इसलिए वह अपनी पत्नी को डॉक्टर के पास भी लेकर न जा सका था। उसने फोन पर ही अपने फैमिली डॉक्टर को बुलाया था, लेकिन न जाने क्यों वह अभी तक नहीं आ सका था।

वह उसकी बेताबी से प्रतीक्षा कर रहा था। उसका दिमाग बुरी तरह उलझनों से घिरा हुआ था। अभी वह प्रतीक्षा कर ही रहा था कि दरवाजे पर घण्टी की आवाज उभरी।

जेनर ने एक नजर बेड पर लेटी अपनी पत्नी पर डाली व गेट खोलने के लिए बाहर की ओर लपका।

उसने मेजिक आई से झांककर देखा तो उसे डॉक्टर विल्सन खड़े दिखाई पड़े।

उनको पहचानते ही उसने गेट खोल दिया।

"गुड मार्निंग डॉक्टर!"

"गुड मार्निंग... !"

"काफी लेट आ रहे हो, कहां रह गए थे?"

"दरअसल पड़ौस में एक मर्डर हो गया था, मुझे वहां जाना पड़ गया था।"

"कब हुआ मर्डर?"

"आज सवेरे पांच बजे।"

"क्या नाम था उनका?"

"मिसेज पेंथर व पेंथर।"

"क्या उनकी किसी से दुश्मनी थी?"

"लड़ाई-झगड़े में तो उन बेचारों की कोई रुचि न थी, लेकिन उनके पास अथाह दौलत थी। हो सकता है, अपराधी ने कुछ पाने की इच्छा से ही यह मर्डर किये हों।"

"ठीक है, आइए बैठिए आराम से बैठकर बातें करते हैं।"

अभी भी मिसेज जेनर अर्धमूर्च्छा की स्थिति में थीं।

पहुंचते ही डॉक्टर ने उनकी नब्ज टटोली व माथे की किसी विशेष नस को धीरे से सहलाया। अगले ही पल उसने आंखें खोल दीं।

"प... प... पानी... ।"

"देखो, अब वे होश में आ चुकी हैं। उन्हें थोड़ा पानी दिया जा सकता है।"

यह सुनते ही जेनर ने पानी का गिलास अपनी पत्नी की ओर बढ़ा दिया।

उसने दो-चार घूंट पानी के भरकर गिलास अपने पति को लौटा दिया।

अगले ही पल डॉक्टर ने इन्जैक्शन तैयार किया और उसकी दाईं बाजू में लगा दिया।

"डियर!" स्वीटी ने अपने पति को पुकारा।

"यस डार्लिंग!"

"मेरे सिर पर यह पट्टी कैसी बंधी है?"

"तुम जख्मी हो गयी थीं डार्लिंग?"

"जख्मी, लेकिन कैसे?"

"उसी यौवना के कारनामों के कारण।"

"क्या वही, जो आपको अपने साथ ले जाना चाहती थी?"

"हां डार्लिंग!"

"लेकिन कौन थी वह?"

"वह और कोई नहीं, बल्कि चेट लोगन की सैक्रेटरी थी।"

"क्या चाहती थी वह आपसे?"

"वह मेरा किडनेप करके ले जाना चाहती थी।"

"लेकिन मुझे यह चोट कैसे लगी डियर?"

"जब मैं उसके बारे में कंट्रोल रूम को सूचित कर रहा था, तो उसने मुझे कांच का गुलदस्ता फेंककर जख्मी करना चाहा था, लेकिन इत्तफाक से तुम बीच में आ गईं और बुरी तरह जख्मी हो गईं।"

"चलो अच्छा हुआ यह सब कष्ट भगवान ने मुझे ही दे दिया, यदि आपको कुछ हो जाता तो मैं कहीं की भी न रहती।"

"शायद तुम नहीं जानतीं स्वीटी कि तुम्हें अचानक यह चोट लग जाने से मेरे दिल को कितनी ठेस पहुंची है।"

"अच्छा, मैं चलता हूं।" डॉक्टर ने उठते हुए कहा।

"वैसे इन्हें कोई खास परेशानी तो नहीं होगी?"

"दरअसल इनके दिमाग पर हल्की-सी चोट है, जिसकी वजह से इनकी याद्दाश्त कुछ कमजोर पड़ गई है, दो-चार रोज के उपचार से ये बिल्कुल ठीक हो जायेंगी।"

"कम-से-कम एक कप कॉफी तो ले ही लेते?"

"आज नहीं फिर कभी।"

"ऐसी क्या नाराजगी है डॉक्टर साहब?"

"आज न तो कोई नौकर है और भाभीजी की भी तबियत ठीक नहीं है, जब ये बिल्कुल ठीक हो जायेंगी तो इन्हीं के हाथ की कॉफी पियेंगे।"

"जैसी आपकी मर्जी।"

"अच्छा मैं चलता हूं।"

"बैस्ट ऑफ लक!"

यह सुनते ही डॉक्टर अपनी गाड़ी की ओर बढ़ गया।

❑❑❑
❑❑❑

जैसे ही रोज ने खतरा बढ़ता महसूस किया उसने जीप की गति बढ़ा दी। जीप किसी तोप से छूटे गोले की तरह अपनी मंजिल की ओर दौड़ने लगी।

अभी वह मुश्किल से पांच किमी० ही दौड़ पाई होगी कि सामने उसे खतरा दिखाई दिया। वही हैलीकॉप्टर उसे सामने पड़ने वाली पुलिया के ऊपर उड़ता दिखाई पड़ा। वह उस वक्त इतना नीचे उड़ रहा था कि रोज उसमें बैठे चेट लोगन व उसके पायलेट को आसानी से देखा जा सकता था।

उसने खतरे को भांपकर अपने साथी के कान में कुछ कहा व गाड़ी की गति धीमी कर दी।

अगले ही पल उसके साथी ने उस यौवना को जीप के पिछले गेट से नीचे धकेल दिया। वह लुढ़कती हुई एक किनारे जा लगी।

ठीक तभी हैलीकॉप्टर से एक हथगौला फेंका गया। इसके गिरते ही पुलिया के परखच्चे उड़ गए।

रोज को इस दुघर्टना का पूर्वाभास हो चुका था। अतः उसने बड़ी सावधानी के साथ जीप को मोड़ा व उल्टी दिशा में दौड़ा दी।

हैलीकॉप्टर में सवार दोनों व्यक्ति इस बात को न जान सके थे, कि उन्होंने चलती जीप से लोगन की सैक्रेटरी को नीचे धकेल दिया था।

एक बार फिर हैलीकॉप्टर नीचे उतर आया। उसमें से पायलेट सीट पर बैठा व्यक्ति नीचे उतरा व चहलकदमी करने लगा।

रोज ने इससे पहले ही टकराना ठीक न समझा। वह जीप से उतरकर अनायास ही उसका इंजन चैक करने लगा। वह आदमी धीरे-धीरे रोज की ओर बढ़ा।

उसने पीछे से आकर उसकी पीठ थपथपाई।

"क्या बात है भाई?"

"मुझे गाड़ी में कुछ गड़बड़ लगी थी, इसलिए चैक कर रहा था।"

"यदि ज्यादा गड़बड़ है तो हमारे साथ चलो।"

"मुझे पैदल चलने की आदत नहीं है।"

"हम तुम्हें हैलीकॉप्टर से लेकर चलेंगे।"

"मुझे हवा में उड़ना रास नहीं आता।"

"क्या मरना रास आता है?"

"मौत तो जिन्दगी की सबसे बड़ी सच्चाई है यार, उससे कौन मुंह मोड़ सकता है।"

"लगता है जिन्दगी से मायूस हो चुके हो?"

"जिन्दगी से नहीं मौत के फरिश्तों से।"

"वह कैसे?"

"ऊपरवाला मेरे पास जितने भी मौत के फरिश्ते भेजता है, सब-के-सब अनट्रेण्ड होते हैं, लगता है उनके कोटे में मौत की भी शॉर्टेज चल रही है।"

"लेकिन मैं मौत का फरिश्ता नहीं, साक्षात मौत हूं, झांककर देखो मेरी आंखों में।"

इसके साथ ही उसके हाथों में रिवाल्वर चमक उठा।

"ठीक है, आगे बढ़ो तुम्हारा स्वागत है।" रोज ने एक कुटिल मुस्कान के साथ कहा।

वह आगे बढ़ना ही चाहता था कि रोज की जबरदस्त ठोकर उसके रिवाल्वर वाले हाथ पर पड़ी। रिवाल्वर उसके हाथों से छिटककर दूर जा गिरा।

इसके साथ ही रोज उस व्यक्ति पर बुरी तरह पिल पड़ा। वह अपनी रिवाल्वर उठाने के लिए झुकना ही चाहता था कि उसके कूल्हे पर रोज की एक ठोकर पड़ी।

वह औंधे मुंह सड़क पर गिर पड़ा। उसके मुंह से चीखें उबलने लगी थीं।

इसी बीच रोज का एक घूंसा उसके जबड़े पर पड़ा। उसके मुंह से खून की लकीर बह निकली।

"आऽऽह... आह-आह...।" वह बराबर चीख रहा था, लेकिन रोज पर उसकी चीख-पुकार का कोई असर न हो रहा था।

वह जितनी भी रहम की भीख मांगता, रोज उतनी ही बेरहमी के साथ उसकी धुनाई करता जाता।

अन्त में उसने उसके बाल पकड़कर खड़ा कर दिया।

"ठीक है, अब मरने के लिए तैयार हो जाओ।"

"नहीं... मैं मरने के लिए तैयार नहीं हूं।"

"क्यों? क्या हुआ, मौत से घबराने लगे? कुछ देर पहले तो तू कहता था कि मैं खुद ही मौत हूं, अब मौत की परछाई से भी कांपने लगा?"

"मुझे माफ कर दो, मैं मरना नहीं चाहता।"

"नहीं मेरे शब्दकोष में रहमदिल जैसा कोई शब्द नहीं होता।"

यह कहने के साथ ही रोज ने अपनी जेब से लाइटर निकालकर ऑन कर दिया।

"य...यह क्या करते हो तुम?"

"मैं तुम्हारी चिता सजाने जा रहा हूं।"

"न...न...नहीं...।" उसके मुंह से एक जोरदार चीख उबली।

"क्या आग से इतना डरते हो?"

"यह मेरी जान ले लेगी।"

"मैं इसे कहां जला रहा हूं मैं तो सिर्फ तुम्हारे कपड़े जलाना चाहता हूं। उतारो कपड़े।"

यह सुनते ही उसने कपड़े उतारकर एक ओर फेंक दिये।

"लो जला दो।"

"तुम खुद जलाओ।" यह कहकर उसने लाइटर उसकी ओर बढ़ा दिया। कुछ ही पलों के बाद उसने आदेश का पालन किया व सभी कपड़े जला दिये।

"लाओ लाइटर मुझे दो।" रोज गुर्राया।

उसने लाइटर लौटा दिया। रोज ने लाइटर को मजबूती से थामा व उसकी जांघों के करीब छुआने लगा।

"उफ...आ...ऽऽह आहऽआह...हाय मैं...मैं मरा मुझे मत जलाओ।"

अगले ही पल उसने लाइटर का रुख उसकी आंखों के सामने किया व अगले ही पल पायलेट एक अंधेरी दुनिया में खो गया। वह लहराकर जमीन पर गिर पड़ा।

अपने पायलेट की दुरगति देखकर लोगन ने जमीन पर उतरने की बेवकूफी नहीं की।

जैसे ही हैलीकॉप्टर उसकी आंखों से ओझल हुआ, रोज ने जीप स्टार्ट की व पायलेट को रौंदता हुआ आगे बढ़ गया। पुलिया के पास वह पहुंचा तो उसे अपना साथी बैठा दिखाई पड़ा। उसके पास से वह यौवना गायब थी। उसने उसे गौर से हिलाया-डुलाया तो वह एक ओर को लुढ़क गया। वह मर चुका था।

❑❑❑
❑❑❑

लोगन!

पूरा नाम चेट लोगन! एक ऐसा खूंखार अपराधी, जिसका नाम सुनने मात्र से ही अच्छों-अच्छों की रूह फना होती थी। मियामी के आसपास के इलाके में उसका आतंक इस कदर व्याप्त था कि लोगों के दिन का चैन व रातों की नींद हराम हो चुकी थी।

इस खूंखार अपराधी को पकड़ने के लिए सरकार अपनी ओर से सभी प्रयास कर चुकी थी, लेकिन कोई सफलता न मिल पा रही थी। खुद को तीसमारखां मानने वाले बड़े-बड़े शेरिफ्स उसे पकड़ने के लिए जाते, लेकिन अपनी जान गंवा बैठते।

नतीजा वही, हर दिन का अखबार अपराधों के समाचारों से भरा मिलता।

फिलहाल चेट लोगन फ्लोरिडा के पास रॉकविली में देखा गया था। रॉकविली में उसका होना कार्ल जेनर के लिए एक बहुत बड़ा सिरदर्द बन चुका था।

कार्ल जेनर 35 वर्ष काएक स्वस्थ्य कद-काठी वाला अधिकारी था। यह हैड ऑफ दि हाइवे पेट्रोल था। आज रात भी जेनर अपने तमाम शेरिफ्स की मीटिंग करके देर रात अपने फ्लैट पर लौटा था। अभी वह अपने बैड पर पहुंचा ही था अचानक फोन की घंटी बज उठी।

"स्वीटी...!" जेनर ने अपनी पत्नी की ओर देखते हुए कहा।

"यस डार्लिंग!"

"देखो तो किसका फोन है?"

"अभी देखती हूं डियर!"

यह कहकर स्वीटी ने रिसीवर उठा लिया।

"हैलो...!" स्वीटी ने माउथपीस में कहा।

"जेनर को रिसीवर दो।" एक बेहद खूंखार स्वर उभरा।

"लेकिन आप कौन हैं?"

"तुम्हें जितना कहा गया है, उतना करो।"

"ठीक है, मैं रिसीवर उन्हीं को दे रही हूं।"

"अगले ही पल स्वीटी ने अपनी गोरी हथेली में थमा रिसीवर जेनर की ओर बढ़ा दिया।

"लीजिए आपका फोन है।"

"कौन है... ?"

"यह तो नहीं बताया।"

इसके साथ ही जेनर ने रिसीवर मुंह से लगाया।

"हैलो... !"

"जेनर... !"

"हां, मैं कार्ल जेनर ही बोल रहा हूं, लेकिन तुम कौन हो व इतनी रात गये मुझे क्यों डिस्टर्ब करना चाहते हो?"

"मैं वही हूं, जिसके लिए तुमसे पहले के तमाम अधिकारी बेताब रहे व अन्त में अपनी जान गंवा बैठे।"

"क्या मैं तुम्हें चेट लोगन समझूं... ?"

"तुम्हारा अनुमान बिल्कुल दुरुस्त है।"

"मुझसे तुम आखिर चाहते क्या हो?"

"वही जो हर अपराधी चाहता है।"

"फिर भी कुछ पता तो चले।"

"मैं चाहता हूं कि तुम मुझे भुलाकर अपनी ताकत किसी दूसरे कार्य में लगाओ।"

"यह नहीं हो सकता लोगन।"

"हो क्यों नहीं सकता... होने को तो कुछ भी हो सकता है।"

"मैं अपने देश के प्रति गद्दारी नहीं कर सकता तथा न ही मैं अपने फर्ज से आंखें चुरा सकता हूं।"

"ठीक है, फिर तुम्हारा भी वही हाल होगा, जोकि अब से पहले बहुत-से अधिकारियों का हुआ है।"

"मुझे उसकी परवाह नहीं है।"

"यानि तुम मौत को गले लगाने के लिए तैयार हो?"

"मैं कभी मौत से नहीं घबराता लोगन। मौत से खेलना मेरा शौक है और पेशा भी।"

"ठीक है फिर अंजाम भुगतने के लिए तैयार हो जाओ।"

"लेकिन तुम बोल कहां से रहे हो?"

"तुम्हारे बेहद करीब हूं मैं, लेकिन तुम मुझे नहीं देख सकते।"

"मैं बहुत जल्द ही तुम तक पहुंचकर तुम्हारी जीवन-लीला समाप्त करने वाला हूं।"

"यह अरमान तुम्हारा जीवन भर पूरा नहीं हो पायेगा।"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

जेनर ने रिसीवर को उठाकर क्रेडिल पर रखा व अपनी पत्नी के करीब हो गया।

"कौन था डियर?"

"वही, जिसकी वजह से हमारा पूरा विभाग परेशान है।"

"कुछ नाम तो होगा?"

"चेट लोगन!"

"क्या कहा चेट लोगन?"

"यस डार्लिंग!"

"तब तो हमें कुछ करना होगा डियर!"

"मेरे होते तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है, हम लोग जल्दी ही इस समस्या का कोई-न-कोई समुचित हल खोज लेंगे।"

"वह आपसे क्या कह रहा था डियर?"

"मुझे उसके रास्ते में न आने के लिए कह रहा था।"

"क्या आपने उसकी बात मान ली?"

"ऐसा कभी नहीं हो सकता स्वीटी, जेनर अपनी जान दे सकता है, लेकिन अपने देश के साथ गद्दारी नहीं कर सकता।"

"मुझे आपसे यही उम्मीद थी डियर!"

"अब तुम उसके विषय में सोचकर अपना दिमाग खराब मत करो... आराम से सो जाओ।"

"क्यों आप मेरा साथ नहीं देंगे क्या?"

"मुझे अभी अपने कुछ शेरिफ्स से बात करनी है, मुझे उन्हें कुछ जरूरी निर्देश देने हैं।"

"क्या आपको कहीं बाहर जाना है?"

"नहीं, मुझे अपनी स्टडी रूम में कुछ समय के लिए जाना होगा।"

"चलिए, मैं भी आपके साथ चलती हूं।"

"नहीं, तुम यहीं आराम करो, कुछ देर के लिए मुझे अकेला छोड़ दो। स्वीटी मेरी मजबूरी को समझने की कोशिश करो।"

"इससे आगे स्वीटी ने कुछ भी कहना उचित न समझा। वह मन मारकर बैड पर लेट गयी। जेनर अपने स्टडी रूम की ओर बढ़ गया।

❑❑❑
❑❑❑

शेरिफ रोस अपने बैडरूम में अपनी पत्नी मैरी के साथ किसी दूसरी दुनिया में खोया हुआ था। वे दोनों एक-दूसरे के गिले-शिकवे दूर कर रहे थे।

आज शेरिफ रोस पूरे पन्द्रह दिन बाद अपनी पत्नी से मिल पाया था। वह भी चेट लोगन से फैले आतंक को लेकर ही परेशान था। पन्द्रह दिन से रोज इस कदर परेशान था कि वह अपनी पत्नी के साथ शाम की चाय तक न पी सका था।

अभी उसे लेटे हुए मुश्किल से दस मिनट ही गुजरे होंगे कि अचानक उसके फोन की घंटी बज उठी।

रोस ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"हैलो... !" उसने माउथपीस में कहा।

"जेनर दिस साइड!"

"रोस स्पीकिंग हियर!"

"कहिए क्या हुक्म सर?"

"रोस, वैसे तो मैं तुम्हें इस वक्त डिस्टर्ब नहीं करना चाहता था, लेकिन मजबूरी थी, इसलिए ऐसा करना पड़ रहा है।"

"क्या हुआ सर?"

"अभी-अभी कुछ वक्त पहले मेरे पास एक धमकीभरा फोन आया था, जो कि मुझे अपने रास्ते से हट जाने की सलाह दे रहा था।"

"किसका फोन था सर?"

"चेट लोगन का।"

"क्या कह रहा था सर?"

"उसने कहा कि यदि कोई भी उसके रास्ते में आने की कोशिश करेगा; तो उसका भी वही परिणाम होगा जो कि अन्य अधिकारियों का होगा।"

"यानि वह आपको जान से मार डालने की धमकी दे रहा था।"

"हां रोस।"

"कहिए मेरे लिए क्या हुक्म है सर?"

"मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम्हारे क्षेत्र में ही कहीं छिपा हुआ है। वह मुझे व तुम्हें अपने रास्ते से हटा देना चाहता है।"

"उसकी आप परवाह न करें, मैं सब सम्भाल लूंगा।"

"तुम्हारे लिए एक नेक सलाह है रोस।"

"अपनी पत्नी को किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दो।"

"लेकिन क्यों सर?"

"क्योंकि उसके चले जाने के बाद तुम पूरी तरह निश्चिन्त हो जाओगे।"

"लेकिन सर! मेरा तो यहां कोई ऐसा करीबी रिश्तेदार भी नहीं है।"

"फिर एक काम करते हैं।"

"वह क्या सर?"

"हम दोनों अपनी पत्नियों को कुछ समय के लिए एक सुरक्षित स्थान पर भेज देते हैं।"

"क्या आपकी नजर में कोई ऐसी जगह हो सकती है।"

"हां, एक मेरे मित्र अधिकारी की पत्नी है, जो कि विधवा है... उन्हीं के पास हम इन दोनों को भिजवा देते हैं।"

"जैसी आपकी मर्जी सर, लेकिन यह सब कब तक चलेगा?"

"जब तक कि हम उसे गिरफ्तार करके जेल में नहीं डाल देते अथवा उसे गोली नहीं मार देते।"

"ठीक है सर, मैं ऐसा ही करता हूं।"

"तुम मुझसे कब मिलोगे?"

"आज सवेरे हम दोनों आपसे नाश्ते पर मिलते हैं।"

"ठीक है, मैं तुम्हारा इन्तजार करूंगा।"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया। रोस ने रिसीवर को उठाकर क्रेडिल पर रखा। इसके साथ ही वह अपनी पत्नी की ओर पलटा।

"कौन था डियर?" मैरी ने अपने पति से कहा।

"एक खूंखार अपराधी के विषय में बताया गया था।"

"क्या तुम्हारे विभाग का फोन था?"

"हां डार्लिंग... मेरे अधिकारी का फोन था।"

"क्या कह रहे थे?"

"उन्होंने बताया कि चेट लोगन नाम का कोई अपराधी उनके क्षेत्र में सक्रिय हो चुका है, जिसने उन्हें अपने रास्ते से हटने के लिए कहा है तथा ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी भी दी है।"

"यह मिलिट्री पुलिस की नौकरी भी अजीब सिरदर्द है डियर!" मैरी ने अपने पति के गले में बांहों के हार पहनाते हुए कहा।

"हमारे लिए तो यह सब आम बात है डार्लिंग... हम ऐसी छोटी-मोटी धमकियों से नहीं घबराया करते।"

"इसे आप मामूली धमकी मानते हैं, जबकि इसने हमारी रातों की नींद व दिन का चैन लूटकर रख दिया है। क्या तम देखते नहीं, आज मुझे पूरे 15 दिन बाद मिल रहे हो।"

"तुम तो जानती ही हो कि हम लोगों के लिए पहले अपनी ड्यूटी है, परिवार तो बाद की चीज है"

"डियर न जाने क्यों मेरा तो [illegible] ही दिल घबरा रहा है कि अब हम दोनों की मुलाकात जल्द[illegible] हो सकेगी।"

"ऐसा तुमने कैसे सोच लिया डार्लिंग?"

"यह तो साफ जाहिर है डियर कि जब तुम्हारे उच्च अधिकारी को धमकी दी गई है तो तुम्हें उनकी हिफाजत के लिए कुछ-न-कुछ तो करना ही होगा।"

"ड्यूटी के बारे में सोचना तो मेरा काम है, तुम क्यों अपना दिमाग परेशान करती हो मैरी?"

"मुझे तो लगता है कि अबकी बार तुम उसके पीछे पूरी तरह व्यस्त हो जाओगे और हम दोनों का एक छत के नीचे मिल पाना मुश्किल हो जायेगा।"

"फिलहाल ऐसी कोई खस परेशानी नहीं है डार्लिंग! इस रात का हम भरपूर आनन्द ले सकते हैं।"

"लेकिन उसके लिए आपका सहयोग होना भी जरूरी है डियर!"

"फिलहाल तो मैं तुम्हारे पास ही हूं डार्लिंग!"

"मैं मानती हूं डियर, लेकिन... ।"

"लेकिन क्या डार्लिंग?"

"लेकिन मुझे लगता है कि यहां तुम सिर्फ जिस्मानी तौर पर हाजिर हो, तुम्हारा दिल व दिमाग कहीं और है।"

"ऐसा तुमने कैसे मान लिया मैरी?"

"आखिर मैं तुम्हारी पत्नी हूं, तुम्हारे साथ 15 वर्ष गुजार कर यह तो समझ ही गयी हूं कि तुम मुझसे कब व क्या चाहते हो, मेरे लिए कितना करते हो?"

"क्या तुम्हें मेरे प्यार पर कुछ शक है मैरी?"

"मैंने ऐसा तो नहीं कहा डियर!"

"फिर तुम मुझसे कुछ खिंची-खिंची-सी क्यों रहती हो?"

"डियर, मैं अपने लिए नहीं, बल्कि आपके बारे में सोच-सोचकर परेशान हूं।"

"क्या सोचती हो मेरे बारे में?"

"यही कि तुम जब भी मुझसे मिलने की कोशिश करते हो, मुझे खुश रखने की हर सम्भव कोशिश करते हो, लेकिन कभी भी ऐसा कुछ नहीं करते, जिससे तुम्हें हार्दिक सुख मिले। मेरी खुशी के लिए तुम अपनी अधिकांश इच्छाओं को दबा लेते हो।"

"मेरी दूसरों की खुशी में ही अपनी खुशियां निहित होती हैं।"

"जब भी आप मेरे साथ बिस्तर पर होते हैं, ऐसा लगता है कि आप मन ही मन किसी बड़ी योजना पर विचार कर रहे हैं।"

"तुम्हारा अनुमान ठीक है मैरी, लेकिन मेरी कुछ विवशता है जिससे मुझे समझौता करना पड़ता है।"

"कुछ मुझे भी तो पता लगना चाहिए।"

"मैं उसी चेट लोगन को लेकर परेशान हूं डार्लिंग!"

"अब आपने उसके बारे में क्या सोचा है डियर?"

"सबसे पहले मैं तुम्हें एक ऐसे सुरक्षित स्थान पर भेज देना चाहता हूं, जहां कि तुम्हें कोई खतरा न हो सके।"

"यानि वही सब होने जा रहा है, जिसकी मुझे आशंका थी?"

"मजबूरी है मैरी, वरना मैं तो तुम्हें खुद से पलभर के लिए भी जुदा नहीं करना चाहता।"

"ऐसी क्या मजबूरी है डियर, जो हमें फिर एक लम्बे समय के लिए जुदा होना पड़ेगा?"

"डार्लिंग, यह तो तुम जानती ही हो कि हमारा काम अधिकांश बाहर रहने का ही है।"

"हां, इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता।"

"मेरी अनुपस्थिति में कभी भी वह क्रूरतम हत्यारा यहां आकर सब कुछ पलभर में तहस-नहस कर सकता है।"

"तब तुमने क्या सोचा है?"

"मैं आज सवेरे ही तुम्हें व अपने अधिकारी की पत्नी को एक सुरक्षित स्थान पर छोड़ देता हूं।"

"लेकिन कहां डियर?"

"जेनर के एक दोस्त की विधवा पत्नी के पास।"

"क्या वहां हम सुरक्षित रह सकेंगी?"

"बेशक!"

"लेकिन तुमसे हमारी मुलाकात कब होगी?"

"जल्द ही, जब कि हम चेट लोगन को गिरफ्तार करने या गोली मारने में कामयाब हो जायेंगे।"

"ठीक है, जैसा आप उचित समझें करना, मुझे कोई परेशानी नहीं है, बस मुझसे बीच-बीच में मिलते जरूर रहना।"

"उसकी तुम परवाह न करो डार्लिंग!"

इसके बाद मैरी ने कुछ भी कहना उचित न समझा। वे दोनों एक-दूसरे को बाहुपाश में लिए नींद के आगोश में समा गए।

❑❑❑

❑❑❑

न जाने मैरी व रोस कब तक यूं ही नींद के आगोश में समाये पड़े रहते, यदि द्वार पर पड़ने वाली दस्तक ने उन्हें जगा न दिया होता।

द्वार पर दस्तक पड़ते ही मैरी की आंख खुल गयी। उसने अपने पति को धीरे से जगाया।

"क्या बात है मैरी?"

"लगता है, कोई दरवाजे पर है डियर!"

"तुम यहीं ठहरो, मैं चलकर देखता हूं।"

यह कहकर वह बिस्तर से उठा व अपनी पोशाक की ओर लपका। अपनी पोशाक दुरुस्त करके रोस गेट की ओर बढ़ा व गेट खोल दिया।

गेट खुलते ही एक बूढ़े नौकर से उसकी आंखें चार हुईं।

"न...नमस्ते साहिब!"

"नमस्ते...कहिए किससे मिलना है?"

"स...साहिब आप ही से।"

"कहिए क्या बात है?"

"साहिब, मैं आपके करीब ही रहने वाले मिस्टर फ्रेडरिक का नौकर हूं।"

"इस वक्त तुम इतना घबराये हुए क्यों हो?"

"क्योंकि मेरे ही सामने कोई मेरे मालिक व मालकिन की हत्या कर गया है।"

"तब तुम कहां थे?"

"मैं बाथरूम में था, आया तो पता चला कि दोनों के सिर पर भारी जख्म थे तथा वे अन्तिम सांसें ले रहे थे।"

"तुम्हारा हाउस नम्बर?"

"माउण्ट एवेन्यू 345!"

"ठीक है, तुम अपने घर जाओ, मैं अभी पहुंचता हूं।"

"साहिब मुझे खतरा है कि वह आदमी कहीं फिर लौट आया तो मेरा जीना मुहाल कर देगा।"

"तुम घबराओ नहीं, मैं अभी वहां एम्बूलेंस के साथ पहुंच रहा हूं।"

"न...नहीं साहिब मेरी हिम्मत वहां अकेले पहुंचने की नहीं है, यदि वह लौट आया तो मेरी जान की खैरियत नहीं है।"

"अच्छा, ठीक है। तुम यहीं बैठो, जब तक मैं एम्बूलैंस मंगाता हूं।" इसके बाद रोस ने स्थानीय चिकित्सालय से फोन पर सम्पर्क किया।

कुछ देर बाद एक एम्बूलैंस उसके घर के दरवाजे पर आ लगी। वह दरवाजे पर गाड़ी का हॉर्न सुनते ही खड़ा हो गया—'आओ चलें, एम्बूलैंस आ चुकी है।"

"क्या हुआ सर?" ड्राइवर ने गाड़ी से उतरते हुए पूछा।

"एक विला के पास माउण्ट एवेन्यू 345 में मर्डर हो गया है।"

"वह तो मिस्टर फ्रेडरिक का मकान है।"

"हां, उन्हीं के परिवार की हत्या कर दी गई है।"

"बड़ी दुःखद सूचना है सर!" ड्राइवर ने उदास भाव से कहा।

"जल्दी से गाड़ी टर्न करो ड्राइवर!" रोस का आदेशात्मक स्वर उभरा।

इसके साथ ही ड्राइवर ने गाड़ी की ड्राइविंग सीट सम्भाली व गाड़ी बैक करके मोड़ने लगा।

"आइए सर!"

"हम लोग तो अपनी जीप से चलेंगे, तुम्हारी गाड़ी हमारे पीछे रहेगी।"

"ओ०के० सर!"

इसके साथ ही रोस ने नौकर की ओर संकेत किया कि वह भी जीप में चलकर बैठे।

रोस का संकेत पाते ही फ्रेडरिक का नौकर जीप में जा बैठा।

उसके बैठते ही रोस ने जीप स्टार्ट कर दी। एम्बूलेंस भी उसके पीछे-पीछे चलने लगी।

❑❑❑
❑❑❑

जेनर व स्वीटी अभी-अभी नींद से जागे ही थे कि उनके बैडरूम के दरवाजे पर धीरे से दस्तक पड़ी।

"स्वीटी... !"

"यस डार्लिंग!"

"देखो तो गेट पर कौन है?"

"पोर्शिया बैड-टी लाई होगी"

"फिर भी देखो तो?"

"अभी देखती हूं डियर!"

यह कहकर वह अपनी पोशाक की ओर लपकी। जेनर ने एक कम्बल में खुद को छिपा लिया।

"कौन... ?" स्वीटी ने गेट के पास जाकर कहा।

"बैड-टी मैडम!"

"अभी खोलती हूं।"

यह कहकर स्वीटी ने गेट खोल दिया।

"गुड मॉर्निंग मैडम!"

"गुड मॉर्निंग पोर्शिया!"

"साहब जग चुके हैं न?"

"हां पोर्शिया, लेकिन क्या बात थी, कुछ पैसे वगैरह चाहिए थे क्या?"

"नहीं, मैडम, ऐसी कोई बात नहीं थी।"

"फिर?"

"दरसअल, बात यह है कि जब आप लोग बैडरूम में जा चुके थे, तो मिस्टर फ्रेडरिक का एक घरेलू नौकर आया था, वह साहब को पूछ रहा था।"

"कोई खास काम था क्या?"

"यह तो मैंने नहीं पूछा, लेकिन वह बहुत घबराया हुआ लग रहा था, उसकी आंखें भय एवं विस्मय में डूबी हुई जान पड़ती थीं।"

"तुमने क्या कहा उसे?"

"मैंने उससे कहा कि यह हमारे साहब से मिलने का वक्त नहीं

है। इस वक्त वे आराम कर रहे हैं, यदि कोई जरूरी मैसेज है तो बोलो मैं सवेरा होने पर उन्हें बता दूंगी।"

"तब उसने क्या कहा?"

"काम बेहद जरूरी है, लेकिन उन्हीं से मुझे मदद मिल सकती है, इस वक्त मेरी कुछ समझ नहीं आता कि क्या करूं व कहां जाऊं?"

"उसके बाद तुमने क्या किया?"

"वह मेरी बात सुनकर कुछ न बोला, विवश होकर वह एक ओर को चल पड़ा। उसके जाते ही मैंने भी गेट बन्द कर दिया।"

"यह लगभग कितने बजे की घटना है?"

"रात दो बजे की।"

"जब साहब इस बात को सुनेंगे तो काफी नाराज होंगे।"

"क्या मैंने कुछ गलत किया है मैडम?"

"तुमने अपनी समझ में तो ठीक ही किया है, लेकिन मेरा दिल कहता है कि तुमने यह ठीक नहीं किया, क्योंकि एक जरूरतमंद व्यक्ति हमारे दरवाजे से निराश लौट गया। उसे निश्चय ही हमारी मदद की जरूरत थी।"

"मैडम, सोचा तो मैंने भी यही था कि साहब को जगा दूं, लेकिन इस डर के कारण कुछ न कर सकी थी कि कहीं साहब नाराज न हो जायें।"

"तुम अभी नयी-नयी आई हो, तुम नहीं जानतीं कि हमारे साहब कितने रहमदिल व उदार अफसर हैं।"

"मेरे लिए कोई हुक्म मैडम?"

"नहीं, जाओ अपना काम करो, मैं साहब को अपने ढंग से समझा दूंगी।"

यह कहकर स्वीटी ने जेनर के हाथों से चाय की ट्रे ले ली। इसके साथ ही पोर्शिया अपनी कोठरी में लौट गयी।

स्वीटी चाय की ट्रे लेकर अपने पति के पास पहुंची।

"बड़ी देर लगा दी डार्लिंग, आखिर किस टॉपिक पर बातें हो रही थीं इतना घुट-घुटकर।"

"बात भी बात दूंगी डियर, आओ पहले बैड-टी सिप करते हैं।" स्वीटी ने चाय की ट्रे को मेज पर टिकाते हुए कहा।

अगले ही पल वे दोनों चाय सिप करने लगे।

चाय पीने के बाद दोनों ने खाली कप ट्रे के हवाले कर दिये।

"स्वीटी डार्लिंग!"

"यस डियर... !"

"अब तो बताओ वह क्या बात थी, जो तुम पोर्शिया से कर रही थीं।" कार्ल जेनर ने अपनी पत्नी से उत्सुकतावश कहा।

"रात कोई आपसे मिलने आया था।"

"रात... लेकिन कितने बजे?"

"लगभग दो बजे का वक्त रहा होगा।"

"क्या तुम्हारी उससे बातें हुईं?"

"मैं तो उस वक्त आपकी बांहों की गिरफ्त में थी डियर, आपको नाराज करके मैं किसी से भला कैसे मिल सकती थी।"

"फिर कैसे पता चला कि कोई मुझसे मिलना चाहता था?"

"कोई मेन गेट पर आया था, पोर्शिया से मिलकर बाहर से बाहर ही चला गया।"

"लेकिन जब वह इतनी रात में चलकर एक इतने बड़े अधिकारी से मिलने का साहस कर रहा था, तो उसका उद्देश्य भी खास ही रहा होगा।"

"इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता डियर!"

"लेकिन उसने अपना कुछ परिचय तो दिया ही होगा, यह भी सम्भव है कि उसने अपने आने का उद्देश्य भी बताया हो।"

"उसने पोर्शिया को बताया था कि वह साहब से एक जरूरी काम से मिलना चाहते हैं, जिसमें साहब ही उसकी मदद कर सकते हैं।"

"लेकिन वह रहता कहां था?"

"वह मिस्टर फ्रेडरिक का नौकर था।"

"यानि उसने आने का उद्देश्य स्पष्ट नहीं किया?"

"वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि उसके मुख से शब्द भी न बोले जा रहे थे। वह इतनी बुरी तरह घबराया हुआ था कि उसमें ठीक से सोचने-समझने अथवा अपनी बात को कह पाने की शक्ति भी जवाब दे चुकी थी।"

"फिर वह कहां गया?"

"पोर्शिया ने जब उससे कहा कि यहां साहब बैड पर जा चुके हैं, तो वह पूरी तरह निराश हो गया और तेज-तेज कदमों से आगे बढ़ गया।"

"ठीक है, मैं पहले फ्रेडरिक के घर फोन करके देखता हूं।"

"क्या आपके पास उसका फोन नम्बर है?"

"हां, मेरे पास पूरे गांव के किसानों के फोन नम्बर हैं।"

"ठीक है, आप फोन पर मालूम करके देखिये, मैं तब तक फ्रेश होकर आती हूं।" यह कहकर स्वीटी बाथरूम की ओर बढ़ गई।

उसके जाने के बाद जेनर ने अपनी डायरी निकाली व फ्रेडरिक का फोन नम्बर देखा। अगले ही पल उसने फोन पर नम्बर डायल किये व आवाज सुनने लगा।

दूसरी ओर बैल जा रही थी, लेकिन काफी देर इन्तजार करने के बाद भी कोई फोन न उठा सका था। यह देखकर कार्ल जेनर को किसी अनहोनी घटना की आशंका सताने लगी। उसका मन बार-बार यही सोचने पर विवश हो रहा था कि फ्रेडरिक के निवास पर कोई-न-कोई गड़बड़ जरूर थी।

कुछ देर बाद स्वीटी भी फ्रैश होकर आ गई।

"क्या बात है डियर, अभी दूसरी ओर से बात नहीं हो सकी क्या?"

"बैल तो जा रही है, लेकिन कोई फोन ही नहीं उठा रहा।"

"हो सकता है कि घर के लोग अभी सोये पड़े हों।"

"लेकिन अब तक तो उन्हें जाग ही जाना चाहिए, पूरे 15 मिनट से बैल जा रही है।"

"यह भी हो सकता है कि वे दोनों मॉर्निंग वाक पर निकल गए हों।"

"मुझे तो लगता है, वहां निश्चय ही कोई गड़बड़ है। उसका नौकर इतनी रात गये अकारण ही यहां नहीं आ सकता।"

"फिर एक काम करो डियर!"

"बोलो स्वीटी!"

"आसपास के किसी और मकान मालिक के पास फोन करके मालूम कर लो कि मिस्टर फ्रेडरिक व उनका परिवार कैसा है?"

"पहले मैं शेरिफ रोस के पास फोन करके देखता हूं।"

"लेकिन रोस का मकान तो फ्रेडरिक के मकान से काफी दूर है। वह उसके बारे में क्या बता सकता है?"

"तुम्हारी बात भी अपनी जगह ठीक है स्वीटी, लेकिन उसके नौकर के साथ जो परेशानी थी, उसमें वह सिर्फ पुलिस की मदद चाहता

था। हो सकता है कि वह मुझे न पाकर मदद पाने के लिए किसी दूसरे शेरिफ के पास जाये।"

"इस बात की तो सम्भावना की जा सकती है डियर!"

"तुम तो जानती ही हो डार्लिंग कि यहां सबसे करीब शेरिफ रोज का ही क्वार्टर पड़ता है अतः मुझे पूरी उम्मीद है कि वह पुलिस की मदद पाने के लिए वहां जरूर पहुंचा होगा।"

"एक बात की सम्भावना और भी की जा सकती है डियर!"

"किस बात की?"

"वह इस बात की कि वह शेरिफ रोस के सामने अपनी समस्या खुलकर बयान कर सकता है। उसे कोई संकोच न होगा।"

"हां, इस बात का तो मुझे भी पक्का भरोसा है।" जेनर ने अपनी पत्नी की बात का समर्थन करते हुए कहा।

"ठीक है, आप रोस को ही फोन कीजिए।"

यह सुनकर जेनर ने फोन पर रोस के नम्बर डायल किये व दूसरी ओर से आवाज की प्रतीक्षा करने लगा।

"हैलो...!" दूसरी ओर से एक महिला का स्वर उभरा।

"कार्ल जेनर दिस साइड।"

"मिसेज रोस स्पीकिंग हियर!"

"क्या आप शेरिफ रोस से बात करा सकती हैं?"

"सॉरी सर! वे तो फिलहाल यहां नहीं हैं, मेरे लायक कोई सेवा हो तो कहिए...।"

"क्या आप बता सकती हैं कि वे यहां से कब से गायब हैं?"

"यही कोई दो-सवा दो बजे का वक्त होगा।"

"लेकिन कुछ कहकर गये थे क्या"

"दरअसल बात यह थी कि रात लगभग दो बजे उनके पास एक आदमी आया था, जो कि खुद मिस्टर फ्रेडरिक का नौकर बताता था।"

"क्या रोस उसी के साथ गए हैं?"

"जी आपका अनुमान बिल्कुल दुरुस्त है।"

"आने वाले ने और भी कुछ बताया था क्या?"

"जी, उसने आते ही घबराहटपूर्ण स्वर में बताया कि किसी ने उसके मालिक व मालकिन की हत्या कर दी है।"

"लेकिन जाने से पहले वह कम से कम मुझे तो सूचना दे सकते

थे।"

"शायद वह जल्दबाजी में ऐसा करना भूल गए थे।"

"वहां जाने के बाद उनका कोई फोन आया या नहीं?"

"अभी तो नहीं आया सर!"

"ठीक है, यदि उसका फोन आये तो कहना कि जेनर से फोन पर बात कर लें।"

"मैं उन्हें याद करके बता दूंगी।"

"धन्यवाद!"

इसके साथ ही जेनर ने फोन डिस्कनेक्ट कर दिया।

"कुछ पता चला डियर?" स्वीटी अपने पति की ओर देखती हुई बोली।

"हां डार्लिंग, वह रोस के पास भी गया था।"

"फ्रेडरिक व उसका परिवार अब कैसा है?"

"फ्रेडरिक व उनकी पत्नी दोनों का किसी ने मर्डर कर दिया है।"

"ओ माई गॉड! यह तो बहुत दुःखद समाचार है।"

"स्वीटी!"

"यस डियर!"

"मुझे फौरन वहां पहुंचना होगा।"

"लेकिन आप ब्रेकफास्ट तो लेते जाइए, न जाने कब लौटना होगा?"

"तुम मेरी ड्रेस तैयार कराओ, तब तक मैं फ्रेश होकर आता हूं।"

यह कहकर वह बाथरूम की ओर मुड़ गया।

उसके जाते ही स्वीटी ने पास ही बैड में लगे एक स्विच को दबाया। घंटी की आवाज सुनकर पोर्शिया ड्राइंगरूम की ओर लपकी।

"यस मैडम!"

"ब्रेकफास्ट में क्या देरी है पोर्शिया?"

"तैयार है मैडम, मैं तो साहब के लौटने की ही प्रतीक्षा कर रही थी कि वे फ्रेश होकर बाहर निकलें तो ब्रेकफास्ट ड्राइंगरूम की टेबल पर सजा दूं।"

"अच्छा, पहले एक काम करो पोर्शिया!"

"कहिए मैडम!"

"साहब की यूनीफार्म सेफ में रखी होगी, जरा निकालकर ले आओ।"

यह कहकर स्वीटी ने उसकी ओर चाबियों का गुच्छा बढ़ा दिया। गुच्छा लेकर पोर्शिया सेफ की ओर बढ़ गयी। कुछ देर बाद जब वह लौटी तो उसके हाथों जेनर की यूनिफार्म थी।

उसने यूनिफार्म को एक ओर रखा व किचन की ओर मुड़ गयी।

इसी बीच जेनर फ्रेश होकर बाथरूम से निकल आया। उसने आते ही अपनी पोशाक बदली, जूते पहने व हल्का-सा मेकअप करने के बाद ड्राइंगरूम की ओर बढ़ गए।

अभी वह स्वीटी के साथ बैठकर नाश्ते की इन्तजार कर ही रहा था कि सामने से पोर्शिया आती दिखाई पड़ी। उसके हाथों में नाश्ते की ट्रे थी। उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया व चलने के लिए तैयार हो गई।

उसने जाने के लिए कदम बढ़ाया ही था कि अचानक जेनर ने उसे टोक दिया—"पोर्शिया...!"

"यस सर!"

"रात हमारे बैडरूम में चले जाने के बाद कोई तुमसे मिला था?"

"जी...?"

"कौन था वह?"

"खुद को मिस्टर फ्रेडरिक का नौकर बताता था।"

"तुमने उससे उसके आने की वजह पूछी थी?"

"जी, लेकिन वह सिर्फ आपसे मिलना चाहता था, शायद उसे आपसे तत्काल मदद की आशा थी।"

"लेकिन तुम्हारे कारण उसे यहां से निराश होकर लौटना पड़ा।"

"सर, मुझे डर था कि उससे मिलकर आप कहीं नाराज न हो जायें, क्योंकि वह आपके आराम करने का वक्त था।"

"पोर्शिया! हमारे लिए पहले अपनी ड्यूटी है, बैडरूम व नींद का आनन्द तो बाद की बातें होती हैं।"

"उस आदमी को देखकर तुम्हें कैसे लग रहा था?"

"मानो उसने साक्षात् मौत के देवता को देख लिया हो। उसकी आंखें भय के मारे फटी जा रही थीं, उसके पैरों में जूते तक नहीं

थे। लगता है, वह किसी तरह वहां से अपनी जान बचाकर भागा है।"

"भविष्य में ध्यान रखना पोर्शिया, यदि ऐसी कोई बात होती है तो हमें अवश्य सूचित कर दिया करो।"

"ठीक है सर, मैं भविष्य में आपको शिकायत का कोई मौका न दूंगी।"

"मुझसे तुमसे यही उम्मीद थी पोर्शिया!" जेनर ने पोर्शिया की ओर देखते हुए कहा—"जाओ अब निश्चिंत होकर अपना काम करो।"

यह सुनकर पोर्शिया किचन की ओर मुड़ गयी।

उसके जाने के बाद स्वीटी व जेनर दोनों ही नाश्ता करने लगे।

नाश्ता करने के बाद वह उठ खड़ा हुआ। उसने अपनी रिवाल्वर को चैक किया व कमरे से बाहर की ओर लपका। घर से निकलते वक्त न जाने उसे क्या सूझा...वह पलभर के लिए भीतर गया और अपनी पत्नी की ओर बढ़ गया।

"क्या हुआ...कुछ भूल गए क्या?"

"हां, एक जरूरी काम।"

"व्हाट?"

इसके साथ ही उसने स्वीटी के अरुणिम कपोलों की ओर अपने होंठ बढ़ा दिये।

स्वीटी ने एक मुस्कान के साथ उसे विदा किया।

घर से बाहर आकर वह जीप की ओर मुड़ गया। उसने जीप की ड्राइविंग सम्भाली व अपने ऑफिस की ओर चल पड़ा।

❑❑❑
❑❑❑

शेरिफ रोस ने फ्रेडरिक के घर के पास पहुंचते ही गाड़ी रोक दी। गाड़ी रुकते ही नौकर कूदकर नीचे उतर आया। मिलिट्री पुलिस की गाड़ी को देखकर आजकल के कुछ लोग भी वहां जमा हो गए।

शेरिफ रोस नीचे उतर कर फ्रेडरिक के मकान की ओर बढ़ा। वह नौकर के साथ उस घर में प्रविष्ट हो गया।

जैसे ही रोस ने फ्रेडरिक के बैडरूम में कदम रखा, उसके आश्चर्य की सीमा न रही। इसका एकमात्र कारण यह था कि टेलीफोन को इस लायक न छोड़ा गया था कि उस पर कोई सन्देश आ सके या

कोई नम्बर डायल हो सके।

उसने गौर से फ्रेडरिक के शरीर का जायजा लिया। उसके सिर पर किसी कुल्हाड़ी जैसी धारदार चीज से वार किया गया था। पास ही उसके सिर से बहने वाला खून इकट्ठा हो गया था। इसके अलावा पूरे शरीर पर कहीं भी चोटों के चिन्ह न थे।

उसको देखने के बाद शेरिफ रोस फ्रेडरिक की पत्नी के कमरे में गया। उसने उसे भी उसी तरह बेरहमी के साथ कत्ल किया हुआ पाया। उसके सिर पर ठीक वैसा ही जख्म बना हुआ था।

गोर से देखने पर उसे महसूस हुआ कि मिसेज फ्रेडरिक को कत्ल करने से पूर्व उसके साथ हत्यारे ने बलात्कार भी किया था। जगह-जगह से उसका नाइट गाउन भी फटा हुआ था।

इसके बाद शेरिफ रोस ने फ्रेडरिक के नौकर को साथ लेकर मकान के अन्य हिस्सों का निरीक्षण किया, लेकिन वहां उसे न तो अपराधी ही मिला और न ही वह कोई ऐसा सबूत छोड़कर गया था, जिसके आधार पर उस तक पहुंचा जा सके।

यहां बारीकी से निरीक्षण करने के बाद वह अपनी गाड़ी की ओर पलटा। उसने आते ही पुलिस पेट्रोल रेडियो से सम्पर्क बनाना चाहा, लेकिन जब उसने यह देखा कि रेडियो के सभी तार काट दिए गए हैं तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। कुछ देर पहले जो लोग उसकी गाड़ी के इर्द-गिर्द नजर आ रहे थे, अब उनमें से कोई भी वहां न था। आस-पास के लोगों से पूछताछ करने पर भी कोई लाभ न हो सका।

अन्त में उसने सोचा कि यहां वक्त खराब करने से कोई लाभ न होगा। अतः वापिस चलना चाहिए, लेकिन जैसे ही उसने गाड़ी स्टार्ट करनी चाही, उसे कामयाबी न मिल सकी।

बाद में उसे पता चला कि क्रूरतम हत्यारा जीप के साथ भी छेड़छाड़ करने से बाज न आया था।

वह किंकर्त्तव्यविमूढ़ होकर कुछ सोचने लगा। उसने सोचा कि पैदल ही वापिस पहुंचा जाये। वह चलने के लिए सोच ही रहा था कि तभी जोर-जोर से बारिश होने लगी।

रास्ता इस लायक नहीं था कि उस पर पैदल भी चला जा सके।

अभी वापसी के बारे में शेरिफ रोस कुछ सोच ही रहा था कि उसे पास ही कहीं से फायरिंग की आवाज सुनायी पड़ी। उसकी कुछ

समझ में नहीं आया कि आखिर इस सबका क्या मकसद हो सकता था।

कहीं ऐसा तो नहीं कि हत्यारा आसपास ही कहीं छिपा हुआ हो और वह उसका ध्यान आकर्षित करने के लिए ही ऐसा कर रहा हो।

ठीक तभी बायीं ओर एक जीप की रोशनी उभरी। वह फायर की आवाज की दिशा से एकदम विपरीत दशा में थी। धीरे-धीरे रोशनी उसकी ओर बढ़ने लगी।

उसे बार-बार एक ही बात की आशंका हो रही थी कि कहीं ऐसा तो नहीं कि हत्यारा पुनः लौट आया हो, लेकिन उसकी आशंका मात्र उसका वहम ही था।

देखते-देखते जीप उसकी जीप के पास आकर रुक गयी।

रुकते ही जीप से कार्ल जेनर व उसके साथ 5 सार्जेन्ट निकले।

शेरिफ रोस ने जेनर को देखते ही जोरदार सैल्यूट मारा।

सैल्यूट का उत्तर देने के बाद जेनर रोस से मुखातिब हुआ।

"तुम यहां कब आये रोस?"

"लगभग चार घंटे पहले।"

"लेकिन तब से तुम यहां कर क्या रहे हो?"

"करना तो बहुत कुछ चाहता था सर, लेकिन... ।"

"लेकिन क्या रोस?"

"मैं मजबूर हो गया सर!"

"मजबूर, लेकिन किस बात से?"

"हत्यारा बेहद चालाक निकला।"

"सीधा-सादा आदमी ऐसा दुःसाहसपूर्ण कार्य क्यों करने लगा?"

"सर जैसे ही मैं ऊपर कमरे में पहुंचा, मेरी पेट्रोल कार की रेडियो को डिस्कनेक्ट कर दिया। सिर्फ इतना ही नहीं, उसने गाड़ी की मशीनरी से छेड़छाड़ करके उसे इस हालत में पहुंचा दिया है कि मैकेनिक भी एक बार को उलझकर रह जायेगा।"

"ठीक है, पहले हम उस कमरे का निरीक्षण करते हैं, जिसमें फ्रेडरिक सोते थे।"

"चलिए सर, लेकिन गाड़ी को अकेले मत छोड़िएगा।"

"क्या अभी भी तुम्हें उम्मीद है कि हत्यारा यहीं-कहीं छुपा हुआ

है।"

"ऐसा हो सकता है सर, क्योंकि आपके आने से पूर्व दायीं ओर मैंने फायर की आवाज सुनी थी।"

"ठीक है, यहां मैं दो जवानों को छोड़ देता हूं।"

"हां, ऐसा सही रहेगा।"

यह कहकर रोस कार्ल जेनर को लेकर उस कमरे में जा पहुंचा, जहां कि फ्रेडरिक की डैडबॉडी पड़ी थी।

जैसे ही जेनर ने कमरे में प्रवेश किया, एक तेज बदबू का झोंका उनके नथुनों से टकराया। दोनों रूमाल नाक पर रखकर उस जगह पहुंचे, जहां फ्रेडरिक की डैडबॉडी पड़ी थी।

जेनर ने बड़े गौर से लाश को देखा व अपनी डायरी में कुछ नोट करने लगा। फ्रेडरिक की खोपड़ी में बना जख्म इतना गहरा था कि उसे देखकर ही उबकाई आती थी।

जेनर व रोस खुद को बड़ी मुश्किल में सम्भाल रहे थे। उस कमरे में कुछ देर ठहरकर मिसेज फ्रेडरिक के कक्ष की ओर बढ़ गए।

उन्होंने वहां पहुंचकर मिसेज फ्रेडरिक की लाश को गौर से देखा। दोनों की हत्या का ढंग बिल्कुल एक जैसा था। फर्क सिर्फ इतना ही था कि मिसेज फ्रेडरिक की हत्या से पूर्व उसके साथ हत्यारे ने बलात्कार भी किया था।

वे दोनों आवश्यक निरीक्षण करके अभी बाहर निकले ही थे कि अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ। देखते-ही-देखते दोनों कमरों की छतें उड़ गयीं।

यह देखकर वे दोनों सीढ़ियों से नीचे की ओर लपके।

"क्या हुआ सर?" जीप के ड्राइवर ने पूछा।

"लगता है, किसी ने रिमोट द्वारा ब्लास्ट करके हमारे साथ-साथ डैडबॉडी को भी खत्म करने की योजना बना डाली थी। वह तो हमारा वक्त ही अच्छा था कि हम कमरे की छत को उड़ाने से पहले ही बाहर निकल आये, वरना न जाने हमारा क्या अंजाम होता।"

"सर... हमें तो लगता है कि अपराधी यहीं-कहीं छिपा होना चाहिए, वह रिमोट की रेंज में ही रहकर अपना काम कर सकता है।"

"वह यहीं-कहीं 200 मीटर के क्षेत्र में छिपा हो सकता है।"

"हम लोग उसे तलाश करते हैं, आप तब तक राहत दल को सूचित करके उन्हें यहां की ताजा स्थिति से अवगत करायें।"

"जाओ, जैसे भी हो उसे जिन्दा या मुर्दा हासिल करने की कोशिश करो। साथ ही अपने बचाव का भी ख्याल रखना। कहीं ऐसा न हो कि लापरवाही के कारण अपनी ही जान गंवा बैठो।"

इतना सुनकर चारों जवान सर्चलाइट लेकर हत्यारे की खोज में निकल पड़े।

❑❑❑

❑❑❑

चारों जवानों के जाने के बाद शेरिफ रोस व कार्ल जेनर जीप की ओर बढ़े। उन्होंने पेट्रोल रेडियो के माध्यम से पुलिस हैडक्वार्टर से सम्पर्क स्थापित किया।

यह निश्चित था कि यदि जेनर वाली गाड़ी को कुछ पलों के लिए भी लावारिस छोड़ दिया जाता तो उसकी भी वही स्थिति होती जो कि शेरिफ रोस वाली गाड़ी की हुई थी।

पेट्रोल रेडियो पर सम्पर्क बनते ही जेनर ने हैडक्वार्टर को ताजा स्थिति से अवगत कराया व साथ ही एक रेडियो ऑपरेटर तथा एक कुशल मोटर मैकेनिक व आवश्यक फोर्स के लिए सूचना दी।

दूसरी ओर से उन्हें शीघ्र ही हर तरह की मदद मिलने का आश्वासन दिया गया।

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया। कार्ल जेनर व शेरिफ रोस ने आसपास के कुछ लोगों को इकट्ठा किया व उनकी मदद से मकान के मलवे को हटवाना शुरू किया।

कुछ लोगों ने तो यहां काम करने में आना-कानी की, लेकिन बाद में पुलिस के दबाव में आकर वे भी काम करने लगे। अभी लगभग आधा घंटा ही गुजरा था कि दूर कहीं पुलिस सायरन की आवाज करते कई ट्रक व जीपें गांव में प्रविष्ट हुईं।

देखते-ही-देखते पूरा गांव पुलिस की कालोनी में तब्दील हो चुका था। गांव के चप्पे-चप्पे पर पुलिस नजर आ रही थी।

पुलिस के जवान पूरे जोश एवं लगन से काम कर रहे थे। वे जल्द-से-जल्द हत्यारे तक पहुंच जाना चाहते थे। लगभग एक घंटे की मेहनत के फलस्वरूप वे लोग लाशों को मकान के मलवे से निकाल पाने में कामयाब हो सके थे।

लेकिन इस कामयाबी का भी कोई खास लाभ न था, क्योंकि दोनों ही लाशें इस कदर क्षत-विक्षत हो चुकी थीं, मानो किसी ने उन

पर पत्थर बरसाकर उन्हें मार डाला हो।

लगभग आधे ही घंटे की मेहनत करके सभी जवान वापिस लौट आए। कार्ल जेनर व शेरिफ रोस ने प्रत्येक जवान से तरह-तरह के प्रश्न किए व उनके अनुभवों को ध्यान से सुना, लेकिन कोई ऐसी ठोस बात उनके पल्ले न पड़ सकी, जिसके बल पर हत्यारे तक पहुंचा जा सके।

इस समय जेनर का मस्तिष्क बहुत तेज़ी के साथ काम कर रहा था। उसने उस बूढ़े नौकर को अपने पास बुलाया जो कि सौभाग्यवश हत्यारे के क्रूर हाथों से बच गया था।

"कहिए साहिब, मेरे लिए क्या हुक्म है?" नौकर ने अदब से सिर झुकाकर कहा।

"हम तुमसे कुछ सवालों के जवाब चाहते हैं।"

"पूछिए साहिब!"

"तुम्हारा नाम?"

"पीटर।"

"यहां कब से रहते थे?"

"लगभग 20 वर्ष से।"

"क्या तुम उस आदमी को पहचान सकते हो, जिसे तुमने अपने मालिक व मालकिन की हत्या करते देखा था?"

"जी, यदि वह आदमी दोबारा मेरे सामने आता है तो मैं उसे लाखों में भी पहचान लूंगा।"

"ठीक है, मैं तुम्हें कुछ फोटोग्राफ्स दिखाता हूं, तुम्हें इन फोटोज में से उस व्यक्ति को ढूंढना है, जिसे तुमने रात देखा है।"

"मुझे उम्मीद हे कि अपने लक्ष्य में अवश्य सफलता प्राप्त करूंगा।"

"ठीक है, मेरे साथ आओ।"

यह सुनते ही पीटर जेनर के साथ चल दिया। वह उसे लेकर अपनी जीप में सवार हो गया। भीतर से विन्डो व शीशे लॉक करके उसने अपनी जेब से एक लिफाफा निकालकर पीटर की ओर बढ़ा दिया।

जेनर से लिफाफा लेकर उसने सभी फोटोग्राफ्स जीप की पिछली सीट पर उलट दिये। वह बारी-बारी से प्रत्येक फोटो को गोर से देखता व एक ओर रख देता। लगभग 200 फोटोज को देखने के बाद अगले

फोटो पर नजरें पड़ते ही उसकी आंखों में चमक उभर आई।

"स... सर उस आदमी का चेहरा इस फोटो से मिलता है।" पीटर ने उस फोटो को जेनर की ओर बढ़ाते हुए कहा, जो कि निश्चय ही चेट लोगन का फोटो था।

"क्या तुम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हो कि यह वही आदमी है, जिसे तुमने अपने मालिक व मालकिन की हत्या करते देखा है?"

"जी हां, इसके लिए तो मैं चर्च में जाकर भी कसम खा सकता हूं कि यह वही आदमी है।"

"अब यह बताओ कि तुमने उस रोज क्या देखा, जिस रोज यह घटना घटी थी?"

"साहिब, उस भयानक मौत के दृश्य को मैं तो क्या कोई भी नहीं भुला सकता। वह लगभग डेढ़ बजे का वक्त था, जबकि घर में किसी अजनबी के होने की आहट पाकर मेरी आंखें खुल गईं।

आंखें खुलने के बाद मुझे नींद न आ सकी। मैंने सोचा क्यों न पास वाले जीने से होकर छत पर जाकर आराम से ठण्डी हवा का सेवन करूं? मौसम बहुत सुहावना था अतः मैं खुद को रोक न सका।

मुझे जिस जीने की सीढ़ियां चढ़कर अन्दर जाना था, वह उस कमरे की दीवार से लगा हुआ था, जिसमें कि मेरी मालकिन सोती थीं। उस कमरे में एक रोशनदान भी था, जो ऊपर वाली सीढ़ी के करीब ही बना था।

इस रोशनदान से कमरे का पूरा नजारा देखा जा सकता था। जैसे ही मैं जीने की सीढ़ियां चढ़ता हुआ ऊपर पहुंचा, अचानक मेरी नजर रोशनदान की तरफ उठ गयी। मैं कमरे का दृश्य देखते ही सकते में आ गया।

यही आदमी मालकिन के शरीर पर बड़ी बेरहमी से सवारी गांठ रहा था, जबकि उनके जिस्म में कोई हरकत न हो रही थी। मुझे यह सब बड़ा विचित्र-सा लगा। मैंने घुटनों के बल बैठकर गौर से कमरे का नजारा देखा तो मेरी चीख निकलने को तैयार हो गयी।

मालकिन के पैरों के पास ही एक खून में सनी कुल्हाड़ी पड़ी थी। मैं उत्सुकतावश जीने से नीचे की ओर भागा। मेरी आहट पाकर हत्यारा अपनी कुल्हाड़ी लेकर बाहर की ओर भाग गया। उसके हाथ व पैर एक रबर की झिल्ली से ढके थे, जो देखने में किसी सांप की

केंचुली जैसी लग रही थी।"

"क्या उसके मुंह पर भी कोई फेस मास्क लगा था?"

"नहीं उसके मुंह पर कोई मुखौटा नहीं था।"

"ठीक है, अब हम शीघ्र ही उसे खोज निकालेंगे।"

इसके बाद कार्ल जेनर ने आवश्यक कार्यवाही के बाद लाशों के लोथड़ों को बड़ी मुश्किल से इकट्ठा कराके पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

अगले ही पल कार्ल जेनर व शेरिफ रोस अपनी-अपनी गाड़ियों में बैठकर हैडक्वार्टर के लिए रवाना हो गए।

❑❑❑

❑❑❑

मियामी मिलिट्री पुलिस का हैडक्वार्टर एक सुरक्षित स्थान पर बनाया गया था। इतना सुरक्षित कि जहां परिन्दा भी पर न मार सके। वहां तक किसी भी अनजान या अजनबी व्यक्ति की पहुंच नामुमकिन थी।

वहां तक पहुंचने से पहले किसी भी नये आदमी को कम से कम 30-35 जगहों पर अपनी तलाशी देनी पड़ती थी। यह तलाशी भी कम्प्यूटराइज्ट मशीनों द्वारा होती थी।

यदि वहां से गुजरने वाले व्यक्ति का चेहरा कम्प्यूटर में दर्ज चेहरों से मिल जाता था, तो उसे फौरन वहीं रोक लिया जाता था।

इस बात का हैडक्वार्टर के प्रत्येक जवान को आश्चर्य था कि इतनी उत्तम व्यवस्था होने के बाद भी चेट लोगन किस तरह उन्हें धोखा देने में कामयाब रहा है!

आज हैडक्वार्टर की एक गोपनीय सभा थी, जिसमें बड़े-बड़े अधिकारी भाग ले रहे थे।

कार्ल जेनर उनसे तरह-तरह के प्रश्न पूछ रहे थे। प्रत्येक अधिकारी अपने-अपने अनुभव व योग्यता के साथ उनके प्रश्नों का उत्तर दे रहा था।

अभी तक कोई भी यह न समझ पा रहा था कि आखिर उस क्रूरतम हत्यारे का इन जघन्य अपराधों के पीछे क्या उद्देश्य हो सकता था।

अधिकारियों का ऐसा सोचना भी स्वाभाविक था, क्योंकि वह हत्यारा जहां भी जाता, वहां या तो हत्याएं करता अथवा खुद तक

अधिकारियों के पहुंचने के तमाम रास्ते बन्द कर देता था। वह सदैव हत्या करने से पहले दूर संचार के माध्यमों को ठप्प कर देता था, ताकि कोई भी व्यक्ति उस हत्या से प्रशासन अथवा पुलिस को अवगत न करा सके।

अन्त में कार्ल जेनर ने शेरिफ रोस से प्रश्न किया—

"शेरिफ रोस!"

"यस सर!"

"तुमने अब तक जी-जान से उस हत्यारे तक पहुंचने की कोशिश की है, फिर भी तुम उस तक नहीं पहुंच सके, आखिर यह सब कब तक चलेगा?"

"हमें उम्मीद है कि हम शीघ्र ही उस हत्यारे तक पहुंच जायेंगे।"

"इस प्रकार का आश्वासन तो मुझे मीटिंग में आए प्रत्येक अधिकारी ने दिया है। इस प्रकार के आश्वासनों से हमारी समस्या हल नहीं हो सकेगी।"

"फिर आप ही बतायें सर कि हमें क्या करना होगा? उसे सबक सिखाने के लिए तो मैं मौत के मुंह में भी जाने को तैयार हूं।"

"अच्छा एक बात बताओ रोस!"

"पूछिए सर!"

"तुम्हारी राय में हत्यारे का क्या उद्देश्य हो सकता है?"

"सर, उसका उद्देश्य मुंहमांगी रकम कमाना होगा।"

"लेकिन उसने तो आज तक किसी से एक पैसा तक नहीं लिया। हां, कभी-कभी महिलाओं के साथ उसने बलात्कार जरूर किया है।"

"सर! वह जिन लोगों के लिए काम करता है, उनसे उसे मुंहमांगी रकम मिल जाती होगी।"

"उस आदमी को लोगों की हत्या कराने से क्या लाभ हो सकता है?"

"वह आदमी सत्ता पक्ष का विरोधी हो सकता है।"

"हां, इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता। हमें उम्मीद है कि एक दिन तुम अवश्य ही उसे पकड़ने में कामयाब हो सकते हो।"

"मैं तो खुद ही उस दिन का बेसब्री से इन्तजार कर रहा हूं, जबकि मेरी उसकी आमने-सामने की टक्कर होगी और हमें एक-दूसरे

की ताकत आजमाने का मौका मिलेगा।"

"रोस, हम चाहते हैं कि तुम उसे जिन्दा ही गिरफ्तार करो, लेकिन कभी भी खुद को उससे ताकतवर समझने की भूल मत कर बैठना, क्योंकि अभी तक उसके हाथों जितने भी अधिकारी मारे गये हैं...वे सब-के-सब खुद को बहुत बड़ा दिमागदार व शक्तिशाली समझते थे। उनका झूठा घमंड ही उन्हें ले बैठा।"

"मैं एक बार बहुत करीब से उसे देखकर उसकी गतिविधियां जान लेना चाहता हूं। इसके बाद उसे मार गिराने में अधिक परेशानी न होगी।"

"क्या तुम्हें उम्मीद है कि वह इतनी आसानी से मिल जायेगा?"

"मिलना तो उसे जरूर पड़ेगा, आज नहीं तो कल, आखिर छिपेगा भी तो कहां तक? कभी-न-कभी तो उसका भांडा फूटना ही है।" रोस ने पूरे आत्म-विश्वास के साथ कहा।

"इसके लिए तुम्हारी क्या योजना है रोस?"

"मैं उसका पता लगाऊंगा कि वह कहां रात गुजारता है। किस-किस क्लब को अटैण्ड करता है अथवा यहां किस व्यक्ति के पास आकर ठहरता है अथवा उसके सहायक कौन-कौन लोग हैं?"

"यदि इस कार्य के लिए तुम्हें किसी महिला कार्यकर्ता की जरूरत महसूस हो तो यह मिल सकती है।"

"अभी मुझे इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि मैं प्रत्यक्ष रूप से उसके समक्ष अकेला ही टकराना चाहता हूं, ताकि वह मुझे कमजोर व अकेला मानकर अपनी अधिक शक्ति का उपयोग न कर सके।"

"ठीक है, हमारी ओर से तुम्हें अपने ढंग से मिशन पर काम करने की पूरी आजादी है।"

इसके साथ ही सभा समाप्त कर दी गयी। सभागार के चारों दरवाजे खोल दिये गये। धीरे-धीरे सभी ओहदेदार सभागार से बाहर निकलने लगे।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी ने आदमकद आइने के समक्ष खड़े होकर मेकअप किया व एक भरपूर अंगड़ाई ली। उसे किसी सहेली से पता चला था कि आज रात सभागार में एक गोपनीय सभा होने जा रही है। सभा में उसका पति रोस भी भाग लेगा। सभा के बाद वह सीधा घर ही लौटेगा।

अपने पति के आने की कल्पना करके वह मन ही मन खुश हो रही थी। उसने अपने पति के लिए मनपसन्द भोजन पहले ही तैयार करके रख लिया था।

अब उसके पास यदि करने के लिए कोई शेष कार्य बचा था, तो वह था अपने पति के आने का इन्तजार! किसी के प्यार में किये जाने वाले इन्तजार का तो मजा ही कुछ और होता है। उसे कटने वाला एक-एक पल सदियों जैसा लग रहा था।

वह चाहती थी कि जल्द-से-जल्द अपने प्रियतम की बांहों में समा जाये। उसने सोचा लिया था कि अब यदि उन्हें परेशान करने के लिए कॉलबैल अथवा फोन बैल बजेगी तो वह उसका कोई जवाब न देगी।

आज की रात वह अपने प्रियतम का भरपूर प्यार पाना चाहती थी। वह ऐसा चाहती भी क्यों न आज उसकी शादी की वर्षगांठ थी। आज के दिन ही वह अपने प्रियतम के घर दुल्हन बनकर आई थी।

जब भी वह अतीत की घटनाओं पर विचार करती तो उसे सुहागरात व हनीमून की यादें ताजा हो उठतीं। वह अभी विचारों के अथाह समुद्र में गोताखोरी कर ही रही थी कि अचानक फोन की घन्टी बज उठी।

पहले तो उसने सोचा कि वह फोन की घंटी बजने दे, लेकिन बाद में उसने सोचा कि कहीं ऐसा न हो कि उसके पति का ही फोन हो और वह कोई जरूरी मैसेज देना चाहते हों।

उसने न चाहकर भी रिसीवर कान से लगा लिया।

"हैलो...।"

"मिस्टर रोस से बात करायेंगी मैडम!"

"सॉरी, वे घर पर नहीं हैं, वैसे आपका परिचय?"

"मैं वही हूं, जिस तक पहुंचने के लिए वे खुद व उनका पूरा विभाग हर वक्त बेताब रहता है।"

"कहिये, मेरे लिए क्या हुक्म है?"

"जब तुम्हारे पति आ जायें तो उन्हें कहना कि आज की रात यहां से कहीं बाहर न जाये।"

"क्या आप उनसे मिलने पधार रहे हैं?"

"नहीं, फिलहाल तो मैं आने की स्थिति में नहीं हूं मैडम, लेकिन निकट भविष्य में मैं उनसे जरूर मिलना चाहूंगा।"

"लेकिन उन्हें घर पर ही रोकने का कोई खास उद्देश्य?"

"मैं उन्हें फोन पर कुछ बताना चाहता हूं, वैसे तुम्हें अपने पति का घर पर ठहरना कुछ अच्छा नहीं लगता क्या?"

"मैं उन औरतों में से नहीं हूं मिस्टर, जैसी कि आप समझने की भूल कर रहे हैं।"

"अब भी आप मुझे समझने में भूल कर रही हैं मैडम!"

"मैं कुछ समझी नहीं... आखिर आप कहना क्या चाहते हैं?"

"मुझे तुम्हारे पति से कोई परेशानी नहीं है, मैं तो सिर्फ यह कह रहा था कि यदि मैं तुम्हारे पति के पास फोन करूं तो तुम्हें कोई दिक्कत तो न होगी।"

"दिक्कत किस बात की? आखिर तुम भी तो हमारी तरह इंसान हो न? तुम्हारे भी सीने में हमारी तरह प्यारभरा दिल धड़कता होगा। आपका हर पल स्वागत है, जब चाहो फोन करो, जब चाहो उनसे मिल सकते हो, लेकिन... ।"

"लेकिन क्या मैडम... ?"

"लेकिन आज की रात मेरी आपसे एक गुजारिश है।"

"बोलो, मैं तुम्हारी हर बात मानने को तैयार हूं, मैं भी इतना गिरा हुआ इंसान नहीं कि किसी औरत के जज्बातों की कद्र ही न कर सकूं।"

"आज हमारी शादी की वर्षगांठ है, मैं चाहती हूं कि आज की रात कोई हमें पलभर के लिए भी डिस्टर्ब न करे। इसके लिए मैं कुछ भी करने व सहने को तैयार हूं। इस रात में हम दोनों उतनी ही मस्ती करते हैं जितनी कि सुहागरात या हनीमून में की थी।"

"लेकिन उस मैसेज का क्या होगा, जो मैं तुम्हारे पति को देना चाहता था।"

"वह तुम मुझे बता दो, मैं खुद ही उन्हें आने पर बता दूंगी।"

"वे कुछ ही देर में तुम्हारे पास पहुंचने वाले हैं। वह गोपनीय सभा खत्म हो चुकी है, जिसमें कि तुम्हारे पति गए हुए थे।"

"मैं कुछ समझी नहीं, आखिर आप यह क्या मजाक कर रहे हैं?"

"यह मजाक नहीं, हकीकत है मैडम!"

"अभी तो आप कह रहे थे कि वह गोपनीय सभा में भाग लेने गए हैं, दूसरी ओर आप कह रहे हैं कि सभा खत्म हो चुकी है।

यदि आपकी बात में सच्चाई है तो फिर वह सभा पूरी तरह गोपनीय कहां रही?"

"मुझे तो अपने पति से अधिक तुम खुद समझदार लगती हो।"

"इस बात का पूरा निर्णय तो तुम मुझसे मिलने के बाद ही कर सकते हो।"

"मुझे अपने पास पाकर तुम्हें कोई परेशानी अथवा नाराजगी तो न होगी?"

"यदि आप मेहमान की हैसियत से आते हैं, तो आपका पूरा सत्कार किया जायेगा।"

"ठीक है, मैं उनके आने पर खुद ही उनसे सम्पर्क कर लूंगा।"

"लेकिन तुम्हें कैसे पता चलेगा कि वे मेरे पास पहुंच चुके हैं।"

"मुझे तुम्हारी व तुम्हारे आसपास के इलाके की पल-पल की खबर है।"

"यदि ऐसी बात है तो तुम यह भी जरूर जानते होंगे कि आज गोपनीय सभा में किन-किन बातों पर चर्चा हुई?"

"इस विज्ञान के युग में कुछ भी जान लेना अण्डरवर्ल्ड के लोगों के लिए असम्भव नहीं है।"

"फिलहाल मेरे पति कहां हैं?"

"वे सभागार से निकलकर अपनी किसी महिला मित्र के साथ कैंटीन में बैठे कॉफी का आनन्द ले रहे हैं।"

"जब वे आयेंगे तो उनसे सम्पर्क कर लेना, फिलहाल मैं टायलेट जाना चाहती हूं।"

"कोई बात नहीं, आप जा सकती हैं।"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

मैरी ने रिसीवर को उठाकर क्रेडिल पर रखा व बाथरूम की ओर मुड़ गयी।

❑❑❑
❑❑❑

कार्ल जेनर सभा को विसर्जित करके अपने आवास की ओर बढ़ गया। आज वह भी पूरे एक सप्ताह बाद अपनी पत्नी के साथ रात गुजारने वाला था। वह इस केस में इतना व्यस्त हो गया था कि उसे घर पर खाना खाने के लिए भी फुर्सत न मिल पा रही थी।

जैसे ही वह गेट पर पहुंचा, उसकी पत्नी के बैडरूम में लगी

स्क्रीन पर हल्का-सा म्यूजिक बजने लगा व अगले ही पल उसकी आकृति उभर आई।

अपने पति को गेट पर आया देखकर वह फुर्ती से उसके स्वागत में बढ़ चली। उसने आगे बढ़कर गेट खोल दिया। गेट खुलते ही उसका सामना अपने पति से हुआ। उसने एक ताजा-तरीन मुस्कान के साथ अपने पति का स्वागत किया।

पति के भीतर आते ही ऑटोमेटिक गेट बन्द हो गया।

कार्ल जेनर ने भीतर आते ही अपनी पत्नी को बांहों में भर लिया। वह उस पर बेतहाशा चुम्बनों की झड़ी लगाये जा रहा था।

"क्या सब कुछ यहीं कर गुजरने का इरादा है डियर?" स्वीटी ने अपने पति की बांहों में मचलते हुए कहा।

यह सुनकर उसके पति के बांहों की पकड़ कुछ ढीली हो गयी। वह चलते हुए ड्राइंगरूम तक आ पहुंचे। उनके बैठते ही पोर्शिया ड्रिंक्स का सामान रखकर चली गयी।

स्वीटी ने अपने हाथों से दो जाम छलकाये। उसने एक जाम अपने पति की ओर बढ़ाया व दूसरा अपने हाथ में थाम लिया।

दोनों के जाम परस्पर टकराये व चियर्स के साथ ही एक-दूसरे के होठों से जा लगे। स्वीटी उसके लिए जाम-पर-जाम तैयार करती जा रही थी।

पीने-पिलाने का यह दौर तब तक चलता रहा, जब तक कि वे दोनों बेसुध होकर एक-दूसरे की बांहों में न झूल गए।

दोनों पर नशे का खुमार चढ़ता जा रहा था। जेनर ने अपनी पत्नी की खूबसूरत आंखों में झांका व उसके मौन निमन्त्रण को परख कर वह प्रेम-पथ पर धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा।

उसकी गुस्ताख उंगलियां स्वीटी के पारदर्शी लिबास से छेड़छाड़ करने लगीं। कुछ ही पलों के प्रयास के बाद वे दोनों बेलिबास हो चुके थे।

अगले ही पल उन दोनों के बीच एक गजब का प्रेमयुद्ध छिड़ गया। दोनों ही एक सुलझे हुए योद्धा की तरह बढ़-चढ़कर करतब दिखा रहे थे। कोई भी कदम पीछे हटाने को तैयार न था।

स्वीटी को अपने पति की किसी भी हरकत से कोई आपत्ति न थी। वह उसकी छेड़छाड़ का स्वागत मीठी-मीठी सिसकारियों से कर रही थी।

स्वीटी के मादक यौवन का जेनर पर कुछ इस कदर नशा चढ़ा कि वह उसमें समा जाने के लिए बेताब हो उठा। वे दोनों एक-दूसरे में इस कदर गुंथे हुए थे, मानो कोई सर्प चन्दन की खुशबू को अपने में समेटने के लिए प्रयास कर रहा हो।

देखते-ही-देखते वे दोनों प्यार एवं समर्पण की उस चरम-सीमा पर जा पहुंचे, जहां पहुंचकर किसी भी प्रेमी युगल के लिए कुछ भी पाना शेष नहीं रहता।

जेनर की गर्म सांसें स्वीटी की महकती सांसों से टकरा रही थीं। अपने पति की बलिष्ठ भुजाओं में पिसते हुए स्वीटी को एक अजीब-से सुख की प्राप्ति हो रही थी। वह चाह रही थी कि वह आजीवन यूं ही पति की बांहों में झूलती रहे।

लेकिन यह मात्र उसकी भावुकता थी, क्योंकि प्रेम एवं समर्पण की यह मधुर बेला एकदम सीमित होती है, इसे कोई भी स्वेच्छा से चिरस्थायी नहीं बन सकता। प्रेम एवं समर्पण की भी अपनी कुछ सीमाएं एव मार्यादाएं होती हैं, जिनका पालन करना प्रत्येक प्रेमी युगल के लिए बेहद जरूरी होता है।

ऐसा ही उनके साथ भी घटित हुआ। अगले ही पल स्वीटी को ऐसा महसूस हो रहा था, मानो किसी ने प्रेमामृत की मधुर बौछारों से उसकी प्यासी गहराइयों को सींच दिया हो।

उनके चेहरों को देखकर कोई भी यह जान सकता था कि वे उस यौन सुख को हासिल कर चुके हैं, जिसे पाने के लिए अब तक बेचैन थे।

इसके साथ ही वे अपनी अनियन्त्रित सांसों पर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे। कुछ क्षणों के बाद ही वे पूर्णतः संयमित हो चुके थे।

धीरे-धीरे उनकी पलकें बोझिल होने लगीं। देखते-ही-देखते वे दोनों नींद के आगोश में समाते चले गए।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी फ्रैश होकर बाथरूम से निकलकर ड्राइंगरूम की ओर बढ़ी। उसने खुद को ड्रेसिंग टेबल के सामने खड़े होकर निहारा व सोफे पर आ बैठी। वह अभी भी बेताबी से अपने पति की प्रतीक्षा कर रही थी।

अभी उसे बैठे हुए मुश्किल से पांच मिनट ही गुजरे थे कि अचानक गेट पर घंटी बजी। वह उत्सुकतावश गेट की ओर लपकी। उसने मैजिक आई से आंख लगाकर देखा। उसका पति रोस खड़ा था।

मैरी ने आगे बढ़कर गेट खोल दिया। गेट खुलते ही वह भीतर प्रविष्ट हुआ। मैरी ने पुनः गेट बन्द कर दिया। मैरी ने आते ही अपनी गोरी बांहों के हार उसके गले में डाल दिये। रोस अपनी पत्नी का यह निखरा हुआ रूप देखकर स्वयं पर संयम न रख सका। उसने आते ही अपनी पत्नी के अरुणिम कपोलों पर चुम्बनों की झड़ी लगा दी।

कुछ पलों की छेड़छाड़ के बाद वे दोनों ड्राइंगरूम में आ गए।

"मैं सब समझती हूं, अब आप मुझे पहले की तरह नहीं चाहते।"

"यह तुम्हारे मन का वहम है मैरी, कोई वास्तविकता नहीं।"

"मैं कैसे मान लूं? आज के दिन भी तुम जानबूझकर लेट आए हो।"

"मैं कुछ समझा नहीं मैरी, क्या आज कोई खास बात थी? हमारे घर में... ।"

"आपको घर या घरवाली की कोई चिन्ता हो तो पता चले भी, आपको तो सिर्फ अपने मिशन से मतलब है। अपनी नौकरी या मुल्क के अलावा अपने घर-परिवार के प्रति भी आपका कोई कर्त्तव्य है, उससे आपको कोई वास्ता नहीं है।"

"यह तुम क्या पहेलियां बुझा रही हो मैरी... साफ-साफ कहो न आखिर तुम कहना क्या चाहती हो... ?"

"मैं पूछती हूं, क्या आपको मालूम है कि आज का कलैण्डर क्या संकेत करता है?"

"जाहिर है मैरी, आज 20 सितम्बर है।"

"आज से 20 वर्ष पहले की कोई घटना याद है आपको?"

"अरे हां, याद आया, आज तो अपनी शादी की वर्षगांठ है। सचमुच मैं कितना भुलक्कड़ हो गया हूं मैरी?"

इसके साथ ही उसने अपनी पत्नी को बांहों में भरकर बेतहाशा चूमना शुरू कर दिया।

"मैं पूछती हूं, गोपनीय सभा से छूटकर आप सीधे घर नहीं

आ सकते थे क्या?"

"मैं सीधा तुम्हारे पास ही आ रहा हूं मैरी, मेरी बात का विश्वास करो। भला मैं आपका इतना कीमती वक्त कहीं भी कैसे बर्बाद कर सकता था?"

"क्या तुम्हें कॉफी मैं नहीं पिला सकती थी? आपको एक लड़की के साथ कैन्टीन में ही कॉफी पीना जरूरी था क्या?"

"म... मैंने तो बहुत मना किया था उसे, लेकिन वही नहीं मानी।"

"क्या तुम उसे यह कहकर नहीं समझा सकते थे कि आज मेरी शादी की वर्षगांठ है।"

"अच्छा, भूल हो गई डार्लिंग... आगे से ऐसा नहीं होगा। अब तो मान जाओ, आओ बैडरूम में चलते हैं।" रोस ने अपनी पत्नी को बांहों में उठाते हुए कहा।

"बाद में चलेंगे बैडरूम, पहले मैं तुम्हारे लिए कुछ खाना लेकर आती हूं, मैंने तुम्हारी पसन्द की डिशेज तैयार की हैं। क्या नहीं खाओगे? बोलो अब भी मुझसे नराज हो क्या?"

"अरे मैं तुमसे नाराज कैसे हो सकता हूं डार्लिंग? मैं तो अपने मिशन में इस कदर व्यस्त था कि यही भूल गया था कि आज हमारी शादी की वर्षगांठ है।"

इसके साथ ही मैरी किचन की ओर मुड़ गयी। कुछ देर बाद जब वह लौटी तो उसके हाथों में खाने की ट्रे थी, जिसमें रोस की मनपसन्द डिशेज थीं। उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया। अगले ही पल वे दोनों प्रेमपूर्वक भोजन करने लगे। खाना खाने के बाद मैरी ने खाली बर्तनों को समेटा व किचन की ओर मुड़ गयी।

कुछ देर बाद वह पुनः अपने पति के पास लौट आई।

"क्या मैं जान सकता हूं मैरी कि तुम्हें उस गोपनीय सभा का पता कैसे लगा, जिसमें कि मैं गया था?"

"आखिर मैं भी एक शेरिफ की पत्नी हूं।"

"यह तो मैं भी मानता हूं डार्लिंग! लेकिन तुम्हें इतना तो बताना ही होगा कि तुमने यह सब जानने के लिए कौन-से हुनर का इस्तेमाल किया है? क्योंकि मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे ड्यूटी जाने के बाद तुम कभी भी घर से बाहर कदम नहीं रखतीं।"

"मेरे पास किसी का फोन आया था।"

"क्या कहा... फोन आया था, लेकिन किसका?"

"उसी का, जिसके लिये तुम रात-दिन परेशान रहते हो और जो रात-दिन तुम्हारी जासूसी में लगा रहता है।"

"क्या तुम चेट लोगन की बात कर रही हो?"

"यह तो मैं नहीं जानती कि वह वास्तव में कौन है तथा उसका नाम क्या है... लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि जिसने मुझे फोन किया था, वह आपकी प्रत्येक गतिविधि पर ध्यान रखता है तथा उसे इस बात का पूरा विश्वास है कि आप उसके पीछे लगे हुए हैं।"

"और कुछ कह रहा था क्या वह?"

"वह आपसे मिलने के लिए दोबारा फोन करेगा। उसने कहा था कि उनके आते ही मुझे पता चल जायेगा कि वे आ चुके हैं और मैं तुम्हारे बैड पर जाने से पूर्व ही फोन करूंगा।"

"यानि तुम्हें उम्मीद है कि उसका फोन आ सकता है?"

"सिर्फ उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूरा भरोसा भी।"

"कोई बात नहीं, आने दो फोन... मैं उससे भी निपटता हूं।"

"वैसे, वह आपसे मिलने भी आ सकता है, क्योंकि वह खुद को आपका शुभचिन्तक मानता है।"

"क्या ऐसा सम्भव हो सकता है?"

"हो क्यों नहीं सकता? होने को तो कुछ भी हो सकता है।"

"क्या इस काम में तुम मेरी मदद कर सकती हो?"

"आपकी खुशी के लिए तो मैं अपनी जान भी दे सकती हूं और किसी की जान ले भी सकती हूं।"

"ठीक है, यदि बाद में उसका फोन आये तो उसे अपने ढंग से यहां आने पर सहमत कर लेना।"

अभी वे दोनों आपस में बातें कर ही रहे थे कि अचानक फोन की घंटी बज उठी। मैरी ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"हैलो... !"

"प्लीज अपने पति से बात कराइये, वे आ चुके हैं।"

"आप वही हैं न जिन्होंने कुछ देर पहले फोन करने का वायदा किया था?"

"जी, आपका अनुमान दुरुस्त है। मैं वही हूं, प्लीज उन्हें रिसीवर दीजिए।"

"मैं उन्हें ही दे रही हूं, आप उनसे बातें कीजिए।"

"वन मिनट प्लीज!"

"हां... हां कहिये... ।"

"मैं आपको शादी की वर्षगांठ पर बधाई देना तो भूल ही गया मैडम!"

"कितना अच्छा होता कि यदि आप यह बधाई हमें यहां आकर देते व हमारी खुशियों में शरीक होते।"

"मैं समझता हूं कि आज का दिन तुम्हारे लिए खुशियों का दिन है और मैं आकर तुम्हारे इस मधुर मिलन में बाधा नहीं डालना चाहता।"

"हमारी ओर से आपका हार्दिक स्वागत है। मैं तो चाहती हूं कि हमारी खुशियों के वे क्षण चिरस्थायी हो जायें, मेरे पति मुझे जी भरकर प्यार करें। मैं आजीवन उनकी बांहों के झूले में झूलती रहूं, लेकिन हम दोनों ही मजबूर हैं।"

"किस बात से मजबूर हैं आप लोग?"

"समय की पाबन्दी से। उनकी नौकरी ही ऐसी है कि न जाने कब अधिकारियों का बुलावा आ जाये और उन्हें जाना पड़ जाये।"

"लगता है, तुम्हारी प्यास अक्सर अधूरी ही रह जाती है।"

"आपका अनुमान बिल्कुल दुरुस्त है। यदि ऐसा ही होता रहा तो एक-न-एक दिन मुझे उनसे यह नौकरी छुड़वानी पड़ेगी।"

"मुझे लगता है, तुम आज भी पुराने विचारों की समर्थक बनी हुई हो।"

"ऐसी बात तो नहीं है।"

"तुम्हें शायद यह पता ही नहीं है कि आज प्यार-मुहब्बत के क्षेत्र में दुनिया कितनी एडवांस हो चुकी है।"

"मैं समझी नहीं, आखिर आप कहना क्या चाहते हैं?"

"यदि आपके पति के पास इतना वक्त नहीं है कि वे तुम्हारे गिले-शिकवे दूर कर सकें तो तुम्हें इसका कोई विकल्प खोज लेना चाहिये।"

"लगता है, मुझे ऐसा ही करना होगा।"

"तुम खूबसूरत हो, जवान हो, अभी भी तुम्हारी जवानी में गजब का निखार है, तुम चाहो तो उसका भरपूर आनन्द ले सकती हो।"

"मेरी तो नजर में फिलहाल कोई आदमी ऐसा नहीं आता, जिससे मैं अपनी मन की मुराद पूरी कर सकूं।"

"लेकिन मेरी नजर में एक है।"
"कौन है वह आदमी?"
"टॉम मेसन, तुम्हारे पति का सहायक।"
"शायद ऐसा करना मेरे पति को अच्छा न लगे।"
"तुम्हारा पति खुद उन्मुक्त यौन सम्बन्धों में विश्वास रखता है।"
"मुझे तो विश्वास नहीं होता।"
"लेकिन मैं उसकी नस-नस से वाकिफ हूं मैडम!"
"यह तुम इतने दावे के साथ कैसे कह सकते हो?"
"तुम्हारे पति का उसके सहायक की पत्नी के साथ बहुत करीब सम्बन्ध है।"
"तुम जानते हो कौन है वह?"
"हां, वह वही है, जिसके साथ उन्होंने कैन्टीन में कॉफी पी थी।"
"हो सकता है।"
"मैं जो कुछ भी कहता हूं, उसमें शक के लिए लेशमात्र भी गुंजाइश नहीं होती।"
"मैं इस बारे में गम्भीरता से विचार करूंगी।"
"लगता है, तुम्हें मेरी बात बुरी लगी है, यदि मुझसे जाने-अनजाने तुम्हारी शान में कोई गुस्ताखी हुई है तो मैं अपने शब्द वापिस लेता हूं।"
"न तो मुझे आप बुरे लगते हैं और न ही आपकी बातें, अगर दुनिया में वास्तव में कोई चीज बुरी है तो वह है...आदमी की बदनामी। मैं बदनामी से ही डरती हूं।"
"ठीक है, फिर आप किसी ऐसे आदमी से प्यार कर सकती हैं जो कि कहीं दूर का रहने वाला हो।"
"ऐसा आदमी मेरे लिए आपसे बेहतर और कौन हो सकता है डियर? यदि आप तैयार हों तो मैं अपनी यौन पिपासा को आपके माध्यम से शान्त कर सकती हूं।"
"सुझाव तो कुछ बुरा नहीं है डार्लिंग, लेकिन एक समस्या हो सकती है।"
"वह क्या डियर?"
"क्या तुम्हारे पति इस सबके लिए तैयार हो जायेंगे?"

"मैं परिस्थितियां ही ऐसी उत्पन्न कर दूंगी कि उन्हें मेरे आगे घुटने टेकने ही पड़ेंगे।"
"ऐसा तुम क्या करोगी?"
"या तो मैं उन्हें यह नौकरी छोड़ने पर विवश कर दूंगी अथवा मैं मनमानी करने की इजाजत ले लूंगी।"
"ठीक है, इस बारे में मैं तुमसे फिर किसी रोज बात करूंगा, फिलहाल तो तुम रिसीवर अपने पति को दो, मैं उनसे कुछ जरूरी बातें करना चाहता हूं।"
"मैं रिसीवर उन्हें ही थमा रही हूं।" यह कहकर मैरी ने रिसीवर अपने पति की ओर बढ़ा दिया--"लीजिए उसी का फोन है, जिसके बारे में मैंने आपसे बताया था।"
"हैलो...।"
"कैसे हो शेरिफ रोस?"
"ठीक हूं, लेकिन आप कैसे हैं?"
"आई एम वेरी फाइन!"
"क्या मैं जान सकता हूं कि आप कौन हैं?"
"आपका शुभ चिन्तक, हितैषी व नेक सलाहकार!"
"फिर भी आपका कुछ नाम तो होगा?"
"यदि नहीं मानते तो सुनो... मुझे तुम चेट लोगन कहकर पुकार सकते हो।"
"बोलो, कैसे याद किया तुमने मुझे?"
"मैं तुम्हें यह समझाना चाहता था कि तुम गृहस्थी वाले आदमी हो, तुम्हारे लिए यह रिस्की नौकरी ठीक नहीं है। कभी भी तुम अपने किसी दुश्मन की गोली का शिकार बन सकते हो।"
"लेकिन मैंने तो कभी जीवन में मौत से घबराना ही नहीं सीखा।"
"यह तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन वक्त से पहले मौत के मुंह में चले जाना कहां की होशियारी है?"
"तब मेरे लिए आपकी क्या नेक सलाह है?"
"मैं चाहता हूं कि तुम अपने विभाग में नौकरी तो करो, लेकिन जितना समय व शक्ति तुम अपने मिशन पर बर्बाद करते हो, उतना ही अपनी पत्नी के गिले-शिकवे दूर करने पर भी करो।"
"मैं मजबूर हूं दोस्त, मुझे इतना वक्त ही कहां मिलता है कि

मैं अपनी पत्नी की तमाम शिकायतों को सुन सकूं।''

''लेकिन ऐसा करना तुम्हारे लिए बहुत कष्टकारी साबित हो सकता है।''

''मैं कुछ समझा नहीं... आखिर तुम कहना क्या चाहते हो?''

''यदि तुमने अपनी पत्नी के प्रति इसी तरह उदासीनता दिखाई तो एक दिन वह तुमसे तंग आकर या तो आत्महत्या कर लेगी अथवा तुमसे बेहतर कोई दूसरा प्रेमी खोज लेगी।''

''मेरे लिए पहले अपना मुल्क है, अपनी नौकरी है, फर्ज है, पत्नी व परिवार बाद की बातें हैं। मुझे अपनी पत्नी पर पूरा भरोसा है, वह ऐसा नहीं कर सकती।''

''यह बात तुम इतने दावे के साथ कैसे कह सकते हो?''

''क्योंकि जब भी मुझे मिशन पूरा करने के बाद छुट्टियां गुजारने का वक्त मिलता है, मैं उसकी भरपूर सन्तुष्टि करता हूं।''

''शायद तुम यह भुला चुके हो कि अभी तुम्हारी पत्नी की जवानी में गजब का निखार है और उसे देखकर किसी की भी नीयत में फर्क आ सकता है।''

''ऐसा नहीं हो सकता दोस्त!''

''जब तुम अपने सहायक की पत्नी से इश्क फरमा सकते हो तो क्या तुम्हारा कोई दोस्त तुम्हारी पत्नी से सम्बन्ध नहीं जोड़ सकता?''

''यह तुम मेरे किस सहायक की बात कर रहे हो दोस्त?''

''टॉम मेसन की।''

''लेकिन तुम उसे कैसे जानते हो?''

''मैं तुम्हारे बारे में वे बातें भी जानता हूं जो शायद तुम भी नहीं जानते।''

''मैं कुछ समझा नहीं दोस्त!''

''मुझे तुम्हारी उन तमाम गुप्त योजनाओं का भी पता है जो कि तुमने मेरे खिलाफ तैयार की हैं।''

''लेकिन यह कैसे सम्भव हुआ?''

''मैं चेट लोगन हूं, मेरे लिए दुनिया का कोई भी काम असम्भव नहीं हो सकता।''

''लेकिन अब तुम क्या चाहते हो?''

''मैं तुमसे दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता हूं।''

''मुझे मंजूर है, लेकिन उसमें एक शर्त होगी।''

''वह क्या?''

''तुम मेरे मुल्क व उसके कानून के खिलाफ कोई हरकत नहीं करोगे।''

''मैं कोशिश करूंगा कि खुद को बदल सकूं, लेकिन इसमें कुछ वक्त लगेगा।''

''तुम मुझसे कब मिलना चाहोगे?''

''आज के बाद कभी भी, निकट भविष्य में। अब रात काफी हो चुकी है, तुम भी अपनी पत्नी के गिले-शिकवे दूर करो।''

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

रोस ने रिसीवर को क्रेडिल पर रखा व अपनी पत्नी को साथ लेकर बैडरूम की ओर बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

न जाने स्वीटी व जेनर कब तक मीठे-मीठे सपनों में खोये रहते... यदि दरवाजे पर पड़ने वाली दस्तक ने उन्हें न जगा दिया होता। दस्तक की आवाज सुनते ही उन्होंने हड़बड़ाकर आंखें खोल दीं।

''डार्लिंग! लगता है गेट पर कोई है।''

''मैं अभी देखती हूं डियर!'' यह कहकर स्वीटी अपने लिबास की ओर लपकी। लिबास दुरुस्त करने के बाद वह गेट पर पहुंची।

''कौन... ?''

''मैडम! साहब से कोई मिलना चाहता है।''

''उन्हें ड्राइंगरूम में बिठाओ, हम लोग अभी आते हैं।'' यह कहकर स्वीटी ने पुनः गेट बन्द कर दिया।

''कौन है डार्लिंग?''

''आपसे कोई मिलने आया है।''

''नाम नहीं बताया उसने?''

''वह ड्राइंगरूम में बैठा है।''

''खैर छोड़ो, मैं उससे खुद ही जाकर मिल लेता हूं।''

यह कहकर जेनर ने अपने लिबास को दुरुस्त किया व गेट की ओर बढ़ गया। गेट खोलकर वह ड्राइंगरूम की ओर बढ़ गया।

जैसे ही उसने ड्राइंगरूम के गेट में प्रवेश किया। उसकी नजर

एक 18 वर्षीया युवती पर पड़ी।

"ग... गुड मॉर्निंग सर!"

"गुड मॉर्निंग मिस... ।"

"कहिये किससे मिलना था?"

"जी आपसे।"

"म... मुझसे!" जेनर ने आश्चर्य प्रकट किया—"क्या काम है तुम्हें मुझसे?"

"स... सर एक गुण्डा हमारे घर में घुस आया था। उसने मेरे माता-पिता की हत्या कर डाली है... मेहरबानी करके कुछ कीजिए सर... कहीं ऐसा न हो कि वह दरिन्दा मेरी भी जान का दुश्मन बन जाये।"

"तुम कौन हो और कहां रहती हो?" कार्ल जेनर ने उत्सुकतावश पूछा।

"मैं यहां से कुछ ही दूरी पर रहती हूं। मेरे पिता मिस्टर क्रिस्टोफर हैं व माता का नाम शैफाली है।"

"यह कितने बजे की घटना है?"

"रात तीन बजे की।"

"तब तुम कहां थीं?"

"मैं अपने बैडरूम में सो रही थी।"

"कातिल किस रास्ते से भीतर आया?"

"यह तो मैं नहीं जानती।"

"तुम्हें कैसे पता चला कि तुम्हारे घर में मर्डर हो गया है?"

"जैसे ही आंख खुलने पर मैं टॉयलेट जाने के लिए उठी, मैंने पास वाले बैडरूम से एक आदमी को निकलते देखा, उसके पास एक ऐसी कुल्हाड़ी थी, जिसे वह फोल्ड करके अपने बैग में रख सकता था।

जब तक मैंने कुछ साहस बटोरा, वह उसे फोल्ड करके, एक बैग के हवाले करके कोठी की चारदीवारी से फांदकर बाहर निकल गया।"

"उसे देखकर तुमने क्या किया?"

"मेरा मन तो करता था कि जोर से शोर मचाकर किसी को अपनी मदद के लिये पुकारूं, लेकिन मैंने ऐसा करना ठीक न समझा, क्योंकि आज हमारी कोठी का गार्ड भी छुट्टी पर चला गया था। उसके

किसी करीबी रिश्तेदार की मौत हो गयी थी, जिसके कारण अचानक ही उसे छुट्टी देनी पड़ी थी।"

"तुमने अपनी मम्मी-डैडी के बैडरूम में क्या देखा?"

"जैसे ही मैंने उनके बैडरूम में कदम रखा, मेरी चीख निकलते-निकलते बची। मैंने देखा कि मेरे मम्मी व डैडी के मुंह पर एक टेप चिपकाया हुआ था। उनके सिर पर कुल्हाड़ी जैसी किसी धारदार चीज से प्रहार किया गया था। उनके सिर से बहने वाला खून पलंग की चादर पर जम गया था। पूरा कमरा बदबू से भरा हुआ था।"

"उसके बाद तुमने क्या किया?"

"मैंने आसपास के कुछ लोगों से जिक्र किया तो उन्होंने आपके पास आने के लिए बोला और मैं यहां चली आई।"

"अब तुम्हें तनिक भी घबराने की जरूरत नहीं है, चलो मैं तुम्हारे साथ चलता हूं।"

यह कहकर कार्ल जेनर अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने अपनी यूनिफार्म पहनी, जूते पहने व तैयार होकर कमरे से बाहर निकलकर जीप की ओर बढ़ गया।

"आओ मिस... !"

अगले ही पल लड़की अपने स्थान से उठी व जीप में जा बैठी। लड़की के जीप में बैठते ही जेनर ने जीप स्टार्ट कर दी।

"योर हाउस नम्बर?" जेनर ने स्टेयरिंग व्हील सम्भालते हुए कहा।

"हाउस नम्बर 249, शैफाली विला।"

इसके साथ ही जेनर ने एक्सीलेटर पर पैर का दबाव बढ़ा दिया। पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही जीप पूरी गति से अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑

❑❑❑

शेरिफ रोस अपने ड्राइंगरूम में बैठा ब्रेकफास्ट का आनन्द ले रहा था कि अचानक उसकी पत्नी मेरी ने वहां प्रवेश किया। उसके हाथों में दैनिक अखबार था।

"क्या आज नाश्ता नहीं करोगी हमारे साथ?"

"मैं आपके पास आना ही चाहती थी कि अचानक न्यूज पेपर

वाला आ गया। मैं इसे पढ़ने में मशगूल हो गयी।"

"लगता है, कोई खास खबर है आज?"

"आपके लिए खास हो सकती है मेरे लिए कुछ नहीं।"

"मतलब?"

"आपके विभाग के लिए जो खबरें उपयोगी पायी जाती हैं, वे ही मेरे लिए कष्टदायी साबित होती हैं।"

"क्या लिखा है?"

"गोपनीय सभा का राज खुला तथा चेट लोगन द्वारा बड़े पैमाने पर आतंकवाद फैलाने की आशंका।"

"जरा इधर देखना डार्लिंग!"

"यह लीजिए।" मैरी ने न्यूज पेपर अपने पति की ओर बढ़ाते हुए कहा।

अगले ही पल वह गौर से अखबार में दिये गए समाचारों को पढ़ने लगा।

"लगता है, अब तो चेट लोगन से किसी और ही तरह से निपटना पड़ेगा।"

"कोई खास बात हो गई है क्या?" मैरी ने अपने पति के उदास चेहरे को देखते हुए कहा।

"मैं हर-हाल में यह पता लगाकर रहूंगा कि सभागार में जो गोपनीय सभा हुई थी, उसको किसने लीक आउट किया?"

"मुझे तो लगता है कि तुम्हारे विभाग में कोई ऐसा आदमी है जो कि चेट लोगन के लिए काम करता है।"

"आखिर कौन हो सकता है वह?"

"कहीं तुम्हारे सहायक की पत्नी तो नहीं, जिसके आजकल तुम दीवाने हो?"

"यह तुम्हें किसने बताया?"

"तुम्हारे व्यवहार ने?"

"मैंने तो ऐसा कुछ भी नहीं किया डार्लिंग!"

"क्या यह सच नहीं कि जब तुम मिशन पर अपने सहायक की पत्नी के साथ जाते हो तो तुम दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब होते हो।"

"यह एक नाटक होता है, विवशता से पूर्ण नाटक, यह कोई वास्तविकता नहीं होती।"

मेरा कहने का मकसद सिर्फ इतना है कि वह औरत तुम्हें अपने प्रेम-जाल में बुरी तरह फांस चुकी है। वह तुमसे जो कुछ भी जान पायी है, वह सब चेट लोगन को पता लगता रहता है।"

"क्या वह चेट लोगन से मिली हुई है?"

"बेशक!"

"यदि ऐसा हुआ तो उसे शीघ्र ही इसकी कठोरतम सजा दी जायेगी।"

"लेकिन उसे सजा देने से वह जानकारी खत्म नहीं हो जायेगी जो कि चेट लोगन को मिल चुकी है।"

"हां, इस बात से तो इन्कार नहीं किया जा सकता।" उसने धीरे से कहा—"अब हमें क्या करना चाहिए?"

"मैं एक ऐसा जाल बुन रही हूं, जिससे शीघ्र ही चेट लोगन हमारी गिरफ्त में होगा।"

"ऐसा तुम क्या करने जा रही हो?"

"मैं चेट लोगन को यह विश्वास दिलाना चाहती हूं कि मैं उसके लिए एक वफादार व नेक प्रेमिका के रूप में सिद्ध हो सकती हूं। इसके बाद मैं धीरे-धीरे यह पता लगाना शुरू करूंगी कि उसकी शक्ति व प्रशासन का विस्तार कहां तक है। यानि वह कब और कहां आता-जाता है? किन-किन लोगों से मिलता है और किन-किन लोगों के लिए काम करता है।"

"मेरी ओर से तुम्हारे लिए खुली छूट है। तुम चाहो तो कुछ वक्त उसके साथ कहीं भी रहकर गुजार सकती हो।"

"मैं अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगी कि जल्द-से-जल्द मैं उसे गिरफ्तार कराकर कठोर-से-कठोर सजा दिलवा सकूं।"

वे दोनों अभी बातें कर ही रहे थे कि अचानक गेट पर घन्टी बज उठी।

"देखो डार्लिंग कौन है?"

"अभी देखती हूं।"

यह कहकर वह अपने स्थान से उठ खड़ी हुई और गेट की ओर बढ़ चली। गेट पर पहुंचकर उसने देखा कि एक महिला खड़ी है।

"कौन?"

"मैं थी फॉक्सी।"

"किससे मिलना था?"
"आपके पति से।"
"मैंने पहले तो आपको कभी नहीं देखा।"
"मैं उनके सहायक की पत्नी हूं।"
"आइए... आइए कुछ देर पहले हम लोग आपका ही जिक्र कर रहे थे।"
"आपके पति घर पर ही हैं न?"
"आइए, मैं आपको उनसे अभी मिलवाती हूं।"
इसके साथ ही वह उसे लेकर ड्राइंगरूम की ओर बढ़ गई।
"गुड मॉर्निंग डियर!" फॉक्सी ने मुस्कुराते हुए कहा।
"गुड मॉर्निंग डार्लिंग!"
"आज कैसे इधर का रास्ता भूल गई डार्लिंग!" शेरिफ रोस ने कुछ पलों के बाद कहा।
"समाचार कुछ अच्छे नहीं है डियर!"
"मैं कुछ समझा नहीं डार्लिंग!"
"आज रात तीन बजे फिर दो मर्डर हो गये हैं।"
"क्या कहा मर्डर? किसके मर्डर डार्लिंग?"
"शैफाली व उसके पति क्रिस्टोफर के।"
"यह तो बहुत बुरा हुआ।"
"सिर्फ इतना ही नहीं, एक समस्या और पैदा हो गई है।"
"वह क्या डार्लिंग?"
"चेट लोगन को न जाने किस तरह हमारे विभाग की तमाम हरकतों का पता चल जाता है। वह उस गोपनीय सभा की भी तमाम बातों से वाकिफ हो चुका जो कि उसके खिलाफ हो रही थीं।"
"आखिर ऐसा हो कौन सकता है?"
"मुझे तो लगता है या तो उसका कोई आदमी हमारे विभाग में गुप्त रूप से काम कर रहा है अथवा हमारे ही विभाग का कोई ओहदेदार उसके लिए जासूसी कर रहा है।"
"हां, इन दोनों ही सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।"
"यह कदम जिसने भी उठाया है... वास्तव में ठीक नहीं है। वह मुल्क का गद्दार तो है ही... साथ ही वह अपने लिए भी अच्छा नहीं कर रहा।"

"अब हम इसमें कर भी क्या सकते हैं... रोस, जो जैसा करेगा, भरेगा। बुरे काम का परिणाम तो बुरा ही होता है।"
अपने पति व फॉक्सी को बातें करता छोड़ मैरी किचन की ओर मुड़ गयी। जब वह कुछ देर बाद ड्राइंगरूम में लौटी तो उसके हाथों में कॉफी की ट्रे थी।
उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया व फॉक्सी के पास ही बैठ गई।
"आप कॉफी लीजिए न?"
"हां... हां, आप भी तो लीजिए।"
इसके साथ ही सब कॉफी का आनन्द लेने लगे। इसी बीच बातों का सिलसिला भी जारी था।
"तुम्हें इस बात का कैसे पता चला कि चेट लोगन हमारे विभाग की तमाम बातें जान चुका है।"
"न्यूज पेपर में तो छपा ही है... साथ ही मुझे जेनर साहब से भी पता चल गया है।"
"अब उन्होंने क्या फैसला किया है?"
"फिलहाल कुछ नहीं।"
"लेकिन उन्होंने जो भी योजनाएं बनायी थीं, उनका क्या हुआ?"
"होना या ना होना तो तब की बात थी, यदि यह राज, राज ही बना रहता। अब तो यह योजना रद्द हो चुकी है।"
"लेकिन जेनर साहब को यह सब पता कैसे चल गया कि उनके तमाम राज चेट लोगन को पता लग चुके हैं?"
"उसने जेनर साहब को उनके सीक्रेट नम्बर पर फोन करके बता दिया था।"
"क्या बताया था उसने?"
"यही कि उसके खिलाफ जो कुछ भी योजनाएं सभागार में बनायी गयी हैं, वे बेहद कमजोर हैं।"
"लेकिन ऐसा भी तो हो सकता है कि उसने यह सब हमारा मनोबल गिराने के लिए ही किया हो।"
"मुझे ऐसा नहीं लगता रोस!"
"क्यों नहीं लगता ऐसा?"
"क्योंकि जो जेनर का सीक्रेट नम्बर जान सकता है, वह उसके

बारे में भी कुछ भी जान सकता है।"

"हां, इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता।"

"अच्छा यह तो बताओ फॉक्सी कि तुम्हें शैफाली के मर्डर की खबर कैसी मिली?" मैरी ने मौन भंग किया।

"मुझे तो फोन पर जेनर ने बता दिया था।"

"लेकिन तुम वहां क्यों नहीं पहुंचीं?"

"मुझे उन्होंने कहा कि तुम यह खबर शेरिफ रोस तक पहुंचा देना, ताकि वे मुझसे मिल लें।"

"लेकिन एक बात समझ नहीं आई फॉक्सी!"

"कौन-सी बात?"

"यही कि जेनर ने तुम्हें फोन करने के बजाय मुझे फोन करना जरूरी क्यों नहीं समझा?"

"उन्होंने मुझसे पहले आपसे सम्पर्क करने की काफी कोशिश की थी, लेकिन सम्पर्क न बनने पर ही उन्होंने मुझे कॉल किया था।"

"क्या तुमने उनके पास जाने के लिए पूछा था?"

"मैंने तो पूछा था, लेकिन उन्होंने कहा कि मैं वहां अकेले न आकर रोस के साथ ही पहुंचूं।"

"यह तुम्हें पक्का भरोसा है कि वह जेनर की ही आवाज थी।"

"हां, कार्ल जेनर की आवाज को तो मैं लाखों में भी पहचान सकती हूं।"

"ठीक है, मैं तुम्हारे साथ चलता हूं।"

"मुझे तुमसे यही उम्मीद थी रोस!"

"कोई बात नहीं, पहले आराम से नाश्ता करो, उसके बाद वहां चलते हैं।"

कॉफी पीने के बाद रोस अपने स्थान से उठा व अपनी ड्रेस चेंज की। कुछ ही पलों के बाद वह जाने के लिए पूर्णतः तैयार था।

ठीक तभी मैरी को फॉक्सी के स्वभाव पर कुछ शक हो गया। उसने अपने पति को संकेत से एक ओर बुलाया।

"क्या आत है डार्लिंग?"

"तुमने इस महिला के साथ जाने का पक्का इरादा बना लिया है न?"

"हां, वह तो तुम देख ही रही हो, जब जेनर ने बुलाया है तो न जाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता।"

"मुझे लगता है कि तुम्हारे साथ जरूर कोई गड़बड़ होने वाली है।"

"नहीं, ऐसा नहीं हो सकता, यह सिर्फ तुम्हारे दिल का वहम है। तुम मेरी पत्नी हो न...इसीलिए तुम्हारा दिल घबरा रहा है। हमें अपनी ड्यूटी तो देनी ही होगी।"

"मेरा कहने का मतलब यह नहीं है कि आज ड्यूटी न करें, बल्कि मैं चाहती हूं कि आप रास्तेभर सम्भलकर रहें। तुम्हें इसके साथ वहां बुलाने की चेट लोगन की कोई बड़ी चाल भी हो सकती है।"

"मैं अपना ध्यान रखूंगा मैरी, फिर मैं अकेला तो नहीं हूं...आखिर फॉक्सी भी इन मामलों में काफी सुलझी हुई है।" रोस ने मैरी की आंखों में झांकते हुए कहा।

"ठीक है, नहीं मानते तो जाइए, बैस्ट ऑफ लक!"

यह कहकर मैरी ने अपने पति का चुम्बन लिया व एक ओर हट गयी।

मैरी से मिलने के बाद रोस फॉक्सी की ओर पलटा।

"आओ फॉक्सी चलते हैं।" रोस ने अपनी रिवाल्वर को चैक करते हुए कहा।

अगले ही पल वे दोनों जीप की ओर मुड़ गए। रोस ने ड्राइविंग सीट सम्भाली। फॉक्सी के सीट पर बैठते ही रोस ने जीप स्टार्ट कर दी।

पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही जीप अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑
❑❑❑

गाड़ी स्टार्ट होते ही पूरी गति से मंजिल तय करने लगी। रोस के दिमाग में एक ही धुन थी कि वह किसी तरह जल्द-से-जल्द अपनी मंजिल तक पहुंच जाये।

तभी फॉक्सी को अचानक जैसे कुछ सूझा। उसने अपने बैग से एक सिगरेट केस निकाला व लाइटर की मदद से सुलगाकर रोस की ओर बढ़ा दी।

रोस ने सहज भाव से सिगरेट थाम ली और एक गहरा कश लिया। अगले ही पल उसका सिर चकराने लगा।

"फॉक्सी डार्लिंग!"
"यस डियर!"
"न जाने क्यों मेरा तो सिर चकरा रहा है।"
"वैसे तम आदमी दिलचस्प हो, साथ ही मजाकिया भी।"
"मैं सच कह रहा हूं डार्लिंग! मुझसे गाड़ी का स्टेयरिंग नहीं थामा जा रहा है।"
"तब मुझे अपनी बांहों में कैसे थामोगे?"
"फ... फॉक्सी... म... मुझे चक्कर... !" इसके बाद रोस कुछ न कह सका।
फॉक्सी ने जीप का स्टेयरिंग थामकर जीप को कन्ट्रोल किया व खुद ड्राइविंग सीट सम्भाल ली।
अब रोस पूरी तरह बेहोश हो चुका था। फॉक्सी ने गाड़ी को एक सुनसान स्थान पर रोका व रोस को जीप के पिछले हिस्से में पटककर उसके ऊपर एक तिरपाल टेक दी।
वह पूरी गति से गाड़ी को दौड़ाने लगी।
अभी वह मुश्किल से दस मिनट ही दौड़ा पाई थी कि उसे गाड़ी की छत के ऊपर किसी हैलीकॉप्टर की आवाज सुनाई पड़ी।
यह एक सुनसान क्षेत्र था। देखते-ही-देखते हैलीकॉप्टर एक मैदान में लैंड कर गया। उसके पास ही फॉक्सी ने जीप रोक दी।
फॉक्सी की गतविधियों से ऐसा लगता था कि वह एक योजनाबद्ध तरीके से चेट लोगन के लिए काम कर रही थी।
हैलीकॉप्टर की विण्डो खुलते ही उसमें से तीन आदमी उतरे। इनमें से एक को वह भली-भांति जानती थी। यह और कोई नहीं, बल्कि खुद चेट लोगन ही था, शेष दो उसके सहायक थे।
लोगन को देखते ही फॉक्सी ने भरपूर अंगड़ाई ली।
"हैलो डार्लिंग!"
"हाय बॉस!"
"लगता है, कामयाबी हासिल करके लौटी हो?"
"आपका अनुमान दुरुस्त है बॉस!"
"लेकिन शेरिफ रोस है कहां?"
"वह देखो जीप के पिछले हिस्से में बेहोश पड़ा है।"
"चलो उसे हैलीकॉप्टर में डालो।" चेट लोगन ने अपने दोनों सहायकों को आदेश दिया।

"ओ०के० बॉस!" यह कहने के साथ ही एक सात फुटे गंजे आदमी ने रोस को अपने कन्धे पर लादकर हैलीकॉप्टर की पिछली सीट पर डाल दिया।
"चलो तुम भी बैठो फॉक्सी!"
"बॉस क्या अब भी मुझे मेरे नकली नाम से पुकारते रहोगे?"
"जब तक तुम नकली बनी रहोगी, तब तक तो मैं तुम्हें फॉक्सी कह ही सकता हूं।"
"ठीक है, मैं ऑरिजनल हो जाती हूं।" यह कहकर फॉक्सी ने अपना मास्क फेस उतारकर एक बैग में रख लिया।
"अब तो ठीक लगती हूं।"
"हां, अब तुम हमारी सचमुच की फ्रैसीना लगती हो।"
"अब तो आप मुझसे खुश हैं न?"
"खुश न होने का तो सवाल ही नहीं उठता डार्लिंग!"
"तो मेरी छुट्टी पक्की?"
"हां, तुम्हें जितने दिन की मौज-मस्ती करनी हो, अब जी भरकर कर सकती हो।"
"मुझे आपसे यही उम्मीद थी।"
"बोलो कितने रोज की छुट्टी चाहिए?"
"सिर्फ दस रोज की!"
"ठीक है, मुझे मंजूर है डार्लिंग!"
"तुम कितने अच्छे हो डियर!"
"लेकिन उतना अच्छा कहां, जितनी कि... ।"
"हां-हां कहो न तुम क्या कहना चाहते थे... शान्त क्यों हो गये?"
"जितनी कि तुम्हारी सदाबहार जवानी।"
"मेरे बारे में अधिकांश लोगों की यही राय है डियर!"
"लेकिन हमारी राय तो कुछ और ही है।"
"वह क्या डियर?"
"वह तो हम तुम्हें तब बतायेंगे, जब कभी तुम हमारे साथ छुट्टियां गुजारोगी?"
"यह कौन-सा मेरे लिए मुश्किल काम है डियर!"
"फिलहाल तो मुश्किल ही समझो।"
"यह तुम्हें किसने बहका दिया?"

"तुम्हारे व्यवहार ने।"

"वह कैसे?"

"क्योंकि तुम अपनी दस रोज की छुट्टियां अपने किसी प्रेमी के नाम बुक कर चुकी हो।"

"वह भी मैं अपने सिंडीकेट के भले के लिए ही कर रही हूं, उसमें मेरा कोई निजी स्वार्थ नहीं है।"

"क्या सचमुच?"

"बेशक!"

"तब कौन है वह तुम्हारा प्रेमी... जिसके साथ तुमने ये छुट्टियां गुजारने का निर्णय लिया है?"

"शेरिफ रोस!"

"लेकिन वह तो हमारा दुश्मन है डार्लिंग!"

"दुश्मन तो मेरा भी है डियर!"

"फिर क्या तुम दस दिन तक उसी से प्यार करोगी?"

"यस बॉस!"

"लेकिन ऐसा क्यों?"

"ऐसा करके मेरे व तुम्हारे दोनों के लिए ही लाभकारी होगा।"

"मैं कुछ समझा नहीं डार्लिंग!"

"इसी बीच मैं उसे अपने विश्वास में लेकर वह सब राज उगलवा लूंगी, जो कि हमारे खिलाफ वह जानता है।"

"मैं उसके पास फॉक्सी के रूप में ही पहुंचूंगी।"

"लेकिन तुमने तो उसका किडनैप किया है।"

"उससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

"अब तुम उससे क्या कहोगी?"

"मैं उसे यह बताऊंगी कि मैं तुम्हें चेट लोगन की कैद से रिहा कराकर वापिस ले जाने के लिए आई हूं।"

"तुम्हारी योजना एकदम सही है, तुम अपने आप में पूर्णतः स्वतन्त्र हो, जैसे चाहो कर सकती हो।"

"अरे, यह तो बातों-बातों में मंजिल ही आ गयी।"

अगले ही पल हैलीकॉप्टर को सिगनल मिला व लैंड कर गया। सभी नीचे उतरे। दोनों सहायक रोस के मूर्च्छित जिस्म को लेकर एक विशेष कक्ष की ओर बढ़ गए, जो कि देखने में एक प्रयोगशाला जैसा दिखता था।

"अच्छा, मैं चलती हूं बॉस!"

"लेकिन कहां?"

"अपने रैस्ट रूम में।"

"क्या अकेली ही जा रही हो?"

"मजबूरी है सर!"

"कैसी मजबूरी?"

"थकान चढ़ी हुई है।"

"अच्छा जाओ, हम बाद में मिलेंगे।"

इसके साथ ही फ्रैंसीना अपने रैस्ट रूम की ओर बढ़ गयी। चेट लोगन भी अपने सहायकों के साथ प्रयोगशाला की ओर बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

जैसे ही कार्ल जेनर जीप से उतरा... उसे शैफाली विला के बाहर अच्छी-खासी भीड़ दिखाई पड़ी। वह लड़की नीचे उतरकर जेनर को अपने साथ लेकर भीतर की ओर बढ़ चली।

सबसे पहले वे उस बैडरूम में पहुंचे, जहां कि शैफाली व क्रिस्टोफर रात गुजारते थे।

गेट में घुसते ही बदबू का एक तेज झोंका उनके नथुनों में प्रविष्ट हुआ। उसने नाक पर रूमाल रखकर वहां कुछ पल रुकने का प्रयास किया। उसने बैड को गौर से देखा। शैफाली व क्रिस्टोफर के मुर्दा जिस्म बैड पर पड़े थे। उनके सिर तकिये पर थे, जिनसे सिर के खुले जख्म झांक रहे थे।

देखने से ऐसा लगता था कि दोनों के सिर पर किसी धारदार कुल्हाड़ी से वार किया गया था। उनके सिर से बहने वाला खून पूरी चादर को रंगता जा रहा था।

जेनर ने फोन की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन उसे वह इस लायक न लगा कि उससे किसी को फोन किया जा सके। उसके तार खींचे हुए थे।

"लगता है, अपराधी बेहद चौकस था।" जेनर ने लड़की की ओर देखकर कहा।

"क्या आप ट्रांसमीटर पर सम्पर्क नहीं कर सकते?"

"करने को तो मैं बहुत कुछ कर सकता हूं।" यह कहकर जेनर ने अपना मिनी ट्रांसमीटर ऑन किया व हैडक्वार्टर से सम्पर्क किया।

"हैलो...जेनर फ्रॉम 249 टू हैडक्वार्टर ओवर:...।"

"फॉक्सी अटेण्डिंग ओवर...।"

"क्या तुमने शेरिफ रोस को नहीं बताया ओवर...।"

"सर अभी कुछ देर पहले मेरे पास शेरिफ की पत्नी आई थी। उसने बताया कि उसे कोई मेरी ही हमशक्ल अपने साथ लेकर गयी है, वह आपके पास पहुंचने के लिए ही कहकर गया है, ओवर...।"

"ओ माई गॉड! कुछ करो फॉक्सी...वह किसी मुसीबत में न फंस जाये...ओवर...।"

"आप कब तक लौट रहे हैं, ओवर...?"

"मैं लाशों को लेकर आ रहा हूं, तुम एम्बूलैंस भिजवा दो, ओवर...!"

"अभी कुछ ही देर बाद आपके पास एम्बूलैंस पहुंच रही है, ओवर...।"

मैं वहीं से निपटकर सीधा रोस के घर पहुंच रहा हूं। तुम भी मुझे वहीं मिलना...ओवर एण्ड ऑल!"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

मिनी ट्रांसमीटर को ऑफ करके जेनर ने कुछ देर आसपास के लोगों से बातचीत की। इसी दौरान वहां एम्बूलैंस पहुंच गयी। लाशों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

यहां से निकलकर वह जीप में सवार हुआ व जीप स्टार्ट कर दी। अगले ही पल वह अपनी मंजिल की ओर बढ़ चला।

❑❑❑

❑❑❑

अपने पति के जाते ही रोस की पत्नी को अज्ञात शंकाओं ने घेर लिया था। न जाने क्यों बार-बार उसे एक ही बात सता रही थी कि उसके पति के साथ कुछ अनहोनी हो चुकी है वह अपनी शंका का निवारण करने के लिए पहले फॉक्सी के पति से मिली।

जब उसके पति टॉम मेसन ने बताया कि फॉक्सी कहीं नहीं गयी वह तो बाथरूम में शॉवर ले रही है, तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही।

फॉक्सी इस विषय में कुछ सोचना ही चाहती थी कि तभी उसके पास जेनर ने ट्रांसमीटर पर सूचना दी थी कि रोस अभी तक वहां नहीं पहुंचा था।

यह सब जानने के बाद मैरी अपने घर लौट आई थी। फॉक्सी ने उसकी हिफाजत के लिए घर पर ही दो महिला गार्ड भी भेज दिए थे।

लेकिन इस सबसे भी उससे कोई राहत न मिल सकी थी। वह बार-बार अपने पति की याद में आंसू बहाये जा रही थी।

उसकी महिला गार्डों ने उसे बहुत कुछ समझाने की कोशिश की थी, लेकिन कोई कामयाबी न मिल पा रही थी। वह बैड पर औंधे मुंह पड़ी थी।

अचानक उसे लगा कि घर के बाहर कोई जीप रुकी है। यह आवाज सुनते ही एक गार्ड बाहर की ओर लपकी व दूसरी मैरी के पास ही बैठी रही।

गार्ड ने जेनर को देखते ही जोरदार सैल्यूट मारा।

"तुम यहां कैसे?"

"फॉक्सी मैडम ने मेरी की हिफाजत के लिए यहां दो गार्ड भेजे हैं।"

"अब वे कैसी हैं?"

"काफी डिस्टर्ब जान पड़ती हैं।"

"आओ उन्हीं के पास चलते हैं।" यह कहकर वह भीतर की ओर चल दिया।

"गुड मॉर्निंग सर!" मैरी ने साहस बटोरकर कहा।

"गुड मॉर्निंग!"

"सर! आपने उन्हें कहां भेजा था?"

"क्या कहा मैंने?"

"हां...हां...आपने!"

"मैंने तो कहीं नहीं भेजा था उन्हें...हां फॉक्सी को तब उन्हें बुलाने के लए कहा था, जबकि वे काफी समय तक भी ड्यूटी पर न पहुंच सके थे।"

"यहां तो फॉक्सी खुद आई थी, जबकि फॉक्सी का पति कहता है कि वह यहां से कहीं नहीं गयी। जब मैं उसके यहां पहुंची तो वह बाथरूम में शॉवर ले रही थी।"

"लगता है, रोस के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है।"

"अब क्या होगा सर?"

"तुम चिन्ता न करो, जैसे भी हो सकेगा, हम लोग उसका पता

लगायेंगे।"

"यदि उनके साथ उन्होंने कोई गलत सलूक किया तो मैं तो कहीं की भी न रहूंगी।"

"तुम एक मिलिट्री जवान की पत्नी हो। तुम जानती हो कि वह एक सुलझा हुआ शेरिफ है। वह इतनी आसानी से किसी के काबू में नहीं आ सकता।"

"लेकिन अब तो वह उनके काबू में आ चुका है।"

"किनके काबू में आ चुका है? साफ-साफ बताओ मैरी, आखिर तुम कहना क्या चाहती हो?"

"मुझे लगता है, मेरे पति को चेट लोगन के कहने पर किसी ने किडनेप कर लिया है।"

"यह बात तुम इतने दावे के साथ कैसे कह सकती हो?"

"कुछ रोज पहले मुझे उसका फोन आया था।"

"क्या कह रहा था वह?"

"जब मैंने उससे उसका परिचय पूछा तो उसने बताया कि मैं वही हूं, जिसकी तुम्हारे पति को बेताबी से इन्तजार थी।"

"लेकिन तुम्हारे पति ने तो मुझे कुछ नहीं बताय था।"

"वे पहले उससे मिलना चाहते थे।"

"क्या उन्हें उम्मीद थी कि वह उन्हें खुद आकर मिलेगा?"

"जी, उसने हमसे खुद ही दोस्ती का हाथ बढ़ाने की बात कही थी। वह खुद को हमारा शुभचिन्तक भी बताता था।"

"तुम्हारे पति की क्या इच्छा थी?"

"वे खुद भी यही चाहते थे कि किसी भी तरीके से वे उस तक पहुंच जायें, ताकि वे उसके ठिकाने का पता लगा सकें।"

"अच्छा एक बात बताओ, क्या तुम्हें उस फॉक्सी व असली फॉक्सी में कोई फर्क ही नजर नहीं आया था?"

"बिल्कुल नहीं।"

"भला ऐसा कैसे हो सकता है मैरी?"

"वह देखने व सुननें में चाल-ढाल में बिल्कुल फॉक्सी ही लगती थी। यहां तक कि उसके बदन पर पोशाक भी बिल्कुल वही थी, जो कि अक्सर वह पहना करती है।"

इसका मतलब यह हुआ कि किसी ने यहां आकर पहले कुछ रोज फॉक्सी की गतिविधियों का अध्ययन किया है, उसके बाद ही

वह अपने मिशन में कामयाब हुआ है।"

"अब क्या होगा सर?"

"हम शेरिफ रोस को हर हाल में खोजकर रहेंगे। वैसे तुम भी ध्यान रखना, किसी भी वक्त रोस का फोन आ सकता है।"

"मैं ध्यान रखूंगी सर!"

"यदि यहां तुम्हें कोई असुविधा हो तो मैं तुम्हारी मदद के लिए फॉक्सी को भी भेज सकता हूं।"

"फिलहाल तो मुझे इसकी कोई जरूरत नहीं है, लेकिन मेरी आपसे एक रिक्वेस्ट है सर!"

"वह क्या मैरी?"

"मैं आपके विभाग को अपनी सेवाएं समर्पित करना चाहती हूं।"

"व्हाट?" जेनर ने चौंकते हुए कहा।

"मैं चाहती हूं कि इस केस पर काम करते हुए खुद ही अपने पति को तलाश करूं।"

"लगता है, तुम्हारा हमारे विभाग पर से भरोसा उठ चुका है।"

"ऐसी बात नहीं है सर, मैं अपने ढंग से उस बदमाश को मजा चखाना चाहती हूं, ताकि वह भविष्य में ऐसा कदम उठाने के काबिल न रहे।"

"यदि तुम्हारी ऐसी ही इच्छा है, तो मैं चीफ से तुम्हारी नौकरी के लिए सिफारिश कर दूंगा। वैसे हमारा विभाग उसकी तलाशी में कोई कसर न उठा रखेगा।"

"मुझे आपसे यही उम्मीद थी सर!"

"अच्छा... मैं चलना चाहूंगा।"

"आप इस तरह कैसे जा सकते हैं सर? क्या आपकी कुछ सेवा भी मैं नहीं कर सकूंगी?"

"उसकी तुम चिन्ता न करो, जब रोस लौट आयेगा, तब हम सब एक साथ मिलकर मौज-मस्ती करेंगे।"

"तब की तब देखी जायेगी, आप बैठिये मैं आपके लिए कॉफी बनाकर लाती हूं।"

यह कहकर मेरी किचन की ओर मुड़ गयी। कुछ देर बाद जब वह लौटी तो उसके हाथों में कॉफी की ट्रे थी। उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया व पास ही पड़ी एक चेयर पर बैठ गयी।

अगले ही पल सभी कॉफी सिप करने लगे।

"आपसे एक बात बताना तो मैं भूल ही गई थी सर।"

"वह क्या मैरी?"

"उसने फोन पर यह भी बताया था कि वह आपके विभाग की तमाम बारीकियों से वाकिफ हो चुका है। यहां तक कि उसने सभागार में हुई गोपनीय सभा में हुई कुछ बातों को भी संकेत किया था, जो कि आपके विभाग के चन्द लोगों को ही मालूम थीं।"

"इस बारे में तो उसने फॉक्सी को व मुझे भी फोन पर सूचित किया था।"

"ठीक है, अब मैं चाहता हूं और जैसे ही तुम्हारी नौकरी की बात पक्की होगी, मैं तुम्हें फोन पर बता दूंगा।"

"उनकी तलाश में अब आप किसे भेज रहे हैं?"

"टॉम मेसन या उसकी पत्नी फॉक्सी को भेजा जायेगा।"

"यानि अभी ठीक से नहीं कहा जा सकता।"

"मैं अपना कोई भी निर्णय लीक आउट नहीं करना चाहता।" कार्ल जेनर ने उठते हुए कहा।

इसके साथ ही वह अपनी जीप की ओर मुड़ गया। गार्ड उसे जीप तक छोड़कर लौट आई।

❑❑❑

❑❑❑

जैसे ही शेरिफ रोस को होश आया वह चौंककर उठ बैठा, लेकिन वह उस मेज से नीचे न उतर सका, जिस पर कि उसे लिटाया गया था। वह अपने आपमें बेहद कमजोरी महसूस कर रहा थ। उसे उठकर बैठने में भी काफी कोशिश करनी पड़ी थी।

शेरिफ रोस खुद को एक अजीब-से कमरे के बीच देख रहा था। हालांकि कमरे में चारों ओर दीवारें थीं, कमरे की छत थी ऊपर पंखा चल रहा था, लेकिन नीचे की ओर जैसे ही उसने झांक कर देखा, उसकी रूह फना हो गयी।

उसे लगा कि वह किसी लाखों फिट गहरी खाई के ऊपर जंजीरों में बंधे एक तख्ते पर लिटाया गया है। यदि उसे जंजीरों में न बांधा गया होता तो वह घबराकर कभी का इसमें गिर चुका होता।

रोस ने गौर से चारों ओर देखा। कमरे में उसके अलावा और कोई न था। आखिर होता भी कहां से! कमरे में कोई भी खिड़की

या दरवाजा नहीं था। न ही कोई बल्ब या ट्यूब का प्रकाश था, फिर भी न जाने कहां से इतना उजाला जरूर आ रहा था कि वह कमरे की दीवारों को ध्यान से देख रहा था।

उसने एक बार साहस बटोरकर पुनः नीचे की ओर झांका। उसकी चीख निकलते-निकलते बची थी, लेकिन इस बार उसे नीचे की ओर ट्यूब लाइट का प्रकाश दिखाई दिया था, जो कि उस तख्ते के नीचे लगी थीं, जिस पर कि उसे बांधा गया था। उसने उस तख्ते को गौर से देखा।

उसे एक स्विच दिखाई पड़ा। रोस ने उत्सुकतावश स्विच को दबा दिया। स्विच के दबते ही बाहर की ओर घंट बजी। घंटी बजते ही एक अनजानी आवाज उसके कानों से टकरायी—

"बोलो क्या चाहिए?"

"प... पानी... !" रोस ने साहस बटोरकर कहा।

"यदि पानी चाहिए तो आंखें मूंदकर एक से दस तक गिनो।" यह सुनकर रोस के आश्चर्य की सीमा न रही। उसने आवाज की आज्ञा का पालन किया।

जैसे ही उसने दस तक गिनने के बाद आंखें खोलीं, उसके सामने फॉक्सी एक ट्रे में दो बोतल लिए खड़ी थी, जिनमें एक ठण्डे पानी की थी व दूसरी फलों के जूस की।

उसे अपनी आंखों पर विश्वास न हुआ कि वह जो भी देख रहा था, वह हकीकत था या कोई सपना। रोस ने गौर से नीचे की ओर झांका।

"यह तुम क्या पागलों जैसी हरकत कर रहे हो रोस?"

"कुछ नहीं फॉक्सी, मैं देख रहा था कि तुम कहां खड़ी हो?"

"कमरे के फर्श पर खड़ी हूं और कहां खड़ी होऊंगी?"

"कुछ देर पहले तो मैंने देखा था, इस कमरे में फर्श ही नहीं था।"

"यह तुम्हारे दिल का वहम रहा होगा।"

"माना कि मेरा जिस्म इन लोगों की कैद में है, लेकिन मेरा दिल व दिमाग अभी भी पूरी तरह आजाद है। मैं ठीक से देख व सुन सकता हूं।"

"क्या तुम सोचते हो कि यह फर्श भी मैंने ही जादू से तैयार किया है।"

"मुझे लगता है कि इस कक्ष की पूरी व्यवस्था ही डिजिटल है, एक कम्प्यूटर के माध्यम से ही सब कुछ पल भर में बन जाता है व बिगड़ जाता है।"

"अब तुम अधिक सोच-विचार में मत पड़ो और अपनी प्यास बुझाओ।" यह कहकर फॉक्सी ने रोस की आंखों में झांका।

"लाओ यह जूस की बोतल मेरे मुंह से लगा दो।"

"क्या मेरे हाथों से पीने की इच्छा हो रही है?"

"मजबूर हूं फॉक्सी?"

"मैं बंधा जो पड़ा हूं।"

"उसकी तुम परवाह न करो, मैं अभी तुम्हें खोले देती हूं।" यह कहकर उसने पास ही लगा एक स्विच दबा दिया। अब उसके हाथों व पैरों की जंजीरें खुल चुकी थीं।

"थैंक्यू फॉक्सी!"

यह कहकर रोस ने जूस की बोतल मुंह से लगा ली। आधी बोतल पीने के बाद रोस ने बोतल को फॉक्सी की ओर बढ़ा दिया।

"क्या हुआ रोस?"

"बाकी तुम्हारे लिए।"

"मेरी परवाह मत करो, मैं तो पहले ही पी चुकी हूं।"

"नहीं, ऐसा नहीं हो सकता, तुम्हें मेरा साथ देना ही होगा।"

"तुम नहीं मानते तो मैं पिये लेती हूं।" यह कहकर फॉक्सी ने बोतल को मुंह से लगा लिया। उसने खाली बोतल एक ओर उछाल दी।

"रोस...!"

"यस डार्लिंग...!"

"क्या तुम जानते हो, मैं यहां किसलिए आई हूं?"

"हां डर्लिंग!"

"बोलो किसलिए?"

"मेरी प्यास बुझाने।"

"लगता है, मुझे मिलकर तुम्हारी प्यास और भी भड़क उठी है।"

"क्या करें... तुम चीज ही ऐसी हो।", रोस ने उसके मादक उभारों पर नजरें गड़ाते हुए कहा।

"कोई बात नहीं... मैं तुम्हारी प्यास बुझाने का पूरा बन्दोबस्त

करके लाई हूं।" फॉक्सी ने उसके दहकते अधरों पर अपने रसीले होंठ रखते हुए कहा।

"रोस ने उसे अपने बाहुपाश में जकड़ लिया। अब थोड़े ही प्रयास के बाद वह उस पर सवार हो चुका था। उसकी गर्म सांसें फॉक्सी की महकती सांसों से टकराने लगीं।

अगले ही पल वे दोनों एक-दूसरे की जरूरत बन चुके थे।

कुछ देर के प्रेम संघर्ष के पश्चात् ही वे दोनों वह सब हासिल करने में कामयाब हो चुके थे, जिसके लिए वे अब तक संघर्ष कर रहे थे।

इसके साथ ही वे अपनी अनियन्त्रित सांसों को काबू करने का प्रयास करने लगे। कुछ पलों के बाद ही वे पूर्णतः संयमित हो चुके थे।

"डार्लिंग...!"

"यस डियर...!"

"क्या तुम बता सकती हो कि फिलहाल हम दोनों कहां हैं?"

"एक-दूसरे की बांहों में।"

"लगता है, तुम हर पल मजाक के ही मूड में रहना चाहती हो।"

"मैंने कुछ गलत कह दिया क्या?"

"गलत तो नहीं कहा डार्लिंग, लेकिन...।"

"लेकिन क्या डियर?"

"लेकिन मेरा पूछने का मतलब यह नहीं था, जो कि तुम समझ बैठीं।"

"और क्या था तुम्हारा मतलब?"

फॉक्सी ने रोस के सीने में समाने का प्रयास करते हुए कहा।

"मैं यह जानना चाहता था कि जहां मुझे कैद करके रखा गया है, वह कौन-सी जगह है?"

"यह चेट लोगन का हैडक्वार्टर है।"

"हम अब कौन-से शहर में हैं?"

"यह तो मैं भी ठीक से नहीं जानती, लेकिन फिलहाल हम मियामी से लगभग 500 किलोमीटर उत्तर में हैं। यह एक टापू है।"

"क्या यह बता सकती हो कि मैं यहां तक कैसे पहुंचा?"

"जब मैंने देखा कि जीप में अचानक तुम्हें चक्कर आने लगे

हैं तो मैंने ड्राइविंग सीट सम्भाल ली। कुछ दूर तक मैंने गाड़ी ड्राइव की। तभी मुझे एक हैलीकॉप्टर रास्ते के बीचों-बीच खड़ा दिखाई पड़ा, जिसके कारण मुझे जीप रोकनी पड़ी।

मैं उतरी ही थी कि चेट लोगन के आदमियों ने मुझ पर बेरहमी से लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए। इससे पहले कि मैं कुछ बचाव के बारे में सोच पाती, उन्होंने मुझे बांधकर जीप में डाल दिया। मैं चीखने लगी तो एक आदमी ने मेरे मुंह पर टेप चिपका दी। मैंने देखा एक आदमी ने तुम्हें अपने कन्धे पर डाला व हैलीकॉप्टर में चढ़ा दिया।

उसकी आंखों पर भी टेप चिपका दो।" चेट लोगन ने रोबीले अन्दाज में कहा।

इसके साथ ही वही आदमी मेरी आंखों पर टेप चिपकाने लगा जो कि मेरे मुंह पर टेप चिपकाकर गया था। उसके बाद मैं कुछ न देख सकी। हां हैलीकॉप्टर के स्टार्ट होने की आवाज मैंने जरूर सुनी थी, जो कि उत्तर दिशा की ओर कम होती चली गयी थी।"

"लेकिन तुम यहां कैसे पहुंचीं?"

"काफी देर बाद भी जब मैं जेनर के पास तुम्हें लेकर न पहुंच सकी तो उन्हें बड़ी चिन्ता हुई। उन्होंने मेरे पति को फोन किया तो पता चला कि मैं जा चुकी हूं। काफी खोजबीन के बाद मुझे जीप में पड़े पाया गया।

मेरे पति टॉम मेसन व कार्ल जेनर मेरी तलाश में इधर-उधर भटकते फिर रहे थे। मुझे देखते ही उन्होंने मुझे बन्धन-मुक्त किया। मैंने उन्हें पूरी घटना से अवगत करा दिया।"

"अभी तक तुमने यह तो बताया ही नहीं कि यहां तक तुम्हें किसने पहुंचाया?" रोस ने उसकी बात को रोककर कहा।

"मैं तुम्हें वही सब बताने जा रही थी।"

"तो बोलो न।"

"हां, सुनो... ।"

"कहो।"

"एक बार चेट लोगन के बारे में मुझे किसी से पता चला कि उसे किसी खूबसूरत व सैक्सी लड़की की जरूरत है। मैंने यह सुनहरी मौका खोना ठीक न समझा। मैं उसके द्वारा बताये गये पते पर जा पहुंची, लेकिन उस वक्त मैंने एक बेहद खूबसूरत लड़की का मास्कफेस लगाया हुआ था, जिससे वह धोखा खाकर मुझे अपने साथ ले आया।

यहां आकर मेरी मुलाकात तुमसे हो गयी। मैं तुम्हें जल्द-से-जल्द यहां से छुड़ाकर ले जाना चाहती हूं।"

"तब देर किस बात की है डार्लिंग?"

"मैं चाहती हूं कि जाने से पहले सवारी का समुचित प्रबन्ध हो जाये।"

"यहां तुम्हें कैसे लाया गया था?"

"एक स्टीमर से।"

"तो रास्ता तो तुम्हें याद होगा ही।"

'नहीं, मुझे कुछ नहीं पता।"

"क्यों?"

"क्योंकि उस वक्त मेरी आंखों पर भी टेप चिपका दी गयी थी।"

"भला इस सबकी क्या जरूरत थी?"

"वह इसलिए, ताकि मैं उससे कहीं दूर न जा सकूं।"

"तुम्हारे साथ वह कैसा बर्ताव करता है?"

"किसी रखैल की तरह।"

"तुम्हें यहां कोई परेशानी तो नहीं?"

"देखने को तो मुझे यहां कुछ भी खाने-पीने, कहीं भी सोने-बैठने की छूट है, लेकिन एक परेशानी है मेरे दिल को।" फॉक्सी ने एक दर्दपूर्ण अंदाज में कहा।

"वह क्या?"

"जब मैं यह देखती हूं कि हमारे सीनियर के साथ इतना बुरा बर्ताव हो रहा है, तो मेरा दिल रो पड़ता है।"

"क्या तुम्हें यहां से बच निकलने की कोई सूरत नजर आती है डार्लिंग?"

"निकलना तो है ही, लेकिन थोड़ा वक्त जरूर लगेगा।"

"कितना वक्त?"

"दो-चार रोज तो लग ही जायेंगे।"

"क्या तुम्हें उम्मीद है कि तब तक सवारी का प्रबन्ध हो जायेगा?"

"बेशक।"

"इतने दावे के साथ तुम कैसे कह सकती हो?"

"क्योंकि मैं कुछ लोगों की खातिर में लगी हुई हूं जो कि मुझे

स्टीमर से या हैलीकॉप्टर से मियामी तक पहुंचा सकेंगे।"

"इसके अलावा और कोई सूरत नहीं हो सकती क्या?"

"क्यों तुम्हें मेरी योजना पसन्द नहीं आई क्या?"

"मैं नहीं चाहता कि मेरे कारण मेरे सहायक की पत्नी को गैर मर्दों की बांहों में पिसना पड़े।"

"लेकिन इसमें हर्ज भी क्या है सर?"

"मेरा मन ऐसा करने की इजाजत नहीं देता।"

"तब कोई और उपाय सोचती हूं।"

"हां, कोई और तरकीब लड़ाओ।"

"एक काम और भी हो सकता है।"

"वह क्या?"

"यदि तुम चेट लोगन को अपने विश्वास में ले लो तो वह तुम्हें आजाद कर सकता है।"

"यह कैसे सम्भव होगा?"

"यदि तुम उसे अपने विभाग के कुछ ऐसे रहस्य बता दो जो कि वह लाख कोशिश करने के बाद भी न जान सके तो वह तुम्हें अपने सिंडीकेट का एरिया कमांडर नियुक्त कर देगा। उसके बाद तुम कहीं भी बड़े आराम से जा सकोगे।"

"किसी हद तक बात तो तुम्हारी भी सही है फॉक्सी, लेकिन क्या यह अपने मुल्क के प्रति गद्दारी नहीं होगी?"

"यह तो मैं भी समझती हूं डियर, लेकिन आप तो जानते ही हैं कि कुछ पाने से पहले बहुत कुछ खोना भी पड़ता है।"

"क्या तुम मुझे इस कक्ष से बाहर निकलने में मेरी मदद कर सकती हो?"

"कर क्यों नहीं सकती?"

"यदि ऐसा सम्भव है तो मुझे जल्द-से-जल्द यहां से कहीं दूसरी जगह रखवाने का प्रबन्ध कराओ।"

"इसकी व्यवस्था मैं आज ही करा दूंगी।"

"लेकिन कैसे करोगी यह सब?"

"मैं तुम्हें अभी अपने साथ लेकर चलूंगी।"

"कहां ले जाओगी डार्लिंग?"

"चेट लोगन के पास।"

"क्या वह तुम्हारी बात मान जायेगा?"

"उम्मीद तो यही है।"

"चलो, फिर चलते हैं।"

"लेकिन एक बात का ध्यान रखना सर!"

"बोलो डार्लिंग!"

"वहां तुम्हें ऐसा जाहिर नहीं करना है कि तुम मुझे नहीं जानते। तुम मुझे फॉक्सी कहकर ही पुकारोगे।"

"जैसे तुम कहती हो, वैसा ही होगा।"

"तो आओ मेरे साथ।"

यह सुनते ही रोस फॉक्सी के साथ उठकर चल दिया।

❑❑❑

❑❑❑

आज सुबह से ही कार्ल जेनर का मूड ठीक नहीं था। उसे रह-रहकर शेरिफ रोस की याद आ रही थी। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह चेट लोगन को तलाश करे तो कहां करे। यह तो निश्चित था कि हर दूसरे या तीसरे रोज वह किसी भी एक परिवार के पति-पत्नी को अपना निशाना बनाता था।

अचानक जेनर के दिमाग में एक योजना उभरी। उसने सोचा क्यों न कुछ दिनों के लिए बस्ती के प्रत्येक घर पर एक-एक गार्ड सादी वर्दी में छोड़ दिया जाये, साथ ही संचार व्यवस्था की कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी कर ली जाये।

उसने इस बार मीटिंग न करके पत्राचार द्वारा लोगों के विचार जानने चाहे। अगले ही रोज उसके पास सभी अधिकारियों के पत्र आ गए, जिसमें उसके प्रश्नों का उत्तर दिया गया था।

उसने उनके विचारों को पढ़कर एक ठोस योजना बनाई व इस योजना में टॉम मेसन, फॉक्सी व मैरी को शामिल किया। अपने चीफ की सोर्स लगाकर उसने मैरी को भी ड्यूटी पर लगा दिया था।

रात के लगभग दो बजे जेनर व मैरी मिस्टर शेरलॉक के घर मेहमान के रूप में ठहरे हुए थे। पास वाले घर में टॉम मेसन व फॉक्सी थे।

इसी प्रकार हर घर में कोई-न-कोई अधिकारी सादी वर्दी में मौजूद था। लगभग दो दिन उन्हें इन्तजार करते हुए गुजर गये थे। आज तीसरे रोज उन्हें पूरी उम्मीद थी कि चेट लोगन जरूर किसी-न-किसी घर के दम्पत्ति को अपना निशाना बनाएगा।

अचानक तीन बजे के करीब मैरी के मुख से चीख सुनाई पड़ी। इसे सुनते ही जेनर ने उसकी ओर गौर से देखा।

"क्या हुआ मैरी?"

"अभी-अभी मैंने खिड़की के पीछे से किसी साये को जाते हुए देखा है।"

"कैसा था वह?"

"लगभग साढ़े छः फिटा जवान था वह, उसके हाथों में एक कुल्हाड़ी थी।"

"तुम यहीं ठहरो, मैं अभी उसे देखकर आता हूं।"

यह कहकर जेनर ने अपनी रिवाल्वर थामी व कमरे से बाहर निकल गया। उसने फुर्ती से चारों ओर देखा, लेकिन वहां कोई न था।

उसने जल्दी से आसपास के कमरों को चैक किया... सब कुछ ठीक-ठाक था। अचानक कमरे की छत पर एक हैलीकॉप्टर की आवाज सुनाई पड़ी। जो कि नीचे की ओर टॉर्च से लाइट फेंक रहा था।

वह फुर्ती से कमरे की छत पर जा पहुंचा, लेकिन वहां भी कोई न था। उसने अपनी योजना के मुताबिक एक हवाई फायर किया। उसने सुनते ही उसके सभी साथी सावधान हो गए। यह इस बात की परिचायक था कि खतरा करीब ही है। तभी कोठी की चारदीवारी पर फॉक्सी दिखाई पड़ी। उसे देखते ही जेनर उसकी ओर लपका।

"क्या बात है फॉक्सी?"

"कुछ नहीं सर!" उसने कुछ पल गौर से इधर-उधर देखते हुए कहा—"मैं यह देखने आई थी कि उसने कहीं किसी को निशाना तो नहीं बना लिया।"

"वह अभी निशाना तो नहीं बना सका, लेकिन वह यहीं-कहीं छिपा हुआ है।"

"इतने दावे के साथ आप यह बात कैसे कह सकते हैं?"

"मैरी ने अभी-अभी खिड़की के पास से एक साये को गुजरते देखा है। उसके हाथों में भी एक कुल्हाड़ी थी।"

"ठीक है, आप लोग सावधान रहना, मैं जा रही हूं।"

"वैसे बाकी के घरों में तो खैरियत है न?"

"हां, मैं सबसे मिलकर आ रही हूं, आप लोग परेशान न हों।"

वे अभी फॉक्सी से बातें कर ही रहे थे कि अचानक वहां से बायीं ओर चौथे घर से फायर की आवाज उभरी तथा उधर ही हैलीकॉप्टर के इंजन का शोर सुनाई दिया। तभी एक आदमी दौड़ता हुआ आया। चेट लोगन भाग रहा है... वह भाग रहा है हैलीकॉप्टर से।"

सभी भागते हुए उसी ओर जा पहुंचे।

"क्या हुआ कमांडर?"

"मैंने उसे अपनी आंखों से देखा है। उसकी कुल्हाड़ी भी जल्दबाजी में टूट गयी थी। उसकी दायीं बाजू में गोली लगी है, लेकिन अफसोस वह भागने में कामयाब हो गया।"

"उसने किसी को शिकार तो नहीं बनाया?"

"वह वार करना ही चाहता था कि मैंने पूरी ताकत से उसकी कुल्हाड़ी पकड़ ली। तभी हमारे एक साथी ने उस पर वार कर दिया। ठीक तभी हैलीकॉप्टर उसे लेने आ पहुंचा। हालांकि उसके हाथ में काफी जख्म था, फिर भी वह किसी बिल्ली की भांति उछला व छत पर जा पहुंचा।

ठीक तभी हैलीकॉप्टर की सीढ़ी ने उसे ऊपर खींच लिया।

"अब हमें क्या करना है सर?"

"आपको कुछ नहीं करना है, जो हमें करना था, कर चुके हैं।"

"यानि अब आप उसका पीछा नहीं करेंगे?"

"उसके हैलीकॉप्टर का बराबर पीछा होता रहा है, लेकिन उसे तो क्या उसके फरिश्तों को भी इस बात का इल्म न हो सकेगा।"

ठीक तभी जेनर के ट्रांसमीटर पर सिगनल उभरा। उसने एरियल खींचकर ऑन किया।

"हैलो... ।"

"योर असिस्टेन्ट मेसन फ्रॉम शेतान टापू टू मियामी हैडक्वार्टर ओवर... !"

"क्या तुम अपने मिशन में कामयाब हुए ओवर!"

"यस सर मैं चेट लोगन के हैलीकॉप्टर के ठीक ऊपर उड़ रहा हूं लेकिन मैं इतनी ऊंचाई पर हूं कि वह मुझे नहीं देख सकता ओवर... !"

"तुम किसी भी तरह उस तक पहुंचने की कोशिश करो... ओवर... !"

"मैं पूरी कोशिश करूंगा सर ओवर...!"

"हो सके तो शेरिफ रोस से भी मिलने की कोशिश करना ओवर...।"

"मैं उससे मिलते ही आपसे सम्पर्क करूंगा ओवर...।"

"अपना ध्यान रखना मेसन ओवर एण्ड ऑल!"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

"अब हमें क्या करना है सर?" मैरी ने उत्सुकतावश पूछा।

"फिलहाल हमें वापिस चलना है, अब यहां ड्यूटी देने से कोई लाभ नहीं है।"

इसके साथ ही सभी लोग हैडक्वार्टर की ओर चल दिये।

फॉक्सी व जेनर को इस बात की खुशी थी कि आज उनके रहते चेट लोगन की मनचाही न हो सकी थी। वह चोट खाकर किसी जख्मी शेर की भांति छटपटाता हुआ भाग खड़ा हुआ था, लेकिन अब इस बात का खतरा बंन चुका था कि जब भी वह लौटेगा, बेहद बौखलाया हुआ होगा तथा एक विनाशकारी दृश्य उत्पन्न करेगा।"

"तब हमें क्या करना होगा सर?"

"सबसे पहले हमें किसी भी तरह शेरिफ रोस को हासिल करना है। उसके आने के बाद ही हम कोई ठोस कदम उठा पायेंगे।"

"यह उम्मीद तो चेट लोगन से नहीं की जा सकती, लेकिन हो सकता है... टॉम मेसन उस तक पहुंचने में कामयाब हो जाये और उसकी मदद से यह काम सम्भव हो जाये।"

"यानि हमें टॉम मेसन के लौटने तक इन्तजार करना होगा?"

"लगता तो ऐसा ही है।"

"फिलहाल मुझे क्या करना है सर?"

"तुम चिन्ता न करो, मेरे पास अभी भी तुम्हारे लिए बहुत काम है।"

"हुक्म कीजिए सर!"

"मैं तुम्हें कुछ फाइलें दे रहा हूं, तुम्हें बारीकी से इनका अध्ययन करना होगा।"

"लाइए, मेरा भी टाइम पास हो जायेगा।"

इसके साथ ही जेनर ने एक फाइल मैरी की ओर बढ़ा दी। वह फाइल लेकर एक केबिन में चली गई।

❑❑❑

❑❑❑

जैसे ही फॉक्सी व रोस चेट लोगन के समक्ष प्रस्तुत हुए, उसके आश्चर्य की सीमा न रही।

"आओ फॉक्सी कैसे कष्ट किया?"

"सर! कष्ट मुझे नहीं, बल्कि रोस को है।"

"बोलो हम इनके लिए क्या कर सकते हैं?"

"सर! ये उस कक्ष में रहना नहीं चाहते।"

"लगता है, इन पर भी तुम्हारे रूप का जादू चल गया है।"

"नहीं, ऐसी बात नहीं है सर!"

"फिर क्या बात है फॉक्सी?"

"इन्हें उस कक्ष में रहने में बेहद परेशानी होती थी।"

"अब ये क्या चाहते हैं?"

"ये मेरी तरह आजाद रहना चाहते हैं।"

"क्या तुमने इन्हें आजाद होने के लिए जरूरी शर्तें बता दी हैं?"

"यस बॉस!"

"तो ठीक है, मेरी ओर से तुम दोनों को पूरी आजादी है। तुम इसी सिंडीकेट की सीमा में कहीं भी आजादी से घूम सकते हो। तुम्हें एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने की पूरी छूट होगी।"

"सर, ये आपको कुछ ऐसी बातें बताना चाहते हैं जो कि आपके लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं।"

"ठीक है, तुम इनसे मालूम करके हमें बता देना।"

"वैसे यदि आप भी इनसे कुछ प्रश्न करना चाहें तो ये आपको उनके सन्तोषजनक उत्तर दे सकते हैं।"

"आज मैं इनसे कोई पूछताछ करने के मूड में नहीं हूं।"

"लेकिन क्यों सर?"

"मुझे आज इनकी मानसिक हालत वैसे भी सन्तोषजनक नजर नहीं आती।"

"ठीक है, आज मैं इन्हें हैडक्वार्टर की सैर कराती हूं।"

"अब तुम जाओ, मैं तुमसे कल मिलूंगा।"

यह सुनते ही फॉक्सी रोस को लेकर निकल गयी। दरअसल यह यौवना वास्तव में फॉक्सी नहीं थी। यह तो फॉक्सी के मेकअप में चेट लोगन की सैक्रेटरी थी। यह रोस से उसके विभाग के कुछ

जरूरी रहस्य जानने के लिए ही फॉक्सी का मेकअप किए हुए थी।

रोस को लेकर वह एक ऐसे सुसज्जित बैडरूम में जा पहुंची जो कि देखने में जन्नत का ही एक हिस्सा नजर आता था। जैसे ही उन्होंने कमरे के दरवाजे में प्रवेश किया, खुशबू का एक झोंका उनके नथुनों से टकराया।

रोस को एक अजीब-सी मस्ती अपने ऊपर सवार होती महसूस होने लगी। वह खुद को एकदम उत्तेजित-सा महसूस करने लगा।

उनके भीतर पहुंचते ही गेट स्वतः बन्द हो गया। यह पूरी तरह ऑटोमेटिक था।

कमरे में बैड के पास ही एक छोटा-सा बार काउण्टर भी बना था। रोस को अपने ऊपर से मानसिक नियन्त्रण जाता हुआ प्रतीत होने लगा।

फॉक्सी के सवालों पर वह 'हां, हूं' कर देता था, लेकिन उसमें इतनी सामर्थ्य नहीं थी कि वह फॉक्सी से कोई प्रश्न पूछ सके। अगले ही पल वह बार काउण्टर की ओर बढ़ी। बोतल उठाकर उसने दो जाम छलकाए। एक रोस की ओर बढ़ाया व दूसरा अपने हाथों में थाम लिया।

दोनों के जाम परस्पर टकराये व चियर्स के साथ ही उनके होठों से जा लगे। फॉक्सी रोस के लिए जाम-पर-जाम छलकाती जा रही थी, पीने-पिलाने का यह दौर तक तक चलता ही रहा, जब तक कि वे दोनों बेसुध होकर एक-दूसरे की बांहों में न समा गए।

फॉक्सी की आंखों में वासना की झलक स्पष्ट नजर आ रही थी।

रोस भी पूरी तरह उत्तेजित हो चुका था। उसकी गुस्ताख उंगुलियां फॉक्सी के पारदर्शी लिबास से छेड़छाड़ करने लगी थीं। कुछ ही पलों के प्रयास के बाद वे दोनों पूर्णतः बेलिबास हो चुके थे।

देखते-ही-देखते फॉक्सी ने उसे अपने ऊपर खींच लिया। वे दोनों ही एक-दूसरे में समा जाने का प्रयास करने लगे। रोस ने अपने दहकते होंठ उसके शरबती अधरों से सटा दिये।

उनके इस प्रेम-संघर्ष से ऐसा प्रतीत होता था मानो दो प्यासी आत्माओं का सदियों के बाद पुनर्मिलन हो रहा हो। अथवा वे आज ही अपनी सदियों की प्यास को शान्त कर लेना चाहते हों।

दोनों बढ़-चढ़कर करतब दिखा रहे थे। कोई भी कदम पीछे

हटाने को तैयार न था। फॉक्सी को रोस की किसी भी हरकत से कोई आपत्ति न थी। वह पूरी शक्ति से उसके उफनते यौवन का मंथन कर रहा था।

फॉक्सी चाहती थी कि वह उम्रभर यूं ही रोस की मजबूत बांहों में पिसती रहे, लेकिन ऐसा होना मुमकिन न था, क्योंकि प्यार एवं समर्पण के ये क्षण बहुत ही सीमित होते हैं।

प्रेम एवं समर्पण की भी एक सीमा एवं मर्यादा होती है, जिसके भीतर ही कोई भी प्रेमी युगल अपने प्रेम का प्रदर्शन कर सकता है। ऐसा ही कुछ उन दोनों के साथ भी होना था।

देखते-ही-देखते वे दोनों प्रेम एवं समर्पण की उस चरम सीमा पर जा पहुंचे, जहां पहुंचकर कुछ भी पाना शेष नहीं रह जाता। फॉक्सी व रोस को ऐसा लगा मानो वे उस असीम सुख को हासिल कर चुके हैं, जिसके लिए वे अब तक प्रयास कर रहे थे।

अगले ही पल वे दोनों अपनी सांसों को नियन्त्रित करने का प्रयास कर रहे थे। कुछ क्षणों के पश्चात् वे पूर्णतः संयमित हो चुके थे। इसके साथ ही वे अपने लिबास की ओर लपके। लिबास को दुरुस्त करने के बाद वे अधलेटी अवस्था में हो गये। इसके साथ ही बातों का सिलसिला प्रारम्भ हुआ।

"डार्लिंग!"

"यस डियर!"

"मेरी एक बात समझ में नहीं आई।"

"कौन-सी बात डियर?"

"यही कि मैं जब से तुम्हारे साथ इस कक्ष में प्रविष्ट हुआ हूं, मैं तुमसे कोई भी प्रश्न कर पाने की स्थिति में नहीं हूं। जैसे ही तुम्हारी आंखों में झांकता हूं, सब कुछ भूल जाता हूं।"

"फिलहाल क्या याद है?"

"सिर्फ इतना कि हम दोनों एक दूजे के लिए हैं।"

"अक्सर ऐसा ही होता डियर जब कोई भरपूर जवां मर्द किसी यौवना के बेहद करीब होता है।"

"मुझे तो तुम कोई जादूगरनी लगती हो।"

"मैं फॉक्सी हूं, तुम्हारे सहायक की पत्नी फॉक्सी। मैं तुम्हें लौटाने आई हूं। मैं इस कोशिश में हूं, किसी तरह यहां से निकलने का साधन बन जाये।"

"ऐसा साधन तो तुम्हीं बना सकती हो।"

"तुम क्यों नहीं बना सकते?"

"क्योंकि मैं इनकी कैद में हूं।"

"कैद में तो मैं भी हूं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यदि तुम इन्हें कोई नयी जानकारी दे सको तो ये तुम्हें आजाद कर देंगे।"

"शायद तुम नहीं जानतीं कि हमसे सब कुछ जानने के बाद गोली भी मार सकते हैं।"

"यह तुम्हारी भूल है, ऐसा होना होता तो ये कभी की गोली मार चुके होते।

"ठीक है, मैं इन्हें कुछ ऐसी जानकारियां देता हूं जो कि इनके लिए एकदम नयी साबित होंगी।"

"बताओ।"

"मैं इन्हें चीफ की सेफ खोलने का एक ऐसा नम्बर बता सकता हूं जो कि पूर्णतः गोपनीय है। उस सेफ में हमारे मुल्क की बहुत-सी महत्वपूर्ण फाइलें बन्द हैं जो कि इन्हें लाख कोशिश करने पर भी हाथ नहीं लग सकती थीं।"

"क्या नम्बर है वह, जल्दी बताओ न, ताकि हम आजाद होकर यहां से भाग निकलें। मुझे तो अपने पति की बहुत याद आती है। क्या आपको अपनी पत्नी की याद बिल्कुल भी नहीं आती?"

"याद तो मुझे भी आती है, लेकिन मजबूर हूं।"

"क्या वह नम्बर तुम मुझे नहीं बता सकते?"

"बताऊंगा, लेकिन मेरी भी एक शर्त है फॉक्सी!"

"वह क्या सर?"

"पहले मुझे यहां के उन तमाम रहस्यों से अवगत कराओ जो कि हमारे लिए भागने में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।"

"आओ चलते हैं।"

यह कहकर फॉक्सी उसे लेकर बाहर निकल गयी। लगभग आधे घन्टे में फॉक्सी ने उसे बहुत-सी ऐसी जगहों का ज्ञान कराया जो कि वहां से भागने में बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकती थी।

"यह समुद्री किनारा है, यहां से हम तैरते हुए भी बाहर निकल सकते हैं।"

"ऐसा हो तो सकता है, लेकिन यह सुरक्षित नहीं है। हम कभी भी दुश्मन की गोली का निशाना बन सकते हैं।"

"ठीक है, मैं तुम्हें अब यहां का ट्रांसमिशन सिस्टम दिखाती हूं। वह देखो बायीं ओर जो कक्ष है, उसमें एक ऑपरेटर बैठती है, यदि किसी तरह तुम उसे कंट्रोल कर लो तो तुम यहीं बैठे अपने मुल्क से भी सम्पर्क कर सकते हो।"

"खैर छोड़ो, बाद में सोचेंगे उसके बारे में। यहां के आयुध भंडार के बारे में तुम्हारी क्या राय है?"

"वे यहां से दूर दायीं ओर जो कक्ष नजर आ रहे हैं, उन्हीं में सब कुछ अस्त्र-शस्त्र एवं विस्फोटक सामग्री का भंडार है, लेकिन वहां जाना खतरे से खाली नहीं है।"

"लेकिन मुझे लगता है कि वहां से दो साये हमारी ओर बढ़ रहे हैं।"

"हां, लगता तो मुझे भी ऐसा ही है।"

"आओ उस ओर ही चलते हैं।"

"नहीं, मैं वहां नहीं जाऊंगी।"

"क्यों नहीं जाओगी वहां?"

"मेरी मर्जी।"

"क्या तुम मुझे छुड़ाना नहीं चाहतीं?"

"छुड़ाना तो चाहती हूं, लेकिन खोना नहीं।"

"मैं तुम्हें छोड़कर कहीं भागने वाला नहीं हूं।"

"यह तो मुझे भी मालूम है, लेकिन...।"

"लेकिन क्या डार्लिंग...?"

"लेकिन मुझे खतरा है कि यदि हम वहां पहुंचे तो हमें बिना किसी चेतावनी के गोली मार दी जायेगी।"

"इसका मतलब यह हुआ कि तुम फॉक्सी नहीं हो।"

"व्हाट?" फॉक्सी ने चौंकते हुए कहा।

"मैं सही कह रहा हूं, क्योंकि फॉक्सी इतनी बुजदिल नहीं हो सकती कि एक गोली से डरकर अपने कदम पीछे हटा ले।"

"लेकिन सर! फॉक्सी इतनी खुदगर्ज भी तो नहीं है कि वह अकारण ही अपने सीनियर को मौत की नींद सुला दे।"

"अच्छा एक काम करते हैं।"

"कहिये सर?"

"हमें यहीं रुककर यह देखना है कि ये दोनों व्यक्ति कौन हैं जो कि हमारी ओर बढ़े चले आ रहे हैं।"

"यह तो साफ नजर आ रहा है कि उनमें से एक पुरुष है व दूसरा स्त्री।"

"ये आदमी दोनों कौन हो सकते हैं?"

"मैं तो इन्हें जानती तक नहीं।"

"इसका मतलब तुम फॉक्सी नहीं हो।"

"सर, मेरी समझ नहीं आता, आखिर आज तुम्हें हो क्या गया है। लगता है, किसी अच्छे डॉक्टर से मुझे तुम्हारा चेकअप कराना होगा।"

"मुझे कुछ नहीं हुआ, मैं बिल्कुल ठीक हूं, लेकिन यह निश्चित हो चुका है कि तुम फॉक्सी नहीं हो। यदि तुम फॉक्सी होतीं तो उस आदमी से मिलने से कदापि इंकार न करतीं।"

"क्या तुम उसे जानते हो?"

"सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि तुम भी जानती हो।"

"जरा बताओ तो कौन है वह?"

"कुछ देर और यहीं ठहरो, वह खुद तुम्हें आकर बता देगा कि वह कौन है और तुम कौन हो?"

"इसका मतलब तुम उसे पहचानते हो?"

"मैं तुम्हें भी पहचानता हूं कि तुम कौन हो और मुझे यहां क्यों लेकर आई हो।"

"जरा बताओ तो मैं कौन हूं?"

"तुम फॉक्सी के मेकअप में चेट लोगन की सैक्रेटरी हो, जो कि मुझसे राज उगलवाने के लिए मुझे यहां लेकर आई हो।"

"तब वे दोनों कौन हैं?"

"वे वास्तव में फॉक्सी व उसका पति टॉम मेसन हैं।"

"यह तुम्हारा भ्रम है। फॉक्सी तो मैं हूं। लगता है, यह दोनों ही यहां वेश बदलकर आये हैं। मैं इन्हें शूट करती हूं।"

यह कहकर फॉक्सी ने अपने पैर से सैण्डिल निकाला व उसे एक खास अंदाज में पकड़कर उसमें लगा एक बटन दबा दिया। सैंडल से एक हल्की-सी आवाज उभरी, लेकिन सामने से आने वाले दोनों स्त्री-पुरुष इस ओर से लापरवाह न थे। इससे पहले कि सैंडल में छिपे साइलेंसरयुक्त रिवाल्वर की गोली उन्हें छू पाती, वे दोनों अपने स्थान पर हवा में जम्प ले गए।

तब तक रोस सम्भल चुका था। उसने चेट लोगन की सैक्रेटरी

के कूल्हे पर ऐसी जोरदार ठोकर जड़ी कि वह चाहकर भी न उठ सकी। अगले ही पल टॉम मेसन व फॉक्सी उसके करीब आ चुके थे।

"कौन है यह सर?" टॉम ने रोस को सम्बोधित किया।

"यह फॉक्सी के मेकअप में चेट लोगन की सैक्रेटरी है। यह मुझसे वहां के राज उगलवाने के लिए मेरे पीछे लगायी गयी है।"

"ठीक है, इसे बेहोश करके ले चलो, हैलीकॉप्टर तैयार है।"

"यह सुनते ही रोस ने उसकी कनपटी पर कराटे का वार करके बेहोश कर दिया। फॉक्सी ने सैक्रेटरी को अपने कंधे पर लादा व हैलीकॉप्टर की ओर बढ़ गयी।

इसके साथ ही वे दोनों भी हैलीकॉप्टर में जा बैठे। उनके बैठते ही रोस ने पायलेट सीट सम्भाली व अपनी मंजिल की ओर बढ़ चले।

कुछ देर बाद ही वे इतने ऊपर उड़ रहे थे कि उन्हें दुश्मन से कोई खतरा न हो सकता था।

❑❑❑

❑❑❑

कार्ल जेनर व स्वीटी अपने बैडरूम में आकर लेटे ही थे कि अचानक उनके उन्हें ट्रांसमीटर पर सिगनल मिला।

उन्होंने हाथ बढ़ाकर ट्रांसमीटर उठाया, ऑन किया—

"हैलो...ओवर!"

"टॉम फ्रॉम शैतान टापू टू मियामी हैडक्वार्टर ओवर!"

"कैसे हो टॉम ओवर...?"

"सर मैं ठीक हूं, ओवर...!"

"तुम्हें फॉक्सी मिली या नहीं, मैंने तुम्हारी मदद के लिए उसे भेज दिया था, ओवर...!"

"यस सर...ओवर...!"

"अब तुम कहां हो ओवर...!"

"हम सब हैलीकॉप्टर में सवार हैं ओवर...!"

"रोस हमारे साथ है सर, ओवर...!"

"कोई खास परेशानी तो नहीं हुई ओवर...?"

"हमारे ऊपर एक लड़की ने फायर किया था सर, ओवर...!"

"कोई खास नुकसान तो नहीं हुआ ओवर?"

"नहीं सर, वैसे हम उस लड़की को अपने साथ ही ला रहे हैं

ओवर!"

"वैलडन! बैस्ट ऑफ लक।"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

"किसका मैसेज था डियर?"

"टॉम पैसन का!"

"क्या वह लौट आया?"

"नहीं, जल्द ही आने वाले हैं!"

"क्या उसके साथ और भी कोई है?"

"हां डार्लिंग!"

"कौन-कौन हैं?"

"वे एक मिशन से लौट रहे हैं... उनके साथ रोस, फॉक्सी व एक अन्य लड़की भी है जिसे वे गिरफ्तार करके लाये हैं।"

"क्या अभी वे लोग सफर में ही हैं?"

"हां डार्लिंग! टॉम ने हैलीकॉप्टर से मैसेज दिया है।"

"अरे यह तो खुशी की बात है। मैं अभी मैरी से जाकर बताती हूं। वह सुनेगी तो खुशी से पागल हो जायेगी।"

"वहां भी चली जाना, लेकिन पहले यहां भी दावत-पानी का इन्तजाम होना चाहिए। आज हम लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है कि हमारा एक साथी मौत के मुंह से निकलकर आ रहा है। साथ ही एक बात यह भी है कि हम लोग अपने दुश्मन का ठिकाना खोज पाने में कामयाब हो गए हैं।"

"आप चिन्ता न करें... मैं कुछ ही देर में पूरी व्यवस्था कर दूंगी, आपको मेरी ओर से शिकायत का कोई भी मौका न मिलेगा।"

"तुम मेहमानों के स्वागत की तैयारी करो, मैं तब तक मैरी को यहां लिवाकर लाता हूं।"

"जैसी आपकी आज्ञा।" यह कहकर स्वीटी घर के कामों में व्यस्त हो गयीं।

कार्ल जेनर अपने स्थान से उठा व बाहर निकल गया। बाहर आकर उसने जीप को भली-भांति चैक किया व ड्राइविंग सीट सम्भाल ली। उसने जीप स्टार्ट की। पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही गाड़ी अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

□□□
□□□

चेट लोगन अपने मीटिंग हॉल में अपने ओहदेदारों के बीच घिरा बैठा था। उसके सामने एक आयाताकार मेज के दोनों ओर कुर्सियों पर कम से कम 50 ओहदेदार बैठे थे। आज उसके बराबर में उसकी सैक्रेटरी वाली कुर्सी एकदम खाली पड़ी थी।

चेट लोगन का चेहरा देखकर इस बात का आभास होता था कि वह अपने किसी भी ओहदेदार से खुश नहीं है। अचानक बायीं ओर का केबिन खुला। उससे दो यौवनाएं प्रगट हुईं। उनके हाथों में चांदी की ट्रे थीं, जिनमें पीने-पिलाने का पूरा बन्दोबस्त था।

उनमें से एक ने आते ही उसके लिए जाम छलकाया। उदास मन से चेट लोगन ने जाम उठाया व अपने होठों से लगा लिया। इसके बाद वे दोनों बारी-बारी से उसके जाम भरने लगीं।

जैसे ही चेट लोगन ने हाथ के संकेत से उन्हें मना किया वे दोनों रुक गयीं व केबिन में वापिस चली गयीं। अचानक लोगन ने टेबल में लगा एक स्विच दबाया। उसके दबते ही पूरा हॉल लाल रोशनी से भर उठा।

यह इस बात का सूचक था कि सभी ओहदेदार सावधान हो जायें।

लाल बल्ब के जलते ही सभी ओहदेदार सावधान होकर बैठ गए।

"मिस्टर जैकब!" लोगन का रोबदार स्वर उभरा।

"यस सर!" जैकब ने आगे बढ़कर कहा।

"आज की कार्यवाही शुरू की जाये।"

"ओ०के० सर!"

"सबसे पहले हमें यह बताओ कि आज इतने कम लोग उपस्थित क्यों हैं?"

"सर, आज आठ लोग अनुपस्थित हैं। ये सब-के-सब मिशन पर गये हुए हैं। इनमें से चार तो सैक्रेटरी की खोज में घूम रहे हैं तथा एक उस कैदी की तलाश में भेजा गया है जो कि यहां से निकल भागने में कामयाब हो गया है।"

"हम यह जानना चाहते हैं कि हमारे जांबाज जवानों के होते हुए यह कैसे सम्भव हो सका?"

"सर, हमें पता चला है कि शेरिफ रोस का सहायक व उसकी पत्नी दोनों ही हमारे जवानों की वर्दी पहनकर व मास्क फेस लगाकर

शस्त्रागार की ओर घूमते देखे गये।"

"उन्हें रोका क्यों नहीं गया?"

"उन्हें रोकने के चक्कर में हमारे चार जवानों की जानें भी चली गयी हैं। सैक्रेटरी ने भी अपने सैण्डिल में छिपे मिनी साइलेंसरयुक्त रिवाल्वर से उन दोनों पर वार किया, लेकिन वे बाल-बाल बच गए।

अगले ही पल उन्होंने कराटे चाप के वार से सैक्रेटरी को बेहोश किया व हैलीकॉप्टर में डालकर ले गए।"

"यह सब तुम्हें किसने बताया?"

"वीडियो कैमरे की फिल्म ने।"

"क्या उस वक्त तुम्हारे पास फोर्स की कमी थी जैकब?"

"नहीं सर, मैं उस वक्त कुछ महत्वपूर्ण फाइलों में व्यस्त था। मुझे तो इस बात की कतई उम्मीद न थी कि हमारे जांबाज जवानों को उनके दो ही आदमी इस क़दर जमीन सूंघने पर मजबूर कर देंगे।"

"फिलहाल तुमने इस संकट से निपटने के लिए क्या किया है?"

"मैंने मियामी में बसे अपने तमाम एजेन्टों को सूचित कर दिया है। वे जल्दी ही रोस व सैक्रेटरी का पता लगाकर हमें सूचित कर देंगे।"

"ठीक है, अब उन लोगों को हमारे सामने पेश किया जाये, जिनकी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।"

"इस तरह के मैंने पांच लोगों को दोषी पाया है। जो कि हमारे लिए जासूसी करते हैं।"

"ठीक है, उन्हें पेश किया जाये।"

"सबसे पहले मैं नम्बर 30 को पेश करता हूं। उसका गुनाह यह है कि उसने सूझ-बूझ से काम न लेकर लापरवाही दिखाई जिसके फलस्वरूप आज हमें यह दिन देखना पड़ा।"

"नम्बर तीस!"

"यस बॉस!"

"क्या तुम अपना गुनाह कबूल करते हो?"

"जी नहीं, मैं बिल्कुल बेगुनाह हूं, मुझ पर लगाये गये आरोप एकदम बेबुनियाद व झूठे हैं। मैंने कुछ रोज पहले ही इस घटना की सम्भावना व्यक्त की थी। मैंने अपने कुछ साथी जासूसों से इस विषय

में सलाह-मशविरा भी किया था, लेकिन वे नहीं माने।"

"इसका मतलब यह तो नहीं कि तुम्हें बिल्कुल बेगुनाह मान लिया जाये, यदि तुम्हें प्रशासन में जरा भी कमजोरी नजर आ रही थी तुम्हें हमसे सम्पर्क करना चाहिए था।"

"इसके लिए मैं माफ़ी चाहता हूं बॉस! इसे मेरा पहला गुनाह मानकर माफ़ कर दिया जाये। मैं आपसे वायदा करता हूं सर कि भविष्य में आपको शिकायत का मौका नहीं दूंगा।"

"शटअप!" गुर्राया चेट लोगन—"भविष्य में गलती तो तब करोगें, जब मैं तुम्हें गलती करने के लिए जिन्दा छोड़ूंगा।"

"मुझ पर रहम करो बॉस! मेरी बूढ़ी मां यह सुनते ही गम से पागल हो जायेगी।"

"तुम जानते हो कि मेरे शब्दकोष में माफी जैसा कोई शब्द नहीं होता। हमारे यहां होने वाले प्रत्येक गुनाह माफी से नहीं, बल्कि सजा से जुड़ा होता है।"

यह सुनते ही नम्बर 30 की रूह कांप उठी। वह सिर से पांव तक पसीने-पसीने हो गया।

"जाओ... इसे चैम्बर में ले जाकर मौत के घाट उतार दो।" लोगन ने दो टूक फैसला सुनातें हुए कहा।

"न... नहीं... !" चीख पड़ा नं० तीस।

यह सुनतें ही दो जवान जो कि देखने में किसी जल्लाद से कम न लगते थे। आगे बढ़े और नं० तीस को पकड़कर घसीटते हुए ले चले।

वे इतनी बेरहमी से घसीटते ले जा रहे थे कि उसके चेहरे व मुंह के पास काफी खरोंचें आ गयी थीं, जिनसे खून छलक रहा था। उसके मुंह से चीखें उबल रही थीं।

उन्होंने जाते ही उसे एक लोहे की जालीनुमा गोल भट्टी में खड़ा कर दिया। अगले ही पल खिड़की को लॉक कर दिया गया।

"अब तुम अपने भगवान को याद कर लो नं० तीस। इसके लिए तुम्हें तीस सेकण्ड का समय मिलेगा।"

"यह सुनते ही नं० तीस ने आंखें मूंदकर हाथ जोड़ दिये। उसमें अपनी मौत को देखने का साहस न बचा था। अब भी उसकी आंखों से आंसू टप-टप बह रहे थे।

"अब तुम्हारी प्रार्थना का वक्त समाप्त होता है।"

यह सुनते ही नं० तीस की आंखों के आगे मौत नाचने लगी। दोनों जल्लाद बारी-बारी से स्विचों को ऑन-ऑफ कर रहे थे। नं० तीस को बार-बार करंट के झटके लग रहे थे। हर झटके के साथ उसके मुख से चीख निकल पड़ती थी।

धीरे-धीरे चेम्बर सुर्ख होने लगा। नं० तीस दहाड़े मारकर चीखने लगा। अचानक उसे जोर का चक्कर आया और चेम्बर में एक ओर लुढ़क गया। कुछ ही देर में उसकी जीवन-लीला समाप्त हो गयी।

नं० तीस को इस दुनिया से विदा करके दोनों जल्लाद वापिस लोगन के पास लौट आये।

इसी प्रकार अन्य चार अपराधियों को भी मौत की सजा सुनाई गई, लेकिन उन्हें सजा-ए-मौत देने का ढंग अलग-अलग था।

प्रत्येक अपराधी को सजा देने के बाद चेट लोगन शान्त भाव से बैठ गया।

"सर! हमारे लिए और कोई हुक्म?"

"आज की सभा खत्म होती है।"

यह सुनते ही सभी ओहदेदार अपने स्थान से उठ खड़े हुए। धीरे-धीरे मीटिंग हॉल खाली होने लगा। चेट लोगन उठकर अपनी आरामगाह में चला गया। दोनों यौवनाएं अपने-अपने ढंग से उसे खुश करने का प्रयास करने लगीं।

❑❑❑

❑❑❑

मेरी अभी ड्रेसिंग टेबल के सामने खड़ी होकर अपना मेकअप कर ही रही थी कि अचानक कॉलबैल बज उठी। उसने खिड़की से झांककर बाहर की ओर देखा। उसे दरवाजे पर कार्ल जेनर खड़ा दिखाई पड़ा।

मैरी ने फुर्ती से आगे बढ़कर गेट खोल दिया।

"अरे आप... आइए सर...!"

"मैरी जल्दबाजी में जेनर का अभिवादन करना भी भूल गयी थी।

"क्या कर रही थी मैरी?"

"अभी बाथरूम से शॉवर लेकर निकली थी, ड्रेसिंग टेबल के सामने मेकअप कर रही थी।

"क्या आज दावत नहीं दोगी?"

"अरे हां, याद आया मैंने तुम्हें दावत देने का वायदा किया था, नौकरी मिलने की खुशी में!"

"तो फिर नेक काम में देर कैसी?"

"पहले भीतर तो चलिये। दावत भी ले लेना।"

"वैसे मेरी दावत लेना नाजायज नहीं है।" जेनर ने मैरी की आंखों में झांकते हुए कहा।

"भला नाजायज कैसे हो सकता है... आप मेरे सीनियर जो हैं और अब तो हम परस्पर अच्छे दोस्त बन चुके हैं।"

"मेरे कहने का मतलब यह नहीं है जो कि तुम समझ रही हो।"

"और क्या कहना चाहते हैं आप?"

"आज का दिन तुम्हारे लिए सर्वाधिक खुशी का दिन है मैरी।"

"क्या मेरी तरक्की कर दी है आपने?"

"आज तुम्हारे लिए इससे भी बड़ी खुशी का समाचार लेकर आया हूं।"

"क्या सचमुच?"

"हां, मैरी हां।"

"तो फिर कहिये न वह कौन-सा सन्देश है, जो तुम मेरे लिए लेकर आये हो?"

"पहले दावत का इन्तजाम करो।"

"ठीक है, मैं तैयार हूं, बोलो आपकी सेवा में क्या पेश करूं... ठण्डा-गर्म या कुछ ऐसा जिसे पीकर तुम अपनी सुध-बुध खो बैठो?"

"जो भी तुम प्यार से पेश करना चाहो।"

"मैं आपके सामने तन-मन से समर्पित हूं। मेरे पास जो कुछ भी है, सब आपको ही तो है। बोलो... मैं आपके गिले-शिकवे किस तरह दूर करूं?"

"तुम्हें जो कुछ भी पेश करना है... झटपट करो, क्योंकि हमारे पास आज वक्त बहुत कम है।"

"क्या किसी को वक्त दे रखा है?"

"हां, तुम्हें मेरे साथ चलना है।"

"लेकिन कहां सर?"

"हमारे यहां।"

"कोई खास बात है क्या?"

"हां।"

"तो बताओ न?"

"आज मैं तुम्हें एक खास आदमी से मिलवाने जा रहा हूं।"

"कौन है वह?"

"आज हमारे बीच शेरिफ रोस आने वाले हैं।"

"क्या सचमुच?"

"हां डार्लिंग!"

"अरे तो तब से तुमने क्यों नहीं बताया?" यह कहते हुए वह जेनर के गले से जा लगी–"इस खबर के लिए तो मैं अपना सब कुछ गंवा सकती हूं।"

जेनर ने मेरी के अधरों का चुम्बन लिया व एक ओर बैठ गया–"जाओ, अब जल्दी से तैयार होकर आओ। रोस व स्वीटी हमारा इन्तजार कर रहे होंगे।"

"आप पलभर इन्तजार कीजिए सर, मैं अभी आई।"

यह कहकर वह भीतर चली गयी। जब कुछ देर बाद वह लौटी तो उसके हाथों में मदिरा की बोतल व दो जाम थे।

आते ही उसने दो जाम छलकाए। एक अपने सीनियर को दिया व दूसरा अपने हाथों में थाम लिया। दोनों के जाम परस्पर टकराये व चीयर्स के साथ ही उनके होठों से जा लगे।

मैरी जेनर के लिए जाम-पर-जाम छलकाती जा रही थी।

"अब बस करो मैरी!"

"सिर्फ यह आखिरी जाम और आपकी सेहत के लिए।"

यह सुनकर जेनर ने जाम उसके हाथों से ले लिया। अगले ही पल उसने जाम को होठों से लगाकर खाली कर दिया।

"और कोई गिला-शिकवा बाकी हो तो आप दूर कर सकते हैं। आज मैं बेहद खुश हूं सर!"

"फिलहाल, तुम रोस के गिले-शिकवे दूर करने की तैयारी करो मेरी। हमें जल्द-से-जल्द वहां पहुंचना है।"

"ठीक है सर! चलिए मैं तैयार हूं।"

यह कहकर वह कमरे से बाहर निकल आई। वे दोनों चलते हुए जीप तक पहुंचे। जेनर ने ड्राइविंग सीट सम्भाली। मैरी के बैठते ही उसने जीप स्टार्ट कर दी।

पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही गाड़ी पूरी गति से अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑

❑❑❑

जैसे ही गेट पर जीप की आवाज सुनाई पड़ी, स्वीटी ने आगे बढ़कर गेट खोल दिया। उसने गेट खुलते ही देखा जीप से रोस, फॉक्सी व टॉम मेसन उतर रहे थे। उनके साथ एक ड्राइवर भी था।

"नमस्ते भाभी जी!" रोस ने मुस्कुराते हुए कहा।

"नमस्ते... आइए... कैसे हैं आप लोग?"

"ठीक हैं, आज ही लौटे हैं वहां से।"

"अरे आप तो काफी कमजोर हो गए हैं।"

"परदेश तो परदेश ही होता है।"

"आओ बैठिये... अभी कुछ ही देर में मैरी भी आती होगी।"

"लेकिन साहब कहां हैं?"

"वे कुछ देर पहले ही मैरी को लेने गये हैं।"

"चलो, अच्छी बात है, सबसे यहीं मुलाकात हो जायेगी।"

इसके साथ ही स्वीटी किचन की ओर मुड़ गयी। कुछ देर बाद जब वह लौटी तो उसके हाथों में नाश्ते की ट्रे थी।

"लीजिए नाश्ता तैयार है।"

अगले ही पल सभी नाश्ता करने लगे। नाश्ता करने के साथ ही बातों का सिलसिला जारी था।

"कब लौटे हैं वहां से?"

"आज प्रातः दस बजे।"

"वहां का अनुभव कैसा रहा?"

"कुछ कड़ुवा, कुछ मीठा।"

"उन्होंने तुम्हारे साथ कोई ज्यादती तो नहीं बरती?"

"ऐसा होना तो स्वाभाविक ही था। मुझे यहां के विभागीय राज उगलवाने के लिए उन्होंने बहुत टॉर्चर किया, लेकिन मैंने भी मुंह न खोला।"

"लेकिन तुम्हें उससे छुटकारा कैसे मिला?"

"इसका श्रेय टॉम व फॉक्सी को जाता है।"

"वह कैसे?"

"यदि ये लोग जान जोखिम में डालकर वहां न पहुंचते तो मेरा

आना यदि असम्भव नहीं तो मुश्किल जरूर था।"

वे दोनों अभी बातें कर रही रहे थे कि अचानक बाहर किसी जीप का हॉर्न सुनाई पड़ा।

स्वीटी ने झांककर बाहर की ओर देखा। जीप से जेनर व मैरी उतर रहे थे। वे उतरकर फुर्ती के साथ भीतर लपके।

रोस ने अपने सीनियर को देखते ही जोरदार सैल्यूट मारा। सैल्यूट का जवाब देकर उन्होंने परस्पर हाथ मिलाया व एक-दूसरे के गले मिले। जेनर से मिलने के बाद रोस मैरी से मुखातिब हुआ।

मैरी ने फुर्ती से आगे बढ़कर अपनी गोरी बांहों के हार उसके गले में डाल दिये। वे दोनों काफी देर तक इसी तरह खड़े रहे। ऐसा लग रहा था, मानो वो प्यासी आत्माएं सदियों के बाद मिल रही हों।

काफी देर के बाद वे दोनों अलग हुए।

"आइए बैठिये...आप लोग...!"

फॉक्सी ने एक खाली सोफे की ओर संकेत करते हुए कहा।

फॉक्सी को संकेत मिलते ही मैरी अपने पति के सामने वाले सोफे पर बैठ गयी। वह बेताबी से उसे इस तरह देखे जा रह थी, मानो आंखों के रास्ते उसके दिल में उतरने का प्रयास कर रही हो।"

कुछ देर बाद स्वीटी उनके सामने खाने-पीने का सामान रख गयी। सभी लोग पुनः खाने-पीने में व्यस्त हो गए।

"मैं पूछती हूं, आपको वहा जाकर मेरी याद आई या नहीं?" मैरी ने अपने पति की आंखों में झांकते हुए कहा।

"याद म आने का तो प्रश्न ही नहीं उठता डार्लिंग!"

"मुझे तो नहीं लगता।"

"यह तुम्हारे दिल का वहम है डार्लिंग!"

"यदि मैं तुम्हें याद आती थी, तो तुमने मुझे कभी फोन क्यों नहीं किया?"

"कभी फोन के दर्शन ही नहीं हुए डार्लिंग!"

"क्या तुम्हें कहीं भी आने-जाने की छूट नहीं थी?"

"बिल्कुल नहीं डार्लिंग!"

"ऐसी भी क्या मजबूरी थी डियर?"

"मुझे एक लकड़ी के तख्ते पर बांधकर रखा गया था।"

"ओह माई गॉड!"

"खैर, तुम बताओ डार्लिंग! तुमने मेरी तलाश में क्या कुछ

किया?"

"देखो, तुम्हारी तलाश के लिए ही मैंने भी तुम्हारे विभाग में नौकरी कर ली है।"

"यह तो बहुत अच्छा किया डार्लिंग!"

"अब मैं अगले मिशन पर तुम्हारे साथ ही जाया करूंगी, ताकि तुम बाहर जाकर मुझे भुला न बैठो।"

"भला, मैं तुम्हें क्यों भुलाने लगा डार्लिंग?"

"परदेस में जाने के बाद लोगों को जो चीज पसन्द आती है, वह औरत ही होती है।"

"आखिर तुम कहना क्या चाहती हो डार्लिंग?"

"मेरा कहने का मकसद सिर्फ यह है कि कहीं बाहर जाकर तुम किसी के रूप-जाल में फंस न जाओ।"

"ऐसा नहीं हो सकता डार्लिंग!"

"लेकिन मैंने तो सुना है डियर कि वहां जाकर तुम्हें एक लड़की से इश्क हो गया था और तुम उसे अपने साथ भी लेकर आये हो।"

"वह मेरी मजबूरी थी डार्लिंग!"

"यानि वह तुम्हारी मजबूरी थी और मैं तुम्हारी जरूरत भी नहीं हूं।"

"ऐसी बात नहीं है डार्लिंग!"

"और क्या बात है डियर?"

"मैं उसे यहां कुछ जरूरी राज उगलवाने के लिए लेकर आया हूं। वहां मैं उसे टॉर्चर नहीं कर सकता था।"

"क्या मुझे नहीं मिलाओगे अपनी उस दिलरुबा से?"

"तुम भी मिल लेना डार्लिंग! भला उससे मिलने से तुम्हें कौन रोक सकता है?"

"आओ पहले घर चलते हैं।"

"जैसी तुम्हारी मर्जी डार्लिंग!"

"मिस्टर रोस!"

"यस सर!"

"आप लोग चाहें तो यहां भी आराम कर सकते हैं...ऊपर बैडरूम खाली है, कोई डिस्टर्ब भी नहीं करेगा।"

"फिलहाल तो हमें घर ही जाने का मन कर रहा है।"

"जैसी आप लोगों की इच्छा!"

इसके साथ ही वे दोनों उठ खड़े हुए। बाहर आकर मैरी जीप में सवार हो गयी। रोस ने उसके बैठते ही ड्राइविंग सीट सम्भाल ली। उसने जीप स्टार्ट की। पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही गाड़ी अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑
❑❑❑

चेट लोगन अपनी आरामगाह में दो यौवनाओं के साथ आराम फरमा रहा था। वे उसके दोनों ओर बैठीं उसके लिए जाम छलका रही थीं। उसने अभी पहला ही जाम गले से नीचे उतारा था कि अचानक फोन की घंटी बज उठी।

उसकी सहायिका ने रिसीवर को उठाकर कान से लगाया।

"हैलो... !"

"नं० फोर्टी दिस साइड!'

"गोल्डी स्पीकिंग हियर!"

"क्या बॉस से बात करायेंगी?"

"यस वन मिनट प्लीज!"

इसके साथ ही उसने रिसीवर लोगन की ओर बढ़ा दिया।

"लीजिए बात कीजिए सर!"

"किसका फोन है?"

"नं० चालीस का।"

"हैलो... !"

"गुड नाइट सर!"

"कैसे हो तुम?"

"ठीक हूं सर!"

"तुम्हें जेकब ने कुछ बताया या नहीं?"

"बताया था सर कि वहां से रोस व सैक्रेट्री भाग खड़े हुए हैं।"

"तुम्हें यदि उनका पता चले तो बेहिचक गोली मार देना।"

"ल... लेकिन सर... क्या आप उनके बिना... ?"

"मैंने जो कहा सिर्फ उतने पर ध्यान दो।"

"जैसी आपकी आज्ञा सर!"

"फिलहाल तुम्हें उनका कोई पता लगा या नहीं?"

"जी... वे सभी एक हैलीकॉप्टर द्वारा सुबह दस बजे यहां पहुंच चुके हैं।"

"वे लोग अब कहां हैं?"

"कुछ देर पहले ही जेनर के यहां वे लोग जश्न मना रहे थे।"

"सैक्रेट्री कहां है?"

"वह मियार्नी के टॉर्चर रूम में है।"

"क्या तुम उसे हासिल कर सकते हो?"

"उसमें कुछ टाइम लग सकता है।"

"कितना टाइम चाहिए?"

"लगभग एक सप्ताह।"

"ठीक है, मुझे एक सप्ताह के भीतर ही सैक्रेट्री चाहिए।"

"मैं अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगा सर!"

"जैसे भी हो, मुझे हर-हालत में सैक्रेट्री व रोस चाहियें... मैं उन दोनों को अपने हाथों से गोली मारना चाहता हूं।"

"आप चिन्ता न करें, जल्द ही यह काम हो जायेगा।"

"बैस्ट ऑफ लक!"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

❑❑❑
❑❑❑

लगभग बीस मिनट बाद अपनी कोठी के सामने पहुंचकर रोस ने जीप रोक दी। उसे देखते ही गार्ड ने गेट खोल दिया। वे दोनों गाड़ी सहित भीतर प्रविष्ट हुए।

जीप से उतरकर वे दोनों अपने ड्राइंगरूम की ओर बढ़ गए।

कुछ देर वे ड्राइंगरूम में बैठे। उसके बाद उनके मन में शॉवर लेने की इच्छा हुई। वे दोनों बाथरूम में जा पहुंचे। आज मैरी काफी दिनों के बाद अपने पति के साथ शॉवर लेने वाली थी।

जाते ही उन्होंने अपने लिबास उतारे व बाथरूम के शॉवर के नीचे खड़े हो गये। काफी देर तक वे शॉवर का आनन्द लेते रहे। इसके बाद बाथटब में बैठकर जल-क्रीड़ा का आनन्द लेने लगे।

सम्पूर्ण स्नान के पश्चात् उन्होंने अपने बदन को पोंछा सुगन्धित पाउडर का स्प्रे किया व मनपसन्द पोशाक धारण करके बाहर निकल आये। बारी-बारी से दोनों ने ड्रेसिंग टेबल के सामने खड़े होकर हल्का-सा मेकअप किया।

इसके बाद वे दोनों बैडरूम की ओर बढ़ गए।

"आप तब तक आराम कीजिए मैं आपके लिए कुछ तैयार

करती हूं।"

"फिलहाल तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है डार्लिंग!"

"क्यों क्या मुझसे नाराज हैं आप?"

"यह तुमसे किसने कह दिया?"

"फिर मुझे सेवा का मौका क्यों नहीं दे रहे?"

"उसमें वक्त बर्बाद करने की जरूरत भी क्या है डार्लिंग?"

"फिर मैं क्या करूं?"

"फिलहाल ड्रिंक्स से ही काम चला लेंगे!"

"ठीक है, जैसी आपकी मर्जी।"

यह कहकर वह घर में ही बने एक छोटे-से बाहर काउन्टर की ओर बढ़ी और एक ट्रे में बोतल व दो खाली जाम सजा लाई।

उसने आते ही जाम छलकाये। दोनों के जाम परस्पर टकराये व चियर्स के साथ ही एक-दूसरे के होठों से जा लगे।

पीने-पिलाने का यह दौर तब तक चलता रहा, जब तक कि वे दोनों बेसुध होकर एक-दूसरे की बांहों में न समा गए।

कुछ देर बाद ही वे दोनों एक-दूसरे की जरूरत बन चुके थे।

❑❑❑

❑❑❑

न जाने कब तक मैरी व रोस यूं ही एक-दूसरे में गुंथे पड़े रहते। यदि उन्हें फोन की घंटी ने न जगा दिया होता।

दोनों ने हड़बड़ाकर आखें खोल दीं। मैरी ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"हैलो...!"

"लोगन दिस साइड!"

"मैरी स्पीकिंग हियर!"

"क्या रोस से बात नहीं कराओगी?"

"क्या मैं इतनी बुरी हूं कि मुलाकात भी नहीं करना चाहते?"

"फिलहाल मुझे उसी से काम है।"

"ठीक है, आप होल्ड कीजिए, मैं फोन उन्हीं को दे रही हूं।"

"हैलो...!"

"मेरी आवाज सुन रहे हो रोस?"

"बहुत अच्छी तरह सुन रहा हूं, सिर्फ आवाज ही नहीं, बल्कि तुम्हारी नीयत को भी परख रहा हूं।"

"तुमने जो कदम उठाया है, वह कुछ अच्छा नहीं है शेरिफ रोस।"

"यह सोचना मेरा काम है, तुम्हारा नहीं।"

"फिलहाल क्या कर रहे थे?"

"अपनी पत्नी के साथ बेडरूम में आराम फरमा रहा था।"

"ठीक है, कर लो आराम, शायद तुम्हें बाद में मौका न मिले। कुछ ही देर बाद तुम्हें मौत की नींद सुला दिया जायेगा।"

"मैंने जिन्दगी में मौत से डरना नहीं सीखा।"

"नहीं सीखा तो, अब सीख जाओगे।"

"मैं तेरी इस गीदड़ भभकी में आने वाला नहीं हूं लोगन!"

"सलीके से बात कर रोस! शायद तू नहीं जानता फिलहाल किससे मुखातिब है।"

"मैं सब जानता हूं और तेरा इलाज भी बहुत जल्दी करने जा रहा हूं।"

"तू मुझ तक इतनी आसानी से नहीं पहुंच पायेगा।"

"मैं तो तेरे पास जाकर लौट भी आया।"

"अब तेरी जीवन की घड़ियां बहुत कम रह गयी हैं।"

"मुझे मौत नहीं डरा सकती, मौत से खेलना तो मेरा शौक है और पेशा भी।"

"यदि तू अपनी खैरियत चाहता है तो जल्द ही मेरी सैक्रेट्री को लेकर लौट आना, वरना तेरे मुल्क में ऐसी तबाही मचाऊंगा कि लोगों को ठिकाने लगाने के लिए श्मसानों में जगह न बचेगी।"

"अब तू अपनी सोच, बहुत जल्द ही तू जेल की कोठरी में होगा।"

"आज तक कोई माई का लाल ऐसा नहीं हुआ जो लोगन को हथकड़ी पहना सके।"

"चिन्ता न कर, बहुत जल्द ही तेरा यह अरमान भी पूरा होगा।"

"वह दिन मेरी जिन्दगी में कभी नहीं आयेगा। मुझे अपनी बाजुओं पर भरोसा है।"

"मैं जल्द ही तेरे इस गरूर को तोड़ने वाला हूं लोगन!"

"अच्छा, मेरे पास तेरी फालतू की बातों को सुनने के लिए इतना वक्त नहीं है।"

"यदि ऐसा है तो रिसीवर रख दे, बेकार क्यों गला फाड़ रहा है?"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया। रोस ने रिसीवर को उठाकर क्रेडल पर रख दिया।

"क्या कह रहा था वह डियर!"

"मुझसे अपनी सैक्रेट्री मांग रहा था।"

"तब तुमने क्या कहा?"

"मैंने उससे कह दिया कि मैं उससे न तो डरता हूं और न ही उसकी कोई शर्त मानने को तैयार हूं।"

"अब तुम्हें तनिक भी घबराने की जरूरत नहीं है डियर, मैं खुद ही उससे निपट लूंगी।"

"तुम्हें इस मामले में परेशान होना नहीं पड़ेगा डार्लिंग! उसके लिए तो मैं अकेला ही काफी हूं।"

"कहीं ऐसा न हो कि वह फिर से तुम्हारा किडनेप करा ले।"

"उसमें इतनी हिम्मत कहां है डार्लिंग!"

"क्या मैंने कुछ झूठ कहा है?"

"तुम्हारी बात अपनी जगह ठीक हो सकती है, लेकिन यदि मैं चाहता तो उसमें इतनी ताकत नहीं थी कि वह बलपूर्वक मुझे यहां से ले जाता।"

"क्या तुमने अपना किडनेप जानबूझ कर कराया है।"

"हां, मैं चाहता था कि वह मेरा किडनेप करे, ताकि इस बहाने में उसका ठिकाना तो देख सकूं।"

"यदि ऐसी बात थी, तो मुझे तो बताकर जा सकते थे। कम से कम मैं तो इतना परेशान न होती।"

"कुछ बातें सीक्रेसी वाली होती हैं, जिन्हें हर किसी से नहीं बताया जा सकता।"

"यानि आप मुझे तब भी गैर समझते थे और अब भी!"

"अब कैसे समझ सकता हूं डार्लिंग?"

"क्यों अब मुझमें क्या खूबी आ गयी है?"

"अब तुम हमारे विभाग की कार्यकर्त्ता हो, तुम्हें कुछ भी बताया जा सकता है।"

"फिलहाल क्या प्रोग्राम है डियर?"

"कुछ दिन की छुट्टियां मिली हैं हमें, इन्हें पूरी मौज-मस्ती के

साथ गुजारने का इरादा है।"

"कहीं बाहर चलने का मूड है क्या?"

"सिर्फ स्वीमिंग पूल तक।"

"तो फिर सोच क्या रहे हो?"

"तुम्हारे हां करने की देर है।"

"आओ चलते हैं।"

"ठीक है, पहले बैड-टी तो ले लें।"

"अरे हां यह तो हम भूल ही गए थे कि आज हमने बैड-टी तक नहीं ली।"

"तुम बैठकर अखबार पढ़ो, मैं तब तक तुम्हारे लिए बैड-टी लेकर आती हूं।"

यह कहकर वह किचन की ओर मुड़ गयी। कुछ देर बाद जब वह लौटी तो उसके हाथों में चाय की ट्रे थी। उसने आते ही ट्रे को स्टूल पर टिकाया व चाय की प्याली रोस की ओर बढ़ा दी।

अगले ही पल वे दोनों चाय सिप करने लगे।

अभी वे चाय सिप कर ही रहे थे कि अचानक फोन की घंटी बज उठी।

रोस ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"हैलो... !"

"जेनर दिस साइड!"

"गुड मॉर्निंग सर!"

"गुड मॉर्निंग शेरिफ रोस!"

"क्या कर रहे थे?"

"जी बैड-टी ले रहा था।"

"रात कैसी गुजरी?"

"मजे में सर!"

"यहां कब पहुंच रहे हो?"

"जब आपका हुक्म हो सर!"

"ठीक है, आधे घंटे में यहां पहुंचो।"

"कोई खास काम है सर?"

"हां, तुम्हें लोगन की सैक्रेट्री से पूछताछ करनी होगी।"

"क्या अभी कुछ नहीं पूछा गया सर?"

"वह कुछ भी बताने को तैयार नहीं है रोस!"

"क्या उसे टॉर्चर नहीं किया गया?"

"वह जान देने को तैयार है, लेकिन जुबान खोलने को तैयार नहीं है।"

"आप चिन्ता न करें, मैं उससे सारे राज उगलवा लूंगा।"

"जैसा तुम ठीक समझो करना।"

"ठीक है सर, मैं आध घन्टे बाद पहुंच रहा हूं।"

"एक बात का ध्यान और रखना।"

"कहिये सर!"

"यदि हो सके तो मेरी को भी साथ लेते आना।"

"ठीक है सर, हम दोनों ही आ रहे हैं।"

"बैस्ट ऑफ लक!"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

रोस ने रिसीवर को क्रेडल पर रखा।

"किसका फोन था डियर?" मैरी ने अपने पति से पूछा।

"जेनर का।"

"क्या कह रहे थे?"

"हम दोनों को बुलाया है।"

"कोई जरूरी काम था क्या?"

"हां, उस लड़की से कुछ जरूरी पूछताछ करनी है।"

"कब चलने का इरादा है?"

"लगभग आधे-घन्टे में पहुंचना है।"

"फिर वह स्वीमिंग पूल वाली मुराद कैसे पूरी होगी?"

"देखो डार्लिंग, पहले हमारे लिए ड्यूटी है, मौज-मस्ती तो बाद की बातें हैं।"

"क्या ऐसा नहीं हो सकता कि सांप भी मर जावे और लाठी भी न टूटे।"

"लगता है, तुम्हारे दिमाग में कोई नयी योजना जन्म ले चुकी है।"

"आपका अनुमान दुरुस्त है। मैं कुछ और ही ढंग से सोच रही थी।"

"बोलो तुम्हारे दिमाग में क्या प्लान है?"

"मुझे उम्मीद है कि वह लड़की इतनी आसानी से तुम्हें कुछ भी बताने वाली नहीं है।"

"फिर तुमने क्या सोचा है, उसके बारे में?"

"मैं उसके साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहती हूं।"

"मैं धीरे-धीरे उससे वे सब राज उगलवा लूंगी, जो कि उसके दिल में दफन हैं।"

"तब हमें क्या करना है डार्लिंग?"

"पहले हम जेनर साहब के पास चलते हैं। वहां से हम उस लड़की को अपने साथ लेकर चलेंगे, लेकिन इसमें भी एक शर्त यह होगी कि आप उसके सामने मुझे मेरी कहकर नहीं पुकारेंगे।"

"तुम उसके सामने किस रूप में जाओगी?"

"उसके सामने मैं चेट लोगन की कार्यवाहक सैक्रेट्री के रूप में ही जाऊंगी।"

"हां योजना तो कुछ बुरी नहीं है।"

"मैं उससे कहूंगी कि मुझे तुम्हें वापिस लौटाने के लिए चेट लोगन ने भेजा है।"

"ठीक है, अब तुम झपट के तैयार हो जाओ।"

"चलिये हम चलते हैं, आज स्वीमिंग पूल में तीनों एक साथ ही मौज-मस्ती करेंगे।"

"क्या जेनर को भी साथ लेने का इरादा है डार्लिंग?"

"नहीं, मैं तो उस लड़की बात कर रही थी, जिसे आप लेकर आए हैं।"

इसके साथ ही वे दोनों कमरे से बाहर निकल गये। रोस ने अपना रिवाल्वर चैक किया व अपनी पत्नी के साथ जीप में जा बैठा। उसने ड्राइविंग सीट सम्भालकर गाड़ी स्टार्ट कर दी। पैर का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ते ही गाड़ी अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

अगले ही पल वे दोनों एक सुहावने सफर पर बढ़े जा रहे थे।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन की सैक्रेट्री को टॉर्चर रूम में बीचों-बीच खड़ा किया गया था। उसके दोनों हाथों को जंजीरों से ऊपर की ओर बांधा गया था। फॉक्सी उसके पास ही खड़ी थी।

वह उसके ऊपर पाइप से हाई प्रेशर की पानी की बौछार कर रही थी। पानी की बौछार सीधी उसके कानों से टकरा रही थी। जैसे ही पानी की बौछार उस पर पड़ती, वह असह्य वेदना से चीख पड़ती।

"अगर इस असत्य वेदना से बचना चाहती हो तो सच-सच बता दो कि तुम्हारा क्या नाम है और तुम चेट लोगन के बारे में क्या-क्या जानती हो?"

"म... मुझे कुछ नहीं पता।"

"तुम झूठ बोल रही हो।"

"मैं एकदम सच कह रही हूं।"

"क्या तुम इस बात से इंकार कर सकती हो कि तुम उसकी सैक्रेट्री थीं।"

"मैंने यह तो नहीं कहा कि मैं उसकी सैक्रेट्री नहीं थी।"

"जब तुम खुद को उसकी सैक्रेट्री स्वीकार करती हो, तो तुम्हें उसके सिंडीकेट का प्रत्येक रहस्य मालूम होना चाहिए।"

"वह बात तुम्हारी ठीक है, लेकिन वह मुझसे बहुत कुछ छिपाकर रखता है। मुझे उसके बारे में कुछ नहीं पता।"

"फिर तुम्हारा वहां क्या काम था?"

"उसने मुझे एक रखैल का दर्जा दिया हुआ था।"

"क्या किसी रखैल से एक अच्छी जासूस होने की उम्मीद की जा सकती है।"

"मैं जासूसा नहीं हूं, मैं तो सिर्फ उसके लिए समर्पित हूं, वह मुझे बहुत अच्छा लगता था। हम दोनों एक-दूसरे के बिना पलभर भी नहीं रह सकते।"

"जिस तरह से तुमने रोस का किडनेप किया, उससे तो यही लगता है कि तुम एक सुलझी हुई जासूस हो।"

"उसने मुझसे वायदा किया था कि यदि तुम रोस का किडनेप करने में कामयाब हो जाती हो तो मैं तुम्हारे साथ शादी कर लूंगा, मैं उसे अपना जीवन-साथी बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।"

"यदि तुम यहां से छूटना चाहती हो, तो तुम्हें मेरे कुछ सवालों का जवाब देना होगा।"

"मैं तुम्हारे किसी भी सवाल का जवाब देने की स्थिति में नहीं हूं।"

"ठीक है, फिर दर्दनाक मौत को सहने के लिए तैयार हो जाओ।"

"मैं अपनी जान दे सकती हूं, लेकिन अपने लोगन के खिलाफ

जुबान नहीं खोल सकती।"

यह सुनते ही फॉक्सी ने पानी का प्रैशर उसकी आंखों के सामने कर दिया। इसके साथ ही सैक्रेट्री इधर-उधर घूमने लगी। उसे अपनी आंखें फूटती प्रतीत होने लगीं। उसके मुंह से उबलने वाली चीखें टॉर्चर रूम की दीवारों से टकराने लगीं।

कुछ देर बाद फॉक्सी ने पानी का प्रैशर हटा लिया।

"यदि तुम जिन्दा बचना चाहती हो, तो तुम्हें सबसे पहले अपना नाम बताना होगा।" फॉक्सी ने दोनों हाथों से उसका गला दबाते हुए कहा।

"म... म... मुझे मत मारो, मेरा नाम मैक्सीना है।"

"चेट लोगन जो हत्याएं करता है, उसके पीछे क्या रहस्य है?"

"उसमें उसे कोई खास दिलचस्पी नहीं है, वह मजबूरीवश किसी दूसरे के लिए यह सारे काम करता है।"

"ऐसी क्या मजबूरी है उसके साथ?"

"वह किसी के एहसानों तले दबा हुआ है। यदि बात सिर्फ पैसा कमाने वाली होती तो पैसा तो किसी भी ढंग से कमाया जा सकता है।"

"किस बात का एहसान है उसके ऊपर?"

"एक बार उसने किसी बहुत बड़े आदमी का मर्डर कर दिया था, जिसमें उसे उम्रकैद की सजा हो गयी थी। तब किसी अण्डरवर्ल्ड के बेताज बादशाह ने उसे अपनी जमानत पर छुड़वा दिया था। तभी से वह उसके लिए काम करता है, लेकिन उसके ठाठ-बाट ऐसे हैं मानो वह खुद ही अपना अलग सिंडीकेट चला रहा हो।"

"उस आदमी की मियामी वालों से क्या शत्रुता है जो यह यहां की भोली-भाली जनता को मौत के घाट उतरवा रहा है?"

"वह यहां की जनता को आतंकित करके रौब जमाना चाहता है। वह चाहता है कि यहां का प्रशासन उसके सामने घुटने टेकने पर मजबूर हो जाये।"

"वह कौन आदमी है, जिसके लिए वह काम करता है?"

"यह तो मैं भी नहीं जानती।"

"फिर कैसे पता चलेगा?"

"यह तो तुम उनसे ही जान सकते हो।"

"ठीक है, मैं कुछ देर बाद तुमसे फिर मिलूंगी।"

यह कहकर फॉक्सी ने पानी के पाइप को एक ओर रखा व टॉर्चर रूम से बाहर निकल आई।

वह बाहर निकली ही थी कि उसे जीप से मैरी व शेरिफ रोस उतरते दिखाई पड़े।

"कहां से आ रहे हैं आप लोग?"

"घर से ही चले आ रहे हैं।"

"वह लड़की बहुत सख्त जान लगती है।"

"कुछ बताया या नहीं?"

"अपना नाम बताया है।"

"क्या नाम है उसका?"

"मैक्सीना!"

"और कुछ बताया?"

"कहती है कि मैं चेट लोगन के साथ शादी रचाना चाहती थी, लेकिन उसकी शर्त थी कि पहले रोस का किडनेप करना होगा। इसीलिए मैंने यह जोखिमभरा काम करने का दुःसाहस कर दिया था।"

"उसने चेट लोगन के उद्देश्य के बारे में कुछ बताया या नहीं?"

"वह कहती है कि चेट लोगन किसी आदमी के एहसानों तले दबा होने के कारण उसके लिए यह सब कर रहा है।"

"खैर छोड़ो, बाकी की बातें हम उससे खुद मालूम कर लेंगे।"

"तुम्हें जेनर साहब मिले या नहीं?"

"हम उनसे मिल चुके हैं।"

"अब क्या इरादा है?"

"मैरी उससे अपने ढंग से पूछताछ करना चाहती है।"

"ठीक है, आप जानें, मैं तो जा रही हूं, मेरा ड्यूटी का वक्त खत्म हो रहा है।"

"मेसन कहां है?"

"वे चेट लोगन के किसी यूनिट की खोज में लगे हैं।"

"क्या यहां किसी ऐसे यूनिट का पता चला है?"

"हां, उसकी सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता।"

"उनके लौटने की कब तक उम्मीद है?"

"शाम से पहले तो नहीं है।"

"वह लड़की बात करने की स्थिति में है या नहीं।"

"वैसे तो होश में है, लेकिन...!"

"लेकिन क्या?"

"लगता है, उसके कानों व आंखों में भारी पीड़ा है।"

"उसे मैं किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा दूंगा।"

"क्या कहा?"

"अरे हां फॉक्सी हम उसे दूसरे ढंग से हैंडिल करना चाहते हैं।"

"ठीक है, जैसे आप चाहें उससे निपट लेना... मैं तो चलती हूं।" यह कहकर फॉक्सी एक ओर को बढ़ती चली गई। मैरी ने टॉर्चर रूम में प्रवेश किया।

जिस वक्त मैरी मैक्सीना के पास पहुंची, वह बुरी तरह हांफ रही थी। इस वक्त वह ऐसे मेकअप में थी कि लाख कोशिशों के बाद भी मैक्सीना उसे पहचान नहीं सकती थी।

"हैलो मैक्सीना!" मैरी ने मैक्सीना की डूबती आंखों में झांकते हुए कहा।

"हाय मैडम...क...कौन हैं आप...?"

"म...मैं कोई भी हूं, लेकिन तुम्हारी शुभचिन्तक हूं।"

"ऐसे मेरे भाग्य कहां, जो मेरी कोई खबर सुधि लेने यहां आयेगा?"

"आयेगा नहीं, आ चुकी है मैक्सीना!"

"मुझे तो अपने भाग्य पर भरोसा नहीं है, वैसे तुम कहती हो तो मैं मान लेती हूं।"

"ऐसा तुम इसलिए कह रही हो, क्योंकि अभी तुम यह नहीं जानतीं कि मैं कौन हूं।"

"जो भी हो, लेकिन उन लोगों की तरह बेरहम नहीं हो।"

"किसकी बात कर रही हो मैक्सीना?"

"उस लड़की की, जिसने मुझे इतनी बेरहमी से टॉर्चर किया था कि मौत आने में कोई कसर न रह गयी थी।"

"ऐसा क्या किया उसने?"

"वह तो मेरा गला ही दबाने पर उतारू थी, यदि मैंने अपने बारे में उसे थोड़ा-बहुत न बताया होता तो, अब तक तो मैं लाश

में बदल चुका होता।"

"लेकिन कौन थी वह?"

"शायद फॉक्सी नाम है उसका।"

"कितनी उम्र होगी उसकी?"

"यही चौबीस-पच्चीस वर्ष।"

"उसका हुलिया कैसा है?"

"एकदम सेब जैसी रंगत लिए सुराहीदार गर्दन, साढ़े पांच फीट लम्बी, सांचे में ढला ऐसा मदमाता यौवन, जो कि ब्रा के विज्ञापन के लिए आदर्श लगे। गुलाब की पंखुड़ियों जैसे नाजुक होठ, सिर से पांव तक नशा-ही-नशा समेटे हुए हैं अपने आप में।"

"तब क्यों चिन्ता करती हो? हम आज ही यहां से उसका किडनेप करके अपने बॉस के पास चलते हैं।"

"वह तो ठीक है मैडम, लेकिन कुछ आप अपना भी तो परिचय बतायें कि आप कौन हैं व यहां किसलिए आई हैं?"

"मैं पेप्सी हूं, मुझे बॉस ने तुम्हें तलाशने के लिए भेजा है। तुम्हारे जाने के बाद मैं ही उनकी कार्यवाहक सैक्रेट्री के रूप में सारा दायित्व निभा रही हूं।"

"तुम्हें कैसे पता चला कि मैं यहां टॉर्चर रूम में रखी गयी हूं?"

"जिस रोज तुम्हें यहां लाया गया था, उसके एक घन्टे बाद ही बॉस ने मुझे तुम्हारी खोज में भेज दिया था।"

"लेकिन मैंने तो तुम्हें वहां पहले कभी नहीं देखा।"

"देखती भी कैसे? मैं तुम्हारे जाने के बाद ही तो वहां बुलाई गयी हूं।"

"इससे पहले तुम कहां थीं मैडम?"

"हमारे लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं है।"

"अपने हैडक्वार्टर कब चलने का इरादा है?"

"जब भी तुम कहो।"

"चलने को तो हम इस वक्त भी चल सकते हैं... लेकिन मैं चाहती हूं कि बॉस के पास लौटने से पहले हम कुछ ऐसी जानकारियां हासिल कर लें जो कि हमारे लिए विशेष रूप से उपयोगी हों।"

"ठीक है, यहां से निकालकर मैं तुम्हें कुछ रोज के लिए एक स्थान पर ठहरा दूंगी, हम दोनों गोपनीय ढंग से कुछ वक्त गुजार

सकती हैं।"

"मैं तैयार हूं मैडम जैसा आप उचित समझें कर सकती हैं।"

"अच्छा, तो पहले तुम एक काम करो।"

"हुक्म कीजिए।"

"मेरे पास एक मास्कफेस है, इसे पहन लो तुम्हें कोई नहीं पहचान पायेगा। इसके साथ ही मेरी ने उसे बन्धन-मुक्त कर दिया।

"लाओ, मैं ऐसा ही करती हूं।"

अगले ही पल मैरी ने अपने बैग से एक मास्कफेस निकलकर उसकी ओर बढ़ा दिया। उसने वह मास्कफेस लगाया और उत्सुकतावश मैरी की ओर देखने लगी।

"अब क्या करना है मैडम?"

"फुर्ती से यह ड्रेस बदल लो।"

इसके साथ ही मैरी ने एक जोड़ी कपड़े उसकी ओर बढ़ा दिये।

"यह तो बड़ी अजीब-सी पोशाक है मैडम!"

"हां, यह डिस्पोजल ड्रेस है मैक्सीना! इसे जब चाहो दूसरे रूप में भी बदल सकते हो। इसे बनाना व बिगाड़ना कोई मुश्किल काम नहीं।"

यह सुनते ही मैक्सीना ने अपनी पोशाक उतारी व मैरी द्वारा दी गई पोशाक पहन ली।

"अब तुम्हें कोई नहीं पहचान सकता।"

"तुम जब मेरे साथ हो, मुझे किस बात का डर है मैडम!"

"आओ चलते हैं।"

अगले ही पल वे दोनों निकलने को तैयार हुई।

"ठहरो!"

"अब क्या हुआ मैडम?"

"ये सैंडल और उतार दो।"

"क्या नंगे पैर ले चलोगी?"

"नहीं, तुम मेरे बूट पहन लो, मैं दूसरे पहन लूंगी।"

अगले ही पल मैक्सीना ने मैरी की आज्ञा का पालन किया व टॉर्चर रूम से बाहर आ गयीं।

"मैडम!"

"यस मैक्सीना!"

"जब वहां मुझे न पाया जायेगा तो क्या मैरी की खोज नहीं की जायेगी।"

"खोज तो जरूर होगी, लेकिन हम तब तक इनकी पहुंच से काफी दूर निकल चुके होंगे।"

"फिलहाल कहां चलना है मैडम?"

"यहां से लगभग पचास किलोमीटर दूर एक क्लब है, जिसमें एक स्वीमिंग पूल है, हम लोग कुछ देर वहां मौज-मस्ती करेंगे।"

"वहां कोई खतरे वाली बात तो नहीं होगी।"

"नहीं, मैं जब से यहां आई हूं, वहीं ठहरी हुई हूं।"

"आपको किसी ने चैक नहीं किया मैडम?"

"नहीं, मैं उस क्लब में बच्चों को स्वीमिंग सिखाती हूं। वहां एक और प्रशिक्षिण की जरूरत है... मैं तुम्हें वहां रखवा दूंगी, किसी को शक भी न होगा।"

"ठीक है, ऐसा ही करते हैं।"

यह कहकर वे दोनों एक भीड़-भाड़ वाली सड़क पर निकल आईं। कुछ ही देर बाद उन्हें एक कार आती दिखाई पड़ी। मैरी ने उसे रोकने का संकेत किया। रुकते ही उन्होंने कार मालिक से लिफ्ट मांगी। उन्हें स्वीमिंग क्लब का पता बताया व उसमें बैठ गयीं।

उनके गाड़ी में बैठते ही गाड़ी पूरी गति से अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन अपने आराम कक्ष में दो यौवनाओं के बीच अपने मन का बोझ हल्का करने का प्रयास कर रहा था। वे दोनों तरह-तरह की मनमोहक अदाएं दिखाकर उसका दिल जीतने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन वे उसमें पूरी तरह कामयाब न हो पा रही थीं।

न जाने चेट लोगन ने अपनी सैक्रेट्री में ऐसी क्या खूबी देखी थी, जिसका वह बुरी तरह दीवाना हो गया था? वह उसके बिना पलभर भी न गुजार सकता था।

रह-रहकर वह उसे ही याद आता। चेट लोगन की सेवा में जुटी दोनों यौवनाएं यह न जान पा रही थीं कि वे उसके साथ किस तरह पेश आएं कि उसके जख्मों पर मरहम रख सकें।

वह उनके मदमाते यौवन से अभी खेल ही रहा था कि अचानक उसके ट्रांसमीटर पर सिगनल उभरा। उसने सैट को ऑन किया।

"हैलो... ओवर...!"

"नं० पचास कॉलिंग फ्रॉम मियामी टू शैतान टापू ओवर!"

"कहो, कैसे हो नं० पचास ओवर...?"

"सर एक खास जानकारी हासिल करनी है ओवर!"

"पूछो, ओवर!"

"क्या आपने यहां पेप्सी नाम की किसी लड़की को भेजा है, ओवर?"

"नहीं...मैंने किसी को नहीं भेजा ओवर!"

"आज कुछ देर पहले ही मुझे पता चला है कि पेप्सी नाम की कोई लड़की सैक्रेट्री को टॉर्चर रूम से छुड़ाकर ले गयी ओवर!"

"हमारे साथ अवश्य कोई धोखा हुआ है ओवर!"

"ठीक है सर, मैं पता लगाकर आपको सही रिपोर्ट दूंगा, ओवर एण्ड ऑल!"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बनध-विच्छेद हो गया।

चेट लोगन ने ट्रांसमीटर को ऑफ किया व सकते की हालत में आ गया।

"क...क्या हुआ सर?"

"वही, जिसकी मुझे आशंका थी, अब वह मुझे नहीं मिलेगी, कभी नहीं मिलेगी।"

"कौन नहीं मिलेगी? क्यों नहीं मिलेगी?"

"किसी ने उसे टॉर्चर रूम से भी किडनेप कर लिया है।"

"हो सकता है, कोई तुम्हारा शुभचिन्तक हो जो तुम्हारे लिए उसे वहां से किडनेप करके लौटाना चाहता हो।"

"इसमें मुझे उस शेरिफ रोस की ही कोई चाल लगती है।"

"आप आराम से रहिए सैक्रेट्री को कुछ नहीं होगा। हमें उम्मीद है सर कि वह सकुशल लौट आयेंगी, आपके बिना तो वे पलभर भी नहीं गुजार सकतीं।"

"अब मैं यहां पलभर भी नहीं रह सकता। मैं आज ही मियामी जा रहा हूं।"

"लेकिन इतने ओहदेदारों के होते आपको इस तरह परेशान होने की क्या जरूरत है सर?"

"वे सब-के-सब बेवफा हैं, अपने फर्ज से आंखें चुराना चाहते हैं, मौत से घबराते हैं, ऐसे लोगों को काम नहीं सौंपा जा सकता।"

"आप कुछ रोज और इन्तजार कीजिए सर, हमारा दिल कहता है कि वे जरूर लौट आयेंगी।"

"मैं जानता हूं, इन बातों में कोई सार नहीं है, तुम व्यर्थ ही ऐसा मन समझाने की कोशिश कर रही हो।"

"इसके अलावा जैसा आप ठीक समझें, कर सकते हैं सर!"

"मैं इसी वक्त जा रहा हूं, सैक्रेट्री की खोज में—मैं अपनी जान भी दांव पर लगा सकता हूं।"

"सर, क्या हमें भी साथ ले चलेंगे?"

"नहीं, वहां मैं अकेला ही जाऊंगा।"

"क्या अकेले आपका दिल लग सकेगा?"

"दिल तो मेरा तुम लोगों के साथ भी नहीं लगता। बस यह मैं ही जानता हूं कि किस तरह जिन्दा हूं।"

"सर, हमारे लिए कोई सेवा हो तो बताइए।"

"बस फिलहाल मुझे अकेला छोड़ दो।"

"ठीक है सर, पहले हम आपके लिए जाम छलकाती हैं, उसके बाद जैसा आप चाहें कर सकते हैं।"

यह कहकर वे दोनों उसके लिए जाम छलकाने लगीं। न चाहकर भी चेट लोगन ने जाम को होठों से लगा लिया। आज वह इस कदर परेशान था कि उसने पीने से पहले जाम-से-जाम टकराना व चियर्स करना भी जरूरी न समझा था।

दोनों यौवनाएं बारी-बारी से उसके लिए जाम-पर-जाम छलकाए जा रही थीं।

"अब बस करो डार्लिंग!"

"यह आखिरी जाम और...आपकी सेहत के लिए।" एक यौवना ने जाम उसके होठों से लगाते हुए कहा।

न चाहकर भी चेट लोगन ने जाम उसके हाथों से लेकर अपने होठों से लगा लिया।

वह इस वक्त कुछ जरूरत से ज्यादा ही फैल गया था...उसकी पलकें बोझिल हो चली थीं। दोनों यौवनाओं ने उसे धीरे से अपनी सुकोमल बांहों का सहारा देकर लिटाया व उसके बेहद करीब हो गयीं।

❑❑❑
❑❑❑

कार मालिक ने कार को उस स्थान पर रोका, जहां का पता उसे बताया गया था। वह कार से नीचे उतरा। यह कार मालिक कोई और नहीं, बल्कि गहरे मेकअप में शेरिफ रोस ही था।

"क्या आपकी मंजिल भी यहीं थी।" मैक्सीना ने कार मालिक की नशीली आंखों में झांकते हुए पूछा।

"यस मैडम... मैं इस क्लब का स्थायी सदस्य हूं...यदि मैं अपने किसी दोस्त के काम आता हूं, तो मुझे कितनी खुशी होती है, यह मैं ही जानता हूं।"

"लगता है, आप यहां नयी-नयी आई हैं?"

"जी...लेकिन कुछ ही रोज में आपसे घुल-मिल जाऊंगी।"

"लेकिन मैं तो नयी नहीं हूं... ।" मैरी ने कहा।

"आपको तो मैं काफी समय से जानता हूं।" लगभग 15 दिन से तो रोज ही मुलाकात हो रही है। रोस ने मैरी से कहा।

"क्या आप मेरी एक छोटी-सी मुश्किल आसान कर सकते हैं?"

"हुक्म कीजिए बन्दा हाजिर है।"

"मैं आपकी शान में ऐसी गुस्ताखी कैसे कर सकता हूं!"

"क्या आप मुझ पर अपना अधिकार नहीं समझतीं?"

"अधिकार समझती हूं, तभी तो आपकी गाड़ी में बैठकर यहां तक आ गयी।"

"तो कहिए, बन्दा आपके किस काम आ सकता है?"

"यह मेरी एक सहेली है, आपके क्लब में काम पाना चाहती है, स्वीमिंग की तो यह चैम्पियन रह चुकी है।"

"फिर तो इनके साथ हमारी खूब निभेगी।"

"तो इन्हें सेवा का मौका कब दे रहे हैं।"

"पहले कुछ नाश्ता-पानी तो हो जाये, काम की बातें तो बाद में भी होती रहेंगी।"

यह कहकर कार मालिक से एक स्विच दबा दिया। बाहर कॉलबैल की आवाज सुनकर एक यौवना भीतर की ओर लपकी।

"यस सर!"

"सोफ्ट ड्रिंक्स का इन्तजाम कराओ।"

"ओ०के० सर!"

यह कहकर वह कमरे से बाहर निकल गयी। जब कुछ देर बाद वह लौटी तो उसके हाथों में एक ट्रे थी, जिसमें फलों का जूस सजा था। उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया व कमरे से बाहर निकल गयी।

अगले ही पल वे सभी सोफ्ट ड्रिंक सिप करने लगे। ड्रिंक्स लेने के बाद वे स्वीमिंग पूल की ओर बढ़ गए।

"क्या हमें इसका मेम्बर नहीं बनना होगा?" मैक्सीना ने पूछा।

"नहीं, क्योंकि हम दोनों फैमिली मेम्बर जैसे हैं, अब तुम यहां नियुक्त हो चुकी हो।"

"थैंक्यू सर!"

"आओ उस ओर चलते हैं, वह अपना पर्सनल पूल है।" रोस ने एक ओर उंगली उठाते हुए कहा।

रोस का संकेत पाते ही वे दोनों उसके साथ चल दीं।

"यदि आपको कोई आपत्ति न हो तो ड्रेस चेंज कर लें।"

"मैं अभी करती हूं।"

यह कहकर मैक्सीना ने अपनी पोशाक उतारकर वहीं स्वीमिंग ड्रेस पहन ली। कुछ पलों के बाद वह रोस के साथ स्वीमिंग पूल में छलांग लगा चुकी थी।

वे दोनों काफी देर तक एक-दूसरे के साथ जल-क्रीड़ा का आनन्द लेते रहे। मैक्सीना को रोस की किसी भी हरकत से कोई आपित्त न थी। वह अपनी ओर से उसे आनन्दित करने की पूरी कोशिश कर रही थी।

कुछ समय के बाद वे पूल से बाहर निकल आये। बाहर आकर उन्होंने अपनी पोशाकें बदलीं व एक ओर बैठ गए।

"आपकी इनके बारे में क्या राय है?" मैरी ने रोस से कहा।

"मुझे उम्मीद है कि इन्हें पाकर हमारे क्लब की तरक्की में चार चांद लग जायेंगे, वैसे इनका नाम क्या है?"

"गोल्डी!"

"बड़ा प्यारा नाम है।"

"इसके साथ कुछ वक्त गुजारने के बाद आप पायेंगे कि यह अपने नाम की तरह ही बेहद दिलचस्प भी हैं।"

"अच्छा, हम दोनों अब कुछ देर आराम करना चाहेंगे।"

"उधर सामने बैडरूम बने हैं, आप लोग वहां आराम कर सकते हैं, कोई डिस्टर्ब नहीं करेगा।"

यह सुनते ही वे बैडरूम की ओर बढ़ गयी।

बैडरूम में पहुंचते ही मैरी ने भीतर से गेट बन्द कर लिया।

"आओ कुछ देर रैस्ट करते हैं।"

इसके साथ ही वे दोनों बिस्तर पर चली गयीं।

"म... मैक्सीना!"

"यस मैडम...!"

"तुम्हें यह कार मालिक कैसा लगा?"

"एकदम भरपूर जवां मर्द है मैडम!"

"यदि तुम थोड़ी-सी होशियारी से काम लो तो इससे तुम्हें यहां के बारे में बहुत कुछ मालूम हो सकता है।"

"ठीक है, मैं अपनी ओर से इसे खुश करने में कोई कमी न छोड़ूंगी।"

"इसके पास हर तरह का आदमी आता है।"

"वह तो मैं भी समझती हूं मैडम!"

"इस पर अपना कम से कम रहस्य खोलने की कोशिश करना।"

"मैं आपकी बात का ध्यान रखूंगी।"

"अच्छा एक बात बताओ मैक्सीना!"

"पूछो मैडम!"

"यदि मैं तुम्हें यहां से शैतान टापू जाने के लिए अकेली छोड़ दूं तो क्या तुम जा सकती हो?"

"जा तो सकती हूं, लेकिन कुछ दिक्कतें आयेंगी।"

"क्या तुम्हें अपने हैडक्वार्टर का रास्ता अब तक याद नहीं हुआ? मुझे तो अगर कोई आंखों पर पट्टी बांधकर भी छोड़ दे तो भी मैं पहुंच जाऊंगी।"

"न जाने यहां लाकर इन लेगों ने मुझे कैसे टॉर्चर किया है कि मेरी याददाश्त कमजोर होती जा रही है।"

"यदि तुम कोशिश करो तो अपनी याददाश्त को पक्की कर सकती हो?"

"वह कैसे?"

"किसी भी विषय पर चर्चा करने से वह अच्छी तरह याद

हो जाता है।"

"ठीक है, मैं कोशिश करूंगी।"

"मुझे तुम वह रास्ते बताओ, जिधर से तुम शैतान टापू पहुंचना चाहती हो, फिर मैं तुम्हें बताती हूं कि यह ठीक है या गलत!"

"इसके साथ ही मैक्सीना अपनी स्मृति के आधार पर ही उसे वह सब बताने लगी, जो कि उसे याद था।

उसकी बतायी गयी प्रत्येक बात को, वह ध्यान में रखती जा रही थी।

बीच-बीच में कुछ संशोधन भी करती जा रही थी।

"एक बात का ध्यान रखना मैक्सीना!"

"बोलो मैडम!"

"शस्त्रागार की ओर से एण्ट्री करना बहुत आसान है, लेकिन प्राणघातक भी है।"

"तब किधर से जाना चाहिए?"

"जिधर ऊंची-नीची, ऊबड़-खाबड़ जमीन है, वह रास्ता सही है, वहां किसी के मिलने की आशंका भी न होगी।"

"मैं तुम्हारे सामने एक नक्शा पेश करती हूं, तुम बताना इनमें से तुम कहां घूमी हो?"

इसके साथ ही मैरी ने एक कागज पर पैन से एक अनुमानित नक्शा बनाया। उसे देखकर मैक्सीना ने कुछ संशोधन किया। इस प्रकार बातों-ही-बातों में उसने उससे बहुत-से ऐसे राज उगलवा लिए जो कि टॉर्चर करने से कदापि सम्भव न थे।

"अब हमें कुछ देर आराम की नींद ले लेनी चाहिए।" मैरी ने कहा।

"जैसा आप उचित समझें मैडम!"

इसके साथ ही वे दोनों सोने का प्रयास करने लगीं। कुछ देर बाद ही वे नींद के आगोश में समा गयीं।

❑❑❑

❑❑❑

टॉम व फॉक्सी अपने बेडरूम में आकर अभी लेटे ही थे कि अचानक उनके फोन की घंटी बज उठी।

"देखो तो डार्लिंग, किसका फोन है?"

"अभी देखती हूं डियर!"

यह कहकर उसने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"हैलो...!"

"जेनर दिस साइड!"

"गुड नाइट सर!"

"गुड नाइट फॉक्सी, जरा फोन टॉम को देना।" इसी बीच रिसीवर टॉम को दे दिया गया।

"कैसे याद किया सर?"

"एक जरूरी खबर है टॉम!"

"कहिए सर!"

"आज मुझे पता चला है कि चेट लोगन को अपनी सैक्रेट्री के टॉर्चर रूम से गायब होने की खबर लग चुकी है, वह तभी से बुरी तरह बौखलाया हुआ है। वह मियामी की सीमा में घुसने का फिर प्रयास कर रहा है।"

"उसे घुसने का मौका दे दिया जाये सर, इसी तरह हम उसे पकड़ने में कामयाब हो सकते हैं।"

"लेकिन यदि वह यहां आया तो फिर से वही हत्याएं होने लगेंगी।"

"इस बार हम उसे नहीं छोड़ेंगे, वह जल्द ही अरैस्ट कर लिया जायेगा।"

"यदि हो सके तो सवेरे मिलना मत भूलना।"

"और कोई खास बात सर?"

"नहीं... बस आराम करो।"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया। टॉम ने रिसीवर को क्रेडल पर रखा।

"क्या बात थी डियर?"

"चेट लोगन के बारे में बता रहे थे कि वह फिर से यहां आने की कोशिश कर रहा है।"

"तो घबराने वाली क्या बात है? हम उसका डटकर मुकाबला करेंगे।"

"सर ने सवेरे बुलाया है।"

"कहो तो अभी चलें?"

"नहीं, फिलहाल आराम करते हैं।"

यह कहकर वे दोनों सोने का प्रयास करने लगे। अभी मुश्किल

से दस मिनट भी न गुजरे थे कि अचानक मोबाइल की घंटी बज उठी।

"हैलो...!"

"रोस स्पीकिंग हियर!"

"टॉम दिस साइड!"

"क्या बात है सर...आजकल बड़े व्यस्त रहते हैं, मुलाकात ही नहीं हो पाती।"

"मैं चेट लोगन की तलाश में लगा हुआ हूं।"

"कुछ पता चला क्या?"

"हां, अभी मुझे एक आदमी से पता चला है कि वह हमारी सीमा में गुप्त रूप से प्रविष्ट हो रहा है।"

"मैं कुछ समझा नहीं।"

"इसमें ना समझने वाली कौन-सी बात है? साफ जाहिर है कि वह यहां आने के लिए एक ऐसी तकनीक काम में ला रहा है, जिसे हर कोई नहीं जानता।"

"ऐसा उसने क्या किया है?"

"अभी-अभी मुझे सूचना मिली है कि हमारे हैडक्वार्टर के पिछले भाग में एक धमाके की आवाज सुनी गयी है। देखने पर उसका दुर्घटनाग्रस्त हैलीकॉप्टर भी पाया गया है, जिसमें उसकी डैड बॉडी भी मिली है, लेकिन मेरा मन कहता है कि वह इतनी आसानी से मरने वाला नहीं है। यह उसकी कोई साजिश है, हमें धोखा देने की साजिश।"

"सर, यह तो डैड बॉडी के पोस्टमार्टम से ही पता चलेगा कि क्या माजरा है?"

"प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि लाश के चेहरे पर चेट लोगन का मास्क था।"

"फिर तो यह निश्चित हो चुका है कि वह शीघ्र ही हमारे मुल्क में भारी मात्रा में उत्पात मचायेगा।"

"इस बार उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा।"

"लेकिन फिलहाल कुछ ऐसा करना होगा, ताकि वह खुलकर सामने आ सके।"

"इस तरह तो वह बहुत कुछ अशान्ति फैला सकता है।"

"नहीं, फिलहाल उसका लक्ष्य अपनी सैक्रेट्री को हासिल करना

है। अतः उसके मिलते ही वह सबसे पहले यहां से भागने की कोशिश करेगा।"

"यदि ऐसा है तो कुछ समय के लिए उसकी सैक्रेट्री को नाटकीय ढंग से मुक्त कर देना चाहिए, इस तरह वह जल्द ही हमारे जाल में फंस जायेगा।"

"योजना तो कुछ बुरी नहीं है, लेकिन...।"

"लेकिन क्या?"

"लेकिन एक बात की आशंका है कि यदि वह उसे लेकर भागने में कामयाब हो गया तो वह हमारी बहुत बड़ी हार होगी।"

"तब क्या किया जाये?"

"उसकी सैक्रेट्री के मेकअप में फॉक्सी को भी पेश किया जा सकता है।"

"हां, यह स्कीम सही रहेगी।"

"ठीक है, मैं तुमसे कुछ देर बाद सम्पर्क करूंगा।"

"जैसी आपकी मर्जी!"

इसके साथ ही दूसरी ओर से सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन मियामी हैडक्वार्टर से लगभग दस किलोमीटर दूर एक ऐसे निर्जन क्षेत्र में झाड़ियों के पीछे छुपा था, जहां कोई उसके होने की आशंका भी न कर सकता था।

वह अपने एक विशेष यन्त्र की मदद से उस दृश्य को देख चुका था, जो कि उसके हैलीकॉप्टर के गिरने से सम्बन्धित था। वह जान चुका था कि तमाम अधिकारियों को बेवकूफ बनाने में वह कामयाब रहा है।"

अभी वह कुछ सोच ही रहा था कि तभी उसे दूसरी ओर से एक यौवना आती दिखाई पड़ी। उसे देखकर लोगन को अपनी आंखों पर भरोसा न हुआ। उसकी सैक्रेट्री मैक्सीना बहुत ही बुरी हालत में उसके सामने खड़ी थी। उसकी हालत देखकर ऐसा लगता था, मानो उसे घंटों टॉर्चर किया गया है।

"ग...गुड नाइट सर!"

"क...कौन म...मैक्सीना?"

"हां, आपकी बदनसीब मैक्सीना।"

चेट लोगन इस बात का अन्दाज भी न लगा पाया था कि धोखे से वह फॉक्सी के जाल में फंसने जा रहा है।

"यह तुमने अपनी क्या हालत बना रखी है मैक्सीना?"

"सब वक्त का फेर है सर, जो नसीब में दुःख भोगने लिखे थे, भोग चुकी हूं।"

"अब तुम्हें कोई मुझसे जुदा नहीं कर सकता।"

"यह तो मैं भी जानती हूं सर!"

"फिलहाल तुम कहां से आ रही हो?"

"मैं टॉर्चर रूम से भागी हूं।"

"क्या?" लोगन ने आश्चर्य प्रगट किया।

"मैं सच कह रही हूं सर!"

"क्या तुम्हें वहां खुला रखा गया था?"

"नहीं, खुला तो नहीं रखा गया, लेकिन जैसे ही मुझे पीने के लिए जूस की बोतल दी गयी। मैंने बोतल उस लड़की के सिर में दे मारी जो कि मुझे जूस पिलाने आई थी।"

उसके बेहोश होते ही मैंने यह चमत्कार कर दिखाया।

"तुम्हारे हौसले की मैं दाद देता हूं।"

"अब क्या इरादा है सर?"

"अभी तो कोई मौका ही नहीं मिला।"

"वैसे कब लौटे यहां?"

"लगभग दो घंटे पहले।"

"यदि आपके पास समय हो तो तब तक मैं आपको यहां के कुछ ऐसे क्षेत्रों में घुमाना चाहती हूं, जिनकी जानकारी हमारे लिए विशेष उपयोगी रहेगी।"

"लेकिन तुम्हें यह सब जानकारी हासिल करने का मौका कैसे मिल गया मैक्सीना?"

"बस इसे मैं अपना सौभाग्य ही कहूंगी सर कि एक रोज मुझे एक लड़की के साथ घूमने का मौका मिल गया था।"

"लेकिन यह सम्भव कैसे हो गया?"

"मुझे मानसिक रूप से इतना टॉर्चर किया गया था कि मेरे बचने की भी उम्मीद न रही थी, यहां के डॉक्टरों की राय थी कि स्वतन्त्र रूप से घूमने पर यह ठीक हो सकती है। उसी की राय को मानते हुए मुझे एक लड़की के साथ घूमने के लिए छोड़ दिया गया।"

"लेकिन तुम्हें फिर टॉर्चर रूम में कैसे डाला गया?"

"उन्होंने मेरी परीक्षा ली थी, जिसमें मैं धोखा खा गयी थी।"

"ऐसा क्या हुआ?"

"रास्ते में मुझे आपका ही एक हमशक्ल मिला जो कि मुझे अपने साथ ले जाना चाहता था, जैसे ही मैं उसके साथ जाने को तैयार हुई, मुझे पकड़ लिया गया और फिर से टॉर्चर किया गया।"

"लेकिन मेरे हमशक्ल का क्या हुआ?"

"उसे मेरे ही सामने इतना टॉर्चर किया गया कि मैंने डरकर आंखें बन्द कर लीं। जब उन्होंने उसके एक-एक अंग को काटना शुरू किया तो मैं डर के मारे बेहोश हो गयी।"

"इसका मतलब है, वह सीन फिर से दोहराया जा सकता है।"

"होने को तो कुछ भी हो सकता है सर!"

"ठीक है, हम पहले यहां की पूरी जानकारी हासिल करते हैं, उसके बाद जाने की बात सोचेंगे।"

"मेरे माइन्ड में एक स्कीम है सर!"

"बोलो क्या स्कीम है?"

"हमें यहां से भागने के लिए यहीं के हैलीकॉप्टर व यहीं के जवानों से ड्रेस व हथियार इस्तेमाल करने चाहिएं।"

"योजना तो कुछ बुरी नहीं लगती डार्लिंग, लेकिन... ?"

"लेकिन यह सब सामान मिलना इतना आसान काम नहीं है, जितना तुम समझती हो।"

"उसकी जिम्मेदारी तुम मुझ पर छोड़ दो।"

"ठीक है, आओ मेरे साथ।"

यह कहकर वे दोनों एक ओर को निकल गए।

❑❑❑

❑❑❑

अब तक मैरी चेट लोगन की सैक्रेट्री से वह सब कुछ जानने में कामयाब हो गयी थी, जिसके आधार पर उसकी मजबूत जड़ों को हिलाया जा सकता था।

यह सब जानने के बाद मैरी उसे लेकर एयरपोर्ट की ओर चल दी।

"मैडम!"

"यस मैक्सीना!"

"आज आप मुझे कहां ले जा रही हैं?"

"एयरपोर्ट!"

"लेकिन क्यों?"

"तुम बॉस के पास पहुंच जाओगी, मैंने तुम्हें वहां तक पहुंचने का पूरा रास्ता भी समझा दिया है।"

"क्या मुझे अकेले ही जाना होगा मैडम?"

"हां, दोनों का एक साथ जाना ठीक न होगा।"

"लेकिन क्यों?"

"क्योंकि यदि किसी तरह हम दोनों ही पकड़े गये तो यहां के राज हमारे दिलों में ही दफ्न होकर रह जायेंगे।"

"ठीक है, जैसी आपकी मर्जी।"

यह कहकर मैक्सीना मैरी के साथ चल दी। अभी वे दोनों कुछ ही दूर जा पायी होंगी कि अचानक फायरों की आवाज गूंजने लगीं।

इस आवाज को सुनकर वे दोनों घबरा उठीं।

"लगता है, कोई गड़बड़ है मैडम!"

"मन तो मेरा भी यही कहता है।"

"आओ वापिस लौट चलें।"

यह कहकर वे वापिस मुड़ी ही थीं कि एक मोटरसाइकिल आती दिखाई पड़ी।

"कौन हो तुम... ?"

"म... म... मैं एक विदेशी महिला हूं, घूमने आयी थी यहां।"

"यह क्यों नहीं कहती कि चेट लोगन की सैक्रेट्री हो।"

"आपको गलतफहमी हुई है मैन?"

"मियामी के जवान 24 घंटे आंखें खुली रखते हैं। उन्हें धोखा देना इतना आसान नहीं, जितना कि तुम सोच रही थीं।"

"मैं कुछ समझी नहीं।"

"सब समझ जाओगी, जब तुम्हें इसके साथ टॉर्चर रूम में डाल दिया जायेगा।"

"देखो मैन, मैं कोई ऐसी-वैसी नहीं हूं। मेरी ऊपर तक पहुंच है, तुम्हारी राजदूत से शिकायत करूंगी।"

"कुछ ही देर में तुम्हें पता चल जायेगा कि मियामी के जासूसों का दिमाग कम्प्यूटर से भी हजार गुणा अधिक सक्रिय रहता है।"

इसके साथ ही उस युवक ने अपना रिवाल्वर उन दोनों की ओर तान दिया।

अब मैक्सीना व मैरी ने उस युवक के साथ चल देने में ही अपनी अक्लमन्दी समझी।

"हैंड्स अप!" टॉम ने आदेश दनदनाया।

दोनों महिलाओं ने घबराकर हाथ ऊपर उठा दिये।

"कुछ ही देर में यहीं जीप आ रही है, उसमें डालकर तुम्हें टॉर्चर रूम पहुंचा दिया जायेगा।"

टॉम ने अपना वाक्य पूरा किया ही था कि जेनर की जीप एक झटके के साथ वहां आकर रुकी। जेनर को देखते ही टॉम ने जोरदार सैल्यूट मारा।

"क्या मामला है?"

"सर, यह चेट लोगन की कार्यवाहक सैक्रेट्री है... मैक्सीना को लेकर भाग रही थी।"

"आओ मेरे साथ।" जेनर का आदेशात्मक स्वर उभरा।

यह सुनते ही दोनों महिलाएं जीप के पिछले हिस्से में सवार हो गयीं।"

"टॉम... !"

"यस सर!"

"तुम इनके पीछे-पीछे चलना।"

"ओ०के० सर!"

यह कहते ही टॉम ने अपनी मोटरसाइकिल स्टार्ट कर दी। कुछ ही देर बाद वे चारों टॉर्चर रूम जा पहुंचे। मैक्सीना को फिर से बांधकर लटका दिया गया।

मैरी को दूसरे कमरे में ले जाया गया। अब मैक्सीना का दिमाग तेजी से कुछ सोच रहा था। वह फिर से कोई नया जाल बुन रही थी।

❑❑❑

❑❑❑

अभी चेट लोगन उस महिला के साथ झाड़ियों की ओट में कुछ दूर ही निकल पाया था कि एक हथगोला उसी के पास आकर फटा।

यदि वे दोनों फुर्ती से एक ओर जम्प न लगा गए होते तो

अब तक उनका जिस्म चिथड़ों में बदल चुका होता।

"चेट लोगन व मैक्सीना तुम दोनों बुरी तरह घिर चुके हो, यदि कुत्ते की मौत नहीं मरना चाहते हो तो आत्म-समर्पण कर दो।" अचानक माइक पर आवाज गूंजी।

"हम चेट लोगन व मैक्सीना नहीं हैं। तुम्हें ज़बरदस्त धोखा हुआ है। हम चेट लोगन व मैक्सीना के मेकअप में टॉम व फॉक्सी हैं। लगता है, तुम अपने ही विभाग के आदमियों को मार डालना चाहते हो?"

"हम तुम्हें मार नहीं रहे हैं।"

"तो हथियार फेंक दो।"

"तुम्हें जिन्दा गिरफ्तार किया जायेगा।"

"हमारी छोड़ो और फिलहाल चेट लोगन व मैक्सीना की सोचो... वे दोनों ही यहां से भागने को तैयार हैं।" चेट लोगन ने सभी जवानों को गुमराह करने की नीयत से कहा।

लेकिन जेनर व टॉम ने उसकी एक न सुनी। वे फुर्ती से, मगर सावधानीपूर्वक उनकी ओर बढ़ते रहे।

ठीक तभी चारों ओर से हथगोलों के फटने की आवाजें गूंजने लगीं।

"अब क्या होगा सर!"

"मेरे होते तुम्हें कुछ नहीं होगा मैक्सीना।"

"हम घिर चुके हैं सर!"

"हैंड्स अप!" जेनर का स्वर उभरा।

दोनों ने डरकर हाथ ऊपर उठा दिये।

"अरैस्ट हिम टॉम!"

"अरैस्ट हर फॉक्सी!"

जेनर का आदेश सुनते ही टॉम व फॉक्सी लोगन व मैक्सीना की ओर बढ़े।

'भड़ाक...!'

एक जबरदस्त घूंसा टॉम की नाक पर पड़ा। टॉम को उससे ऐसी उम्मीद कतई न थी।

इसके साथ ही फॉक्सी ने एक कराटे चाप लोगन की कनपटी पर दे मारा। उसके साथ ही वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा।

लोगन के गिरते ही मैक्सीना थर-थर कांपने लगी।

अगले ही पल फॉक्सी मारपीट की मशीन बन चुकी थी। कुछ ही देर में मैक्सीना का खूबसूरत जिस्म जमीन पर पड़ा था।

"ले जाकर इन दोनों को टॉर्चर रूम में डाल दो।" जेनर ने हुक्म सुनाया।

इसके साथ ही दो जवानों ने उन्हें पकड़ा व जीप में डाल दिया। उनके जीप में डालते ही जीप अपनी मंजिल की ओर बढ़ चली।

❑❑❑

❑❑❑

मियामी हैडक्वार्टर की सभागार में आज अच्छी-खासी चहल-पहल थी। लगभग सभी ओहदेदार उपस्थित थे। आज कार्ल जेनर उनको सम्बोधित कर रहे थे।

"टॉम...!"

"यस सर!"

"अब हमारे सम्मुख सबसे बड़ी समस्या आ खड़ी हुई है।"

"कैसी समस्या सर?"

"चेट लोगन व उसकी सैक्रेट्री की सुरक्षा की समस्या।"

"उन्हें जेल में डाल दिया जायेगा सर!"

"मुझे उम्मीद है कि उसके ओहदेदार तथा वह शख्स जिसके लिए लोगन काम करता था, अवश्य उसे छुड़ाने के लिए कोशिश करेगा।"

"लेकिन वह क्यों छुड़ाने लगा उसे?"

"मैंने सुना है कि लोगन उसका दायां हाथ था।"

"ठीक है, उस पर पूरी सख्ती से पहरा बिठाया जायेगा।"

"वह किसी भी समय जेल से गायब हो सकता है।"

"मुझे तो नहीं लगता सर!"

"लेकिन मुझे तो लगा है टॉम!"

"ऐसा क्यों सर?'

"क्योंकि यह पहले भी ऐसा कई बार कर चुका है।"

"यानि आपको उम्मीद है कि अब भी यह ऐसा ही करेगा?"

"बेशक!"

"आप चिन्ता न करें, हम इसे ऐसा सश्रम कठोर कारावास देंगे कि इसके पास कुछ सोचने को वक्त नहीं न बचेगा।"

"तुम्हारा क्या विचार है रोस?"

"सर! मैं तो चाहता हूं कि इसे फौरन गोली से उड़ा दिया जाये, ताकि इसका खेल खत्म हो जाये।"

"इसके परिणाम बहुत भयंकर हो सकते हैं।"

"लेकिन क्यों सर?"

"क्योंकि जिसके लिए यह काम करता था, वह इसको पाने के लिए बेचैन होगा।

"तब क्या करना है सर?"

"हमें पहले इसके हैडक्वार्टर को उड़ाना होगा।"

"क्या ऐसा सम्भव है?"

"जब हमारे आदमी वहां पहुंच सकते हैं तो वे उसे उड़ा भी सकते हैं।"

"लेकिन मैं चाहता हूं कि इससे पहले लोगन से कुछ जरूरी जानकारी हासिल कर ली जाये।"

"ठीक है सर, ऐसा ही करते हैं।"

"फॉक्सी!"

"यस सर!"

"इस बारे में तुम्हारी क्या राय है?"

"सर, मैं चाहती हूं कि उससे राज उगलवाने का दायित्व मुझे सौंपा जाये।"

"तुम्हें इतना भरोसा है अपने आप पर?"

"भरोसा भी है और लगन भी।"

"तब किस तरह करोगी यह जोखिम भरा काम?"

"मैं मैक्सीना के रूप में उसके सामने जाकर उससे सारे राज उगलवा लूंगी।"

"ठीक है, ऐसा ही करो। आज की सभा विसर्जित होती है।" कार्ल जेनर का स्वर उभरा।

इसके साथ ही सभा विसर्जित हो गयी। धीरे-धीरे सभी ओहदेदार बाहर निकलने लगे।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन को टॉर्चर रूम में दो कड़ों में जंजीरों से बांधकर लटकाया गया था। उसके कपड़े जगह से फट चुके थे। उसे बुरी तरह टॉर्चर किया गया।

तभी अचानक गेट खुला। दो जल्लाद जैसे शख्स भीतर प्रविष्ट हुए।

"च...र्र...र्र...चर्रर...!" उन्होंने आते ही लोगन के कपड़ों को फाड़ डाला।

इसके साथ ही उनके हाथों में थमे हंटर लहरा उठे।

'सड़ाक्...सड़ाक्...!'

"आ...ऽऽह...!"

"हर हंटर के वार के साथ लोगन के मुख से चीखें उबल रही थीं।

'सड़ाक्...सड़ाक्...सड़ाक...!'

हंटरों की फटकार कमरे में गूंज रही थी। दोनों जल्लाद सरीखे व्यक्ति उस पर बुरी तरह हंटर बरसा रहे थे।

"बोल, किसके लिए काम करता था तू?"

"...।"

'सड़ाक्...सड़ाक्...सड़ाक्...!'

लोगन की ओर से कोई उत्तर न पाकर वे पुनः बेरहमी से हंटर बरसाने लगे।

इसके साथ ही एक ने अपनी जेब से लाइटर निकालकर सुलगाया व लोगन की दोनों जांघों के बीच कर दिया।

"आ...ऽऽह...!"

पुनः कमरे में चेट लोगन की दर्दनाक चीखें गूंजने लगीं।

"मैं कहता हूं बताओ!"

"मैं खुद अपने मन का राजा हूं...किसी के लिए काम क्यों करने लगा?"

"यह झूठ है।"

"नहीं, यह सच है।"

"हमें पता है कि तुम किसी के इशारे पर इतनी हत्याएं करते थे।"

"नहीं, यह मेरा पेशा है और शौक भी।"

"तुम्हें बताना होगा कि वह कौन है?"

"वह कोई नहीं है।"

"लगता है, ऐसे नहीं बताओगे?"

"मैंने जो बताया था, बता दिया।"

"और नहीं बताओगे?"
"हरगिज नहीं।"
"सोच लो, मौत तुम्हारे करीब खड़ी है।"
"मैं मौत से नहीं डरता हूं।"
"शायद तुमने मौत आते दूसरों की देखी है, अपनी नहीं।"
"मेरी मौत कभी नहीं आयेगी।"
"अभी और यहीं आयेगी।"
"ठीक है, फिर उस ओर देखो।"
"किधर?"
"दायीं ओर!"
"जैसे ही लोगन ने दायीं ओर देखा, उसकी रूह फना हो उठी। एक बड़े हीटर पर लोहे की छड़ें तप रही थीं।"
"यदि तुमने उत्तर न दिया तो वे बारी-बारी से तुम्हारे जिस्म में घुसा दी जायेंगी।"
"मुझे मौत से कोई डर नहीं लगता।"
"तब ठीक है।"
इसके साथ ही एक जल्लाद आगे बढ़ा, वह गर्म छड़ के हत्थे को पकड़कर उसकी ओर बढ़ा।
"तो तैयार हो जाओ बच्चू... मौत डराने आ रही है।"
उसने आते ही लोगन के तलुवे को रोड से छुआ दिया। लगते ही वह बुरी तरह बिलबिला उठा।
"आ...ऽऽह...!"
तभी दूसरे ने उठाकर उसकी कमर पर लगा दिया।
"आऽऽ...ह...।"
चीखों के मारे कमरा गूंज उठा।
"बोलो क्या कहना चाहते हो?"
"मेरी जान ले लो, लेकिन मैं कुछ न बताऊंगा।"
"जान सिर्फ तुम्हारी ही नहीं, बल्कि तुम्हारी सैक्रेट्री की भी ली जा रही है। उसके साथ इससे भी बुरा सलूक हो रहा है।"
"नहीं...।"
"यह सच है।"
"ठीक है, मुझे मेरी सैक्रेट्री लौटा दो... मैं सब कुछ बता दूंगा।"
"पहले बताना होगा।"

"क्या तुम मुझे इतना पागल समझते हो?"
"जो वास्तव में पागल हो, उसे समझने में बुराई भी क्या है?"
"ठीक है, मेरी जान ले लो।"
"पहले तुम्हारे सामने मैक्सीना को मारा जायेगा, तब बाद में तुमसे निपटेंगे!"
"नहीं... यह नहीं हो सकता।"
"ऐसा ही होगा। कुछ ही देर में हम उसे भी तुम्हारे पास भेज रहे हैं।"
यह कहकर वे दोनों कमरे से बाहर निकलने लगे।
"ठहरो... ।"
"कहो क्या कहना है?"
"मैं सब कुछ बता दूंगा, लेकिन मैक्सीना की सूरत तो दिखाओ कि वह जिन्दा भी है या नहीं?"
"वह वास्तव में जिन्दा है, कुछ देर बाद वह यहीं आ रही है।"
"मुझे तो विश्वास नहीं होता कि वह जिन्दा भी बची होगी।"
"तब तो विश्वास हो ही जायेगा, जब अपनी आंखों से उसे देख लोगे।"
"हां, तब वो विश्वास करना ही पड़ेगा।"
"तो ठीक है, आंखें मूंदकर एक से दस तक गिनो।"
"य... यह क्या घपलेबाजी है?"
"यदि अपनी मैक्सीना को पाना चाहते हो तो यह सब तुम्हें करना ही होगा।"
अब लोगन के पास उनकी बात मान लेने के लिए दूसरा चारा ही न था। उसने आंखें बन्द करके गिनती गिननना शुरू किया।
"एक... दो... तीन... आठ... नौ... दस... ।"
इसके साथ ही उसने आंखें खोल दीं। उसने आंखें खोलीं तो उसके सामने से दोनों जल्लाद किसी जिन्न की तरह गायब हो गए थे। न तो उनके जाने की आहट ही हुई और न ही उसे अपने सामने मैक्सीना नजर आई थी।
कमरे में दिखाई देने वाले दरवाजे भी गायब हो चुके थे। उसे ऐसा लगा मानो उसे किसी गेंद के भीतर कैद कर दिया हो।
यह देखकर उसके आश्चर्य की सीमा न रही। कुछ देर पहले जो टॉर्चर रूम एक लम्बा-चौड़ा आयताकार कक्ष नजर आ रहा था,

अब एक लोहे की जालीदार गेंद बन चुका था।

उसे अपनी आंखों पर भरोसा न हो रहा था। उसका दिमाग सोचते-सोचते फटने को तैयार था। अब उसे यहां से छूटने की कोई उम्मीद न दिखाई दे रही थी।

उसे सबसे ज्यादा परेशानी इस बात की थी कि इस लोहे की गेंद में चारों ओर कांटे जैसी लोहे की कीलें लगी थीं, जो कि जरा-सी हरकत करते ही उसके जिस्म को पीड़ा पहुंचा रही थीं।

इसके साथ ही सबसे बड़ा सिरदर्द यह था कि वह गेंद हवा में झूलती प्रतीत हो रही थी। दरअसल, यह एक ऐस ग्लोब था, जिसे चुम्बकीय आकर्षण से स्थापित किया गया था। वह बार-बार इस तरह हिल रहा था, मानो किसी थाली में पारा रख दिया गया हो।

अचानक लोगन को अपना दम-सा घुटता प्रतीत हुआ। उसे प्यास के कारण गले में कांटे से उभरते महसूस हुए।

"प...पा...नी...!" पूरी ताकत से लोगन चीखा व इसके साथ ही बेहोश होकर गिर पड़ा। लोहे की गेंद अभी भी हिल रही थी। लोगन का जिस्म जगह-जगह से जख्मी हो चुका था।

उसको इस वक्त कितने सख्त उपचार की आवश्यकता थी, इसका अन्दाजा कोई देखने वाला ही लगा सकता था। यह तो गनीमत थी कि वह प्यास के मारे बेहोश हो चुका था, वरना वह दहाड़ें मारकर रोने लगता।

अचानक कमरे में फॉक्सी ने प्रवेश किया। इस वक्त वह उसकी सैक्रेट्री के मेकअप में थी, जैसे ही उसने उसे देखा, उसकी रूह फना हो उठी।

"देखो सर, मैं आ गई...?" फॉक्सी ने जोर से आवाज दी।

लेकिन जब कई आवाजों के बाद भी वह न बोला तो उसे लगा कि लोगन बेहोश हो गया है। तभी उसने दीवार में लगा एक बटन पुश किया।

बटन दबते ही लोहे की वह गेंद हिलना बन्द हो गयी। दूसरा बटन दबते ही उसे एक विचित्र-सी गैस निकलती महसूस हुई। इसके साथ ही फॉक्सी को जोरों की छींकें आने लगीं।

कुछ देर बाद ही चेट लोगन ने आंखें खोल दीं।

"आऽऽह...आऽऽह...!"

आंखें खोलते ही लोगन से बुरी तरह कराहना शुरू कर दिया।

"देखो सर, मैं आपके पास आ गयी?"

यह आवाज लोगन को कुछ जानी-पहचानी-सी लगी। बाद में उसने दिमाग पर जोर डाला तो याद आया कि कुछ देर पहले उसे एक से दस तक गिनती गिनने के लिए हुक्म दिया गया था, लेकिन न जाने क्या हुआ कि उसे मैक्सीना से मिलवाने के बजाय इस लोहे की गेंद में कैद कर दिया गया था।

"त...तुम म...मैक्सीना ही हो न?"

"यस डियर, मैं आपकी ही अभागी मैक्सीना हूं, जिसे चाहकर भी मौत नहीं आ रही। न जाने क्यों मैं इन बुरे दिनों को देखने के लिए जिन्दा हूं।"

"तुम अब तक कहां थीं डार्लिंग?"

उन्होंने मुझे पकड़कर एक अलग कमरे में बन्द कर दिया था।

"तुम्हारे साथ कोई ज्यादती तो नहीं हुई मैक्सीना!"

"यह पूछो सर कि मेरे साथ क्या नहीं हुआ, लेकिन फिर भी मैं यह सोचकर सब्र किये हुए हूं कि आप मेरे सामन अभी जिन्दा हैं।"

"मैक्सीना ऐसी जिन्दगी से तो मौत हजार गुनी बेहतर होगी।"

"लेकिन जिन्दगी और मौत तो ऊपर वाले के हाथों में होती है डार्लिंग! टॉर्चर रूम के भीतर मौत इतनी सस्ती नहीं होती कि स्वेच्छा से हर कोई खरीद सके।"

"जब तक मैं आपके साथ हूं, आपको निराश होने की जरूरत नहीं है।" फॉक्सी ने कहा।

"ऐसी क्या चीज है, तुम्हारे पास जो तुम मुझे उम्मीदवार बनाना चाहती हो।"

"मैंने यहा के एक आदमी की खातिरदारी करके वह राज मालूम कर लिया है, जिससे मैं तुम्हें इस लोहे की गेंद से मुक्त कर सकती हूं।"

"ऐसी क्या बात है डार्लिंग?"

"मेरे पास कुछ कोड वर्ड्स हैं, जिन्हें बोलते ही यह गेंद दो टुकड़ों में बंट जायेगी और हम दोनों फिर से गले लग सकेंगे।"

"ठीक है, आजमाने में कोई बुराई नहीं है।"

इसके साथ ही वह स्विच बोर्ड पर लगे एक माइक के सामने गई व एक खास अन्दाज में कुछ बुदबुदाने लगी।

अगले ही पल वह लोहे की गेंद दो सिक्कों में बंट गई।

यह देखते ही उन दोनों के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। फॉक्सी एक नाटकीय ढंग से उसके गले से जा लगी। वह बार-बार उसके चेहरे को चूम रही थी।

अचानक ही लोहे की गेंद में अन्धकार छा गया। फॉक्सी लोगन से इस कदर सटी हुई थी, मानो वह उसमें समा जाने का प्रयास कर रही हो।

जैसे ही उसने अपनी बांहों में लोगन को लिया, उसके हाथ खूने में सन गए।

"अरे तुम्हारी कमर से तो बहुत खून बह रहा है डियर!"

"तुम उसकी परवाह न करो डार्लिंग, जल्दी से इस गेंद से बाहर निकलने का जुगाड़ करो।"

"आओ धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने की कोशिश करते हैं।" यह कहकर फॉक्सी ने उसे अपनी नाजुक बांहों का सहारा देकर धीरे-धीरे ऊपर चढ़ाना शुरू किया, लेकिन इससे पहले कि वे गेंद से बाहर निकल पाते, एक झटके के साथ वह बन्द हो गई।

"लगता है, तुमसे कुछ गलती हो गयी है डार्लिंग!"

"तुम चिन्ता न करो डियर, हम दोनों साथ-साथ ही जियेंगे व साथ-साथ ही मरेंगे।"

"ऐसी बात न कहो डार्लिंग!" लोगन ने उसे अपने बाहुपाश में लेते हुए कहा।

फॉक्सी ने कोई आपत्ति न की। वह उसे सम्पूर्ण यौन सुख देने को तैयार थी, लेकिन यहां परिस्थितियां उनके अनुकूल न थीं।

"डार्लिंग, तुम्हारी हालत से तो लगता है कि उन्होंने तुम्हारी जान लेने में कोई कसर न छोड़ी होगी। कितनी बेरहमी से टॉर्चर किया है तुम्हें।"

"मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि मेरी जान चली जाती, लेकिन सबसे बड़ा दुःख इस बात का है कि अब मैं आपके लायक नहीं रही।"

"भली-चंगी तो हो मेरे सामने, फिर क्यों दिल तोड़ने वाली बातें करती हो डार्लिंग?"

"मेरे साथ आज की रात इतने लोगों ने अपनी हवस की पूर्ति की है कि मैं कहीं की नहीं रही। सोचती हूं, आपको मुंह दिखाने

से पहले मैं मर क्यों नहीं गयी?"

"मैं ऐसी बातों में विश्वास नहीं करता डार्लिंग! क्योंकि ऊपर वाले ने तुम्हें बनाया ही ऐसी फुर्सत में है कि तुम्हें देखकर किसी के भी मुंह में पानी आ सकता है।"

"यदि सिर्फ इतना ही होता तो मैं खुद को समझा लेती, लेकिन उन्होंने तो मेरे साथ वह जुल्म ढाया है, जिसे देखकर शैतान भी तौबा कर ले।"

"आखिर क्या हुआ ऐसा तुम्हारे साथ?"

"उन्होंने मेरे साथ एक भालू को रेप करने के लिए भेज दिया। उसने मेरा पीछा तब तक न छोड़ा था, जब तक कि मैं मृतप्राय न हो गयी थी।"

"उन्होंने तो निश्चय ही तुम्हारी जान लेने की कोशिश की है, वह तो अच्छा हुआ कि भालू तुम्हें मरी हुई समझकर छोड़ गया।"

"हम दोनों के प्यार में बड़ी शक्ति है डियर!"

वे दोनों अभी बातें कर ही रहे थे कि अचानक माइक के स्पीकर से किसी के खांसने की आवाज उभरी।

"मैक्सीना! तुम अपने उद्देश्य में कभी कामयाब नहीं हो सकोगी। यदि जरूरत से ज्यादा चालाकी दिखाने की कोशिश करोगी तो तुम दोनों अपनी जान दे बैठोगे।"

"ऐसी जिन्दगी को जीने से तो मर जाना कहीं बेहतर होगा।"

"अब तुम हमारी कैद में हो...तुम्हारी जिन्दगी व मौत हमारी मर्जी पर निर्भर करती है।"

"हमें आजाद कर दो, हम तुमसे वायदा करते हैं कि भविष्य में कभी तुम्हारे मुल्क के खिलाफ काम न करेंगे।"

"पहले हमें यह बताना होगा कि तुम किसके कहने पर यह सब किया करते थे?"

"नहीं, यह मैं नहीं बता सकता।"

"सोच लो, इसका परिणाम तुम्हारे लिए बहुत घातक हो सकता है।"

"तुम अधिक-से-अधिक हमें मौत ही दे सकते हो, हम मौत का स्वागत करते हैं।"

"मैं तुम्हें मौत से भी भयंकर सजा दूंगा।"

"ऐसा क्या है तुम्हारे पास?"

"वक्त आने पर सब जान जाओगे।"

इसके साथ ही माइक बन्द हो गया व लोहे की गेंद तेजी के साथ घूमने लगी। अगले ही पल उन दोनों को उल्टियां होने लगीं। दोनों के जिस्म जगह-जगह से छिल चुके थे।

लगभग आधे घन्टे बाद वह लोहे की गेंद घूमना बन्द हो गयी। कुछ पलों के बाद उन्हें राहत महसूस हुई।

अगले ही पल उन्हें ऐसा लगा मानो जोरदार बारिश हो रही है। दरअसल यह एक फव्वारा था, जिससे स्प्रिट की वर्षा हो रही थी। जैसे ही नंगे जख्मों पर स्प्रिट पड़ती वे दोनों बिलबिला उठते।

"अब बर्दाश्त नहीं होता... डियर कुछ करो।"

"मैं अपने बॉस के प्रति गद्दारी नहीं कर सकता डार्लिंग!"

"एक काम करते हैं।"

"बोलो... ?"

"तुम इनसे कहो कि मैं उसका नाम तो नहीं जानता, लेकिन तुम्हें उस स्थान पर लेकर जा सकता हूं, जिसके लिए मैं काम करता था।"

"लेकिन उससे क्या लाभ?"

"इस तरह ये लोग तुम्हें वहां लेकर पहुंचेंगे तो हमें इस दर्दनाक कैद से मुक्ति मिल जायेगी। हो सकता है, तुम्हारा बॉस अकेला ही इन सब पर भारी पड़ जाये।"

"लगता है, तुम लोग हमसे कुछ बातें करने के पक्ष में हो।" माइक पर आवाज गूंजी।

"तुम्हारा अनुमान दुरुस्त है।"

"बोलो क्या सोचा तुमने?"

"मैं उस आदमी का नाम तो नहीं जानता, लेकिन आप लोगों को वहां तक पहुंचा जरूर सकता हूं।"

"ठीक है, मुझे तुम्हारी बात मंजूर है, लेकिन उसमें भी एक शर्त है।"

"कैसी शर्त?"

"जब तक तुम हमें उसका ठिकाना नहीं दिखा देते, मैक्सीना इसी गेंद में क़ैद रहेगी।"

"अजीब शर्त है यह तो!"

"खूब अच्छी तरह सोच लो, फैसला तुम्हारे ही हाथों में है।"

यह कहकर माइक पुनः शान्त हो गया।

"अब क्या करें डार्लिंग?"

"आप जल्दी से इससे बाहर चले जाओ।"

"और तुम?"

"मैं भी कुछ रोज बाद निकल आऊंगी।"

"मगर कैसे?"

"आत्मसमर्पण करके।"

"मैं कुछ समझा नहीं!"

"मेरी हर बात में कुछ-न-कुछ ऐसा जरूर होता है, जो कि हर किसी को सिर पटकने पर मजबूर कर देता है।"

"एक काम भी तो हो सकता है डार्लिंग!"

"बोलो क्या चाहते हो?"

"मैं यहां रह जाता हूं, तुम इन लोगों को लेकर वहां चली जाओ।"

"नहीं... ये लोग बड़े बेरहम हैं, मार-मारकर तुम्हारी जान ले लेंगे। अब मैं तुम्हें किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहती।"

"तब ठीक है, मैं ही चला जाता हूं, यदि इन्होंने तुम्हें छोड़ने में आनाकानी की, तो मैं दूसरी तरह से पेश आऊंगा।"

चेट लोगन अपनी सैक्रेट्री से जो भी वार्तालाप कर रहा था, वह एक सांकेतिक भाषा थी, जिसे हर कोई नहीं समझ सकता था।

कुछ देर बाद माइक पर पुनः खांसने की आवाज उभरी।

"मुझे आप लोगों का निर्णय चाहिए।"

"हां, मैं तुम्हारे साथ जाने को तैयार हूं, लेकिन मेरी भी एक मामूली-सी शर्त है।"

"बोलो यदि वह जायज हुई तो मान ली जायेगी।"

"मैं कल सुबह आपके साथ जाने को तैयार हूं।"

"लेकिन आज की रात क्यों नहीं?"

"आज मैं अपनी मैक्सीना के साथ यौवन के साथ जी भरकर खेलना चाहता हूं... शायद आज के बाद हमें यह मौका न मिल सके।"

"हम काम पूरा होते ही तुम दोनों को आजाद कर देंगे, लेकिन यदि तुम्हारी इच्छा है कल ही जाना है तो कोई बात नहीं... कल चले जाना। आज की रात हम तुम्हारे लिए आजादी की रात घोषित

करते हैं।"

"हमें आपसे ऐसी ही उम्मीद थी।"

"लेकिन एक घन्टे बाद तुम दोनों अलग कर दिये जाओगे।"

"ऐसा क्यों?"

"क्योंकि मैक्सीना को एक घन्टे बाद लेडी डॉक्टर के पास भेजा जा रहा है।"

"धन्यवाद!"

इसके साथ ही माइक बन्द हो गया।

❑❑❑

❑❑❑

लगभग एक घन्टे बाद पुनः माइक पर आवाज गूंजी—"यदि तुम चाहते हो कि इस लोहे की गेंद से हमेशा के लिए मुक्त हो जाओ तो आंखें बन्द करके एक से दस तक गिनो। यदि गिनती में लापरवाही की तो आंखें हमेशा के लिए खो बैठोगे।"

लोगन व मैक्सीना ने आंखें बन्द करके गिनती गिनना शुरू किया—"एक... दो... तीन... आठ... नौ... दस... !"

आंखें खुलते ही लोहे की गेंद गायब थी। अब वे दोनों एक सुसज्जित कक्ष में विद्यमान थे।

तभी कमरे में एक यौवना प्रविष्ट हुई... वह देखने में डॉक्टर लगती थी। उसके पीछे एक नर्स थी, जो कि मैडिसिन ट्रॉली को धकेलती आ रही थी।

"मैं तुम्हें एक इंजेक्शन दे रही हूं, शीघ्र ही तुम नॉर्मल हो जाओगी।" यह कहकर डॉक्टर ने मैक्सीना की बांह में एक इंजेक्शन लगा दिया। इसके साथ ही उसे एक कैमिकल दिया।

"इसका क्या करना है डॉक्टर?"

"बाथटब में इसे डालकर कुछ देर पानी में लेटे रहना है, शीघ्र ही तुम्हारे जख्म ठीक होने लगेंगे।"

"थैंक्यू डॉक्टर!"

इसके बाद डॉक्टर ने लोगन का परीक्षण किया। उसे भी इंजेक्शन लगाने के बाद एक ट्यूब लगाने को दी।

"अच्छा मैं चलती हूं, आप लोग आराम कीजिए।"

डॉक्टर के जाने के बाद लोगन व उसकी सैक्रेट्री में खुलकर बातें हुईं।

"मैक्सीना!"

"यस सर!"

"जब तक मैं इन लोगों को उसका ठिकाना दिखाकर आऊं, तब तक तुम्हें मेरे सिंडीकेट को हैंडल करना होगा।"

"मुझे मंजूर है सर, लेकिन उसके लिए तो मुझे पूरी जानकारी होनी चाहिए, अभी तो 50% बातें ऐसी हैं, जो कि आपने मुझे बताई भी नहीं हैं।"

"तो घबराने की क्या बात है, अब बताये देते हैं।"

इसके साथ ही लोगन ने फॉक्सी को अपनी सैक्रेट्री समझकर वह सब बातें बता डालीं जो कि उसे नहीं बतानी चाहिए थीं। वह उस पर आंख मूंदकर विश्वास कर चुका था।

सब कुछ जानने के बाद फॉक्सी (मैक्सीना) लोगन के बेहद करीब हो गयी। कुछ देर बाद वे दोनों एक-दूसरे की जरूरत बन चुके थे। वह लोगन पर इस तरह प्यार लुटा रही थी, मानो आज ही उसकी सदियों पुरानी प्यास को शान्त कर देना चाहती हो।

वे दोनों रातभर प्रेम सागर की अनन्त गहराइयों में गोताखोरी करते रहे। प्रेम एवं समर्पण की चरम-सीमा पर पहुंचकर उन्हें ऐसा लगा मानो वे वह सब कुछ हासिल कर चुके हैं, जिसको पाने के लिए वे अब से पहले बेचैन थे।

अभी वे प्रेम एवं समर्पण के इस कार्यक्रम को दोहराना ही चाहते थे कि उनकी पलकें बोझिल होने लगीं। लोगन को लगा कि कोई अदृश्य शक्ति उन्हें सो जाने के लिए बाध्य कर रही है।

अगले ही पल वे दोनों नींद के आगोश में समा गए।

❑❑❑

❑❑❑

बैड में लगे अलार्म की आवाज होते ही वे दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। उठते ही मैक्सीना ने चेट लोगन के प्यासे अधरों पर अपने रसवन्ती होंठ रख दिये।

अभी वह पूरी तरह सम्भल भी न पाये थे कि माइक पर खोजने की आवाज उभरी।

"आपके पास बैड-टी आ रही है, कृपया उठ जायें।"

इसके साथ ही दरवाजे पर दस्तक हुई। फॉक्सी ने अपना लिबास दुरुस्त किया व आगे बढ़कर गेट खोल दिया।

एक यौवना चाय लिए बाहर खड़ी थी। फॉक्सी ने उससे चाय की ट्रे लेकर द्वार बन्द कर दिया।

"सर, बैड-टी प्लीज!"

फॉक्सी ने एक मादक अदा के साथ चाय की प्याली उसकी ओर बढ़ाते हुए कहा।

अगले ही पल वे दोनों चाय सिप करने लगे। चाय पीने के बाद नौकरानी अखबार दे गयी। वे दोनों अखबार पढ़ने लगे। अखबार पढ़ने के बाद वे दोनों फ्रैश होते चले गये।

लगभग बीस मिनट व पूरी तरह तैयार होकर ड्राइंगरूम में आ बैठे। वे बैठे ही थे कि नौकरानी नाश्ते की ट्रे ले आई। कुछ देर तक नाश्ते का आनन्द लेने के बाद वे बैठकर अगले निर्देश की प्रतीक्षा करने लगे।

अचानक माइक पर आवाज उभरी—

"अब तुम दोनों के अलग-अलग होने का वक्त आ गया है... कृपया अन्तिम चुम्बन के बाद अलग-अलग सोफों पर जा बैठे।"

फॉक्सी व लोगन ने माइक पर मिले निर्देश का पालन किया। कुछ पलों के बाद ही कमरे में जेनर ने प्रवेश किया।

"मैक्सीना!"

"यस!"

"अब तुम तब तक हमारे पास रहोगी, जब तक कि लोगन उस आदमी ठिकाना नहीं बता देता, जिसके लिए यह अब तक काम करता रहा है।"

"ठीक है, मुझे मंजूर है।"

"आओ मेरे साथ।"

यह सुनते ही मैक्सीना (फॉक्सी) उठ खड़ी हुई।

"मुझे क्या करना है अब?" लोगन ने खुरदरे अन्दाज में कहा।

"तुम्हें टॉम के साथ वहां जाना है, जहां तुम्हारा बॉस रहता है।"

"मुझे मंजूर है।"

तभी कमरे में टॉम उपस्थित हुआ।

"टॉम!"

"यस सर!"

"तुम इसे हथकड़ी लगाकर अपने साथ ले जाओ।"

"भला हथकड़ी की क्या जरूरत है मुझे? मैं तो खुद ही जाने को तैयार हूं।"

"शटअप! जिसका काम है, उसे करने दो, तुम्हें किस चीज की जरूरत है, यह हम तुमसे बेहतर जानते हैं।"

इससे आगे लोगन ने कुछ भी कहना ठीक न समझा। उसने दोनों हाथ आगे बढ़ा दिये।

टॉम ने हथकड़ी लगा दी।

"चलो, बाहर जीप खड़ी है, उसमें चलकर बैठो।"

यह सुनते ही लोगन टॉम के साथ-साथ हो लिया।

❑❑❑
❑❑❑

लगभग आधे घन्टे बाद वे सभी मिलिट्री पुलिस हैडक्वार्टर पहुंच चुके थे। लोगन को नीचे उतारा गया। उसके साथ जेनर व रोस भी नीचे उतरे।

"लोगन...!"

"यस...!"

"यहां से आगे का सफर हम लोग हैलीकॉप्टर से तय करेंगे। पायलट की सीट तुम्हें सम्भालनी होगी।"

"मुझे मंजुर है।"

"एक बात और ध्यान रखना।"

"वह क्या?"

"यदि तुमने जरूरत से ज्यादा चालाक बनने की कोशिश की तो तुम्हें मैक्सीना जिन्दा नहीं मिलेगी।"

"मुझे मंजूर है।"

"वो ठीक है, चलो पायलेट सीट सम्भालो।"

यह सुनते ही लोगन हैलीकॉप्टर की ओर बढ़ गया।

उसके साथ ही सभी लोग उसमें सवार हो गये जिनमें जेनर, रोस व मैरी प्रमुख थे।

अगले ही पल हैलीकॉपटर अपनी मंजिल की ओर उड़ चला।

❑❑❑
❑❑❑

फॉक्सी, टॉम व अन्य पांच लोगों का दल अपने मिशन पर जाने के लिए तैयार था। ये लोग उस शैतान टापू को उड़ाने जा

रहे थे, जिस पर कि लोगन का कब्जा था।

ये सब एक स्टीमर पर सवार होकर पश्चिम दिशा की ओर बढ़े।

अचानक फॉक्सी के दिमाग में एक स्कीम कौंधी। उसने अपने मिनी ट्रांसमीटर पर लोगन के ऑपरेटर से सम्पर्क स्थापित किया।

"हैलो फ्रॉम ऑपरेट 045 अटैन्डिंग ओवर...!"

"कुछ देर बाद हम लोग शैतान टापू पहुंचे रहे हैं, ओवर... !"

"वैलकम एवरी बॉडी, क्या बॉस से बातें हो सकती हैं सैक्रेट्री...ओवर... ?"

"सॉरी...इस वक्त वे मेरे साथ नहीं हैं। ओवर...!"

"व्हाट?" उनसे मुलाकात कब होगी मैडम! सुपर बॉस उनसे लाइन पर मिलना चाहते हैं...ओवर...!"

"ठीक है, तुम मैसेज दे दो, मैं उन्हें बता दूंगी ओवर... ।"

"सुपर बॉस का कहना है कि उन्हें अपने जासूसों से पता चला है कि मियामी की सरकार हमारे शैतान टापू पर बने हैडक्वार्टर को उड़ा देना चाहती है। इसका तुरन्त बन्दोबस्त किया जाये। यदि वे इसी तरह लापरवाही करते रहे तो वे एक रोज इससे हाथ धो बैठेंगे ओवर... !"

"वे कुछ देर बाद सुपर बॉस के पास ही पहुंचने वाले हैं ओवर एण्ड ऑल!"

इसके साथ ही सम्पर्क टूट गया।

वे पुनः अपनी मंजिल की ओर बढ़ने लगे। सभी के दिलों में एक अजीब-सी उमंग थी। स्टीमर पानी की सतह पर दौड़ रहा था।

लगभग दो घंटे बाद वे उस स्थान पर जा पहुंचे, जहां उन्हें पहुंचना था। स्टीमर से उतरकर सब-के-सब शस्त्रागार वाली दिशा में बढ़ने लगे।

यह लगभग आधी रात का समय था। चारों ओर सन्नाटा था। इस सन्नाटे को भंग करने के लिए समुद्र की लहरों का शोर ही काफी था।

फॉक्सी ने अपने किट बैग से एक छोटी-सी गोली निकालकर हवा में उछाल दी। अगले ही पल वे सभी एक सफेद कोहरे की चादर में लिपट गये।

"डार्लिंग... !" टॉम ने अपनी पत्नी को धीरे से पुकारा।

"यस डियर!"

"अब हमें अपनी आंखों पर विशेष किस्म के कांटेक्ट लैंस लगा लेने चाहिएं, ताकि इस कोहरे के बावजूद भी हम सब कुछ देख सकें।"

"ठीक है डियर, मैंने तो लगा रखे हैं...आप लोग भी लगा लें।"

यह कहकर उसने सबके हाथों में कांटेक्ट लैंस थमा दिये। सबने लैंस आंखों पर चढ़ाये। अब वे कोहरे व अंधेरे में भी सब कुछ देख सकते थे, जबकि वे किसी को नजर न आ रहे थे।

"डार्लिंग सबसे पहले कहां चलना चाहती हो?" टॉम ने पूछा।

"आओ, पहले मैं तुम्हें यहां का ट्रांसमिशन सिस्टम दिखाती हूं। उसके बाद मिसाइल सिस्टम, गोला-बारूद के जखीरे व और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा।"

"आओ उधर ही चलते हैं।"

टॉम के कहने के साथ ही सब उस दिशा में आगे बढ़ गए, जहां कि ट्रांसमिशन सिस्टम था। इसे दिखाने के बाद फॉक्सी उन्हें लेकर उस स्थान पर गयी, जहां कि भरपूर मात्रा में विस्फोटक सामग्री का भण्डार था।

सब कुछ देखने के बाद वे लोग उस स्थान पर जा पहुंचे जो कि मेन कन्ट्रोल रूम था। जहां से ऑपरेटर ने मैसेज रिसीव किया था।

इस व्यवस्था को दिखाने के बाद फॉक्सी ने बाकी लोगों को कन्ट्रोल रूम से बाहर जाने का संकेत किया। उसका संकेत पाते ही सभी बाहर चले गये।

अब फॉक्सी ऐसी स्थिति में थी कि वह ऑपरेटर से स्पष्ट रूप से साक्षात्कार कर सकती थी। गैस का प्रभाव खत्म हो गया, लेकिन शेष लोग अभी अदृश्य ही थे।

"हैलो ऑपरेटर!"

"हाय सैक्रेट्री!"

"कब आई तुम यहां?"

"बाकी लोग कहां हैं?"

"वे सब भी यहीं हैं, लेकिन इधर-उधर घूम रहे हैं।"

"लेकिन ऐसा क्यों?"

"तुम्हारे कहे हुए अनुसार मैंने आते ही उन्हें सिंडीकेट की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया है।"

वे दोनों बातें कर ही रही थीं कि अचानक कन्ट्रोल रूम के सिंडीकेट पर सिगनल उभरा।

ऑपरेटर ने एक खास बटन पुश करके हैडफोन चढ़ाया—

"हैलो ऑपरेटर अटैन्डिंग ओवर!

"ऑपरेटर हम अभी सुपर बॉस से मिलकर सीधे तुम्हारे पास पहुंच रहे हैं, ओवर... !"

"सर फिलहाल आप कहां से बोल रहे हैं, ओवर... ?"

"मैं कन्ट्रोल रूम से कुछ ही किलोमीटर के फासले पर हूं ओवर... !"

"सर... आपकी सैक्रेट्री लौट आई है... वह आपसे मिलने के लिए बेचैन है, ओवर... !"

"ठीक है, तुम उन्हें आराम से बिठाओ व साथ ही तमाम ओहदेदारों को सूचित कर दो कि आज कुछ ही देर बाद होने वाली सभा को एक यादगार सभा के रूप में हैंडिल किया जायेगा। आज हम अपनी सैक्रेट्री के लौटने की खुशी में एक शानदार जश्न मनाने जा रहे हैं, ओवर... !"

"आपके आने से पहले ही तमाम इन्तजाम कर लिए जायेंगे, डोंट वरी बॉस ओवर... !"

"हम लोग आधे घन्टे बाद वहां पहुंच रहे हैं, ओवर एण्ड ऑल।"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

"किससे बातें हो रही थीं ऑपरेटर?"

"बॉस से!"

"क्या बातें हुईं?"

"वे कुछ ही देर बाद यहां पधार रहे हैं। उन्होंने हमें एक भारी जश्न का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं।"

"लेकिन फिलहाल वे थे कहां?"

"वे सुपर बॉस से मिलकर सीधे यहीं आ रहे हैं।"

"चलो, यह तो बड़ी खुशी की बात है कि आज मेरे मन की मुराद पूरी होने वाली है।"

"अब आप बतायें कि हमें बॉस के आने से पूर्व क्या-क्या

करना होगा?"

"तुम चिन्ता न करो, मैं सब सम्भाल लूंगी। तुम सिर्फ कन्ट्रोल रूम को सम्भाले रहो।"

"जैसी तुम्हारी मर्जी!"

यह कहकर ऑपरेटर ने फिर से हैडफोन चढ़ा लिया।

"ऑपरेटर... !"

"यस सैक्रेट्री!"

"फौरन सभी ओहदेदारों को सभागार में एकत्रित होने का संदेश प्रसारित कर दो।"

"ओ०के० मैडम!"

कुछ ही पलों में ऑपरेटर ने सिंडीकेट के तमाम ओहदेदारों को सूचित कर दिया।

जश्न की सूचना पाते ही सभी ओहदेदार मस्ती से झूम उठे। वे जानते थे कि लोगन जब भी मूड में होता तो अपनी सभी ओहदेदारों को जन्नत की सैर कराने से न चूकता था। सुन्दरी का खुलकर प्रयोग होता था।

घन्टों उत्तेजक नृत्य चलते रहते थे। आज भी वही सब होने वाला था। कुछ ही देर में सभागार ओहदेदारों से भर गया। मीटिंग हॉल में एक ओर एक बड़ा-सा बार काउन्टर सजाया गया था।

सामने स्टेज पर चार सिंहासननुमा कुर्सियां बिछी थीं। एक पर मैक्सीना बड़ी शान के साथ बैठी थी।

कुछ देर बाद ही माइक पर एक स्वर उभरा—

"हमारे आज के मुख्य अतिथि सुपर बॉस हमारे बॉस के साथ कुछ ही पलों में पधारने वाले हैं, तब तक आप लोग कैबरे का आनन्द लें। मैं उनके स्वागत के लिए जा रही हूं।"

यह कहते ही आर्क्रेस्ट्रा की धुनें तेज हो उठीं। इसके साथ ही कुछ यौवनाएं डांस फ्लोर पर उत्तेजक नृत्य में खो गईं। उनके साथ कुछ युवक भी मौज-मस्ती कर रहे थे।

इसी बीच फॉक्सी (मैक्सीना) के गुप्त द्वार का प्रयोग करती हुई उस स्थान पर जा पहुंची, जहां कि उसके साथी उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

"कहो डार्लिंग कुछ कामयाबी मिली या नहीं?" टॉम ने पूछा।

"मैं तो अपने मिशन में लगभग कामयाब ही रही हूं, लेकिन

तुमने भी कुछ किया?"

"मैंने वह सब किया जो कि तुम्हें ऑपरेटर ने बताया होगा।"

"यानि वह तुम्हारी आवाज थी डियर?"

"और नहीं तो क्या।"

"सचमुच तुमने तो कमाल ही कर दिया था। एक बार को तो मैं भी धोखा खा गयी थी।"

"अब भीतर के क्या समाचार हैं?"

"सभी ओहदेदार पधार चुके हैं। वे अकेले ही नहीं, बल्कि अपने जिगरी दोस्तों व परिवार के साथ आये हैं। जाहिर है, इस मौके पर कुछ ऐसे लोग भी पधारे होंगे जो जो कि अण्डरवर्ल्ड की जानी-मानी हस्तियां हैं।"

"ठीक है, मैंने भी अपना काम पूरा कर लिया है।"

"मतलब?"

"मैंने तमाम विस्फोटक सामग्री को व्यवस्थित कर दिया है। कुछ ही देर में यह पूरा सिंडीकेट एक श्मशान में बदल जायेगा।"

"अब हमें क्या करना है?"

"हमें यहां से एक हैलीकॉप्टर पर सवार होकर भागना है।"

"तुमने सब इन्तजाम कर लिया है न?"

"हां, सब कुछ तैयारी हो चुकी है, तुम्हारे लौटने की कमी थी।"

"तो आओ चलते हैं।"

यह कहकर वे सभी उस हैलीकॉप्टर पर सवार हो गए, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री लदी थी।

इंजन स्टार्ट होते ही हैलीकॉप्टर ऊपर को उठने लगा। इस वक्त भी उन्होंने उस गैस को इस्तेमाल किया था, जिससे वे अदृश्य हो सकते थे।"

देखते-ही-देखते उनका हैलीकॉप्टर रात के अन्धेरे में विलीन हो गया। पायलेट की सीट टॉम सम्भाले हुए था।

उसने ऑपरेटर से सम्पर्क स्थापित किया।

"हैलो योर बॉस कालिंग ओवर... !"

"यस सर ऑपरेटर अटैन्डिंग ओवर... !"

"मुझे इन्फॉर्मेशन मिली है कि मियामी के कुछ जासूस टापू पर डेरा जमा चुके हैं... वे कुछ ही देर में इसे उड़ाने जा रहे हैं। अतः हमने यहां आने का विचार त्याग दिया है। तुम भी समुद्र में कूदकर

अपनी जान बचा लो ओवर... ।"

"ल... लेकिन सर कुछ देर पहले आपने ही तो... ।"

इससे पहले कि ऑपरेटर का वाक्य पूरा होता एक जोरदार धमाका हुआ व पूरे सिंडीकेट में मौत की सनसनी दौड़ गयी। बारी-बारी से विस्फोट होने लगे।

कुछ ही पलों में पूरा सिंडीकेट मलवे के ढेर में बदल गया। समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं।

हैलीकॉप्टर अपनी मंजिल की ओर बढ़ा जा रहा था।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन ने सुपर बॉस के हैडक्वार्टर की सीमा में प्रवेश करते ही उससे सम्पर्क स्थापित किया।

"हैलो लोगन कालिंग ओवर... सुपर बॉस ओवर... !"

"यस लोगन तुम कहां से बोल रहे हो ओवर... ?"

"सर... मैं आपके ही सिंडीकेट के पास से बोल रहा हूं।"

"लेकिन तुम यहां लेने क्या आये हो ओवर... ?"

"सर, मुझ पर आपके जितने अहसान हैं, मैं उनका शुक्रिया अदा करने आया हूं, ओवर... !"

"तुम बहुत बदनसीब हो लोगन ओवर... !"

"व्हाट... ओवर... ?"

"तुम्हारे लिए बहुत बुरी खबर है ओवर।"

"क्यों क्या हुआ सुपर बॉस ओवर... ?"

"तुम्हारा सिंडीकेट मियामी के कुछ जासूसों ने उड़ा दिया है ओवर... !"

"यह नहीं हो सकता सर... ओवर... !"

"मेरी रिपोर्ट हमेशा सच होती है, आओ वह तबाही मैं तुम्हें अपनी स्क्रीन पर दिखाता हूं, ओवर... !"

"ठीक है सर... मैं अभी लैंड करता हूं, मेरे साथ कुछ ऐसे लोग हैं जो आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं।"

"इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

"लोगन... !"

"यस... !"

"उतरने से पहले हमें अपने इस सुपर बॉस का पूरा पता बता

दो, वरना तुम्हें भी इसी हैलीकॉप्टर में उड़ा दिया जायेगा।"

"य...यह तो मेरे साथ ज्यादती है।"

"शटअप...!" इसके साथ ही जेनर ने अपनी रिवाल्वर लोगन की कनपटी से लगा दी।

"अ...अरे इसे हटाओ तो...मैं सब कुछ बताता हूं।"

"हां बोलो, मगर कोई चालाकी नहीं।"

"यह अण्डरवर्ल्ड के किंग कोबरा का हैडक्वार्टर है। यहां से आज तक कोई जासूस या अधिकारी अपनी मर्जी से जिन्दा नहीं लौट सकता है। जब मैं पन्द्रह वर्ष का था, तो मुझे एक मर्डर के केस में सजा हुई थी। इन्होंने मुझे इतनी सफाई के साथ जेल से गायब कर दिया था कि मुझे उन्हें अपना सीनियर मानना पड़ा।

"उनके लिए यदि मुझे लाखों बार भी जन्म लेकर मरना पड़ा तो भी मैं उनके अहसानों का बदला नहीं चुका सकता।"

"ठीक है, अब तुम वापिस रॉकविली के लिए मुड़ चलो।"

"जैसी तुम्हारी मर्जी।"

यह कहकर लोगन ने हैलीकॉप्टर को वापिसी पर बढ़ा दिया।

❑❑❑

❑❑❑

अभी फॉक्सी व टॉम अन्य सदस्यों के साथ हैलीकॉप्टर से नीचे उतरे ही थे, फॉक्सी का ट्रांसमीटर सिगनल देने लगा।

उसने इसे ऑन किया—

"हैलो...फॉक्सी अटैन्डिंग ओवर!"

"जेनर कालिंग ओवर!"

"आप कहां से बोल रहे हैं सर ओवर...?"

"मैं हैलीकॉप्टर से रॉकविली पहुंच रहा हूं, ओवर!"

"कुछ कामयाबी मिली सर ओवर?"

"हां, हम कोबरा का हैडक्वार्टर देखने में कामयाब हो गए हैं ओवर!"

"कैसी जगह है, ओवर...?"

"एकदम निर्जन, सुनसान ओवर...!"

"लोगन जिन्दा है क्या?" ओवर...?"

"हां, लेकिन तुम यह सब क्यों पूछ रही हो? ओ.वर...!"

"क्योंकि हम उसके हैडक्वार्टर को नष्ट कर चुके हैं ओवर!"

"वैलडन! हम लोग कुछ ही मिनटों में तुम्हारे पास पहुंच रहे हैं, ओवर एण्ड ऑल!"

इसके साथ ही सम्बन्धविच्छेद हो गया।

"किसका फोन था डार्लिंग?"

"जेनर का?"

"क्या कह रहे थे?"

"वे लोग कुछ ही मिनटों में कोबरा का हैडक्वार्टर देखकर आ रहे हैं।"

"ठीक है, तुम उनके स्वागत की तैयारी करो, मैं तब यहां के कुछ जरूरी कामों को निपटा लेता हूं।"

"कैसे काम निपटाना चाहते हैं आप?"

"मैं सबसे पहले यहां के पुलिस को एलर्ट करना चाहता हूं।"

"वह किसलिए?"

"मुझे लगता है, शीघ्र ही कोई बड़ी गड़बड़ उत्पन्न हो सकती है।"

"कौन करेगा गड़बड़?"

"लोगन को छुड़वाने वाला कोई भी।"

"लेकिन उसका हैडक्वार्टर तो हम नष्ट ही कर चुके हैं, फिर उसे कौन छुड़ाने आयेगा?"

"वही जिसने इसे सबसे पहले छुड़वाया था।"

"कौन था वह?"

"कोबरा, जिसे यह अपना गुरु मानता है।"

"फिर तो दो ही रास्ते हैं।"

"किसलिए फॉक्सी?"

"इस मुसीबत से निबटने हेतु।"

"हां, बोलो कौन-से रास्ते हैं?"

"या तो लोगन को गोली मार दी जाये?"

"अथवा?"

"अथवा इसे हमेशा के लिए कठोर कारावास में सड़ने दिया जाये।"

"मेरे विचार से अभी गोली मारना ठीक नहीं।"

"लेकिन क्यों?"

"क्योंकि यदि इसे गोली मार दी जाये, तो कोबरा के बारे में

बताई बातों की कोई अहमियत न रह जायेगी। जब तक कोबरा का हैडक्वार्टर नष्ट नहीं होता, इसे मारना बेकार है।"

"ठीक है, इसे आजीवन कठोर कारावास में डाल देते हैं।"

वे दोनों अभी बातें कर ही रहे थे कि बाहर जीप का हॉर्न सुनाई पड़ा।

जीप से जेनर व उसके अन्य साथी नीचे उतरे। उन्हें देखते ही टॉम ने जोरदार सैल्यूट मारा।

इसके साथ ही वे सभी भीतर आ गए।

टॉम ने उन्हें यथास्थान बिठाया।

"क्या लेंगे सर... ठण्डा, गर्म या वाइन?"

"फिलहाल कॉफी ही।"

यह सुनते ही फॉक्सी किचन की ओर गई व कुछ देर बाद जब लौटी तो उसके हाथों में कॉफी की ट्रे थी।

उसने आते ही ट्रे को मेज पर टिकाया व पास ही एक चेयर पर बैठ गई। अगले ही पल सभी कॉफी सिप करने लगे।

कॉफी पीने के बाद उसने बर्तनों को समेटा व बाहर निकल गई। कुछ देर बाद वह लौट आई।

"तुम्हारा मिशन कैसा रहा फॉक्सी?"

"सौ प्रतिशत कामयाब सर!"

"सिंडीकेट तो बर्बाद हो ही गया होगा।"

"बेशक सर!"

"अब हमें एक बात ध्यान देना है।"

"किस बात पर सर?"

"हमें कुछ ऐसे लोगों की तलाश करनी है जो कि लोगन के लिए करते थे।"

"क्या ऐसा कोई हो सकता है?"

"बेशक!"

"मुझे यह पता चला है कि जब भी कोबरा हमारे स्टेट में आया है, उसको खुश करने के लिए लोगन ने बड़े पैमाने पर खून-खराबा किया है।"

"यह तो बड़ी प्रभावी जानकारी है सर!"

"मुझे उम्मीद है जल्द ही वे लोग यहां ग्रड़बड़ पैदा करेंगे।"

"ठीक है, आप यह बतायें कि फिलहाल लोगन कहां है व

कैसा है?"

"हमने उसे अभी कोई कष्ट नहीं पहुंचाया है, वह फिलहाल में डाल दिया गया है।"

"पहले तो सख्त होगा न?"

"हां फॉक्सी, हां।"

"वह बहुत खतरनाक मुजरिम है सर!"

"आखिर तुम कहना क्या चाहती हो?"

"वह जेल तोड़कर भाग सकता है।"

"क्या?"

"मैं सच कह रही हूं सर... !"

"लेकिन उसे यदि जेल में न रखा जाये तो कहां रखा जाये?"

"उसे मुझे सौंप दिया जाये?"

"तुम क्या करोगी उसका?"

"मैं उसे उन प्यार की जंजीरों में जकड़ कर रखना चाहती हूं सर, जिसे कोई आदमी तोड़ने की गुस्ताखी नहीं कर सकता।"

"तुम्हारा अनुमान एकदम गलत है फॉक्सी!"

"कैसे सर?"

"जब वह अपने मिशन पर निकलता है तो वह औरत जात को छूना भी ठीक नहीं समझता।"

"इसका मतलब है, या तो वह सच्चे मायनों में पुरुष नहीं है अथवा उसे कोई कायदे की कयामतखेज़ यौवना आज तक टकराई ही नहीं।"

"तुम्हारी बात अपनी जगह ठीक हो सकती है, लेकिन मैं यह रिस्क नहीं लेना चाहता।"

"आखिर बुराई क्या है इस प्लान में?"

"वह तुम्हें ज्यादा मजबूर करने पर शूट भी कर सकता है।"

"लेकिन यदि वह जेल से निकल भागा तो वह न जाने कितने बेगुनाहों को मौत के घाट उतार सकता है।"

"हमें अपने सिक्योरिटी गार्ड्स व जवानों पर पूरा भरोसा है।"

"लेकिन मुझे भी उसके कमीनेपन पर पूरा विश्वास है सर।"

"यह नहीं हो सकता फॉक्सी!"

"तो लोगन को गोली मार दो।"

"ऐसा करना तो और भी बड़ी मुसीबत को बुलवा देना है।"

"तब आप क्या करने जा रहे हैं?"

"सबसे पहले हमने उसे जेल में डाल दिया है। इसके बाद हम उसके सीनियर कोबारा का सफाया करेंगे। हो सकता है उसे उसके हैडक्वार्टर के साथ ही उड़ा दें।"

"और यदि उससे पहले ही वह भाग निकला, तब?"

"जरा-सी हरकत करते ही उसकी आंखें नोच ली जायेंगी, लेकिन उसे हर-हाल में कोबरा की मौत का भयानक दृश्य दिखाया जायेगा।"

"ठीक है सर, जैसी आपकी मर्जी।"

"लगता है, तुम बुरा मान गयीं मेरी बात का?"

"नहीं सर, आप तो मेरे सीनियर हैं... मैं आपसे अधिक बहस करके अपना व आपका कीमती वक्त बर्बाद नहीं कर सकती।"

"गुड गर्ल! जाओ, जैसा कहा है, करो।"

"ओ०के० सर!"

यह कहकर उसने अपना वेनिटी बैग उठाया व अपने मिशन पर निकल गयी।

❑❑❑

❑❑❑

जैसे ही लोगन ने अपने सामने छः फिटे जेलर को खड़ा देखा, उसका दिमाग कुछ सोचने पर मजबूर हो गया।

"चेट लोगन...!" जेलर ने सख्त लहजे में पुकारा।

"यस...!" उसने खुरदरे अंदाज में उत्तर दिया।

"अदब से बात करो लोगन!"

"अदब से ही बात की है मिस्टर जेलर, यदि मैं बेअदबी पर उतर आता तो बिना गाली के न मुखातिब होता।"

"तुम जानते हो कि इस बद्तमीजी की तुम्हें क्या सजा मिल सकती है?"

"तुमसे बेहतर जानता हूं मिस्टर जेलर!"

"क्या खाक जानते हो?"

"यही कि तुम मुझसे कठोर परिश्रम करा सकते हो।"

"आज से तुम्हें जेल में आने वाले पत्थरों के ट्रक उतरवाने होंगे व [illegible] तोड़ना होगा।"

"मुझे मंजूर है।"

"सिर्फ इतना ही नहीं, तुम्हें मोटर मैकेनिक की हैल्परी भी करनी होगी, वह भी कड़कती धूप में।"

"मैं मैकेनिक का पूरा काम जानता हूं, हैल्परी तो वह करेगा जो कुछ जानता न होगा।"

"एक बात और।"

"वह क्या मिस्टर जेलर?"

"वह यह कि यदि तुमने किसी भी कैदी के साथ मनमानी करने की कोशिश की तो तुम्हें बहुत भयंकर परिणाम भुगतने होंगे।"

"भला उन्हें परेशान करके मुझे क्या मिलना है, वे तो मेरी ही प्रजा हैं, मैं उसके ऊपर राज करूंगा समझे!"

"और किसे परेशान करोगे?"

"तुम्हें तथा प्रशासन को।"

"ऐसा क्या कर सकते हो तुम?"

"इस जेल को तोड़कर भाग सकता हूं।"

"क्या तुम्हें अपनी जिस्मानी ताकत पर इतना भरोसा है?"

"जिस्मानी ताकत पर ही नहीं, दिमागी ताकत पर भी, जो कि मुझे लगता है, तुम्हारे हिस्से में बिल्कुल नहीं आई।"

"तुम हद से आगे बढ़ रहे हो लोगन!"

"तहजीब से बात करो जेलर, मिस्टर लोगन बोलो।"

"इस वक्त तुम एक कैदी हो, साथ ही मुजरिम भी।"

"कैदी तो तुम भी हो।"

"मैं कैसे कैदी हो सकता हूं?"

"तुम भी तो हमारे साथ कैद में ही रहते हो।"

"क्या तुम मुझमें व खुद में कोई फर्क महसूस नहीं करते?"

"फर्क तो करता हूं महसूस।"

"कैसा फर्क लोगन?"

"यही कि मुझमें दिल व दिमाग है, जबकि तुममें नाम को भी नहीं।"

"शायद तुम मुझे इसलिए बेवकूफ समझ रहे हो कि मैं तुम्हारी हद से ज्यादा बद्तमीजी को बर्दाश्त कर रहा हूं।"

"ऐसी बात नहीं है।"

"और क्या बात है?"

"तुम व तुम्हारा पूरा प्रशासन कमजोर है।"

"यदि हम कमजोर होते तो तुम्हारे हैडक्वार्टर को न उड़ा पाते।"

"यह तुम्हारा दिमाग का नहीं, बल्कि बुझदिली का सबूत है मिस्टर जेलर।"

"वह कैसे?"

"तुमने मेरे पीछे वहां हमला किया है, सामने करते तो बताता।"

"अब तुम अधिक दिन नहीं जियोगे।"

"अमर होकर तो तुम भी नहीं आये मिस्टर जेलर!"

"तुम मेरे जीवन की चिन्ता न करो, अपनी ड्यूटी पर जाने को तैयार हो जाओ।"

यह कहकर जेलर आगे बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

जेनर व स्वीटी अपने बैडरूम में लेटे आराम कर रहे थे। अचानक फोन की घंटी बज उठी।

"हैलो...!" जेनर ने माउथपीस में कहा।

"फॉक्सी दिस साइड सर!"

"क्या खबर है फॉक्सी?"

"सर! मैंने कुछ ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है जो कि जेल को उड़ाने की साजिश कर रहे थे।"

"कितने हैं वे लोग?"

"पन्द्रह आदमी व तीन महिलाएं हैं सर!"

"परवाह मत करो, उन्हें बेहोश करके हैडक्वार्टर ले आओ।"

"तुम्हारी मदद के लिए कोई चाहिए तो कहो?"

"नो सर, मेरे साथ टॉम है।"

"बैस्ट ऑफ लक!"

इसके साथ ही सम्बन्ध-विच्छेद हो गया।

"किसका फोन था डियर?" स्वीटी ने उत्सुकतावश पूछा।

"फॉक्सी का।"

"क्या कह रही थी?"

"उसने कुछ ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है जो कि जेल को तोड़कर लोगन को छुड़ाना चाहते हैं।"

"आपको पहले ही फॉक्सी की बात मान लेनी चाहिए थी।"

"उससे भी हम एक भारी मुसीबत में पड़ सकते हैं।"

ये दोनों अभी बातें कर ही रहे थे कि अचानक गेट पर कॉलबैल बजी। जेनर ने अपना रिवाल्वर सम्भाला व गेट की ओर बढ़े।

"कौन?"

"मैं था जेलर।"

जेलर साहब की आवाज पहचानकर जेनर ने गेट खोल दिया।

"आइये, आपका स्वागत है।"

"लगता है, मैं गलत समय पर आ पहुंचा हूं।"

"मेहमान व भगवान कभी गलत समय पर नहीं आते।"

"तुम आदमी बहुत दिलचस्प हो।"

"यह तो आपकी महानता है कि आप हमें कुछ समझते हैं।"

"मैं सच्चाई से नजरें नहीं फेर सकता।"

"अच्छा यह बताइये...फिलहाल क्या लेंगे?"

"आपकी राय...!"

"कमाल करते हैं आप भी जेलर साहब!"

"मैंने कुछ गलत कह दिया क्या?"

"मैं तो आपसे स्वागत-सत्कार के विषय में पूछ रहा था।"

"मुझे आपका प्यार हमेशा ही मिला है व मिलता रहेगा। ऐसा विश्वास भी है।"

"स्वीटी...!" जेनर ने अपनी पत्नी को पुकारा।

"यस डियर!"

"जाओ जेलर साहब के लिए ड्रिंक्स का बन्दोबस्त करो।"

यह सुनते ही वह बार काउन्टर की ओर मुड़ गई।

कुछ देर बाद वह लौटी तो उसके हाथों में पीने-पिलाने का पूरा बन्दोबस्त था। उसने जाम छलकाये व सबकी ओर बढ़ा दिए। तीनों के जाम परस्पर टकराये व चियर्स के साथ ही उनके होंठों से जा लगे।

इसी बीच बातों का सिलसिला भी जारी था।

"कहिए सर, किस बारे में आपको राय चाहिए थी?"

"चेट लोगन के बारे में!"

"पूछिए क्या पूछना चाहते हैं?"

"आज मैंने उसके साथ कुछ देर वार्तालाप किया था।"

"तो क्या हुआ?"

"उसकी बातों से ऐसा लगा कि या तो बहुत खतरनाक मुजरिम है अथवा कोई सनकी, पागल।"

"ऐसा उसने क्या कहा सर?"

"उसने जेल को तोड़ने की धमकी दी है।"

"यह तो उसने पहले भी कई बार दी थी।"

"लेकिन उसके नापाक इरादों से लगता है कि वह मौका मिलते ही जेल को उड़ा देगा अथवा मुझे मार डालेगा।"

"हमारे होते हुए ऐसा नहीं हो सकता जेलर साहब।"

"पिछली बार वह जहां से भागा था, वहां का प्रशासन भी पूरी तरह चौकन्ना था, लेकिन उनकी पूरी होशियारी धरी-की-धरी रह गई थी।"

"ऐसा इसने क्या किया था?"

"तब इसे कुछ इलैक्ट्रिक पोल गाड़ने का काम सौंपा गया था।"

"उससे क्या हुआ?"

"जब इसने कई वर्ष तक ईमानदारी से काम किया तो जेल के प्रशासन ने इस पर ढील करते हुए इसके साथ उदारता का व्यवहार शुरू कर दिया।"

"उसके बाद?"

"एक रात यह बहुत थका हुआ था, किसी को उम्मीद न था कि यह कोई चालाकी कर दिखायेगा। इसने रात्रि के अन्तिम प्रहर में एक पोल दीवार के पास गाड़ा व उसके साथ ही उस पर चढ़कर चारदीवारी से बाहर आ गया।"

"यह तो वास्तव में खतरनाक है जेलर साहब!"

"मेरी समझ में नहीं आता कि इससे ऐसा क्या काम कराऊं कि यह कोई भी योजना सोचने का वक्त ही न निकाल सके।"

"इसे किसी लम्बे टैक्नीकल जॉब में उलझा दो, ताकि यह लगा रहे।"

"ऐसा तो कोई काम नजर नहीं आता हमें।"

"मेरी नजर में है एक काम।"

"कौन-सा काम है जेनर साहब?"

"हमारे पास एक ऐसा बुलडोजर पड़ा है, जिसे ठीक करने

के लिए कोई विदेशी मैकेनिक भी तैयार नहीं है।"

"तब...?"

"इसे अभी से उसमें उलझा दिया जाये, साथ ही इसे कोई हैल्पर भी नहीं मिलना चाहिये।"

"लेकिन इसमें एक रिस्क हो सकता है?"

"कैसा रिक्स सर?"

"हो सकता है, वह उसे सही करने में कामयाब हो जाये।"

"तो उससे क्या फर्क पड़ना है?"

"वह उससे दीवारें तोड़ने में कामयाब हो सकता है।"

"इसकी सम्भावना नहीं की जा सकती सर!"

"क्यों नहीं की जा सकती सम्भावना?"

"क्योंकि पहले तो बुलडोजर के ठीक होने का प्रश्न ही नहीं उठता।"

"क्यों नहीं उठता प्रश्न?"

"क्योंकि हम उसे पूरे वह साधन ही उपलब्ध नहीं करायेंगे, जिनसे वह उसे सुधार सके।"

"यदि वह पुराने पुर्जों को ठीक करने में कामयाब हो गया तो?"

"हम उसे स्टार्ट करने के लिये तेल ही न देंगे तो वह कामयाब हो कैसे सकता है?"

"हां, यह तो ठीक रहेगा, फिर एक बात और भी है।"

"वह क्या जेनर साहब?"

"जेल की चारदीवारी में हर पल घातक करंट मौजूद रहता है। यदि उसने बुलडोजर को उससे छुआ भी तो वह जेल के बाहर जाने से पहले ही खत्म हो जायेगा।"

"हां, यह बात तो ठीक है।"

"चलो, अब हम उसे यही काम सौंपते हैं।"

"जैसी आपकी मर्जी!"

"अच्छा, मैं चलना चाहूंगा जेनर साहब।"

यह कहकर जेलर कमरे से बाहर निकल आया।

❑❑❑

❑❑❑

चेट लोगन को जेल में रहते हुए लगभग एक महीने से ऊपर

हो गया था। उसने न तो किसी कैदी से अभद्र व्यवहार किया और न ही जेलर को बुरा बोला था।

"चेट लोगन!"

"यस सर...!"

"तुम खुश तो हो न?"

"अपने साथियों व अधिकारियों के समुचित सरंक्षण में रहकर भला कौन खुश न होगा जेलर साहब?"

"मुझे तुमसे मिलकर बहुत खुशी हुई।"

"भगवान करे मैं आपकी खुशी इसी तरह कायम रख सकूं।"

"चेट लोगन!"

"यस सर!"

"न तो मुझे तुम्हारी बातों पर ही विश्वास हो रहा है और न ही अपने कानों तथा आंखों पर।"

"आपने भी तो मेरी तमाम कड़वी बातों के जहर को शान्त भाव से पी लिया था।"

"अब मेरी ओर से यही कोशिश रहेगी कि तुम एक नेक इन्सान बनकर अपने नापाक इरादों को हमेश के लिए त्याग दो।"

"मैं खुद को बदलने की पूरी कोशिश करूंगा।"

"बैस्ट ऑफ लक!" इसके साथ ही जेलर साहब आगे बढ़ गये।

❑❑❑

❑❑❑

वक्त गुजरता रहा। अचानक ही वह बुरा दिन आ गया जिसकी सारे प्रशासन को आशंका थी। न जाने कैसे उसे वे तमाम पुर्जे व तेल मिल गया-जो कि उसके स्टार्ट होने के लिए बेहद जरूरी थे।

उसकी ईमानदारी को देखते हुए उसे इलैक्ट्रॉनिक्स का काम सौंप दिया गया। उसने मौका मिलते ही चमत्कार कर दिखाया। वह बुलडोजर को लेकर इतनी होशियारी से दीवार को तोड़ता हुआ निकला कि कोई उसे पकड़ने को तैयार न हो सका।

उसने बीसियों अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया। उसके पास एक हैलीकॉप्टर से सीढ़ी बाहर आई। उसने जम्प लेकर सीढ़ी पकड़ी व उड़ता चला गया। कुछ ही देर में वह आसमान से हथगोले बरसा रहा था।

बीच-बीच में वह अपने साथी का रिवाल्वर लेकर फायर भी करता जा रहा था। उसका हैलीकॉप्टर बुलेटप्रूफ था। चारों ओर भगदड़ मच गयी। जेल का अलार्म पूरी गति से बज रहा था, लेकिन कोई भी अधिकारी उसे पकड़ने में क़ायमाब न हो सका।

इसमें कितने ही अधिकारियों व कैदियों की जानें भी गई थीं।

❑❑❑

❑❑❑

लोगन के भागने का समाचार पाते ही पूरा प्रशासन हरकत में आ गया। लोगन के समर्थकों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी हो गए, लेकिन चेट लोगन अब भी कुल्हाड़ी वाले कातिल के रूप में अपनी कुल्हाड़ी की प्यास को निर्दोष लोगों के खून से बुझा रहा था। आए दिन अधिकारियों की गोपनीय सभाएं होतीं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। कोई सन्तोषजनक परिणाम न निकल सका। प्रशासन का सिरदर्द दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था।

राहत की एक सांस के साथ, शेरिफ रोस ने अपने भारी-भरकम जिस्म को टी.वी. सैट के सामने एक बड़ी आर्म चेयर में डाल दिया।

"वह एक शानदार डिनर था, मैरी।" उसने कहा—"और तुम एक शानदार खानसामा हो।"

"अच्छा... जहां तक तुम सन्तुष्ट हो।" उसकी पत्नी ने टेबिल से प्लेटों को हटाते हुए कहा—"मेरी मां एक बहुत अच्छी खानसामा थी, लेकिन मैं समझती हूं कि मैं इतनी बुरी नहीं हूं।" वह बंगले की छत पर पड़ने वाली बारिश की आवाज को सुनने के लिए रुकी। एक पल रुककर वह आगे बोली—

"क्या रात है?"

रोस की आयु लगभग तरेपन वर्ष थी। बड़े लम्बे-चौड़े डील-डौल का व्यक्ति था। उसका सिर गंजा और चेहरा खूबसूरत था।

उसने सहमति के भाव में सिर हिलाया।

"उस सबसे बुरी रातों के बारे में सोचो, जो पिछले कई महीनों से हमने गुजारी हैं।" उसने उत्सुकतापूर्ण दृष्टि से अपनी पत्नी की ओर देखते हुए कहा और पाइप उठा लिया। जिससे उसने तकरीबन तीस साल पहले शादी की थी।

उसकी ओर देखते हुए याद आ गया कि कभी वह एक जवान

लड़की थी। उसकी चमकीली आंखें थीं और लम्बे काले बाल थे। अब उसकी उम्र पचास साल से ऊपर हो गई थी, मगर अब भी उसके लिए मैरी मौजूद थी।

कभी-कभी वह अपने आपको बताता था कि वह उसे अपनी जीवन साथी बनाकर कितना खुशकिस्मत था। उसका साथ निभाते हुए उसे तीस साल से ज्यादा हो गये थे।

रोस की पिछली जिन्दगी बहुत अच्छी तरह गुजरी थी...।" उसने एक मिलिट्री पुलिसमैन बनने के लिए स्कूल छोड़ दिया। फिर जंग खत्म हो जाने पर, वह एक हाई-वे पैट्रोल ऑफिसर बन गया था। वह मियामी हैडक्वार्टर्स से सम्बन्धित था।

तब क्योंकि उसे पसन्द किया जाता था और उसका आत्मविश्वास किया जाता था, वह रॉकविली का शेरिफ चुन लिया गया था।

वह एक इच्छुक व्यक्ति नहीं था। रॉकविली का शेरिफ बन जाना उसके लिए कोई बड़ी अहमियत की बात नहीं थी।

लेकिन इससे वह स्थापित हो गया था और उसके लिये अधिक महत्वपूर्ण बात यह थी कि इसने मेरी को स्थापित कर दिया था।

उसकी जो रकम मिलती थी, वो अच्छी खासी थी, स्वीकार करने योग्य थी और वे शानदार तरीके से रहते थे। उनके रहने के लिये एक आरामदेह बंगला था, जो शेरिफ के ऑफिस से लगा हुआ था। रोस को अपने ऑफिस में जाने के लिए सिर्फ इतना करना पड़ता था कि वह अपने लिविंग रूम से बाहर निकलकर राहदारी में आ जाता था, और फिर वह अपने बिजनेस में लग जाता था।

रॉकविली, फ्लोरिडा के उत्तर दिशा में स्थित था। टाऊन की जनसंख्या लगभग आठ सौ थी जिसमें अधिकतम रिटायर्ड फार्मर्स थे। छोटे बच्चों के लिए वह एक अच्छी जगह थी। वहां एक अच्छा सेल्फ सर्विस स्टोर, एक बैंक, एक गैरज, एक छोटा-सा चर्च, एक स्कूल और बहुत-से लकड़ी के बंगले थे।

व्यावहारिक रूप में रॉक विली के अन्दर अपराध औसत शून्य था? जब, तक कुछ जवान बच्चे सेल्फ सर्विस स्टोर से चीजें चुरा लेते थे। कुछ शराबियों को ठन्डा करना पड़ता था।

क्योंकि मुख्य राज मार्ग रॉक विली के करीब से होकर गुजरता था, इस वजह से अपने रास्ते पर दक्षिण की ओर जाने वाले कुछ

हिप्पी और बदमाश लोग वहां पर आ जाते थे।

कभी-कभी उसे उनसे बातचीत करनी पड़ती थी। रोमस के लिये यह सब कुछ आसान था। उसे वह आश्चर्य होता था कि उसको एक सहायक क्यों दिया गया था। जो कोई खास काम नहीं करता था। जबकि सारा काम खुद कर लेता था।

इसके बावजूद भी रोस अपने सहायक को चाहता था।

उसका सहायक टॉम मेसन एक तेजतर्रार अच्छा नजर आने वाला अट्ठाइस साल की उम्र का नौजवान था। वह और मेसन हर हफ्ते एक रोज शाम को शतरंज की बाजी लगाते थे। उन दोनों में कोई अच्छा खिलाड़ी नहीं था और यह जानना मुश्किल था कि उनमें कौन बाजी जीतेगा।

रोस ने अपनी लम्बी टांगों को फैला दिया और पाइप का एक गहरा कश खींचा था। उसने बारिश की आवाज सुनी।

उसने जैसे ही पाइप की राख झाड़ी, वैसे ही टेलीफोन की घन्टी के बजने की आवाज सुनी।

"जेफ टेलीफोन।" मैरी किचिन से चिल्लाई।

"यस...। मैं वह सुनता हूं।" एक गहरी सांस लेकर रोस ने अपने भारी-भरकम जिस्म को चेयर से बाहर निकाला और भारी कदमों से चलता हुआ उस टेबिल के पास पहुंचा, जिस पर टेलीफोन रखा था।

एक अच्छी जानी-पहचानी आवाज उसके कान में भौंकी।

"जेफ, हमें परेशानी है।"

"ही, कार्ल। यह जहन्नुम की रात है...है न? क्या परेशानी है?" रोस ने वह जानते हुए पूछा कि वह कार्ल जेनर हैड ऑफ दी हाई-वे पैट्रोल से बात कर रहा था।

"वह एक एमरजेन्सी है, जेफ।" कार्ल ने कहा—"कि राहत निवारण प्राप्त करने का समय नहीं है। मैं सभी लोकल शेरिफ्स को कॉल कर रहा हूं। एक खतरनाक बदमाश भाग रहे हैं। यह आदमी, सेठ लोगन, एबी किसी जेल में बन्द होना था। वहां एक एक्सीडेन्ट हो गया था। उसके साथ वाले दोनों पुलिस ऑफिसर मारे गये थे। लोगन गायब था। वह आदमी खतरनाक है। वह तुम्हारे रास्ते पर आ सकता है। इस साले तूफान में उसका पीछा करना मुश्किल होगा। मैं चाहता हूं कि तुम अपने डिस्ट्रिक्ट के प्रत्येक फार्म की सुरक्षा के

लिए संचेत कर दो।"

रोस ने एक गहरी सांस ली।

"ओ०के०, कार्ल। मैं इस कार्य में व्यस्त हो जाऊंगा।"

"यही करो। उसका विवरण इस प्रकार है—चेट लोगन का कद लगभग पांच फुट दस इंच, ताकतवर जिस्म, सिर के बाल लाल, उम्र तकरीबन तेइस साल, और वह एक कोबरा सांप का निशान अपने साथ रखता है, जो उसकी बाईं लघु भुजा पर बना रहता है। यह विवरण एक घन्टे के अन्दर रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित किया जा रहा होगा। वह ब्लू जीन्स और ब्राउन शर्ट पहने हुए है, मगर उसे पहनने के लिऐ दूसरे कपड़े भी मिल सकते हैं। यह व्यक्ति वास्तव में भयानक है। वह एक गैस स्टेशन को लूटता हुआ पकड़ा गया था। वह पैट्रोल ऑफिसर, जो उसे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहा था, मौत के घाट उतार दिया गया था फिर लोगन ने गैस असिस्टेन्डेन्स के पेट में चाकू भौंक दिया था। जिसके जिंदा बचने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उसने पैट्रोल ऑफिसर की मोटर-साइकिल को इस्तेमाल करते हुए वहां से बचकर भाग निकलने की कोशिश की थी। जब वह मोटरसाइकिल को स्टार्ट करने की कोशिश कर रहा था, तभी पकड़ा गया था। दो पैट्रोल ऑफिसर्स को मारने वाले ऑफिसर के द्वारा रेडियो के जरिये ज्ञापन निकाल दिया गया था, इससे पहले कि उसने यह छानबीन की थी कि गैस स्टेशन पर क्या होने जा रहा था, उसने इस आदमी के साथ बुरा वक्त गुजारा था। इससे पहले कि दूसरे ने उसे पकड़ लिया था, उसने उनमें से एक को काट दिया था। अब वह फिर आजाद हो गया है। मैं इस बात से परेशान हो रहा हूं कि वह किसी बाहरी फार्म में जाने की कोशिश कर सकता है और वहां से एक शूट गन हासिल कर सकता है। तुम इस मामले में मेरे साथ हो?"

भारी सांस लेते हुए रोस ने अपने आपको संभालने की कोशिश की। कई सालों में यह पहला वक्त था, जहां तक वह याद कर सकता था, जबकि इस तरह की अमरजेन्सी उसके सामने आई थी।

"मैं तुम्हारे साथ हूं, कार्ल।" उसने अपनी आवाज को सही बनाये रखने की कोशिश करते हुए कहा।

"तुमसे लगभग बीस मील की दूरी पर, यह एक्सीडेन्ट लोस मिली जंकशन पर हुआ था। लोगन को भागते हुए दो घन्टे हो गये

हैं। सभी बाहरी फार्म को चेतावनी दे दो, जोफ! और उनसे सम्पर्क बनाये रखो।"

इतना कहने के साथ ही कार्ल जेफ ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया और अपनी ओर से फोन पर सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया।

मैरी जैसे ही लिविंग रूम से अन्दर आयी, रोस ने धीरे से टेलीफोन रिसीवर यथा स्थान पर रख दिया।

"कुछ है?" उसने पूछा। उसके अच्छे खूबसूरत चेहरे पर उत्सुकता के भाव उभर आये थे।

"मेरा अन्दाज है... एक कातिल फरार हो गया है।" रोस ने कहा—"देखो, मैरी! मैं व्यस्त हो गया हूं। हमें कुछ कॉफी लेनी चाहिए।"

इतना कहने के साथ ही उसने तेजी से चलते हुए कमरा पार किया, अपने बूट पहने और फिर अपने ऑफिस का दरवाजा खोलते हुए उसने लाइट ऑन कर दी और अपनी डैस्क पर बैठ गया।

मैरी उन औरतों में से नहीं थी, जो अपने पतियों से तरह-तरह के सवाल करती है। रोस ने उसे काफी बता दिया था। एक कातिल फरार हो गया था। वह फौरन अन्दर दरवाजे पर पहुंची और उसका ताला बन्द कर दिया। फिर वह पिछले दरवाजे पर गई और उसे बन्द करके बोल्ट कर दिया। उसके बाद उसने केतली स्टोव पर रख दी।

रोस ने सभी बाहरी किसानों के नामों और उनके टेलीफोन नम्बरों की एक लिस्ट बनाई।

जब वह अपने सहायक, टॉम मेसन के टेलीफोन नम्बर डायल कर रहा था, तभी मैरी एक कॉफी का जग और एक कप लेकर उसके पास आ गई।

शेरिफ रोस टेलीफोन पर बात कर रहा था। जब टॉम उसके ऑफिस के अन्दर आया, तब उसने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

"क्या बात है?" टॉम चहका—"क्या उत्तेजना है, जेफ?"

"जेनर रिपोर्ट देता है कि एक कातिल भाग रहा है।" रोमस ने कहा—"यह आदमी रॉकविली में पुलिस की गिरफ्त से फरार हो गया है और वह हमारे रास्ते पर आ सकता है। मुझे निर्देश दिया गया है कि मैं अपने डिस्टम के सभी बाहरी फार्मर्स को कॉल करूं और उन्हें अपनी गनें छुपाने, अपने घरों के ताले बन्द करने और

घरों के अन्दर ही रहने के लिए चेतावनी दूं। यह व्यक्ति असली खूंखार लगता है। उसने एक ऑफिसर की हत्या कर दी थी, जो उसे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहा था और उसने एक गैस स्टेशन अटेन्डेन्ट का कत्ल कर दिया है। मैंने किसानों को कॉल करने और उन्हें हत्यारे का विवरण देने के लिए लिस्ट तैयार कर ली है। तुम दूसरे फोन को इस्तेमाल करो और हमें अपना काम शुरू कर देना चाहिये।" उसने टॉम को एक पेपर सीट दे दी, फिर डायल करना शुरू कर दिया यह एक्शन का पहला भाग था, जिस का टॉम ने अनुभव किया था, जब वह डिप्टी शेरिफ के पद पर नियुक्त हुआ था, और उसकी आंखें चमक उठी थीं। वह कैरी स्मिट को भूल गया था। वह अपनी डेस्क पर चला गया और उसने दूसरा टेलीफोन अपनी तरफ खींच लिया।

किसनों को चेतावनी देने में अधिक समय लग गया था, रोस उन दोनों आदमियों में से किसी को उम्मीद नहीं थी। पहले तो किसान इस विषय में विस्तृत विवरण चाहते थे। वे ऐसा लगते थे कि जैसे इस खबर को समझ रहे थे। तब तक वे ऐसा ही समझते रहे थे, जब तक कि रोस और टॉम दोनों ने उनके ऊपर भौंकना शुरू न कर दिया था। फिर वे धीरे-धीरे परिस्थिति की गम्भीरता को महसूस करने लगे थे।

"हम अपने मकानों के अन्दर रहें?" एक किसान ने कहा, और हंसा--"इस तरह की तूफानी रात में कौन साला अपने घर से बाहर जाना चाहेगा? यहां इतनी भारी बारिश हो रही है, जो एक किश्ती को डुबो देने के लिए काफी है।"

"टेड गम्भीर हो जाओ।" रोस चौंका--"अपनी शूट गन छुपा दो। यह आदमी चोरी से तुम्हारे घर में घुस सकता है। उसका निवारण थोड़ी-सी देर बाद टेलीफोन और रेडियो पर प्रसारित कर दिया जायेगा। यह आदमी एक कातिल है।"

"अच्छा...फिर साले पुलिसिये किसलिए हैं।" किसान ने जानना चाहा--"अगर यह इतना बुरा है, तब हमें यहां पर सुरक्षा की आवश्यकता है।"

रोस ने अपनी उत्तेजना की भावना को संयत कर दिया।

"अभी टेड तुम्हें अपनी देखभाल और अपनी कार की हिफाजत खुद करनी होगी कातिल की नहीं तलाश की जा रही है,

मगर वह तुमसे मुलाकात कर सकता है।"

"अगर वह मुझसे मुलाकात करेगा तो मैं उसी वक्त शूट कर दूंगा।" किसान ने कहा। उसकी आवाज में उत्तेजना के कारण कंपकंपाहट उत्पन्न हो गई थी।

"अभी ठीक वैसा ही करो।" रोस ने कहा और रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

टॉम इसी किस्म की परेशानी का सामना कर रहा था। बहुत से किसान, जिन्हें उसने कॉल की थी, रोस से बात करने के लिए पूछते रहे थे, लेकिन टॉम ने उन्हें सन्देश दे दिया था।

"शेरिफ एक दूसरे देहाती किसान से बात कर रहा है।" उसने बताया--"अपने मकान के अन्दर रहो और अपनी गन छुपा दो।"

"इसके एक घन्टे बाद, रोमस ने जडलोस के फोन नम्बर डायल किये। लोस का फार्म रॉकविली से बहुत करीब था और रोस ने अन्त तक उसे तोड़ दिया था। उसने पहले द्वार के फार्मर्स पर सूचना देने और बाद में नजदीक के फार्मर्स को सूचित करने का निश्चय किया था।

टॉम ने अपना काम खत्म कर दिया था। उसकी लिस्ट के अनुसार प्रत्येक कृषक को चेतावनी दे दी गई थी, मगर उसने परेशानी महसूस की थी। उसने सोचा था--ये देहाती लोग इस तरह की मामूली बात को क्यों नहीं समझते? उन्हें इस किस्म की हंसी-मजाक की बातें क्यों करनी चाहियें और उसकी बात को गम्भीरतापूर्वक क्यों नहीं सुनना चाहिये?"

रोस ने कहा--"मैं जडलोस से कोई उत्तर नहीं पा रहा।"

टॉम चौंका।

"शायद वह पलंग पर है।"

"हो सकता है।" रोस ने टेलीफोन लाइन पर बर्र-बर्र की आवाज सुनी, उसने अपने भारी-भरकम जिस्म को और ज्यादा आरामदेह तरीके से टिकाया और इन्तजार किया।

दोनों आदमी ऑफिस की छत पर पड़ने वाली बारिश की बूंदों की आवाज से वाकिफ थे।

"अभी तक कोई जवाब नहीं।" रोस ने कहा।

दोनों आदमियों ने एक-दूसरे की तरफ देखा।

"वह अपने घर से बाहर नहीं हो सकता।" टॉम ने परेशानी

की हालत में कहा।

"मेरा ख्याल है कि अब तक किसी को जवाब दे देना चाहिये था? यहां पर डोरिस और लिली हैं। वे सब घर से बाहर नहीं हो सकते।" इतना कहने के साथ ही रोस ने सम्बन्ध विच्छेद कर दिया। उसने फिर डायल किया।

टॉम इस बात से वाकिफ हो गया था कि ऑफिस में तनाव पैदा होता जा रहा था। वह वापिस बैठ गया, रोस इन्तजाम करने लगा, जबकि वह रिसीवर अपने कान से लगाये हुए था। अन्त में, तीन मिनट के लम्बे वक्त के बाद, रोस ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

"कोई जवाब नहीं दे रहा?"

"क्या तुम सोचते हो...?" टॉम ने पूछना शुरू किया और रुक गया।

"किसी को जवाब देना चाहिए। मैं यह पसन्द नहीं करता टॉम।" इतना कहकर रोस ने फिर नम्बर डायल किये, मगर दूसरी तरफ से फिर भी कोई जवाब नहीं मिला।

"मैं वहां जाऊंगा और देखूंगा कि क्या मामला है।" टॉम ने कहा—"अब यहां मेरे करने के लिए कुछ नहीं है।"

"अच्छा, मेरा ख्याल है।" रोस ने गम्भीरतापूर्वक कहा—"हां वे परेशानी में हो सकते हैं। सावधान रहना टॉम। ऐसे खराब मौसम में कार ड्राइव करना एक मुसीबत है।"

मगर उस वक्त टॉम कार ड्राइव करने के बारे में नहीं सोच रहा था। वह सोच रहा था कि फार्म के आस-पास कहीं वह भगोड़ा खतरनाक कातिल हो सकता था।

उसने अपना प्वाइन्ट थ्री ऐट पुलिस स्पेशल रिवाल्वर चैक किया। जबकि रोस ने उसे देखा।

"मैनेजर को सावधान कर दूंगा।" रोस ने कहा—"हो सकता है कि वह अपने कुछ आदमी वहां भेज दे। मैं नहीं चाहता कि तुम अकेले बलबूते पर वहां जाओ, टॉम।"

टॉम ने जबरदस्ती अपने होठों पर मुस्कान उभारी।

"हो सकता है कि उन्होंने वहां पर अपना टी०वी० पूरी आवाज में खोल रखा हो और इस वजह से वे टेलीफोन की बजने वाली घन्टी की आवाज न सुन सके हों। उसने बगैर ज्यादा उम्मीद के साथ

कहा—"अभी बेहतर यही होगा कि मैं वहां जाकर चैक करूं। मैं रेडियो पर तुमसे सम्पर्क बनाये रखूंगा।"

"मैं सुन रहा हूंगा। सावधान रहना, टॉम।"

"तुम बेफिक्र रहो।" और इतना कहने के साथ ही टॉम बाहर बारिस में चला गया।

❑❑❑

❑❑❑

जडलोस के फार्म में एक आरामदेह बंगला था।

टॉम सावधानीपूर्वक कार ड्राइव करता हुआ उसके फार्म की तरफ जाने वाली तंग सड़क पर बढ़ा चला जा रहा था सड़क खाली थी और बारिश होने से सड़क पर पानी भर गया था कीचड़ हो गई थी।

लिहाजा कीचड़ वाली कच्ची सड़क पर कार ड्राइव करने में टॉम को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वह कार के स्टेरिंग व्हील के साथ कुश्ती लड़ रहा था। क्योंकि कार के पिछले पहिये कीचड़ में फिसल रहे और कार बड़ी मुश्किल से आगे बढ़ रही थी।

उसकी बड़ी फोर्ड कार कीचड़ में फिसल गई और उसने फिर स्टेयरिंग व्हील के साथ कुश्ती लड़ी, मगर उसे ज्यादा देर तक कुश्ती नहीं लड़नी पड़ी। उसने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ? मेसर कालिंग!" टॉम रेडियो का प्रयोग करते समय हमेशा सदैव सतर्क रहता था।

"हां, टॉम! मैं तुम्हारी आवाज सुन रहा हूं।"

"मैं अब फार्म की तरफ बढ़ रहा हूं।" टॉम ने कहा—'बड़ी मुश्किल से मैं आगे बढ़ पा रहा हूं। कच्ची सड़क पर बेहद कीचड़ है। इस वजह से कार ड्राइव करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।"

"अभी भी मैं लोस से टेलीफोन पर सम्पर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहा हूं। अभी तक अपनी ओर से कोई उत्तर नहीं मिला है। तुम सावधानीपूर्वक आगे बढ़ो।"

"यस... मैं अपनी कार की हैडलाइट्स बुझा रहा हूं। इस वक्त मैं फार्म की तरफ जाने वाले पहाड़ी ढलान पर हूं। अब मैं फार्म को देख सकता हूं। वह रोशनी नजर आ रही है। मेरा ख्याल है कि मैं

कार को छोड़ दूंगा और पैदल ही आगे बढ़ूंगा।''

''ऐसा ही करो, टॉम! परेशानी को देखो! जेनर कहता है कि एक पैट्रोल कार तुम्हारे रास्ते की तरफ भेज दी गयी है, मगर वह तुम्हारे पास कम-से-कम आधे घन्टे से पहले नहीं पहुंच सकती है। देखो...टॉम...बेहतर यही होगा कि तुम उन लोगों के आने का इन्तजार करो।''

''मेरा ख्याल है कि मैं बंगले में जाकर देखूंगा। मैं सावधानी बरतूंगा।'' ओवर एण्ड आउट!''

इतना कहने के साथ ही टॉम ने रेडियो का स्विच टर्न ऑफ कर दिया और कार की हैडलाइट्स बुझा दीं। ड्राइविंग सीट पर बैठा हुआ फार्म पर बने बंगले को घूरकर देखता रहा जो वहां से तकरीबन तीन सौ गज की दूरी पर था। बंगले के अन्दर लिविंग रूम में रोशनी नजर आ रही थी। टॉम अक्सर उस बंगले में आता-जाता रहता था और उसकी भौगोलिक स्थिति को जानता था। बंगले में बाईं ओर मेन बेडरूम था और उसके बराबर में लिली का बैडरूम था। उन दोनों कमरों में रोशनी नजर नहीं आ रही थी।

दुविधाजनक स्थिति में वह कार से बाहर आ गया। उसका सिर बारिश की बौछारों के सामने झुक गया। उसी वक्त उसका दायां हाथ रेनकोन के अन्दर रेंग गया। उसने अपनी गन बाहर निकाल ली। उसके बाद उसने गन हाथ में लिये हुए कीचड़ भरी सड़क पर पैदल ही धीरे-धीरे बंगले की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया। इससे वह वाकिफ था कि वह भारी सांस ले रहा था और उसका दिल जोरों से धड़क रहा था।

जब वह बंगले के करीब पहुंचा, उसने टेलीफोन की बजने वाली घन्टी की आवाज सुनी। लिविंग रूम की बन्द स्थिति से घन्टी की हल्की आवाज उसके कानों में पड़ रही थी।

उसने अपने आपको बहुत ज्यादा अकेला महसूस किया।

लेकिन अब, अन्धेरे में खड़े हुए, बारिश की तेज बौछारें उसके ऊपर पड़ रही थीं और वह परेशानी की हालत में बंगले की रोशन खिड़कियों को देख रहा था। अभी भी वह टेलीफोन की घन्टी की हल्की आवाज सुन रहा था। आकस्मिक मन ने उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया था। उसने इससे पहले कभी इतना डर महसूस नहीं किया था। अपनी पीठ पर वह अब पसीने को बहते हुए महसूस कर रहा

था।

बारिश में वह खामोश खड़ा रहा। उस वक्त वह सिर्फ अपने डर से वाकिफ था।

क्या क्रूर हत्यारा बंगले में था?

अथवा वह कहीं भीगे अन्धेरे में था, हो सकता था कि वह उसकी तरफ बढ़ रहा था?

ये सवाल उसके दिमाग में चकरा रहे थे कि वह अधिक भयभीत होता जा रहा था।

रोस ने उसे बताया था कि जेनर के दो आदमी अपने रास्ते पर उसके पास आ रहे थे। टॉम ने एक गहरी सांस खींची उसे जोखिम क्यों उठाना चाहिये? अक्लमन्दी इसी में थी कि उसे वापिस अपनी कार में पहुंच जाना चाहिए, कार के दरवाजे बन्द करके लॉक कर देने चाहियें और कार में बैठे हुए तब तक इन्तजार करना चाहिये, जब तक कि वे दोनों आदमी वहां न पहुंच जायें। क्या रोस ने उससे इन्तजार करने के लिए नहीं कहा था।

उसने कार की तरफ बढ़ना शुरू किया। तभी एक बार फिर टेलीफोन की घन्टी की हल्की आवाज, किसी अच्छे तरकितशुदा कुत्ते के लिए सीटी की आवाज की तरह उसके कानों में पड़ी।

बंगले की तरफ मुखातिब होने के लिए वह घूमा। टेलीफोन की घन्टी की आवाज को सुनकर वह अपने आपको बंगले के अन्दर जाने से न रोक सका।

अपने भीगे कंपकंपाते हाथ में गन लिए हुए और सेफ्टी कैच को हटाये हुए उसने सावधानीपूर्वक धीरे-धीरे बंगले की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया।

जब वह बंगले से तकरीबन पचास फुट दूर रह गया, तो वह रुक गया। रोशन लिविंग रूम की खिड़कियों पर पड़े पर्दों को वह देख सकता था। अब टेलीफोन की घन्टी की आवाज पहले से ज्यादा तेज हो गई थी। उस आवाज ने उसे अपनी तरफ खींच लिया था।

उसने झाड़ियों की तरफ देखा। एक झुंड को पार किया। अन्धेरे में, वह उनसे नावाकिफ था। वह एक आदमी के काले साये से भी वाकिफ नहीं था, जो झाड़ियों में छुपा हुआ था और बंगले की तरफ बढ़ते हुए उसे देख रहा था।

उसके पेट में मौजूद डर ने टॉम को रुक जाने के लिए मजबूर

कर दिया। उसने फिर आगे बढ़ने के लिए अपने ऊपर जोर डाला। अपने रेनकोट के अन्दर मौजूद बायें हाथ से उसने बैल्ट के साथ लटकी हुई एक शक्तिशाली फ्लैश लाइट निकाल ली। अगले ही पल उसने फ्लैश लाइट की रोशनी बंगले के सदर दरवाजे पर डाली उसने दरवाजे को खुला देखा। कुछ आगे बढ़कर वह रुक गया। इस असलियत ने कि दरवाजा खुला पड़ा था। उसके मन को बढ़ा दिया। परेशानी की हालत में उसने दायें-बायें भीगे अन्धेरे में देखा। टेलीफोन की घन्टी की आवाज ने उसे परेशा। कर दिया था। उसने ईश्वर से प्रार्थना की वह बजनी बन्द हो जाये।

क्या कातिल बंगले के अन्दर था और उसका इन्तजार कर रहा था?

बंगले का सदर दरवाजा क्यों खुला होना चाहिए था, जब तक कि वहां अन्दर परेशानी थी?

ये ऐसे सवाल थे, जो उसके दिमाग में चकरा रहे थे और जिन्होंने उसकी परेशानी को बढ़ा दिया था।

धड़कते दिल के साथ वह खुले दरवाजे से बंगले के अन्दर दाखिल हो गया। उसने लाबी के अन्दर झांककर देखा। जो लिविंग रूम से आने वाली रोशनी से रोशन हो रही थी जिसका दरवाजा आधा खुला हुआ था। वह छोटी सीढ़ियों को देख सकता था, जो लिली के बेडरूम तक जाती थीं।

उसने धीमी और भारी आवाज में पुकारा—"कोई घर में है?" और उसने अपनी फ्लैश लाइट बुझा दी। उसने इन्तजार किया। जब उसने कोई आवाज नहीं सुनी तो परेशानी की हालत में अपने कंधे के ऊपर से सदर दरवाजे की तरफ देखते हुए अपने बूट की हील से दरवाजा बन्द कर दिया और लिविंग रूम के अन्दर दाखिल हो गया, जो उसके लिए जाना-पहचाना था। इससे पहले कई बार वह वहां आ चुका था, जब जड लोस की पत्नी डोरिस उसे एक कप कॉफी के लिए आमन्त्रित करती थी, और वह वहां पर जड का इन्तजार करता था।

धीरे से वह आगे बढ़ा। उसके हाथ में गन तैयार थी। उसका दिल जोरों से धड़क रहा था। जब तक कि उसने बड़े कमरे को साफ तौर पर नहीं देख लिया, तब तक उसकी हालत ऐसी ही बनी रही और फिर जो कुछ उसने अपनी आंखों से देखा...उसे देखकर वह

अपनी सांस रोकने के लिए मजबूर हो गया।

खिड़की के पास डोरिस का बड़ा आरामदेह जिस्म फर्श पर पड़ा हुआ था और उसका चेहरा नीचे की तरफ था, उसका सिर खून से रंगा हुआ था। बड़ी सैटी के पीछे एक जोड़ी जूते दिखाई पड़ रहे थे। मुश्किल से सांस लेते हुए टॉम आगे बढ़ा और सैटी के चारों तरफ देखा। जडलोस का छोटा और मोटा जिस्म मुंह के बल कमरे के फर्श पर पड़ा हुआ था। एक खून का तालाब उसके सिर के मोटे खिचड़ी बालों को रंग कर सुर्ख बना रहा था।

इस खौफनाक मंजर को देखकर टॉम बुरी तरह घबरा गया, लेकिन किसी तरह उसने अपनी घबराहट पर काबू पाया।

उसने फटी-फटी आंखों से कमरे में चारों तरफ देखा, उसकी गन उसके हाथ में कांप रही थी।

इससे पहले टॉम ने कभी ऐसी हिंसात्मक मृत्यु नहीं देखी थी, जिसे देखकर वह अत्यन्त भयभीत हो गया था। उसके दिलो-दिमाग को एक जबरदस्त झटका-सा लगा था और उसे दौरा-सा पड़ गया था। सकते कि-सी में वह वहां खड़ा रहा और पहले जडलोस के जिस्म को घूरकर देखता रहा और तथा बाद में उसने डोरिस के जिस्म को गौर से देखा। उनके सिर के खौफजदा जख्मों को देखकर वह जान गया था कि उन्हें मर जाना चाहिये था।

और फिर वह वापिस लॉबी में आ गया।

"लिली!" उसने पुकारा।

मगर उसे लिली की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

क्या वह खुशकिस्मत रही थी? क्या वह उस समय बंगले से बाहर थी, जिस समय यह भयानक घटना घटित हुई थी? वह इस बारे में सोच भी नहीं सकता था कि लिली इस तरह की बरसात की रात में अपने बंगले से बाहर निकल कर रॉकविली में जा सकती थी।

उसने सीढ़ियों की तरफ देखा, फिर लाइट स्विच की तरफ हाथ बढ़ाते हुए वह आगे बढ़ा, जिसने लॉबी को रोशन कर दिया। अपने आपको सम्भालते हुए वह भारी कदमों से सीढ़ियों पर ऐसे चढ़ने लगा, जैसे कोई बूढ़ा आदमी कमजोर दिल के साथ सीढ़ियों पर चढ़ता है।

सीढ़ियों के ऊपरी सिरे पर बेडरूम का दरवाजा खुला पड़ा

था।

"लिली?" टॉम की आवाज घबराई हुई थी।

मगर वहां बारिश की आवाज के अलावा खामोशी छाई हुई थी।

टॉम सीढ़ियों के ऊपरी सिरे पर खड़ा हुआ था, वह आगे बढ़ने में असमर्थ था। उसने लिली लोस के बारे में सोचा।

"लिली!" उसने अपनी आवाज को ऊंची करते हुए कहा। फिर उसने हाथ आगे बढ़ने के लिए अपने ऊपर जोर डाला और उसने हाथ आगे बढ़ाकर लाइट स्विच ऑन कर दिया।

उसी वक्त कमरे में रोशनी फैल गई।

अगले ही पल वह बुरी तरह चौंका।

लिली मुंह के बल पलंग पर पड़ी हुई थी, उसका सिर खून में रंगा हुआ था और उसके बाल लाल दिखाई पड़ रहे थे। उसकी नाइट ड्रेस ऊपर उठी हुई थी और उसकी लम्बी पतली टांगें खुलकर फैली हुई थीं।

उसको उसी प्रकार क्रूरतापूर्ण ढंग से मौत के मुंह में धकेल दिया गया था, जिस प्रकार उसके मां-बाप की हत्या की गई थी।

तेजी से घूमते हुए टॉम सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा। तभी टेलीफोन की घन्टी ने बजना शुरू कर दिया। उस भयानक दृश्य को देखकर उसे इतना जबरदस्त झटका लगा था कि उसका दिमाग खाली हो गया था। लड़खड़ाते हुए कदमों से वह लिविंग रूम के अन्दर दाखिल हो गया। उसने टेलीफोन को तलाश कर लिया और रिसीवर उठा लिया। वह इससे वाकिफ था कि उसने अपनी फ्लैश लाइट सीढ़ियों पर गिर रही थी। जब उसने रिसीवर कान से लगाया तो अपने हाथों में थमी हुई गन टेबिल पर रख दी।

"क्या यह तुम हो, टॉम? क्या हो रहा है?" दूसरी ओर से रोस की आवाज उभरी।

टॉम ने बोलने की कोशिश की, मगर उसके मुंह से सिर्फ बुदबुदाने की आवाज निकल सकी।

"यह टॉम है।" उसने बड़ी मुश्किल से कहा।

और फिर अपना सिर घुमाते हुए, वह हिंसात्मक रूप से फर्श पर बीमार पड़ा था।

उसने रोस के चिल्लाने की आवाज सुनी—"टॉम! क्या तुम

परेशानी में हो?"

टॉम आगे को झुक गया उसकी आंखें बन्द हो गईं, वह बोलने की कोशिश करने लगा। रोस के चिल्लाने की रिसीवर से उभरने वाली आवाज और बंगले की छत पर पड़ने वाली बारिश की बूंदों की आवाज के कानों में पड़ने के बावजूद उसने अपने पीछे एक आवाज सुनी। घबराकर उसने अपने कंधे के ऊपर से पीछे की तरफ देखना शुरू किया। तभी उसके चेहरे पर एक जोरदार घूंसा पड़ा और उसके सिर से हैट उतर कर नीचे गिर पड़ा। वह टेबिल के ऊपर गिर गया। टेबिल से उसका सिर टकरा गया और वह बेहोश हो गया बेहोशी की हालत में टेबिल को अपने साथ लेकर वह नीचे गिर पड़ा और टेलीफोन टेबिल से नीचे गिर कर फर्श से टकरा गया।

❑❑❑

❑❑❑

सार्जेन्ट हैंक होलिस और पैट्रोल ऑफिसर जैरी डेविस बड़ी पैट्रोल कार में बराबर-बराबर बैठे हुए थे। होलिस कार ड्राइव कर रहा था और डेविस उसके बराबर में फ्रन्ट में पैसेन्जर सीट पर बैठा हुआ था।

फ्लोरिडा हाइवे पैट्रोल के हर आदमी के ऊपर एकदम एक्शन में आने, फरार कातिल चेट लोगन को तलाश करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए दबाव डाला गया था।

डेविस की उम्र पच्चीस साल थी। जब वह चिकन डिनर का जायका लेता हुआ मजा हासिल कर रहा था, जो उसकी सुन्दर पत्नी के द्वारा तैयार किया गया था तभी सार्जेन्ट होलिस ने उसके बंगले के बाहर कार रोक दी थी। पांच मिनिट बाद डेविस बुरा-सा मुंह बनाकर बड़बड़ाता हुआ अपनी गन बैल्ट को बांध रहा था, अपना रेन कोट पहन रहा था और सर पर रेन हैट लगा रहा था, पूरी तरह तैयार होकर वह होलिस के पीछे अपने बंगले से निकल कर बाहर बारिश में जा रहा था।

"हमें जल्दी-से-जल्दी जडलोस के फार्म पर पहुंचने का हुक्म मिला है।" होलिस ने कार का इन्जन स्टार्ट करते हुए कहा—"तुम जानते हो यह कहां है?"

"मैं जानता हूं।" डेविस ने बड़ी मुश्किल से कहा। उस वक्त उसका मुंह आधे खाये हुए चिकन से भरा हुआ उसे गले से नीचे

उतार कर वह आगे बोला–"यह अच्छी बात नहीं है। जब मैं डिनर ले रहा था। तभी तुम मेरे पास पहुंच गये थे, और मुझे बीच में डिनर छोड़कर उठना पड़ा था?"

"यह कातिल वहां हो सकता है। टॉम मेसन उसे तलाश कर रहा है।" होलिस ने कार को हाइवे पर दौड़ाते हुए कहा–"वह मदद के लिए कह रहा है।"

"ये साले डिप्टी शेरिफ्स।" डेविस गुर्राया–"क्या वे हमारे बगैर कुछ नहीं कर सकते?"

"अगर कातिल वहां है, तो मेसन को मदद की जरूरत पड़ेगी।"

"यस? अगर वह वहां है, लेकिन मान लो, यदि वहां नहीं है? तो इस साली बरसात में हमें सिर्फ मेसन का हाथ पकड़ने के लिए कार के जरिये, दस मील का बहुत अच्छा सफर करना होगा।"

"बकवास बन्द करो, जैरी, यह एक काम है।" होलिस ने गुर्राहटभरी आवाज में कहा–"पुलिस फोर्स का हर आदमी इस बरसात में बाहर है। लोगन हर हालत में पकड़ा जाना है।"

"ओ०के०, तो हम उसे पकड़ते हैं। तब हम कितने इनामी मैडल प्राप्त करते हैं?" डेविस कंधों को सिकोड़ता हुआ बुदबुदाया–"एक मील आगे, सार्जेन्ट, वहां बाईं ओर एक मोड़ है और तब एक कच्ची सड़क शुरू होती है। इस बारिश में वह सड़क बड़ी खूबसूरत होगी। फिर हमें उस सड़क पर पांच मील आगे चलना होगा, अगर हम इतनी दूरी तक जा सकते हैं और वहां सड़क पर एक मोड़ है हमें बाईं ओर मुड़ना होगा। उसके बाद पांच मील और आगे चलना होगा, अगर हम सही सलामत वहां तक पहुंच जाते हैं, तो हम लोगन के फार्म पर पहुंच सकते हैं।" इतना कहकर वह पीछे को झुक गया और उसने अपनी पोजीशन के बारे में पुलिस हैडक्वार्टर के डिस्पेचर को रिपोर्ट देने के लिए रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

ऐसे खराब मौसम में कार ड्राइव करना खतरनाक था। बारिश की वजह से कार धीमी गति से चल रही थी। हाइवे से नीचे उतरकर कच्ची सड़क पर पहुंचते ही कार कीचड़ में धंस गई थी। जब-तब कार के पहिये कीचड़ में फिसलने लगते थे, मगर चूंकि होलिस कार ड्राइविंग में एक्सपर्ट था, इस वजह से वह किसी तरह कार को कीचड़ से निकालकर आगे बढ़ता जा रहा था।

"मैन! क्या मैं इसे प्यार कर रहा हूं।" डेविस कुछ देर बाद

बुदबुदाया–"यहां मोड़ है। बाईं ओर मुड़ो। अभी हमें पांच मील का सफर और करना है।"

"मैं इससे भी बुरी हालत को जानता हूं।" होलिस ने कार को कीचड़ से बाहर निकालने के लिये स्टेयरिंग व्हील के साथ कुश्ती लड़ते हुए कहा–"मैं याद करता हूं... ।"

तभी रेडियो जिन्दा हो गया। हैडक्वार्टर्स के डिस्पेचर, ने कहा–"कालिंग कार का नम्बर टेन। कम इन, कार टैन।"

होलिस और डेविस, दोनों एकदम एलर्ट हो गये थे।

डेविस ने कहा–"कार टैन। हियरिंग यू।"

"रिपोर्ट फार्म शेरिफ रोस ऑफ रॉकविली। लोस से फार्म पर बहुत बुरा हो गया है। मेसन कहां है? अन्तिम बार उससे सम्पर्क स्थापित होने पर मालूम हुआ था कि वह फार्म की तरफ बढ़ रहा था। अब उसके रेडियो पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है। टेलीफोन पर उभरने वाली आवाजों ने इससे पहले कि वो बेकार हो गया था, एक लड़ाई की तरफ इशारा किया था। हम तुम्हारे पास दो पैट्रोल कार भेज रहे हैं। सावधानी के साथ आगे बढ़ो। लोगन बेहद खतरनाक है।"

"हियर यू एण्ड आउट।" डेविस ने कहा–"हो सकता है कि वह कुतिया का पिल्ला कहां पर है। इतना कहने के साथ ही उसने अपने कोट के बटन खोले ओर होलस्टर से अपनी गन को ढीली कर लिया।

जोखिम उठाते हुए होलिस ने कार की स्पीड बढ़ा दी। टायर कीचड़ में बुरी तरह फिसले और कार तेजी से तकरीबन एक मील तक आगे बढ़ गई। फिर कार कीचड़ में फंस गई और इसे कीचड़ से बाहर निकालने के लिए होलिस को कुश्ती लड़नी शुरू करनी पड़ी।

"मैन! क्या मैंने गलत काम को चुना था।" डेविस बड़बड़ाया–"फ्रेंकलिन अपना काम बहुत आसानी से कर लेता है। वह अपने ऑफिस में आराम से बैठता है। जबकि हम बेचारे पुलिसये इतने खराब मौसम में भी बाहर निकल कर अपना काम करते हैं।"

होलिस ने कार की स्पीड कम कर दी। दस मिनट से भी कम वक्त में, उन्होंने पहाड़ी रास्ते पर चढ़ना शुरू कर दिया।

"हम तकरीबन वहां पहुंच गये हैं, सार्जेन्ट।"

होलिस ने हैडलाइट्स ऑफ कर दी और कार की रफ्तार कम

कर दी! किसी गति से उसने कार आगे बढ़ाई और मेसन की बड़ी फोर्ड कार के बराबर में रोक दी।

डेविस हवा में बतों करने लगा।

"कार नम्बर टेन यहां पहुंच गई है। हम फार्म को देख सकते हैं। रोशनियां नजर आ रही हैं। हम ठीक मेसन की कार के बराबर में हैं।" उसने रेडियो पर इतना करने के साथ ही अपनी तरफ की खिड़की का शीशा नीचे कर दिया और बाहर झांक कर बड़ी फोर्ड कार की तरफ देखा। बारिश की बौछारों को अपने चेहरे पर टकराते हुए महसूस करके उसने आगे कहा—"मेसन अपनी कार में नहीं है। हम उसे खोज रहे हैं...। ओवर एण्ड आउट।" और इतना कहकर उसने रेडियो बन्द कर दिया।

वे दोनों आदमी अपनी कार से बाहर निकल कर बारिश में आ गये।

"मैं यह ले जाऊंगा।" होलिस ने अपनी गन निकालते हुए कहा—"मुझे दो मिनट का वक्त दो, फिर मेरे पीछे आओ। तुम घूम कर बंगले के पीछे पहुंचो। यदि लोगन अभी तक वहां अन्दर है और वह कोई गलत हरकत करता है तो मैं तुम्हें पीछे देखना चाहता हूं। उसके साथ कोई जोखिम मत उठाओ।"

"मैं नहीं सोचता कि वह वहां है।" डेविस ने कहा—"मगर तुम यह देखो सार्जेन्ट।"

तेजी से आगे बढ़ते हुए, होलिस ने पहाड़ी ढलान पर नीचे की तरफ दौड़ना शुरू कर दिया। डेविस ने तब तक इन्तजार किया, जब तक कि होलिस बंगले के करीब न पहुंच गया। फिर वह बंगले को पीछे पहुंचने के लिए कीचड़ भरी घास पर संभल कर चलता हुआ तेजी से आगे बढ़ने लगा।

बंगले के खुले सदर दरवाजे पर पहुंचते हुए होलिस आहट लेने के लिए रुक गया, मगर बारिश की आवाज के अलावा और कोई आवाज उसके कानों में नहीं पड़ी।

सार्जेन्ट की रैफ तक पहुंचने के दौरान, होलिस ने अनेकों खतरनाक परिस्थितियों का सामना किया था। वह एक पत्थर दिल इन्सान था। उसने यह निश्चय कर लिया था, यदि लोगन बंगले में था, तो यह उसके क्रूरतम मार्ग का अन्त होगा।

खामोशी के साथ आगे बढ़ते हुए, हाथ में गन को ताने हुए

होलिस रोशन लॉबी के अन्दर दाखिल हो गया।

सावधानीपूर्वक, उसने लिविंग रूम के अन्दर झांक कर देखा। पहली चीज जो उसने देखी, वो टॉम मेसन का जिस्म था, जो टेबिल के बीच में मुंह के बल फर्श पर पड़ा हुआ था। होलिस आगे नहीं बढ़ा था। उसने मेसन की तरफ गौर से देखा। उसके सावधान दिमाग में नाखुश गंवार असलियत का ख्याल पैदा हो गया।

मेसन के सिर पर हैड होना चाहिये था, उसके जिस्म पर रेन कोट और गन बैल्ट होनी चाहिये थी। इन चीजों में से वह कोई चीज नहीं पहने हुए था।

होलिस के दिमाग ने तेजी से काम किया। यदि लोगन यहां था अथवा वह यहां रहा था, तो वह मेसन का हैट, रेन कोट और गन ले गया था।

क्या वह अभी तक बंगले में था?

अब लोगन के पास प्वाइन्ट थ्री ऐट रिवाल्वर था और वह पूरी तरह से हथियारबन्द था।

होलिस ने दरवाजा वापिस बन्द कर दिया और कमरे के अन्दर कूद गया। तेजी से चारों तरफ देखते हुए, उसने सिर्फ जड और डोरिस लोस के जिस्म देखें। वह वापिस कमरे से बाहर आ गया, लॉबी को पार करता हुआ आगे बढ़ा और ठोकर मारकर अंधेरे बैडरूम का दरवाजा खोल दिया। वह कमरा खाली था। सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते हुए उसने और बाथरूम चैक किया, फिर वापिस लॉबी में आ गया उसने लिली के बैड की तरफ जाने वाली छोटी सीढ़ियों को देखा।

क्या लोगन वहां ऊपर था?

अपनी गन को आगे ताने हुए, होलिस सीढ़ियों के ऊपर चढ़ा, बेडरूम के खुले दरवाजे पर पहुंचकर रुक गया फिर आगे बढ़ा और लाइट का स्विच ऑन करने के लिए हाथ आगे बढ़ाया।

अपने आपको यह यकीन दिलाने के लिए कि लोगन बंगले में नहीं था, उसे सिर्फ कुछ सेकेन्ड्स का वक्त लगा।

एक पल के लिए वह लिली के जिस्म को देखने के इरादे से रुक गया। फिर, घूमते हुए, वह दौड़ता हुआ सीढ़ियों से नीचे उतरा और बाहर बारिस में पहुंचा।

उसने डेविस का इन्तजार किया, जो बंगले के पीछे से दौड़ता

हुआ उसके पास आ गया।

"वह भाग गया।" होलिस ने कहा—"हमने अन्दर वाला बड़ा खौफनाक मन्जर पाया है।"

वे दोनों आदमी लिविंग रूम के अन्दर दाखिल हो गये।

जब डेविस ने जड और डोरिस के जिस्म चैक किये, तब होलिस मेसन के ऊपर झुक गया।

"वह अभी तक जिन्दा है।" उसने अपनी एड़ियों पर घूमते हुए कहा।

"ये दोनों जिन्दा नहीं हैं।" इतना कहने के साथ डेविस मेसन के करीब आया। घुटनों के बल वह उसके बराबर में बैठ गया। उसने उसे धीरे से घुमाया। उसके बाद वह बोला—"उन दोनों की तरह उसके सिर पर वार किया गया है।"

'वह लड़की मर गई है। वह ऊपर कमरे में मरी पड़ी है।" होलिस ने सीधे होते हुए कहा—"हमें मदद हासिल करनी है। टेलीफोन इस्तेमाल करो।"

डेविस ने कमरे के फर्श पर पड़ा टेलीफोन उठा लिया। फिर वह बड़बड़ाया। टेलीफोन बेकार हो गया था। उसका कन्कटिंग वायर ढीला लटका हुआ था।

"वह कुतिया का पिल्ला बड़ी होशियारी और चालाकी से काम ले रहा है।"

"अवश्य वह ऐसा है। उसने मेसन का हैट, रेनकोट और गन चुरा ली है।" होलिस ने कहा—"इस बदली हुई वेशभूषा में...।"

"सुनो।"

वे दोनों आदमी रुक गये।

बारिश की आवाज के ऊपर, उन्होंने एक कार के इन्जन की स्टार्ट होने की आवाज सुनी।

"वह भाग रहा है।" होलिस चिल्लाया।

और फिर वे दोनों आदमी दौड़ते हुए और कीचड़ में फिसलते हुए तेजी से अपनी कार की तरफ बढ़ने लगे।

जब वे दोनों आदमी अपनी कार के पास पहुंचे, तो उन्होंने तेजी से आगे बढ़ती हुई एक कार की आवाज सुनी, जो अब उनसे दूर जा चुकी थी। मेसन की कार अब वहां नहीं थी।

"जेनर को कॉल करो।" होलिस ने कार के अन्दर बैठते हुए

कहा—"हम उसके पीछे जायेंगे। हम उसे पकड़ सकेंगे, लेकिन जेनर को सावधान करो।"

जब डेविस कार में बैठा होलिस ने इंग्नीशन का स्विच ऑन कर दिया, फिर गैस पैडल को नीचे दबा दिया। कुछ नहीं हुआ।

डेविस रेडियो के बटन को दबा रहा था, लेकिन कोई लाइट दिखाई नहीं पड़ी।

"उसने रेडियो को बेकार कर दिया है।" वह गुर्राया। होलिस पहले ही कार से बाहर जा चुका था और फ्लैश लाइट की मदद से इन्जन को देख रहा था।

"वह हमारी कार को भी बेकार कर गया है। उसने इन्जन से डिस्ट्रीब्यूटर हैड निकाल लिया है।"

भागती हुई कार की आवाज अब उनसे दूर होती जा रही थी।

"हमें जल्दी-से-जल्दी टेलीफोन हासिल करना चाहिये।" डेविस ने कहा—"लोस के पास एक कार होनी चाहिये।"

"यस। तुम जाओ, जैरी... मैं मेसन की देखभाल करूंगा। फ्रैंकलिन ने कहा था कि दो कारें हमारे पास आ रही थीं, लेकिन भगवान जानता है, वे यहां तक आने में कितना लम्बा वक्त लेंगी।"

जब डेविस, लोस की कार की तलाश में गैरेज की तरफ दौड़ा, तब होलिस वापिस बंगल में लौट आया। वह मेसन के बराबर में घुटनों के बल बैठ गया। उसे ऊपर उठाते हुए, उसने मेसन की आंखें खुली देखीं।

"क्या वह यहां से भाग गया था?" मेसन बुदबुदाया। फिर उसकी आंखें बन्द हो गईं और वह वापिस बेहोशी में डूब गया।

होलिस ने सैटी से एक तकिया खींच लिया और उसे मेसन के सिर के नीचे रख दिया, फिर बाहर लॉबी में चला गया और भीगे अन्धेरे में घूरकर देखा।

उसने कई मिनटों तक इन्तजार किया, फिर उसने डेविस को अपनी तरफ दौड़ कर आते हुए देखा।

"लोस की कार और ट्रक दोनों बेकार हैं।" उसने लॉबी के अन्दर आते हुए कहा—"ऐसा दिखाई पड़ता है कि जैसे हम यहां फंस गये हैं, सार्जेन्ट!"

होलिस बड़बड़ाया।

"फ्रैंकलिन ने कहा था कि दो कारें यहां आ रही थीं लिहाजा

हम इन्तजार करते हैं।"

"और वह कुतिया का पिल्ला यहां से दूर भाग जाता है।"

"वह ज्यादा दूर नहीं जा सकेगा।" होलिस ने लिविंग रूम के अन्दर दाखिल होते हुए अपना रेनकोट उतार कर कहा—"हम उसे पकड़ लेंगे।" उसने नीचे की तरफ मेसन को देखा। उसको देखकर वह बोला—"इस बेचारे आदमी को जल्दी डाक्टरी इलाज की जरूरत है। वह बुरी हालत में है।"

डेविस ने भी नीचे मेसन की तरफ देखा।

"क्या तुम सोचते हो कि यह मरने जा रहा है?"

"मैं नहीं जानता। मेरा अन्दाज है कि यह उस वक्त सिर पर हैड पहने हुए था, जिस वक्त इसके सिर पर वार किया था। यह बदमाश वार की सकता है।" होलिस ने जेड और डोरिस के मुर्दा जिस्मों को देखा और फिर वह बोला—"एक वास्तविक क्रूरतम हत्यारा!"

"मान लो हमारे साथी यहां नहीं आ पाते हैं?" डेविस ने कहा—"देखो, वहां सड़क के आखिरी सिरे पर एक टेलीफोन बॉक्स है। उसके बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"

"बस यहां से पाच मील दूर है, जैरी। नहीं, हम इन्तजार करते हैं खुशकिस्मती से हमारे साथ ही यहां किसी भी वक्त आ जायेंगे।"

"यस। ओ०के० तो हम इन्तजार करते हैं।"

उन दोनों में से कोई आदमी यह नहीं जानता था कि वे दोनों पैट्रोल कारें, जो उनके रास्ते पर आ रही थीं, परेशानी में पड़ गई थीं दोनों ड्राइवर बहुत तेज रफ्तार से कार ड्राइव कर रहे थे, इस वजह से कारें भारी कीचड़ में फंस गई थीं। आगे वाली कार ड्राइवर के काबू से बाहर हो गई थी और एक गड्ढे में गिर गई थी। दूसरी कार तभी पहली कार के ड्राइवर को खोजने के लिए रुक गई थी, जिसकी एक बांह टूट गई थी। भारी मूसलादार बारिस में दूसरी कार के ड्राइवर ने पहली कार को गड्ढे से बाहर निकालने की कोशिश की थी, मगर वह अपनी कोशिश में कामयाब नहीं हो सका था तब उस कार को वहीं छोड़ते हुए उसने अपनी कार के जरिये लोस के फार्म की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया था।

उसे वहां पर पहुंचने में एक घन्टे से भी ज्यादा देरी हो गई थी।

चेट लोगन, मेसन का रेनकोट और हैट पहने हुए तथा उसने बराबर वाली सीट पर अपनी गन रखे हुए हार्डवेयर फास्ट स्पीड से कार ड्राइव कर रहा था। उस पल वह पुलिस से सुरक्षित था।

❑❑❑

❑❑❑

जब मैरी वेस्टन अपनी हर्टज को किराये टोपाटा कार को लगभग सुनसान हाईवे पर ड्राइव कर रहा था, तब मूसलाधार बारिश में हैडलाइट मुश्किल से काम कर रही थी।

मैरी ने काफी ड्रिन्क कर रखा था। इस वजह से वह बारिश की कोई परवाह नहीं कर रहा था। जैक सोन विली एयरपोर्ट पर उसे चेतावनी दी गई थी कि मौसम खराब होता जा रहा था और उसे बहुत भारी बारिश का सामना करने की उम्मीद करनी चाहिये थी।

हर्टज गर्ल की तरफ देखकर वह मुस्कुराया था।

"बारिश के बारे में कौन परवाहा करता है।" उसने कहा था—"किसी चीज के बारे में कौन परवाह करता है।"

अच्छा, यह अवश्य ही बारिश हो रही थी, वह आवश्यकता थी।

कल उसने आशापूर्वक अपने आपको बताया वहां पर नीला आसमान होगा और सूरज की गर्म धूप होगी। वह न्यूयार्क से आया था और जैक सोन विली के लिये फ्लाइंट के दौरान वह स्कॉच ऑन दी राक्स बराबर पीता रहा था। एयर होस्टेस से कहा था जो उसे आराम देती रही थी और राहत पहुंचाती रही थी। उसने जैक सोन विली एयर पोर्ट पर एक वैलेन रिन की बोतल खरीद ली थी जो रॉकविली जाने के लिए लम्बे सफर में उसकी साथी बन सकती थी।

अच्छा, उसने अपने आपको बताया, वह कोई ज्यादा लम्बा सफर नहीं था तकरीबन सत्तर मील का सफर था, लेकिन यह बारिश उस पर धीमी गति से कार ड्राइव करने के लिए दबाव डाल रही थी।

उसने लाइटेड डैशबोर्ड में लगे क्लॉक को देखा। उस वक्त रात के नौ बजकर पांच मिनट हुए थे। हालांकि मैरी वह नहीं जानता था कि ठीक उसी वक्त शेरिफ रोस और डिप्टी टॉम मेसन, दोनों बारी फार्मों पर टेलीफोन कर रहे थे और किसानों को यह चेतावनी

दे रहे थे कि वहां पर एक खतरनाक फरार कातिल था।

हो सकता है, मैरी ने हाइवे पर पड़ती हुई मूसलाधार बारिश को देखते हुए सोचा... उस जैक सोनविली में रुक जाना चाहिये था। हालांकि उसे आने वाले बारिश के तूफान के बारे में चेतावनी दे दी गई थी, मगर उसने इस मामूली बारिश की कोई परवाह नहीं की थी। उसने ऊपर स्कॉच को भारती हुई महसूस करके उसने हाइवे की एक साइड में कार रोक दी। उसने तलाश किया और वेलेनटिन की बोतल को पा लिया, बोतल की कार्क खोली और मुंह से लगाकर एक लम्बा घूंट भरा।

बेहतर, उसने सोचा, जैसे ही कार्क को वापिस बोतल में लगाया। उसने एक सिगरेट सुलगाई सिगरेट का एक गहरा कश खींचकर ढेरसारा धुआं मुंह से उगलते हुए उसने बोतल को यथास्थान रख दिया। उसने राहत महसूस की वहां कोई जल्दी नहीं थी, उसने अपने आपको बताया। यदि वह अपने फिशिंग लॉज पर इस रात को किसी भी वक्त पहुंच जाता है, तो क्या हुआ?

उसका दिमाग पिछले दिन की घटनाओं की ओर घूम गया।

अवश्य ही वे घटनाएं उसके फिशिंग लॉज से आरम्भ हुई थीं। जिसे उसने तकरीबन तीन साल पहले खरीदा था। जो रॉकविली गांव से लगभग दो मील की दूरी पर था।

अब उसने दो साल पहले शादी कर ली थी उसने अपनी तरफ से कोशिश की थी, लेकिन शीला उन जवान लड़कियों में से एक थी, जो कभी सन्तुष्ट नहीं हो सकती थी। जब वह काम करने के लिए अपने स्टडीरूम में जाता था, तो वह उससे नफरत करती थी। हमेशा वह उससे किसी जगह पर चलने के लिए फरमाइश करती रहती थी। ऐसी जगह...जो उसे बोर कर देती थी और वह उस जगह का ख्याल अपने दिमाग से निकाल देता था।

एक बेमेल शादी, उसने अपने आपको बताया। एक बार उसके खूबसूरत जवान जिस्म के हुस्नो-शबाब का जायजा लेना उसके लिए रोजमर्रा का मुस्तकिल काम हो गया था। अब उसने महसूस किया था कि दिमागी तौर पर एक-दूसरे से कितनी दूर और अलग थे।

तब कल—

जब शीला और वह चिल्लाने का मुकाबला कर रहे थे। यह कुछ ऐसी बात थी, जो तकरीबन रोजाना होती रहती थी, टेलीफोन

की घन्टी बज उठी थी। शीला ने एक छोटा-सा खूबसूरत चीनी खिलौना उठा लिया था, जिसकी कीमत मैरी समझता था, और उसने उसे उसके ऊपर फेंक दिया था। वह नीचे को झुक गया था और खिलौना पीकसेट करा दिया गया था।

मैरी ने गुस्से में भरकर कहा—"मेरी नजरों से दूर हो जाओ।"

"तुम साले एक शराबी हो।" शीला चिल्लाई थी, और वह दौड़कर कमरे से बाहर निकल गई थी अपने पीछे वह भड़ाक से दरवाजा बन्द कर गई थी।

टेलीफोन की घन्टी लगातार बज रही थी और उसे रिसीवर उठाने के लिए मजबूर कर रही थी। एक लम्बे पल तक मैरी टूटे हुए खूबसूरत चीनी खिलौने के फर्श पर पड़े टुकड़ों को घूरकर देखता रहा था। फिर वह अपनी जगह से उठकर खड़ा हो गया था। तेजी से चलते हुए उसने कमरा पार किया था और टेलीफोन का उत्तर दिया था।

"मिस्टर वेस्डन!" दूसरी तरफ से एक औरत की सर्द आवाज उभरी।

"यस।"

"यस, मिस्टर हार्ट की सेक्रेटरी है, मिस्टर वेस्डन।"

चौंकते हुए मैरी ने कहा—"ओह...व्हाई...हैलो...ग्रेस! तुम्हारे साथ जिन्दगी कैसी है?"

"इस सुबह को ग्यारह बजे मिस्टर हार्ट तुमसे मिलकर खुश होंगे।" ग्रेस एडम्स ने कहा—"मिस्टर हार्ट तीन घन्टे बाद लॉस एंजिल्स के लिए रवाना हो जायेंगे। प्लीज, वक्त के पाबन्द रहना।"

"जब रेड हार्ट मूवी कारपोरेशन का प्रेसीडेन्ट तुमसे मिलने के लिए कहता था तुम हां कह देते थे, भले ही तुम एक टूटी टांग के साथ हॉस्पिटल में बेड पर पड़े होते थे।"

"मैं वहां पर ठीक वक्त पर पहुंच जाऊंगा।" मैरी ने कहा।

टोयोटा कार में बैठे हुए मूसलाधार बारिश के साथ, मैरी ने सिलास एस हार्ट से अपनी होने वाली मुलाकात के बारे में सोचा।

सिलास एस हार्ट से उसके अच्छे सम्बन्ध थे। इसका एक कारण था। पिछले चार वर्षों में, मैरी ने हार्ट को ओरिजनल फिल्म स्क्रिप्ट्स दी थीं, जिनके जरिये उसने रेड हार्ट मूवी कारपोरेशन के लिए बड़ी भारी दौलत कमाई थी।

कुछ महीनों पहले, हार्ट और मैरी ने भविष्य से रिलीज होने वाली एक फिल्म के बारे में बात-चीत की थी।

"इस बार मैं एक बेहतरीन चीज चाहता हूं।" हार्ट ने कहा था--"अब हम फिल्म दर्शकों के सामने एक ऐसी चीज पेश करना चाहते हैं, जिसे देखकर उनकी पैंट्स नम हो जायें। तुम इस बारे में कैसा महसूस करते हो? क्या तुम सोचते हो कि तुम मुझे कोई इस तरह की चीज दे सकते हो? मैं कुछ ऐसी चीज चाहता हूं, जिसमें बहुत एक्शन, खून-खराबा और सैक्स हो। अब तुम मुझे फिल्म स्क्रिप्ट की आउट लाइन दो। ओ०के०?"

"आपका मतलब हारर फिल्म से तो नहीं है?" मैरी ने पूछा था।

"यह आखिरी चीज है, जो मैं चाहता हूं। मैं साधारण व्यक्तियों को एक ऐसी परिस्थिति में लाना चाहूं... जो फिल्म के एक्शन के साथ बन्ध जायें, खून-खराबा और सैक्स, तुम समझते हो?"

"अवश्य!" मैरी ने कहा था--"मैं इस बारे में सोचूंगा। अपने विचार की रूप-रेखा मैं आपके सम्मुख प्रस्तुत करूंगा। ठीक?"

हार्ट मुस्कुराया था।

"यही बात है, ब्बाय। और मैरी! यह पचास हजार डॉलर की कीमत की चीज है इसके अतिरिक्त तुम्हें फिल्म प्रोड्यूसर के लाभ का पांच प्रतिशत मिलेगा। तुम्हारे लिये एक बड़ा सौदा होगा और मेरे लिए भी एक बड़ा सौदा।"

दो महीने तक मैरी ने आने वाली फिल्म की स्क्रिप्ट लिखने के लिए ओरिजनल प्लाट खोज की कोशिश की जो उसके बॉस को सन्तुष्ट कर सकता। उन दो महीनों के दौरान शीला अपनी बदतर हालत में रही थी। मैरी ने उसे बता दिया था कि उसे नई फिल्म की स्क्रिप्ट लिखने के लिए एक प्लाट खोजना था, जिससे उसे बड़ी भारी रकम मिलने वाली थी। लिहाजा आराम करो और उसे सोचने के लिए मौका दो, लेकिन शीला ने उसे अकेला नहीं छोड़ा था। उस समय वहां दो हफ्ते के लिए एक फेस्टीवल का आयोजन किया गया था, और वह मैरी के साथ हर रात फिल्म फेस्टीवल में शामिल होकर अपने आपको लोगों को दिखाना चाहती थी।

जब सिलास एस हार्ट ने उससे मिलने के लिए कहा था, तब मैरी ने एक ऐसे आदमी की तरह महसूस किया था, जो कार ड्राइव

करता हुआ अपनी कयामत की तरफ जाता हो। नई फिल्म की अपनी स्क्रिप्ट की जो रूपरेखा उससे हार्ट को भेजी थी, वह जानता था कि वह एक थर्ट रेड स्क्रिप्ट राइटर के समान था, जिसकी हार्ट की नजरों में कोई कीमत नहीं हो सकती थी। उसके ख्याल के मुताबिक वो स्क्रिप्ट उसे पसन्द नहीं आ सकती थी।

अब वह रेड हार्ट मूवी कार्परेशन के ऑफिस में जाने के लिए एलीवेटर में सवार हुआ था तो उसने हार्ट को ऐसी घटिया स्क्रिप्ट भेजने के लिए अपने आपको कोसा था। यह सब कुछ शीला और वेलेन्टिन की वजह से हुआ था। औरत और शराब ने उसे एक मामूली स्क्रिप्ट लिखने के काबिल बना दिया था। उसके विचारानुसार अब होशियारी और अक्लमन्दी इसी बात में थी कि वह उस वक्त एक अच्छी स्क्रिप्ट लिखने के मूड में नहीं था, इसलिए उसके पास उसकी पसन्द की चीज नहीं भेज सका था।

कार की खिड़की से भारी बारिश को देखते हुए उसने एक गिलास को डेस्क पर रखा रहने दिया था।

"मान लो हम इस छोटे-से वार्तालाप को आरम्भ करते हैं।" हार्ट ने अपना ड्रिन्क सिप करने के बाद कहा था--"मेरे कहने के मुताबिक तुम एक अच्छे ओरिजनल स्क्रिप्ट राइटर हो और तुम्हें पाकर मैं खुशकिस्मत रहा हूं। हम दोनों ने एक साथ मिलकर बड़ी भारी कमाई की थी। अपने संस्थान में, मैं तुम्हें एक बहुमूल्य सम्पत्ति मानता हूं। जब मैंने तुमसे स्क्रिप्ट भेजने के लिए कहा था, अब तक तुम हमेशा सही वक्त पर स्क्रिप्ट मेरे पास भेज देते थे।" वह अपना ड्रिन्क सिप करने के लिए रुका था, फिर आगे बोला--"एक बहुमूल्य सम्पत्ति होने के अतिरिक्त, मैं तुम्हें पसन्द करता हूं। मैं कभी-कभी ऐसे लोगों को पसन्द करता हूं, जो मेरे लिए काम करते हैं, यह जानते हुए भी कि वे मुझे पसन्द नहीं करते हैं, मगर मैं तुम्हें पसन्द करता हूं।" वह मुस्कुराया था, फिर उसने अपना ड्रिन्क खत्म किया था। उसके बाद उसने कहा था--"वैल ब्बाय, मैं तुम पर नजर रखता रहा हूं। जब मैं अपने पास तुम जैसे बहुमूल्य सम्पत्ति रखता हूं, तब मैं किसी ऐसी औरत को चाहता हूं, जिसके पास दो करोड़ डॉलर की कीमत के हीरे हो। वह इस पर नजर रखती है, इस वजह से मैंने तुम पर नजर रखने के लिए इन्तजाम कर दिया था।"

मैरी ने अपना गिलास उठा लिया था और उसे खाली कर दिया

था।

"यह आपकी अनुकम्पा है।" उसने खाली गिलास डेस्क पर रखते हुए कहा था।

"यस! यह ऐसा लगता है कि जैसे तुम्हारे सामने दो समस्याएं हैं, जो तुम्हारे काम में बाधा उत्पन्न कर रही हैं। उनमें से एक बड़ी समस्या तुम्हारी पत्नी है। एक छोटी समस्या सुरा है। ठीक?"

"अपनी पत्नी के बारे में मैं किसी से बात नहीं करना चाहता हूं।" मैरी ने कटुतापूर्ण स्वर में कहा था।

"यह एक साधारण प्रतिक्रिया है।" हार्ट ने अपने भारी-भरकम जिस्म को कुर्सी में और भी ज्यादा आरामदेह हालत में करते हुए कहा था—"किसी से नहीं... उनमें मैं शामिल नहीं होता हूं। मैं स्पेशल हूं, और मैं तुम्हें अपने एक पार्टनर की हैसियत से देखता हूं। अब, जब एक अड़तिस साल की उम्र का आदमी एक तेइस साल की उम्र की लड़की से शादी करता है, और यह आदमी वास्तव में एक अच्छा काम करने वाला है, इस वजह से एक कुदरती परेशानी में पड़ गया है। तेइस साल की उम्र की लड़कियां जिन्दगी चमकदार रोशनियां चाहती है, खास तौर से जब उनकी शादी तुम जैसे किसी दौलतमन्द आदमी के साथ हो जाती है। चमकदार रोशनियां और उत्पादक कार्य एक-दूसरे से मेल नहीं खाते हैं न ही बोतल से टकराते हैं।"

मैं इस किस्म की बातों को सुनने के मूड में नहीं हूं।" मैरी ने कहा था—"क्या आपने उस प्रतिलिपि की रूपरेखा को पसन्द नहीं किया था अथवा पसन्द नहीं करते हो जो मैंने आपके पास भेजी थी?"

हार्ट ने हाथ बढ़ाकर एक सिगार उठाया उसे घूरकर देखा उसका एक सिरा काटा और उसे सुलगा लिया।

"क्या तुमने उसे पसन्द किया था?"

"ओ०के०।" मैरी ने कहा था—"तो क्या हुआ? मैंने कोशिश की थी, मगर इसने काम नहीं किया था। इस काम को करने के लिए आप किसी और दूसरे राइटर को हासिल कर लो?"

"यह समस्या का समाधान नहीं है, ब्वाय! यह बात तुम्हें अपनी जगह से पीछे हटा रही है और तुम पीछे हटने वाले नहीं हो। ठीक?"

"मैं आपको यही सलाह दूंगा कि बेहतर होगा, आप किसी

दूसरे राइटर को तलाश कर लें। मेरे पास काफी दौलत है, जिसके जरिये मैं साली मूवी स्क्रिप्ट लिखे बगैर भी अपनी जिन्दगी आराम से गुजार सकता हूं।"

"तुम्हें यह परिस्थिति ऐसी दिखाई देती है... लेकिन मेरे लिये नहीं। किसी भी समस्या का सदैव समाधान हो जाता है, यदि तुम उसे देखते, समझते और उसके बारे में काफी ज्यादा सोचते हो! मैं तुम्हें सहयोग के लिए चाहता हूं। मैं जानता हूं कि तुम उस स्क्रिप्ट के बारे में ख्वाब देख सकते हो जिसे मैं चाहता हूं। मैं यह भी जानता हूं कि तुम यह काम नहीं कर सकते यदि तुम्हें अपनी पत्नी के द्वारा परेशान किया जाता है... ।"

मैरी उठकर खड़ा हो गया और उसने चलते हुए बड़े कमरे की लम्बाई को पार किया, फिर वह हार्ट भी डेस्क पर वापिस लौट आया।

"मैं चाहूंगा कि आप किसी दूसरे राइटर का इन्तजाम कर लें और मुझे शीला को हैंडिल करने के लिए छोड़ दें।"

"तुम उसे हैंडिल करने नहीं जा रहे हो, ब्वाय।" हार्ट ने कहा था—"वह एक गुमराह औरत होने जा रही है। मुझे उसके बारे में रिपोर्ट मिल गई है। तुम्हारी दौलत की वजह से ही छोड़ने वाली नहीं है जब तक कि उसके ऊपर खर्च करने के लिए तुम्हारे पास दौलत मौजूद है। जब तुम्हारे पास दौलत नहीं रहेगी, तब वह तुम्हें छोड़कर चली जायेगी और किसी दूसरे आशिक मिजाज दौलतमन्द आदमी को तलाश कर लेगी। तुमसे कहीं ज्यादा अच्छी मैं उसे जानता हूं। उसकी गुजरी हुई जिन्दगी के बारे में मेरे पास रिपोर्ट्स मौजूद हैं और कोई अच्छी स्क्रिप्ट लिखने की कोशिश करते हो। उसके दो ब्वाय फ्रेन्ड्स हैं। मेरे पास उन दोनों के नाम हैं, मगर मैं इस मामले की परवाह नहीं करता... । वह अपने दोस्तों के साथ इधर-उधर घूमती है और मौज लेती है ब्वाय! तुम सोचते हो कि वह हर रोज दोपहर बाद टेनिस खेलती है। वह ऐसा नहीं करती है। वह उसमें से एक आदमी से प्यार करती है। वह सिर्फ तुम्हारी दौलत के बारे में परेशान है। उन दोनों आदमियों के पास दौलत नहीं है। अगर उनके पास दौलत होती तो अब से बहुत पहले वह तुम्हें छोड़कर उनके पास चली गई होती। मेरे आदमियों ने उसे होटल के उस कमरे में देखा था जब उसने अपने दोस्त के साथ मौज ली थी। उने प्रेम वार्तालाप

का मेरे पास टेप है। लेकिन तुम उसे सुनना नहीं चाहोगे, तुमने वास्तव में एक बुरी औरत को अपनी पत्नी बना लिया है था ब्वाय! मुझे यह बताते हुए अफसोस हो रहा है... मगर मुझे तुम्हारी जरूरत है...और तुम्हें मेरी जरूरत है, इस वजह से मैं तुम्हें यह बताने के लिए मजबूर हो गया हूं, ठीक?"

परेशानी की हालत में मैरी कुर्सी पर बैठ गया।

"मैं तुम्हारी बातों...एक शब्द पर भी विश्वास नहीं कर सकता।" वह बुदबुदाया।

"तुम्हें मेरी बातों का विश्वास करता होगा ब्वाय।" हार्ट ने शांत स्वर में कहा–"लेकिन, स्वाभाविक रूप से तुम इन बातों का विश्वास नहीं करना चाहते हो? मैं भी ऐसी बातों पर विश्वास नहीं करूंगा, लेकिन मैं गलतियां नहीं करता हूं। तुम्हें शीला से अपना पीछा छुड़ाना है। तुम्हें अपने मस्तिष्क में यह निश्चय करना है कि तुम्हारी समस्या का केवल यही एक समाधान है। तुम अपनी पत्नी को तलाक दे सकते हो। मेरे आदमी तुम्हें तलाक देने के लिए तुम्हारी अपनी पत्नी के खिलाफ तमाम सुबूत दे सकते हैं। एक बार जब तुम उससे अपना पीछा छुड़ा लोगे तब तुम स्क्रिप्ट लिखने की अपनी वास्तविक स्थिति में वापिस आ जाओगे।"

मैरी चौंका।

"मैं शीला के बारे में आपसे या किसी और दूसरे आदमी से कोई बात करने नहीं जा रहा हूं।" उसने गुर्राहटभरी आवाज में कहा–"यह मेरी व्यक्तिगत समस्या है... और मैं यह नहीं चाहता था कि कोई मेरी समस्या का समाधान करने का प्रयास करे।"

हार्ट ने सहमति के भाव में सिर हिलाया।

"जब मैंने तुमसे मिलने के लिए कहा था उससे पहले मैंने कुछ सोचा था। मैंने महसूस किया था कि तुम अवश्य ही ऐसे कहोगे जैसा तुमने अभी तक कहा था। यह तुम्हारी व्यक्तिगत समस्या है और तुम दखलन्दाजी नहीं चाहते हो। ओ०के०। मैं निराश हो गया होता यदि तुमने इसके अतिरिक्त कुछ कह दिया होता। अब तुम मेरी एक तरफदारी करोगे?"

मैरी ने उस बूढ़े आदमी की ओर संदेशपूर्ण दृष्टि से देखा। जो अपनी एक्जीक्यूटिव चेयर में आराम से बैठा हुआ था।

"एक तरफदारी?"

"यस... हम दोनों के लिये।"

"फिर तरफदारी क्या है?"

"तुम मछली का शिकार करना पसन्द करते हो?"

"अवश्य, लेकिन मछली के शिकार को इस मामले में क्या करना है?"

"फ्लोरिडा में किसी जगह पर तुम्हारा एक फिशिंग लॉज है... ?"

मैरी ने उसकी तरफ घूरकर देखा।

"तुम इस बारे में कैसे जान गये?"

"इस बारे में कभी ख्याल मत करो। तुम्हारा फिशिंग लॉज वहां है...है न?"

"यस।"

"ठीक! मैं चाहता हूं कि आज तुम वहां चले जाओ। क्योंकि मैं चाहता हूं तुम मछली का शिकार खेलो और सोचो। इसके साथ ही मैं यह भी चाहता हूं कि तुम अपनी पत्नी को यह बताओ कि मैंने तुम्हें उस स्क्रिप्ट पर काम करने के लिए निर्धारित स्थान पर भेज दिया है। जो तुमने मुझे दी थी। खुद अपनी और मेरी तरफदारी करते हुए तुम ये काम करो। शराब की बोतल से दूर रहो। मछली का शिकार खेलो और सोचो। मैंने तुम्हें बताया था कि मैं ऐसी स्क्रिप्ट चाहता हूं। जिसमें एक्शन, ब्लड और सेक्स हो। जब तुम अपने हाथ में राड लिये हुए मछली का शिकार खेलने नदी किनारे बैठोगे और सोचोगे, तब तुम ऐसी स्क्रिप्ट लिख सकोगे। जैसी मैं चाहता हूं। क्या तुम यह काम करोगे?"

उसकी बातों को सुनते हुए मैरी ने महसूस किया था कि वह ऐसी बात थी, जिसे वह करना चाहता था...शीला ने दूर जाने के लिए और अपने फिशिंग लॉज में एकांत स्थान पर बैठकर लिखने के लिए जहां उसे परेशान करने वाला कोई न हो। वह सिर्फ अकेला हो, उसके हाथ में एक रॉड हो... मछली का शिकार करने के लिए उसके दिमाग में एक ख्याल हो... एक उसे वहीं पर छोड़ते हुए वह सीढ़ियां चढ़कर अपने बैडरूम में पहुंच गया। जब उसने अपना सामान पैक करना शुरू किया था तब उसने उसकी कार के वहां से जाने की आवाज सुनी थी। उसके दिमाग में सिलास एस हार्ट के वे शब्द गूंज गये थे जो उसने उससे कहे थे–

"जब एक बार तुम उससे अपना पीछा छुड़ाओगे तब तुम अपनी स्क्रिप्ट लिखने की वास्तविक स्थिति में वापिस आ जाओगे।"

और अब टयोटा कार में बैठे हुए कार की छत पर पड़ने वाली मूसलाधार बारिश की आवाज सुनते हुए उसने अपने लिए सहमति के भाव में सिर हिलाया वैल उसने दो महीने के लिए उससे अपना पीछा छुड़ा लिया था। यह स्थिति देखने के लिये बराबर बनी रह सकती थी यदि वह अपनी स्क्रिप्ट लिखने की वास्तविक स्थिति में वापस लौटकर आ जाता था। फिलहाल वह सिलास एस हार्ट के विचार से सहमत था और अपने आपसे सन्तुष्ट था।

"तो मैं क्या करूं?" उसने पूछा—"मैं यहां इधर-उधर बैठी रहूं जबकि तुम किसी के साथ काम करते रहो।"

"तुम जो कुछ करती हो, उससे तुम्हें खुद खुश होना चाहिये। यह एक काम है, शीला। मुझे वहां जाना होगा।"

"मैं अन्दाजा लगा सकती हूं। दौलत के बारे में मैं क्या करूं?"

"तुम्हारे पास मैं काफी दौलत छोड़ जाऊंगा।" इतना कहकर उसने सात हजार डॉलर के लिए एक चैक लिया और उसको दे दिया।

"तुम इतनी रकम को दो महीने के लिए काफी कहते हो... ?" उसने पूछा था।

"हर चीज का भुगतान बैंक के जरिये किया जाता है, शीला यह रकम काफी से भी ज्यादा है।" और इतना कहने के साथ ही वह मुस्कुराया।

"ओ०के० तुम्हारे पास एक सौदा है... ।" उसने कहा शीला को पकड़ने के लिए वह ठीक वक्त पर अपने घर वापस लौट आया था, जो उस बार टेनिस का गेम खेलने के लिए जाने वाली थी। उसने उसे बताया था कि वह उसी वक्त दोपहरबाद सिलास एस हार्ट के साथ वायुयान के द्वारा लांस जिल्स जा रहा होगा। हो सकता है कि वह कुछ महीनों तक उससे दूर रहे उसे उम्मीद थी कि शीला कोई नजारा पेश करेगी, मगर शीला ने सिर्फ नाक को सिकोड़ा था। उसकी तरफ देखते हुए, उसने उसकी चमकीली नीली आंखों में उत्तेजना तथा उत्सुकता का भाव उभरते हुए देखा था। उसने अकस्मात् ही अपने जिस्म के अन्दर एक सर्द लहर-सी दौड़ती हुई महसूस की थी और उसे अपनी पत्नी से नफरत हो गई थी।

❑❑❑
❑❑❑

टेलीफोन पर शेरिफ रोस, कार्ल जेनर से बात कर रहा था।

"देखो कार्ल यह साला क्या हो रहा है?" उसने जानना चाहा—"मैं न तो टॉम से और न ही तुम्हारे आदमियों से सम्पर्क स्थापित कर सकता हूं। क्या हो रहा है?"

"मैं नहीं जानता। होलिस और डेविस जवाब नहीं देते हैं। फार्म पर टेलीफोन बेकार है।"

"भगवान के लिए मैं यह जानता हूं, पिछले एक घण्टे से मैं उस टेलीफोन से सम्पर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहा हूं... परन्तु मैं अपने प्रयास में सफल नहीं हो पा रहा हूं। तुम क्या कर रहे हो?"

"मैंने दो कार फार्म की तरफ रवाना कर दी थीं जेफ! उनमें से एक कार सड़क से फिसल कर नीचे गड्ढे में गिर गई थी। उस कार के ड्राइवर की बांह टूट गई थी। दूसरी का गड्ढे में गिरी कार को बाहर निकालने के लिए रुक गई थी, लेकिन अब दूसरी कार अपने रास्ते पर है। यह एक जहन्नुम की रात है। लुईस और जॉनसन, जो इस वक्त दूसरी कार में हैं, फार्म तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं जानते हैं। वे बराबर रिपोर्ट दे रहे हैं कि इस वक्त फार्म के दायरे में हैं, रास्ता बेहद खराब है और आगे बढ़ना खतरनाक है।"

"मैं खुद फार्म पर देखने के लिए जा रहा हूं।" रोस गुर्राया—"इस मामले से निपटने के लिए मेरे अन्दर काफी हिम्मत और ताकत है। मैं फार्म पर जाने वाली सड़क को जानता हूं। रेडियो पर मैं तुमसे सम्पर्क बनाये रखूंगा।"

"तुम ऐसा मत करो जेफ।" जेनर ने कहा—"इन्तजार करो लुईस और जॉनसन वहां तक पहुंचने में और हमें वहां की घटना के बारे में सूचित करने में ज्यादा वक्त नहीं ले सकते। मैंने उन्हें दोबारा निर्देश दे दिया है... खुशकिस्मती से उन्हें फार्म पर बीस मिनट में पहुंच जाना चाहिये।"

"यह काफी अच्छी बात नहीं है। मैं टॉम के बारे में बहुत चिन्तित हूं। मैं जा रहा हूं।" इतना कहने के साथ ही रोमस ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

तभी मैरी ऑफिस के अन्दर आ गई। दरवाजे पर खड़ी वह उसकी बातों को सुन रही थी। अपने हाथों में वह रोस का रेनकोट और हैट लिए हुए थी।

"तुम सावधान रहोगे, जेफ!" उसने कहा--"मैं टेलीफोन के पास खड़ी रहूंगी।"

उसकी तरफ देखकर वह मुस्कुराया।

"तुमने एक शेरिफ की सच्ची पत्नी की तरह बोला था।" उसने कहा--"चिन्ता मत करो। मैं उस सड़क को जानता हूं, जो फार्म के अन्दर जाती है और बाहर आती है। तुमसे मैं सम्पर्क बनाये रहूंगा।"

इतना कहने के साथ ही उसने अपनी पत्नी के हाथों से अपना रेनकोट और हैट लेकर पहन लिया, अपनी गन को चैक किया फिर उसे एक चुम्बन दिया। उसके बाद वह ऑफिस से बाहर निकलकर बारिश में पहुंच गया।

लोस के फार्म तक जाने वाली कीचड़ भरी कच्ची सड़क तब से और भी ज्यादा खराब हो गई थी, जब से टॉम मेसन ने अपनी कार के जरिये उस पर सफर किया था। लिहाजा रोस को अपनी पैट्रोल कार को फिसलने और सड़क के दूसरी तरफ गड्ढे में गिरने से बचाने के लिए स्टेयरिंग व्हील को सम्भालने में बेहद कोशिश करनी पड़ी थी। उसने धीमी गति से कार ड्राइव की थी।

अन्त में वह पहाड़ी रास्ते पर पहुंच गया था वहां पर उसने होलिस की कार को पा लिया था। उसने फुल हैडलाइट का स्विच ऑन कर दिया था। बंगले के सामने का हिस्सा रोशन हो गया था।

एक पल बाद उसने दो आदमियों को बंगले के सदर दरवाजे पर आते देखा। उन दोनों ने उसकी तरफ हाथ हिलाकर इशारा किया।

उनके इशारे को रोस ने समझ लिया।

अपनी कार को उसने तेजी से आगे बढ़ाया।

कुछ पलों के बाद उसने कार को बंगले के बाहर रोक दिया।

अगले ही पल वह कार से बाहर आ गया।

"ही, शेरिफ!" होलिस ने कहा--"हम खुश है कि तुम यहां आ गये। अब तक मेरी खुशकिस्मती का सितारा नजर नहीं आया है।"

रोस बड़बड़ाया और लॉबी के अन्दर दाखिल हो गया। अब वह गाड़ी से बाहर आ गया।

"क्या हो रहा है? तुमने जेनर से सम्पर्क स्थापित क्यों नहीं किया है? टॉम मेसन कहां है?"

"क्या आपका कार रेडियो सही हालत में काम कर रहा है, शेरिफ?"

"यस! लेकिन... ।"

"मुझे जेनर को रिपोर्ट देनी है।" होलिस ने कहा--"डेनिस आपको यहां अन्दर की हालत दिखायेगा।"

इतना कहने के साथ ही वह लॉबी से बाहर निकल गया और बारिश में पहुंच गया।

अगले ही पल वह रोस की कार के अन्दर समा गया।

कुछ मिनटों के बाद वह रेडियो पर जेनर से बात कर रहा था। उसकी फार्म की स्थिति के बारे में बता रहा था।

जेनर ने उसकी बातों को हैरतअंगेज खामोशी के साथ सुना था।

"वह फरार कातिल मेसन की कार में भाग गया है। इस वक्त वह मेसन का रेनकोट और हैट पहने हुए है, और उसने मेसन की गन भी ले ली है।" होलिस ने बताया।

"बदमाश अपनी खाल से बाहर आ जाना चाहिये।" जेनर गुस्से में भरकर उबल पड़ा--"इससे यह पता चलता है कि उसने एक रात में पांच कत्ल किये हैं। ओ०के०, मैं इसे हैंडिल करूंगा। मैं वहां पर एक एम्बुलेन्स और मैडिकल ऑफिसर भेज दूंगा। जो तुम्हारे पास बहुत जल्दी पहुंच जायेगा।" और इतना कहने के साथ ही उसने अपनी ओर से सम्बन्धविच्छेद कर दिया।

बंगले वापिस लौटते हुए, होलिस ने रोस को टॉम के बराबर में एक घुटनों के बल बैठे हुए पाया।

"बेहतर यही होगा कि आप इसे न छुओ।" होलिस ने कहा--"एक एम्बूलेंस अपने रास्ते पर यहां आ रही है। वह वास्तव में बहुत बुरी हालत नें दिखाई पड़ता है।"

"वह मर गया है।" रोस ने सर्द और सपाट आवाज में कहा--"उसके पास सिर्फ मुझे पहचानने के लिए वक्त था, और फिर वह इस दुनिया से चला गया था।"

❑❑❑

❑❑❑

अचानक चौंककर मैरी जाग गया। एक लम्बे पल तक, वह वह नहीं जान पाया कि उस वक्त वह कहां था? फिर उसने महसूस

किया था कि वह अभी तक किराये की टयोटा कार में बैठा हुआ था और अब भी कार की छत पर मूसलाधार बारिश हो रही थी।

पलकें झपका कर उसने डैशबोर्ड के क्लॉक की तरफ देखा। उस वक्त रात के दस बज कर पांच मिनट हुए थे... । उसने आगे बढ़ना बेहतर समझा। कार की हैडलाइट ऑन की और उसने बारिश के साथ हुई हाइवे रोड को देखा, उसने सोचा कि उसे थोड़ी-सी स्कॉच पीनी चाहिये। इस ख्याल के दिमाग में आते ही उसने वैलेन्टिन की बोतल निकाल कर और उसे होठों से लगाकर एक लम्बा घूंट भरा, फिर बोतल को यथास्थान रखते हुए उसने एक सिगरेट सुलगाई।

सिगरेट का एक गहरा कश खींचकर उसने इग्नीशन का स्विच ऑन करके कार का इन्जन स्टार्ट कर दिया। आम तौर पर ट्रकों और कारों का हाइवे पर भारी ट्रेफिक रहता था, लेकिन उस समय हाइवे सुनसान था।

चूंकि उसने काफी मिकदार में स्कॉच पी रखी थी और उसे नशा हो रहा था, इस वजह से वह धीमी गति से कार ड्राइव कर रहा था।

केवल पच्चीस मील प्रति घन्टा की रफ्तार से हाइवे पर सावधानीपूर्वक कार ड्राइव करता हुआ वह आहिस्ता-आहिस्ता अपनी मंजिल की तरफ बढ़ा चला जा रहा था। उसकी मंजिल थी—रॉकविली।

रॉकविली में शेरिफ जेफ और उसकी पत्नी मैरी से मैरी की दोस्ती थी। उसकी गैर मौजूदगी में मैरी ही उसके फिशिंग लॉज की देखभाल करती थी। उसके उनके घर पर ठहरने का फैसला किया था।

अकस्मात् ही उसने अपने सामने एक तेज रोशनी को चमकते हुए देखा। उसने कार की रफ्तार बहुत कम कर दी। वह सिर्फ चमकती हुई लाल रोशनी और भीगी रात को देख सका।

कोई एक्सीडेन्ट हो गया?

जब चमकती हुई लाल रोशनी उसी तरफ घूमी तो उसने कार रोक दी। फिर उसकी कार की हैडलाइट्स की रोशनी ने उसे एक आदमी को रेन प्रूफ हैड और पीले रंग का हाइवे पैट्रोल ऑफिसर का रेनकोट पहने दिखाया।

हे भगवान! उसने सोचा...अगर यह आदमी मेरी सांस से

शराब की बू सूंघ लेता है तो शराब पीकर कार ड्राइव करने के जुर्म में मुझे यह गिरफ्तार कर सकता है।

उसने उस आदमी को तब तक बड़े गौर से देखा। जब तक कि वह उसकी कार की हैडलाइट्स की रोशनी के दायरे से बाहर न हो गया। उसने एक बटन दबा दिया, लिहाजा आटोमैटिक ड्राइवर साइड की विन्डो खुल गई। बारिश की बौछारें खुली खिड़की से कार के अन्दर आने लगीं और उसके चेहरे से टकराने लगीं। बारिश से अपने आपको तरोताजा होते हुए महसूस करके उसने इन्तजार किया।

वह आदमी कार के बराबर में आ गया और उसने लैम्प की लाल रोशनी मैरी के ऊपर डाली। अगले ही पल रोशनी का दायरा फ्रन्ट पैसेन्जर सीट की तरफ बढ़ा, फिर पिछली सीट पर पहुंच गया। कार के अन्दर वह आदमी ऐसे रोशनी डाल रहा था कि जैसे वह कार को यह देखने के लिए चैक कर रहा था कि कार में मैरी सिर्फ अकेला था, उसके अलावा और कोई आदमी नहीं था।

"क्या परेशानी है?" मैरी ने पूछा। चूंकि वह आदमी कार के बहुत करीब खड़ा हुआ था। इस वजह से मैरी उसके जिस्म का सिर्फ बीच का हिस्सा देख सका था।

"मेरी कार सड़क से नीचे दौड़ गई है और खाई में गिर गई है।" उसने बताया—"मैं टेलीफोन करना चाहता हूं। तुम कहां जा रहे हो?"

इतना कहने के साथ ही वह आदमी थोड़ा-सा नीचे को झुक गया था, लेकिन अब भी मैरी केवल उसके हैड की रूपरेखा देख सका था।

"रॉकविली गांव से बाहर दो मील के फांसले पर मेरा एक फिशिंग लॉज है।" मैरी ने कहा—"वहां पर पहुंचकर तुम मेरा फोन इस्तेमाल कर सकते हो।"

इतना कहकर वह आदमी दौड़कर कार की दूसरी साइड में आ गया। उसका बारिश में भीगा रेनकोट कार की हैडलाइट्स की रोशनी में सिर्फ एक छोटे से पल के लिए दिखाई दिया था। उसने फ्रन्ट पैसेन्जर सीट का दरवाजा खोला और मैरी के बराबर में बैठ गया।

"यह जहन्नुम की रात है।" मैरी ने कार का गियर शिफ्ट

करते हुए कहा।

"यस...।" उस आदमी ने कहा—"अब हमें चलना चाहिए...।"

उसकी आवाज बेहद सख्त थी।

❑❑❑

❑❑❑

होलिस, शेरिफ रोस की कार में बैठ गया और उसने रेडियो पर कार्ल जेनर से बात की। उसने जेनर को बताया कि डिप्टी शेरिफ मेसन अभी मर गया था।

एक पल तक जेनर उस बात को समझने के काबिल दिखाई नहीं पड़ा, जो होलिस उसे बता रहा था। फिर उसने कहा—"तुम्हारे कहने का मतलब है कि उस हरामजादे ने नौजवान मेसन को कत्ल कर दिया है?"

"यस सर! वह मर गया है...। उसके सिर पर भयानक वार किया गया था। मैंने उस हथियार को पा लिया है...एक कुल्हाड़ी। दूसरे लोगों को भी इसी तरह से कत्ल किया गया था। उनके सिर को अन्डे के खोल की तरह से फोड़ दिया गया था। मेसन अपने सिर पर लगे हैट की वजह से सिर्फ थोड़ी-सी देर के लिये जिन्दा रह सका था। वह आदमी ऐसा मजबूत और ताकतवर होना चाहिए. जैसे एक सांड।"

"गुड गॉड!" जेनर उबल पड़ा—"अब एक रात में छः कत्ल कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं रहेगा, जब तक कि वह जानवर आजाद है। किसी चीज को छूना मत, होलिस होमी साइड स्क्वेड तुम तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने जैक सोन तुम्हारे पास पहुंच जायें, तब तुम उन्हें वापिस हाइवे पर भेज देना। वह मियामी की तरफ गया होगा। उससे किसी रास्ते पर जाने के लिए कहो, स्टेट पुलिस रोड ब्लाक करने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस बारिश में वह एक मुश्किल काम है।"

"ओ०के० सर!" होलिस ने कहा—"मैं आपसे सम्पर्क बनाये रखूंगा।" और उसने रेडियो का स्विच ऑफ कर दिया।

एक मिनट बाद, उसने उस तरफ आती हुई कार की हैडलाइट्स देखीं। कार उसके बराबर में रुक गई, और लुईस ने, जो ड्राइवर की सीट पर मौजूद था, खिड़की से चेहरा बाहर निकाला।

बारिश की आवाज से ऊपर चिल्लाते हुए होलिस ने उसे निर्देश दिया।

"तुम्हारे लिए यह आदेश है कि तुम फौरन वापिस हाइवे पर पहुंच जाओ और तेजी से मियामी की तरफ बढ़ो। तुम अभी उसे पकड़ सकते हो। वह वाटर प्रूफ हैट और पीले रंग का रेनकोट पहने हुए है जो उसने मेसन से लिए थे।" होलिस ने बुलन्द आवाज में बताया—"वह मेसन की फोर्ड कार में होगा, कार का नम्बर है—एस. जेड.वाई-3002! उसने देखा। उसके पास मेसन की गन है।"

"हम बड़ी मुश्किल से इस साली सड़क पर यहां तक आये थे।" लुईस बड़बड़ाया—"यह एक कच्चे रास्ते की तरह है। ओ०के०। मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा।"

"अब यह सड़क पहले से बेहतर होगी।" होलिस गुर्राया—"वह बदमाश हर हालत में पकड़ा जाना चाहिए।"

लुईस को अपनी कार को पीछे हटाते हुए देखने के बाद कीचड़ में फिसलता हुआ वह वापिस दौड़ पड़ा बारिश में से होकर बंगले की लॉबी में पनाह लेने के लिए।

शेरिफ रोस, उस वक्त दस साल ज्यादा पुराना दिखाई पड़ रहा था, होलिस से मिला, जब वह लॉबी के ऊपर आया।

"यहां मेरे करने के लिए कुछ नहीं है।" उसने कहा—"मेरा ख्याल है कि मैं वापिस अपने ऑफिस में लौट जाऊंगा।"

होलिस ने उसके लिए अफसोस महसूस किया। शेरिफ एक टूटे हुए आदमी की तरह दिखाई पड़ता था।

"मुझे आपके रेडियो की ज़रूरत है, शेरिफ।" उसने कहा—"प्लीज! तब तक रुक जाओ, जब तक कि एम्बूलेंस यहां पर आती है फिर आप उनके साथ अपनी कार में चले जाना। ओ०के०?"

"मैं ऐसा नहीं सोच रहा था।" रोस भारी कदमों से चलता हुआ लॉबी में एक कुर्सी की तरफ बढ़ा और बैठ गया—"वह लड़का मेरे लिए बेटे समान था। मैं यकीन नहीं कर सकता कि वह मर गया है।"

होलिस ने एक छोटे-से पल तक उसकी तरफ देखा, फिर वह लिविंग रूम के अन्दर चला गया।

डेविस दीवार के सहारे खड़ा हुआ था, एक सिगरेट पी रहा

था, अपनी आंखों को तीनों मुर्दा जिस्मों से अलग रखे हुए था।

"हम एक भी चीज को नहीं छू सकते, जैरी!" होलिस ने कहा–"होमी साइड ब्वायज को अपने रास्ते पर होना चाहिये। वह कातिल उंगलियों के निशान छोड़ गया होगा, और पुलिस में उसका एक रिकार्ड होगा।"

"वह वास्तव में एक तेजतर्रार गुण्डा है।" डेविस ने कहा–"उसे पकड़ना एक बड़ी बात है। मैं तो आदमी होने से नफरत करता था, जो उसका पीछा करता था। उसने मेसन की गन ले ली है। हमें यहां से बाहर निकल जाना चाहिये। यह खौफनाक मंजर मुझसे देखा नहीं जाता है।"

वे दोनों आदमी लॉबी में शेरिफ के पास आ गये।

"तुम्हें उसे पकड़ना है।" रोस ने ऊपर की तरफ देखते हुए कहा–"रोस परिवार और टॉम मेरे सच्चे दोस्त थे। क्या हो रहा है? जेनर क्या कर रहा है?"

"सभी स्टेट एलर्ट हो गई है, शेरिफ!" होलिस ने कहा–"स्टेट पुलिस इस मामले में काम कर रही है। कल को नेशनल गार्ड उसके साथ शामिल हो जायेंगे। हर मोटर वाले को यदि वह अपने रेडियो को सुन रहा है, चेतावनी दे दी गई हे, मगर इस तरफ की बरसात की रात में ज्यादा मोटर वाले बाहर नहीं हो सकते! आज रात को हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।"

"ओ०के० लेकिन यह निश्चित है।" रोस ने ऊपर देखा। उसके सफेद चेहरे पर निश्चय का भाव था। आगे बोला–"अगर तुम लड़के उसे तलाश नहीं करते हो तो मैं करूंगा। अगर यह आखिरी काम है, तो मैं करता हूं।"

"श्योर, शेरिफ!" होलिस ने बूढ़े आदमी के लिए महसूस करते हुए कहा। उसने सोचा कि यह एक बच्चे की बात थी। अब तक कातिल मीलों दूर जा चुका होगा। सम्भवतया वह मियामी की तरफ गया होगा, रोस के क्षेत्र से बहुत दूर निकल गया होगा। उसने आगे कहा–"चिन्ता मत करो! देर-सवेर हम उसे तलाश कर लेंगे।"

"मुझे इस हादसे के बारे में टॉम की मां को बताना होगा।" रोस बुदबुदाया, और चेहरा हाथों में छुपा लिया।

बारिश लगातार जोरों से हो रही थी।

□□□
□□□

मैरी वेस्टन ने टयोटा कार का इन्जन स्टार्ट कर दिया।

"लगभग एक मील आगे, बाईं ओर एक सड़क मुड़ती है। जो मेरी जगह तक जाती है।" उसने कहा–"भगवान ही जानता है कि ऐसी बरसात में उस सड़क की हालत कैसी होगी! खुश्क मौसम में भी वह सड़क काफी खराब हालत में रहती है।"

वह आदमी, जो उसके बराबर में वाटरप्रूफ हैट और रेनकोट पहने हुए बैठा था, उसने कुछ नहीं कहा था।

"क्या तुम्हारे लिए यह एक आइडिया होगा कि तुम अपनी मदद के लिए अपने रेडियो पर किसी का कॉल करो?" मैरी ने पूछा–"पुलिस की सभी कारों में रेडियो फिट होते हैं... हैं न?"

"मेरी कार का रेडियो बस्ट हो चुका है।" उस आदमी ने जवाब दिया।

"यह ज्यादा मददगार साबित होगा, मैं अपनी कार को ब्रांच रोड पर ले जा सकूंगा, और तुम शेरिफ के ऑफिस से टेलीफोन कर सकोगे।"

"तुम्हारा टेलीफोन किसी के टेलीफोन की तरह अच्छा है।" उसकी सख्त आवाज मैरी के कानों में पड़ी।

"वैल ओ०के०।" मैरी ने कार की रफ्तार कम करते हुए कहा–"अब हम सड़क के मोड़ पर पहुंच रहे हैं। यह मोड़ खतरनाक होगा।"

उसके बराबर में बैठे हुए आदमी ने कुछ नहीं कहा।

"वह मजबूत, खामोश और मस्तिष्क रहित प्रकार के व्यक्तियों में से एक था...।" मैरी ने सोचा और कन्धों को सिकोड़ा।

उसने कार को हाइवे से एक-दूसरी सड़क पर मोड़ दिया, जो पांच मील आगे उसके फिशिंग लॉज तक जाती थी। वह सड़क आधी पक्की और आधी रेतभरी कच्ची थी।

यह महससू करते हुए कि उस अजनबी आदमी को ऑफर देना चाहिए और अब इससे वाकिफ होकर कि वह उसका लॉज खाली होगा, उसने कहा–"यदि तुम चाहो तो रात को मेरे लॉज में ठहर सकते हो! मेरी जगह बहुत अच्छी साफ-सुथरी है। लेकिन हो सकता है कि तुम अपनी कार के पास वापिस आना चाहो।"

उस आदमी ने कुछ नहीं कहा। वह खामोश बैठा रहा। वहां

लम्बी खामोशी छाई हुई थी।

आखिर में लम्बी खामोशी को खत्म करते हुए उस आदमी ने कहा—“मैं खाली कार के बारे में कोई परवाह नहीं करता हूं। मैं ड्यूटी से ऑफ हो चुका हूं...। मुझे उन्हें यह बताना होगा कि इस वक्त मेरी कार कहां है। अवश्य ही मैं तुम्हारे लॉज में रात गुजारना पसन्द करूंगा। बारिश की वजह से मुझे तुम्हारे साथ ठहरना पड़ेगा।”

“मैं भी इस बारिश से परेशान हूं।” मैरी ने तंग सड़क को देखने के लिए आगे को झुकते हुए कहा—“तुम्हारा साथ पाकर मैं खुश हूं...।” एक पल रुककर उसने पूछा—“तुम कौन हो?”

“कार ड्राइव करते रहो...बस्टर। सड़क को देखो। यह खराब दिखाई पड़ती है।” उस आदमी ने सख्त आवाज में कहा।

भारी बारिश की वजह से कार की हैडलाइट्स में सड़क पर मामूली-सी रोशनी हो रही थी।

अकस्मात् ही मैरी ने परेशानी महसूस की। हालांकि उस वक्त उसकी आंखें सड़क पर जमी हुई थीं और वह सड़क से अपनी आंखें नहीं हटा सकता था, मगर वह अपने बराबर में बैठे हुए आदमी को देखना चाहता था।

“हमें अपनी मंजिल पर पहुंचने में ज्यादा लम्बा वक्त नहीं लगना चाहिये।” उसने कहा। अगले ही पल उसने पूछा—“तुम्हारा क्या नाम है?”

एक बार फिर वहां पर लम्बी खामोशी छा गई थी।

उस आदमी ने उसके सवाल का कोई जवाब नहीं दिया था। शायद वह उसे अपना नाम बताना नहीं चाहता था। इसलिये खामोश बैठा हुआ कुछ सोच रहा था।

कुछ देर तक सोचने के बाद वह बोला—“मुझे जिम कहकर पुकारो।”

“जिम...व्हॉट?”

उसने फिर कोई जवाब नहीं दिया।

पहले की तरह ही खामोश हो गया।

कुछ पलों तक खामोश रहने के बाद उसने कहा—

“ब्राउन।”

“ओ०के०...जिम ब्राउन। आई एम मैरी वेस्टन।”

“ड्राइविंग की ओर ध्यान दो।” जिम ब्राउन गुर्राया।

“यह गॉड! यह बारिश।”

इतना कहने के साथ ही मैरी ने व्हिस्की की बोतल निकाली।

“ड्रिन्क करोगे जिम?”

‘आई डोन्ट ड्रिन्क।”

मैरी ने बोतल की डांट खोली और मुंह से लगाकर व्हिस्की का एक लम्बा घूंट भरा।

“वैल, सिगरेट पियोगे?”

“आई डोन्ट स्मोक।”

मैरी ने अपने गालों को फुलाया और कन्धों को सिकोड़ा, उसने बोतल को यथास्थान पर रख दिया। फिर वह सावधानीपूर्वक कार ड्राइव करने लगा और मूसलाधार बारिश में अन्धेरी सड़क को घूरकर देखने लगा।

“अभी हमें तीन मील का सफर और तय करना होगा।” उसने कहा—“मैन...! क्या मैं अपने घर पहुंच कर खुश रहूंगा...?”

ब्राउन खामोश बैठा रहा।

उसके बाद मैरी भी कुछ न बोला।

खामोशी के साथ सफर पूरा हो गया।

आखिरकार वे दोनों अपनी मंजिल पर पहुंच गये।

मैरी ने अपने फिशिंग लॉज में पहुंचकर कार गैरेज में खड़ी कर दी।

और फिर वह जिम ब्राउन को अपने साथ लेकर लिविंग रूम में पहुंच गया।

लिविंग रूम के अन्दर पहुंचकर जिम ब्राउन ने अपना भीगा हुआ हैट और रेनकोट उतार दिया।

“हमें कुछ देर तक आराम करना चाहिये।” मैरी ने उसकी तरफ देखते हुए कहा—“यहां अन्दर आ जाओ जिम।” इतना कहने के साथ ही उसने लाइन ऑन कर दी और बड़े कमरे का दरवाजा खोलकर उसे रास्ता दिखा दिया। फिर वह आगे बोला—“हो सकता है कि तुम अपने इन कपड़ों से बाहर आना चाहो। मैं तुम्हारे पहनने के लिए कपड़ों का इन्तजाम कर सकता हूं, मैन। उस साली बारिश से बाहर निकलकर यहां आना अच्छा है।”

मैरी को यह देखकर आश्चर्य हो रहा था कि एक हाइवे पैट्रोल ऑफिसर को ऐसी गन्दी व्हाइट स्वीट शर्ट और ब्लैक जिन्स क्यों

पहननी चाहिये थी?

उसके लम्बे-चौड़े डील और तन्दुरुस्त व ताकतवर जिस्म को देखकर वह हैरान रह गया था।

ब्राउन ने कुछ नहीं कहा था। खामोशी के साथ खड़ा हुआ वह बड़े कमरे में चारों तरफ नजरें घुमाकर देख रहा था। कमरे के अन्दर आरामदेह बेशकीमती फर्नीचर मौजूद था।

आखिर में वह बुदबुदाया—"तुम बहुत अच्छी तरह रहते हो।"

"मैं एक फिल्म स्क्रिप्ट राइटर हूं। इसलिये मुझे अच्छी तरह रहना पड़ता है। नहाने के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है? मैं नहाने के लिए जा रहा हूं। फिर मैं तुम्हारे लिए खाने का इन्तजाम करूंगा। तुम्हारे पहनने के लिए मैं कुछ कपड़े तलाश कर लूंगा।"

इतना कहकर वह सीढ़ियों की तरफ बढ़ा। अकस्मात् ही वह रुक गया। उसने पलट कर जिम ब्राउन की तरफ देखते हुए कहा—"मैं भूल गया था। तुम टेलीफोन करना चाहते हो। टेलीफोन वहां टेबिल पर रखा है।"

इतना कहने के साथ ही मैरी ने कमरे के एक कोने में एक टेबिल पर रखे हुए टेलीफोन की तरफ इशारा कर दिया।

"मैं कुछ देर तक इन्तजार करूंगा।" ब्राउन ने कहा—"मैं इन भीगे कपड़ों से बाहर आना चाहता हूं।"

कन्धों को सिकोड़ते हुए मैरी ने सीढ़ियों की तरफ इशारा करके कहा—"तुम्हारा कमरा बाईं ओर दूसरा है। मैं तुम्हारे पहनने के लिए कपड़ों का इन्तजाम करूंगा।"

इतना कहने के बाद मैरी बड़े बैडरूम के अन्दर दाखिल हो गया। उसने लाइट ऑन कर दी।

कुछ देर बाद ही वह बाथरूम में पहुंच गया।

उसे खराब मौसम की हालत के बारे में हैरानी हो रही थी। क्या यह बारिश बन्द होने वाली नहीं थी? अपने कपड़े उतारने के बाद उसने कोट की पॉकिट से एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर रेडियो निकाल लिया और उसे बाथरूम की सेल्फ पर रख दिया। अगले ही पल ट्रांजिस्टर स्विच ऑन कर दिया। फिर वह खुशी की एक मुस्कान के साथ बाथटब के अन्दर गर्म पानी में डूब गया।

रेडियो पर मौसम की हालत के बारे में बताया गया। अगले चौबीस घन्टों तक लगातार भारी वर्षा होते रहने की सम्भावना व्यक्त

की गई थी।

मैरी ने मौसम का हाल सुना और कंधों को सिकोड़ा।

उस वक्त वह भूखा था और उसे जोरों की भूख लगी हुई थी।

इसी वजह से वह जल्दी ही बाथटब से बाहर निकल आया।

जब उसने तौलिये की तरफ हाथ बढ़ाया... तभी उसके कानों में रेडियो अनाउन्सर की आवाज पड़ी—"एक अत्यन्त आवश्यक पुलिस के सन्देश को प्रसारित करने के लिए हम इस प्रोग्राम में कम ध्यान डाल रहे हैं। जैक सोनविली और मियामी के बीच में सफर करने वाले सभी मोटर वालों को चेतावनी दी जाती है कि...।"

तभी मैरी ने ट्रांजिस्टर का स्विच ऑफ कर दिया।

शायद वह पुलिस के मैसेज को सुनना नहीं चाहता था।

क्योंकि अब वह सफर में नहीं था... बल्कि अपने घर में था और भूखा था।

लिहाजा वह पुलिस की इस चेतावनी को नहीं सुन सका था कि 'कुल्हाड़ी वाला कातिल' के नाम से पुकारा जाने वाला एक आदमी एक हाइवे पैट्रोल ऑफिसर के रूप में अपना भेष बदले हुए था और पुलिस को उसकी तलाश थी।

उस वक्त मैरी सिर्फ कुछ खाने के बारे में सोच रहा था। उसने जल्दी-जल्दी अपने भीगे बदन को तौलिये से पोंछकर खुश्क किया और अपने कपड़े बदल लिये।

उसने स्वीट शर्ट और जीन्स पहन ली। लोवर शूज पैरों में डालकर वह बाथरूम से बाहर निकल आया और सीढ़ियों पर तकरीबन दौड़ता हुआ लिविंग रूम में पहुंच गया।

उसने ब्राउन को बगैर किसी मकसद के कमरे में इधर-उधर चहल-कदमी करते हुए पाया। मैरी दरवाजे से कुछ आगे बढ़कर रुक गया और ब्राउन की तरफ देखने लगा।

तब तक ब्राउन स्नान कर चुका था और अब वह मैरी के कपड़े पहने हुए था। उसके कपड़े ब्राउन के लम्बे-चौड़े जिस्म पर तंग थे। उसकी आधी आस्तीन की स्वीट शर्ट ब्राउन के जिस्म पर चुस्त थी।

मैरी ने उस आदमी की बाईं लघु भुजा पर एक कोबरा सांप का नीला गूदा हुआ देखा। उसकी कमर में बैल्ट बंधी टिस से एक होलस्टर लटक रहा था, जिसमें एक गन चमक रही थी।

यह आदमी बड़ा ताकतवर मालूम होता है मैरी ने सोचा।

"क्या तुम भूखे हो?" मैरी ने आगे बढ़ते हुए कहा—"मैं तो भूखा मर रहा हूं स्टीक के बारे में तुम्हारा कैसा ख्याल है?"

"मेरे लिए नहीं।" ब्राउन ने कहा—"मेरा ख्याल है कि मैं पहले आराम करूंगा और एक झपकी लूंगा। उसके बाद मैं खाना खाऊंगा। तुम आगे बढ़ो... बस्टर... और खाना खाओ।"

"तुम मुझे बस्टर मत कहो।" उसने तेजी से कहा—"मैंने तुम्हें बताया था... मेरा नाम मैरी वेस्टन है ओ०के०?"

ब्राउन ने एक लम्बे पल तक उसकी तरफ घूरकर देखा। उसकी सर्द और सख्त नीली आंखें अंगारों की तरह चमक रही थीं। उसने अपने कंधों को सिकोड़ा और कहा—"अवश्य! मैं एक नींद लूंगा।"

"तुम मेरा टेलीफोन इस्तेमाल करना चाहते थे।" मैरी ने उसे याद दिलाया।

मैरी ने सोचा था कि वह अपनी मदद के लिए टेलीफोन कॉल करेगा तो कोई हाइवे पैट्रोल कार से वहां जायेगा और उसे ले जायेंगी। फिर उसका ब्राउन से पीछा छूट जायेगा।

"यस। राइट।" ब्राउन ने धीरे से उसकी तरफ बढ़ते हुए कहा—

"तुम्हारा टेलीफोन खराब है। यह मेरा कसूर है। मेरा ख्याल है कि मैं अपनी ताकत को नहीं जानता हूं।"

इतना कहने के साथ ही वह किसी कुत्ते के भौंकने की तरह हंस पड़ा।

उसकी खौफनाक हंसी को सुनकर मैरी के शरीर में भय की शीत लहर-सी दौड़ गई।

"मैं तुम्हारी बात से सहमत नहीं हूं।" उसने कहा—"टेलीफोन के साथ क्या मामला है?"

"ब्रस्ट।" ब्राउन ने अभी-अभी आगे बढ़ते हुए कहा—"तुम इस बारे में चिन्ता मत करो। खाना खाओ। मैं नींद लेने जा रहा हूं।"

इतना कहने के साथ ही वह दरवाजे की तरफ बढ़ गया।

मैरी उसके सामने से हट गया।

उसने ब्राउन को कमरे के दरवाजे से बाहर निकलकर लॉबी में जाते हुए देखा और फिर वह सीढ़ियों पर चढ़ने लगा।

तेजी से चलता हुआ मैरी टेलीफोन के पास पहुंचा।

उसने देखा... टेलीफोन केबिल अलग लटक रहा था। उसे सॉकिट से बाहर खींच दिया गया था।

उसने ऊपर भड़ाक से कमरे का दरवाजा बन्द होने की आवाज सुनी।

वहीं पर खड़ा हुआ यह सोचता रहा। कोई बात बहुत गलत थी। वह आदमी एक हाइवे पैट्रोल ऑफिसर नहीं हो सकता था, उसके सिर पर इतने लम्बे बाल और जिस्म पर गन्दे कपड़े नहीं हो सकते थे। फिर वह कौन था अपने साथ साली क्या मुसीबत ले आया था।

तभी अचानक उसे याद आया कि रेडियो पर पुलिस की चेतावनी प्रसारित की जा रही थी, जिसे सुनने की उसने जरूरत नहीं समझी थी। क्या उस चेतावनी का इसके लिए कोई सम्बन्ध हो सकता था? हो सकता है कि रेडियो पर फिर दोबारा पुलिस की चेतावनी प्रसारित की जाये।

अब उसकी भूख मर गई थी। उसे यह स्वीकार करना पड़ा था कि उस वक्त वह बहुत परेशानी महसूस कर रहा था।

यह भी सम्भव हो सकता था कि टेलीविजन पर पुलिस की चेतावनी दोबारा प्रसारित की जाये।

तेज कदमों से चलता हुआ वह टेलीविजन सैट के करीब पहुंचा। टेलीविजन सैट के केबिल को अलग लटका हुआ देखकर वह रुक गया। उसके केबिल को भी सॉकिट से बाहर खींच दिया गया और उसका प्लग गायब था।

यह देखकर उसे जबरदस्त धक्का लगा। उसी जगह वह खामोश खड़ा रहा। इससे वह वाकिफ था कि उसका दिल जोरों से धड़क रहा था।

तब उसे याद आया कि वह अपना ट्रांजिस्टर बाथरूम में छोड़ आया था।

खामोशी के साथ चलता हुआ वह आगे बढ़ा और सीढ़ियों पर चढ़ने लगा वह अपने बेडरूम के अन्दर पहुंचकर बाथरूम में घुस गया।

उसने लाइट का स्विच ऑन करके बाथरूम में देखा। एक तेज नजर ने उसे बताया कि अब वहां पर ट्रांजिस्टर मौजूद नहीं था।

हे भगवान! उसने सोचा—वास्तव में यह कोई गड़बड़ हो रही

थी। फिर उसे टयोटा कार के रेडियो की याद आई। उसी वक्त वह बाथरूम से बाहर निकल आया। एक बार फिर वह खामोशी के साथ चलता हुआ सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।

गैरेज के दरवाजे पर पहुंचते हुए उसने हैन्डिल पकड़कर घुमाया। उसने दरवाजे को लॉक्ड और चाबी को गायब पाया।

इसका मतलब यह था कि हर तरफ से उसका सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया गया था और वह खतरनाक आदमी के साथ अपने फिशिंग लॉज में अकेला रह गया था। वह कोई बाहरी मदद हासिल नहीं कर सकता था।

किसी तरह अपनी बढ़ती हुई घबराहट पर काबू पाते हुए, वह खामोशी के साथ चलता हुआ वापिस लिविंग रूम के अन्दर पहुंच गया। उसने स्कॉच का एक लार्ज पैग बनाया और उसे नोट पी गया। फिर उसने दोबारा गिलास भर लिया और एक लाउजिंग चेयर में बैठ गया।

कोई विषय परिस्थिति उसके सम्मुख उत्पन्न हो गई थी उसने सोचा... अब उसे यह विश्वास हो गया था कि ऊपर अतिरिक्त बेडरूम में मौजूद आदमी वास्तव में खतरनाक था। यह भी मुमकिन हो सकता था कि वह पागल था। उसके पास एक गन थी। गन के अलावा वह खौफनाक अन्दाज में मजबूत और तातकवर था।

मैरी ने गिलास खाली कर दिया और उसे सावधानीपूर्वक टेबिल पर रख दिया... इतनी सावधानी के साथ गिलास कमरे के फर्श पर गिर कर टूट गया।

उसने आंखें बन्द कर लीं।

मैरी ने सोचा कि वह बुरी तरह मुसीबत में फंस गया था। उसने दस घन्टे से खाना नहीं खाया था। जब से वह हवाई जहाज पर सवार हुआ था... तभी से वह शराब पी रहा था।

उसने अपनी लम्बी टांगों को फैला दिया और अपने आपको आरामदेह हालत में कर लिया।

यह कोई भयानक स्थिति थी। क्या यह स्थिति एक फिल्म स्क्रिप्ट में परिणति हो सकती, जैसी सिलास एस हार्ट मांग कर रहा था... ब्लड, सैक्स एन्ड एक्शन?

"इसकी कौन परवाह करता है?" वह बुदबुदाया—"एक गनवाले आदमी की कौन परवाह करता है? साली किसी भी चीज

की कौन परवाह करता है?"

नशे की हालत में घूमता हुआ, मैरी वेस्टन मूसलाधार बारिश और तेज हवा में पेड़ों से टकराने की आवाजों को सुनता हुआ नींद के आगोश में चला गया। दीन-दुनिया से बेखबर होकर वह सो गया।

❑❑❑

❑❑❑

शेरिफ रोस अपनी डेस्क पर बैठा हुआ टेलीफोन कार्ल जेनर की आवाज सुन रहा था। उस वक्त सुबह के तीन बजे थे। रोस थकान महसूस कर रहा था। एक एम्बूलेंस से वह वापिस अपने ऑफिस में आ गया था, जिसके जरिये भयानक रूप से हत्या की गई चार व्यक्तियों की लाशों को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल में पहुंचाया गया था। वह डॉक्टर औलीरी के बराबर में सीट कर बैठकर आया था, जो जैक सोनविली का मैडिकल एक्जामीनर था और छोटे कद का मोटा आदमी था, जिसकी उम्र पचास साल थी।

एम्बूलेंस ड्राइवर ने रोस को उसके ऑफिस के बाहर उतार दिया था। औलीरी का शुक्रिया अदा करने के बाद रोस अपने ऑफिस के अन्दर दाखिल हो गया था।

जब उसने अपना भीगा हुआ कोट और हैट उतारा... तभी उसकी पत्नी ऑफिस में आ गई। अपनी पत्नी को बताया कि वहां पर क्या हो गया था।

"यह एक भयानक दुर्घटना है।" उसने अपनी डेस्क की तरफ बढ़ते हुए और कुर्सी पर बैठते हुए कहा—"मुझे इस दुःखद दुर्घटना के बारे में टॉम की मां को और उसके दोस्तों को बताना होगा, जो पन्द्रह साल तक उसके दोस्त रहे थे।"

"तुम यह काम कल करोगे। बेचारी बूढ़ी औरत की रात को सो लेने दो। उसके दोस्तों को भी सुबह बता देना।" मेरी ने कहा—"अब तुम इस बारे में चिंता मत करो। मैं उसकी मां को बता दूंगी। मैंने तुम्हारे लिए कॉफी तैयार कर रखी है। कुछ देर तक तुम सो क्यों नहीं लेते हो?"

"मैं जेनर से बात करना चाहता हूं।" रोस ने टेलीफोन की तरफ हाथ बढ़ाते हुए कहा—"मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या हो रहा है? स्टेट पुलिस ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता है कि मैं पलंग पर जाकर सो

सकता हूं।"

"जेफ! तुम्हें अब इस खौफनाक मामले में कुछ नहीं करना है।" मैरी ने नम्रतापूर्वक कहा—"अब यह मामला अच्छे हाथों में पहुंच गया है। तुम पलंग पर चलो और आराम करो।"

परन्तु रोस पलंग पर जाने से पहले ही जेनर से फोन पर बातें करने लगा था।

"यस! मगर कुछ मददगार साबित नहीं हो रहा है।" जेनर ने उसे बताया—"मेसन की कार हाइवे के फार्म से तकरीबन पच्चीस मील की दूरी पर सड़क से नीचे एक गड्ढे में पड़ी पायी गई थी। जैकलिन सोचता है कि कातिल ने सड़क पर गुजरने वाले किसी मोटर वाले को रोक लिया होगा और अपने आपको एक हाइवे पैट्रोल ऑफिसर दर्शाते हुए लिफ्ट ले ली होगी। अब जैकलिन इस मामले की जांच-पड़ताल करने का इंचार्ज है। कातिल के बारे में रेडियो पर चेतावनी प्रसारित कर दी गई है। किसी भी ऐसे मोटर वाले से पुलिस हैड-क्वार्टर से सम्पर्क स्थापित करने के लिए कहा गया है, जिसने एक पैट्रोल ऑफिसर को अपनी मोटर में लिफ्ट दी है। अभी तक इस बारे में कुछ नहीं हुआ है। जैकलिन सोचता है कि अब कातिल मियामी में होगा।"

"यह हत्याकांड मेरे क्षेत्र में हुआ है।" रोस गुर्राया—"जैकलिन यह कैसे जानता है कि कातिल मियामी की तरफ जा रहा है? वह वापिस भी लौट सकता है। नदी के किनारे पर बहुत से फिशिंग लॉज बने हुए हैं। उनमें से ज्यादातर बन्द रहते हैं। वह उनमें से किसी एक में छुपा हो सकता है। मेरे क्षेत्र में वह किसी जगह पर छुपा होगा। जब यह साली बारिश बन्द हो जायेगी तब मैं चैक करने के लिए जाऊंगा। यदि मैं उसे तलाश कर लूंगा...अगर यह आखिरी काम है, जिसे मैं करता हूं...तो मैं उससे टॉम और अपने दोस्तों के कत्ल का बदला लूंगा।"

"मैं तुम्हें ऐसा करने से नहीं रोक सकता।" जेनर ने कहा—"वह आदमी मियामी की तरफ दौड़ रहा होगा। जहां पर यह गायब हो सकता है, लेकिन ओ०के०, मान लो वह दोबारा वापिस लौट गया है? तुम बाहरी छुपने की जगहों को चैक करना शुरू करोगे, और तुम अपने सिर में एक गोली को समाते हुए महसूस करोगे। वह आदमी क्रूर और हथियारबन्द है। कल को उस जगह से बीस

मील के इलाके में भारी तलाश की जायेगी, जिस जगह पर मेसन की कार पायी गई थी। जैकलिन ने नेशनल गार्ड को कॉल की है। तुम अपने आपको इस मामले से बाहर रखो, जेफ!"

"नेशनल गार्ड इस जगह को इतनी अच्छी तरह नहीं जानते हैं, जितनी अच्छी तरह मैं जानता हूं।" रोस ने कहा।

"मैं जैकलिन से कहूंगा कि वह इस मामले में तुमसे सलाह-मशविरा कर अब, भगवान के लिए तुम किसी हीरो की तरह एक्टिंग करना शुरू मत करो, जेफ! तुम्हें दूसरे सहायक की जरूरत पड़ेगी। सार्जेंट हैंक होलिस की पदोन्नति निश्चित है। वह एक अच्छा आदमी है। तुम्हारे साथ वह बिल्कुल ठीक रहेगा?"

"अवश्य! मैं हैंक को जानता हूं। वह एक अच्छा आदमी है।"

"ठीक। कल सुबह वह तुम्हें अपनी ड्यूटी की ज्वाइनिंग रिपोर्ट देगा। अब तुम पलंग पर जाओ और सो जाओ। यदि यह बारिश लगातार होती रहती है...और जैसी की भविष्यवाणी की गई है कि अगले चौबीस घंटों तक इसी तरह लगातार बारिश होती रहेगी...तो कल का दिन एक बेहद सख्त दिन होने जा रहा है।"

"इसी कत्ल के दौरान वह कातिल गायब हो जायेगा।"

"मगर लम्बे वक्त के लिए नहीं जेफ! गुड नाइट।" और इतना कहने के साथ जेनर ने अपनी ओर से फोन पर सम्बन्धविच्छेद कर दिया।

रोस ने भी रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

❑❑❑

❑❑❑

रविवार की सुबह को दस बजकर पन्द्रह मिनट पर एक पुलिस कार शेरिफ रोस के ऑफिस के बाहर आकर रुकी।

कैप्टिन फ्रेड जैकलिन ने अपने लम्बे-चौड़े जिस्म को कार से बाहर निकाला, कार का दरवाजा बन्द किया और बारिश से बचने के लिए ऑफिस के दरवाजे की तरफ दौड़ पड़ा।

आज बारिश पिछले दिन से भारी थी।

अगले ही पल वह ऑफिस के अन्दर दाखिल हो गया।

उसने ऑफिस में शेरिफ रोस और हैंक होलिस को एक बड़े पैमाने के नक्शे के ऊपर झुके हुए पाया जो रोस की डेस्क पर फैला हुआ था।

"ही, जेफ!" जैकलिन ने उसकी तरफ बढ़ते हुए कहा—"ऐसा दिखाई पड़ता है कि जैसे यह बारिश लगातार होने जा रही है।"

दोनों आदमियों ने हाथ मिलाये, और जैकलिन ने होलिस की तरफ सिर हिलाया।

"ऐसा ही दिखाई पड़ता है, कैप्टन।" रोस ने कहा—"क्या खबर है?"

"अगर तुम्हारा मतलब यह है कि क्या हमने उस कातिल को तलाश कर लिया है तो मेरा जवाब है...नहीं।" जैकलिन ने कहा—"अब तक वह कहीं भी हो सकता है इस बारिश में हम केवल चेतावनी प्रसारित कर सकते हैं। रोड ब्लॉक का इन्तजाम कर दिया गया है, मगर इस काम में काफी वक्त लगा था और इसी वक्त के दौरान वह बाहर निकल गया था। किसी भी मोटर वाले ने उसे लिफ्ट देने की रिपोर्ट नहीं की है, वास्तव में हम अपनी रेडियो वार्निंग से कुछ हासिल नहीं कर रहे हैं। उसने किसी मोटर वाले को रोका होगा, जबकि वह पैट्रोल ऑफिसर की यूनीफार्म में होगा, उसे जान से मार डाला गया होगा और मरने वाले की कार ले उड़ा होगा। वह आदमी किसी तरह नहीं रुकेगा। मैंने नेशनल गार्ड को उसकी तलाश में लगा दिया गया है। वे अपने ट्रकों में बैठे हुए हैं और बारिश के रुकने का इन्तजार कर रहे हैं। तो ठीक अब हम कहीं नहीं पहुंच रहे हैं।"

रोस अपनी डेस्क के पीछे पहुंचा और कुर्सी पर बैठ गया। वह पीला और थका हुआ दिखाई पड़ रहा था।

"यह मेरे इलाके का नक्शा है।" उसने अपनी डेस्क पर फैले हुए नक्शे को टकटकाते हुए कहा—"तुम जो कुछ कहते हो, उसने तुम्हारी समझदारी जाहिर होती है, लेकिन पिछली रात हाइवे पर बहुत थोड़े से मोटर वाले सफर में थे। मेरा ख्याल है कि जब लोगन की कार सड़क से फिसल कर नीचे एक गड्ढे में गिर गई थी तो वह कार से बाहर निकल कर पैदल ही जंगल की तरफ चला गया था। मैं सोचता हूं कि वह अभी भी मेरे इलाके में होगा।"

जैकलिन ने सिर हिलाया।

"यह एक सम्भावना है...लेकिन उसे यह जान लेना चाहिये कि अब सड़कें सीलबन्द कर दी गई हैं, और अगर वह एक बार जंगल के अन्दर पहुंच गया है तो उसे बाहर निकलने का मौका नहीं मिलेगा। नहीं जेफ! मैं अभी भी यह सोचता हूं कि उसने एक कार

को हाई जेक किया था और ड्राइवर को जान से मार दिया था। अब वह उसी कार के जरिये मियामी की तरफ बढ़ रहा है, जहां पर यह गायब हो सकता है।"

"इस इलाके को मैं अपने हाथ की पुश्त की तरह जानता हूं।" रोस ने नक्शा थपथपाया—"वहां पर दर्जनों ऐसी जगहें हैं...जहां पर वह आदमी छिप सकता है, मगर वे जगहें...जिन्हें मैं बहुत पसन्द करता हूं...नदी के किनारे बने हुए फिशिंग लॉज हैं।" उसने नक्शे की तरफ इशारा किया—"वे वहां से कम-से-कम दस मील की दूरी पर हैं...जहां पर उसने टॉक की कार गड्ढे में गिरा दी थी जंगल में पगडन्डियां हैं, जो नदी तक जाती हैं। अब वे फिशिंग लॉज खाली हैं। न्यूयार्क और मियामी से आने वाले दौलतमन्द लोगों के जरिये वे सिर्फ वक्त-वक्त पर इस्तेमाल किये जाते हैं। अगर वह आदमी उनमें से किसी एक जगह को तलाश कर लेता है तो उसे घूमने में कोई परेशानी नहीं होगी। मैं जानता हूं कि फिशिंग लॉज के मालिक अपने फ्रेजरों में बहुत-सी खाने की चीजें छोड़ जाते हैं...। उनमें से किसी एक लॉज में वह दो या तीन हफ्ते तक छुपा रह सकता है और भूखा नहीं मर सकता है। जबकि तुम्हारे आदमी उसे इधर-उधर तलाश करते फिरते हैं। वे फिशिंग लॉज चैक किये जाने चाहियें।"

जैकलिन बड़बड़ाया। वह उसकी बात से सहमत नहीं था।

"यह एक ख्याल है तुम क्या सुझाव देते हो?"

"मैं उन्हें चैक करने जा रहा हूं।" रोस ने कहा—"जैसे ही बारिश कम होती है, हैंक और मैं वहां जा रहे हैं।"

"अब यह बकवास बन्द करो।" जैकलिन ने तेजी से कहा—"तुम दोनों अपने सिर धड़ से अलग करा लोगे...वह आदमी पहले ही छः बेगुनाह इन्सानों का कत्ल कर चुका है...और उसके पास मेसन की गन है। तुम अपने आपको इस मामले से बाहर रखो जेफ!"

"यह मेरा इलाका है।" रोस ने शान्त स्वर में कहा—"अगर वह जंगल में किसी जगह पर या किसी फिशिंग लॉज पर हुआ है तो मैं उसे तलाश कर लूंगा।"

जैकलिन ने कन्धे सिकोड़े, फिर मुस्कुराया।

"तुम पैदाइशी पुराने बेवकूफ हो जेफ। ओ०के०। मैं तुम्हारे

पास चार नेशनल गार्ड भेज दूंगा। मैं चाहता हूं कि तुम उन्हें अपने साथ ले जाओ।" इतना कहने के साथ ही वह उठकर खड़ा हो गया और फिर आगे बोला–

"यह बारिश अगले छः-सात घन्टों में बन्द होगी। मुझे जेनर के पास वापिस जाना है। मैं अभी भी सोचता हूं, अब तक वह मियामी पहुंच चुका है...लेकिन यदि वह अभी तक यही कहीं आस-पास है तो उसे तलाश करने के लिए तुम्हें मदद की जरूरत है।"

उसने रोस से हाथ मिलाया और दौड़कर ऑफिस से बाहर निकल गया।

अगले ही पल वह अपनी कार में जाकर बैठ गया।

कार आगे बढ़कर मुड़ गई और वापिस सड़क पर दौड़ गई।

रोस गुर्राया।

"नेशनल गार्ड! वे क्या अच्छे हैं...साले रायफलों के साथ बच्चे हैं।"

"यस! वे रास्ते में आ सकते हैं।" होलिस ने कहा–"उनके बगैर हम अपना काम कर सकते हैं।"

रोस ने सिर हिलाया।

"मैं इसी वक्त जंगल में जाना चाहता हूं।"

"फिक्र मत करो। मैं तुम्हारे साथ हूं शेरिफ।"

"ओ०के०। हम पूरे दिन बाहर रह सकते हैं। मैरी टॉम की मां के पास है। मैं उसके लिए सन्देश छोड़ दूंगा।" रोस गन रैक के पास गया, उसे अनलॉक किया और उसमें से दो रायफलें निकाल लीं। फिर वह अपनी डेस्क के पास आया और उसने एम्यूनेशन का एक बाक्स पाया। रायफल होलिस की तरफ बढ़ाते हुए उसने कहा–"तुम अपनी रायफल लोड करो, हैंक! मैं मैरी के लिए एक सन्देश लिखूंगा।" और वह अपनी डेस्क पर बैठ गया।

उसने एक कागज पर मैरी को सन्देश लिखा, फिर वह किचिन में चला गया और उसने चार भारी .. सैन्डविच काटे...जिन्हें उसने एक प्लास्टिक बैग में रख लिया। प्लास्टिक बैग हाथ में लिए हुए वह अपने ऑफिस में वापिस लौट आया। उसने होलिस को पूरी तरह तैयार खड़े हुए इन्तजार करते पाया।

"मैं जेनर का कॉल करूंगा।" रोस ने कहा–"मैं यह नहीं चाहता कि मेरे यहां से चले जाने के बाद वह मुझसे फोन पर सम्पर्क

स्थापित करने का प्रयास करे और कोई उत्तर न पाये।" रिसीवर उठाते हुए उसने डायल किया।

जब जेनर लाइन पर आया, तो रोस ने कहा–"यह जेफ है। मैं ऑफिस बन्द कर रहा हूं, कार्ल... । मैं फिशिंग लॉजों पर एक नजर डालने के लिए वहां जा रहा हूं। मुझे वहां पर दिन भर रहना पड़ सकता है।"

"तुम पागल हो?" जेनर गुर्राया–"तुम नदी तक कभी नहीं पहुंच पाओगे। किसी तरह, मैं... ।"

"यह लाइन खौफनाक है।" रोस ने कहा–"मैं इस बारे में सिर्फ तुम्हें बताना चाहता था।" और उसने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

रोस का इशारा पाकर होलिस ऑफिस से बाहर पैट्रोल कार की तरफ दौड़ गया और स्टेयरिंग व्हील के नीचे सरक गया। ऑफिस का दरवाजा लॉक करने के लिए रोस काफी लम्बे पल तक वहां पर रुक गया, फिर वह उसके पास पहुंच गया।

"हमें चलना चाहिये।"

"ओ०के०।"

इतना कहने के साथ होलिस ने कार का इन्जन स्टार्ट कर दिया। अगले ही पल उसने कार को आगे बढ़ा दिया।

होलिस रॉक सोनविली की मेन स्ट्रीट पर सावधानीपूर्वक कार ड्राइव करता हुआ हाइवे की तरफ बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी वेस्टन ऐसे भारी नींद से जाग गया कि जैसे कोई आदमी काफी कोशिश करता हुआ रेत के टीले से बाहर निकल आता है। उसने बड़े बैडरूम में चारों तरफ देखा। फिर उसने आंखें बन्द कर लीं और बड़बड़ाया।

कमरे की खिड़कियों से टकराने वाली बारिश की बौछारों की आवाज से वह वाकिफ हो गया और फिर बड़बड़ाया।

इससे पहले कि उसके दिमाग ने काम करना शुरू किया, कुछ मिनटों तक वह उसी तरह लेटा रहा।

तब उसकी आंखों में सामने अकस्मात् ही एक ताकतवर आदमी की तस्वीर घूम गई, जिसकी बाई भुजा पर कोबरा सांप के

लीले का निशान था।

जिम ब्राउन!

उसका ख्याल दिमाग में आते ही वह एकदम उठकर बैठ गया।

अगले ही पल वह पलंग से नीचे उतर गया।

उसने एक नजर अपनी स्ट्रेप वॉच पर डाली।

उस वक्त ग्यारह बजकर बीस मिनट हुए थे।

क्या वह आदमी वहां से चला गया था?

मैरी ने सोचा... उसको ऊपर जाकर देखना चाहिये।

और फिर कुछ देर बाद ही वह ऊपर पहुंच गया।

कमरे के दरवाजे के पास पहुंचकर वह गया।

दरवाजा खुला हुआ था।

अभी वह कमरे के अन्दर जाने के लिए सोच ही रहा था कि तभी अचानक उसके कानों में रेडियो ट्रांजिस्टर की आवाज पड़ी।

रेडियो पर पुलिस का सन्देश प्रसारित किया जा रहा था।

अनाउन्सर ने कहा—"मौसम का हाल बताने से पहले हम एक बार पुलिस का मैसेज पढ़ रहे हैं। चेट लोगन, वह आदमी, जिसने पिछली रात क्रूरतापूर्ण ढंग से छः व्यक्तियों की हत्या कर दी थी, अभी तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका, है। पुलिस सरगर्मी से उसको तलाश कर रही है, यह यकीन किया जाता है कि वह एक पैट्रोल ऑफिसर की वर्दी पहने हुए है, उसने एक मोटर वाले को रोका था और उससे लिफ्ट लेकर अब वह दक्षिण दिशा की ओर बढ़ रहा है। हालांकि यह सन्देश रात भर रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित किया जाता रहा है, मगर अभी तक पुलिस को उसके बारे में किसी मोटर वाले की ओर से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। यह भय व्यक्त किया जाता है कि मोटर वाला उसके जरिये मार डाला गया होगा और अब चेट लोगन मरने वाले की कार को इस्तेमाल कर रहा है। तुमसे उस आदमी को तलाश करने के लिए कहा जाता है। उसका हुलिया इस प्रकार है—उम्र तकरीबन चौबीस साल, तन्दुरुस्त और ताकतवर जिस्म, सिर के लाल बाल। उसकी बायीं बांह पर कोबरा सांप के लीले का निशान है यदि तुम इस हुलिये से मिलते-जुलते किसी आदमी को देखते हो तो तुरन्त फ्लोरिडा स्टेट पुलिस को टेलीफोन करो और उसके बारे में सूचना दो। उस आदमी को पकड़ने की कोशिश-मत करो। वह हथियारबन्द है और बहुत

खतरनाक है। जैक सोनविली और मियामी के बीच में पुलिस ने रोड ब्लॉक कर दी है। नेशनल गार्ड स्टेट पुलिस को सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उस आदमी को पकड़ने के लिए हर मुमकिन कोशिश की जा रही है। यह चेतावनी हर एक घंटे के बाद प्रसारित की जायेगी।"

पुलिस की इस चेतावनी को सुनकर मैरी वेस्टन बुरी तरह चौंक पड़ा।

एक पल के लिए वह घबरा गया।

मगर दूसरे ही पल वह सम्भल गया।

सम्भलते ही वह खुले दरवाजे से कमरे के अन्दर दाखिल हो गया।

उसको देखते ही ब्राउन ने ट्रांजिस्टर बन्द कर दिया और एक तरफ रख दिया।

मैरी वेस्टन को यह समझते देर नहीं लगी कि जिम ब्राउन ने पुलिस की चेतावनी को ध्यानपूर्वक सुना था।

अब मैरी को इस बात का पूरा यकीन हो गया था कि उस आदमी ने अपना नाम गलत बताया था। वह जिम ब्राउन नहीं... बल्कि चेट लोगन था।

फरार कातिल... चेट लोगन!

चेट लोगन ने अपनी बायीं बांह पर गुंदे हुए कोबरा सांप के लीले के निशान को बड़े गौर से देखा, फिर उसने मैरी की तरफ देखा।

उस वक्त वह सोफे पर बैठा हुआ था।

मैरी उसके सामने खामोश खड़ा था और उसकी तरफ घूरकर देख रहा था।

एक लम्बे पल तक कमरे में खामोशी छाई रही। मैरी ने अपने शरीर में भय की शीत लहर दौड़ती हुई-सी महसूस की। रेडियो अनाउन्सर के शब्द उसके कानों में गूंज रहे थे।

"वह आदमी, जिसने पिछली रात छः व्यक्तियों की क्रूरतापूर्ण ढंग से हत्या कर दी थी... उसकी पकड़ने की कोई नहीं की जानी चाहिए, वह हथियारबन्द है और बहुत खतरनाक है।"

मैरी ने महसूस किया कि उसका मुंह खुश्क हो गया था और उसके हाथ कंपकंपाने लगे थे, लेकिन उसने अपने आपको सामान्यतया संयत दर्शाने के लिए आश्चर्यजनक प्रयास किया था।

"चेट लोगन?" उसने अपनी भारी आवाज को सपाट बनाये रखने की कोशिश करते हुए कहा—"वह तुम हो, जिम?"

"और कौन हो सकता है?" ब्राउन के मोटे होंठ एक जहरीली मुस्कान में खुल गये। उसने एक बार फिर अपनी बायीं बांह पर गुंदे हुए कोबरा सांप के लीले को देखते हुए कहा—"तुम कुछ जानते हो? बच्चे बेवकूफी से काम करते हैं... इस लीले के निशान की तरह! वह एक किस्म का निशान है... जिसे पुलिसिये चाहते हैं। बेवकूफ।" उसने लीले को रगड़ते हुए आगे कहा—"जब मैं पन्द्रह साल की उम्र का था, तब मैं बदमाशों के एक गिरोह में शामिल हो गया था। हम अपने आपको कहते थे। गिरोह के सरदार ने हम सबकी बायीं बांहों पर कोबरा सांप के लीले का निशान गूंद दिया था। तभी से मैं अपराधी बन गया था। उसी समय से मैं अपराध करता आ रहा हूं, मगर आज तक मैं कभी पकड़ा नहीं जा सका हूं मैं भागने में बहुत अच्छा हूं। इसीलिए मैं पुलिस की आंखों में धूल झोंककर भाग जाता हूं। इस बार भी मैं साफ बचकर भाग आया था। कोई भी पुलिसिया मुझे कभी पकड़ने नहीं जा रहा है। हो सकता है, अगर मैं बदकिस्मत हूं, वह मुझे मार सकता है, लेकिन वह कभी जेल के सींखचों के पीछे बन्द नहीं कर सकता है।"

अब मैरी उसके बारे में सब कुछ जान गया था।

मैरी ने शराब की फौरन जरूरत महसूस की। वह एकदम घूम गया और फिर, अपने लिए स्कॉच का एक लार्ज पैग बनाया।

उसने ब्राउन को कुछ बड़बड़ाते हुए सुना।

"मैं तुम्हारी बात नहीं सुन सका था, जिम। तुमने क्या कहा?"

ब्राउन ने उसकी तरफ घूरकर देखा, उसके चेहरे का भाव अचानक भयानक हो गया था।

"मैंने कहा था कि तुम अपने आपको साला एक खुशकिस्मत इन्सान समझ सकते हो, क्योंकि तुम मेरे हाथों मरने वाले सातवें आदमी नहीं हो।"

मैरी ने एक लम्बे घूंट में गिलास खाली कर दिया।

"मैं खुशकिस्मत कैसे हूं?" उसने गिलास को दोबारा भरते हुए पूछा।

"पिछली रात मैंने जब तुम्हें मौत के घाट उतारने के बारे में सोचा था...जब तुम शराब के नशे में धुत थे।" ब्राउन ने

कहा—"तब मेरे दिमाग में एक बेहतर ख्याल आया था। मैंने रेडियो सुना था। रेडियो पर प्रसारित होने वाली पुलिस की चेतावनी सुनी थी। नेशनल गार्ड। पुलिस। देखकर वे यहां आएंगे। वे हर जगह का चैक करने जा रहे हैं। इस वजह से मैंने इस बेहतर ख्याल को अपनाया था।" कहते-कहते वह रुककर कुछ सोचकर उसने आगे कहा—"तुम मेरी ढ़ाल बनने जा रहे हो जब यहां पर पुलिसिये आयेंगे तब तुम उन्हें बताओगे कि यहां पर तुम अकेले हो। तुम मुझे महफूज रखोगे।" उसने अपनी उंगली मैरी की दिशा में उठाई—"तुम मुझे उनसे दूर रहने दो, और मैं तुमसे एक बात का वायदा करता हूं।"

मैरी ने इन्तजार किया। वह इससे वाकिफ था कि उसका दिल जोरों से फड़क रहा था।

जब ब्राउन लगातर उसकी ओर घूरकर देखता रहा तब उसने कहा—"तुम मुझसे क्या वायदा चाहते हो?"

उसका आकर्षक चेहरा गुर्राहटभरी मुस्कान में बदल गया।

"हम दोहरी शोक सभा में सम्मिलित होंगे।" ब्राउन ने कहा—"यही मैं तुमसे वायदा करता हूं।"

□□□

□□□

"फुटपाथ ठीक सामने है।" रोस ने कार की खिड़की से बाहर झांकते हुए कहा—"तुम कार यहीं रोक दो।"

होलिस ने कार की रफ्तार कम कर दी फिर उसने कार रोक दी और इन्जन बन्द कर दिया।

"यहां से आगे हम पैदल चलेंगे।" रोस ने कहा उसने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया और जेनर के हैडक्वार्टर से सम्पर्क स्थापित किया—"कार्ल! रोस...।" उसने कहा—"हम इस वक्त मियामी हाइवे प्वाईंट पर हैं। नदी तक पहुंचने के लिए हम फुटपाथ को इस्तेमाल कर रहे हैं।"

"ठहरो।" जेनर ने तेज आवाज में कहा—"तुम इन्तजार करो। जैकलिन ने चार गार्ड भेज दिए हैं और वे आधे घण्टे में तुम्हारे पास पहुंच जायेंगे। मैं नहीं चाहता कि तुम बगैर किसी मदद के जंगल जाओ, जेफ।"

"मुझे पूरी मदद हासिल है, जितनी मुझे जरूरत है।" रोस ने कहा—"मेरे साथ हैंक है। मैं रायफलों के ट्रेगर दबाकर खुश होने

वाले चार बच्चों को नहीं चाहता हूं। जो जंगल में खो जाये। उन्हें मेरी पीठ के पीछे बनाये रखो। ओवर एण्ड आउट।" और उसने रेडियो का स्विच ऑफ कर दिया। उसके बाद उसने हैंक की तरफ मुखातिब होकर कहा–"ओ०के०, हैंक। हमें बारिस में भीगना चाहिये।"

वे दोनों आदमी अपने हाथों में रायफलें लिए हुए कार से बाहर आ गये और बारिश में भीगने लगे। रोस ने सैंडविच प्लास्टिक बैग को रेनकोट की पॉकिट में रख लिया।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी टेलीविजन सैट से दूर बैठा हुआ था। उसके हाथ में स्कॉच से भरा हुआ गिलास मौजूद था, वह धीरे-धीरे स्कॉच पी रहा था।

अभी भी उसके कानों में जिम ब्राउन के शब्द गूंज रहे थे।

"जब लोग मुझ पर दबाव डालते हैं तब मैं किसी कोबरा सांप की तरह पलट कर उन पर वार कर देता हूं। मेरे वार से वे बच नहीं पाते हैं। क्योंकि मेरा वार कभी खाली नहीं जाता है। यह स्वाभाविक है...है न? मैं तुमसे वायदा करता हूं। तुम मुझे पुलिस से दूर रखो और हम दोहरी शोक सभा में सम्मिलित होंगे।"

उस समय मैरी ने ब्राउन के चेहरे पर भयानक भाव उभरते हुए देखे थे, जिस समय उसने ये शब्द कहे थे। उसे यह यकीन हो गया था कि यदि उसने जरा-सी भी कोई गलत हरकत की तो ब्राउन उसको फौरन मौत के घाट उतार देगा और वह उसके बारे में कुछ सोचेगा भी नहीं।

हे भगवान! उसने सोचा–क्या विषम परिस्थिति है!

अन्त में फिल्म समाप्ति पर आ गई और ब्राउन ने टी.वी. सैट का स्विच ऑफ कर दिया।

"बकवास!" उसने कहा–"क्या तुम इसी तरह की बकवास लिखते हो, मैरी?"

"मैं उम्मीद करता हूं नहीं। मैं टेलीविजन के लिए नहीं लिखता हूं।"

"नहीं।" ब्राउन अपनी चेयर में घूम गया और उसने मैरी की तरफ घूरकर देखा–"मेरा ख्याल है कि तुम काफी तेज-तर्रार हो। तुम भारी दौलत कमाते हो।"

"जब मैं तुम्हारी उम्र में था तब तो इससे भी ज्यादा दौलत कमाता था।"

"तुम एक साल में कितनी दौलत कमाते हो?"

"यह प्रत्येक वर्ष की परिस्थिति पर निर्भर करती है। लगभग साठ हजार डॉलर सालाना, लेकिन इस पर टैक्स अदा करना होता है।" मैरी ने बताया। वह इससे कहीं ज्यादा दौलत कमाता था, मगर उस आदमी को यह बताने नहीं जा रहा था कि वह ठीक कितनी दौलत कमाता था।"

"साठ हजार डालर... बहुत अच्छी रकम है। क्या तुम्हारे पास यहां कुछ दौलत है?"

"तकरीबन पांच सौ डॉलर।"

"तुम इससे ज्यादा दौलत हासिल कर सकते हो?"

"हां, रॉकविली बैंक से।"

"यह अच्छी खबर है। मुझे कुछ दौलत की जरूरत पड़ेगी, मैरी। तुम्हारे साथ सब ठीक है?"

मैरी ने जबरन मुस्कान उभारी।

"मेरे साथ सब कुछ ठीक है जिम।"

ब्राउन ने एक बार फिर सिर हिलाया।

"तुम्हारे साथ सब कुछ ठीक रहेगा मैरी। ठीक लाइन के नीचे।"

"ऐसा ही दिखाई पड़ता है।"

"बस...साठ हजार डॉलर। तुम जानते हो मैंने एक आदमी से कितनी बड़ी रकम छीनी थी। दो सौ डॉलर और एक गोल्ड वॉच जो असली गोल्ड नहीं था।"

"इन दिनों लोग सफर में अपने साथ ज्यादा दौलत नहीं ले जाते हैं।"

"यह ठीक है... । लेकिन तुम बैंक से दौलत हासिल कर सकते हो?"

मैरी ने सहमति के भाव में सिर हिलाया।

ब्राउन उठकर खड़ा हो गया और तेजी से चलता हुआ खिड़की के पास पहुंच गया। खिड़की पर पड़े पर्दे को एक तरफ सरकाते हुए उसने बाहर झांककर देखा।

"बारिश रुक गई है। इसका मतलब यह है कि पुलिसिये जल्दी ही यहां आ सकते है।" वह घूमा और मैरी की तरफ घूरकर देखा। उसकी बर्फ की तरह सर्द आंखें तेजी से चमक रही थीं—"तुम जानते हो...तुम्हें क्या कहना है...? जब वे यहां आते हैं।"

"तुम पहले ही मुझे इस बारे में बता चुके हो।" मैरी ने शांत स्वर में कहा—"इस संवाद को फिर दोबारा दोहराने की हमें कोई आवश्यकता नहीं है।"

"तुम चालाकी से काम मत लेना। जिस तरह तुम अभी तक जिन्दा हो, समझे।"

"मैं तुम्हारी आवाज सुनता हूं इसलिए मैं चालाकी से काम नहीं लेता हूं।"

ब्राउन के मोटे होंठ मुस्कान में खुल गये।

"तुम तेज-तर्रार हो। तुम फिल्म स्क्रिप्ट राइटर हो, तुम्हें स्मार्ट होना चाहिये। लिहाजा तुम चालाकी दिखाने की कोशिश मत करना।"

"तो ठीक है, मैं स्मार्ट हूं।" मैरी ने कहा—"एक बात है, जिम! यदि पुलिस यहां आ जाती है और एक हाइवे पैट्रोल ऑफिसर की वर्दी जो मेरे लॉज में रखी हुई है, यदि वे उस वर्दी को पा लेते हैं तो...?" कहता-कहता वह तब रुक गया जब उसने ब्राउन के चेहरे पर गुर्राहटभरी मुस्कान उभरी हुई देखी।

"सुनो स्मार्ट फ्रेन्ड! मैं कभी पकड़ा नहीं जाता हूं। मैंने वर्दी अपने कमरे के अन्दर छुपा दी है।" ब्राउन ने कहा—"तुम्हें मेरे बारे में चिन्ता नहीं करनी चाहिये। इस वक्त तुम्हें जो कुछ करना है वह सिर्फ यह है कि तुम अपने बारे में चिन्ता करो।"

मैरी ने कन्धे सिकोड़े।

"मेरी कुछ चीजें कार में हैं, कपड़े, टाइप राइटर, बिजनेस पेपर्स। मैं उनको यहां लाना चाहता हूं। तुम्हें कोई परेशानी तो नहीं?"

ब्राउन ने एक लम्बे पल तक सोचा फिर उसने सिर हिलाया उसने पॉकिट से गैरेज के दरवाजे पर लगे ताले की चाबी निकाली।

"आगे जाओ! कार को खाली करो। कोई चालाकी नहीं। मैं तुम्हें कुछ बता देना चाहता हूं। मैं निशाना लगाने में बहुत अच्छा हूं।" उसने होलस्टर में मौजूद गन उसके हाथ में चमकी—"एक गन के साथ मैं बहुत अच्छा हूं, वहां जाओ ठीक?"

❑❑❑
❑❑❑

होलिस ने रोस को आगे बढ़ने के लिए उसकी तरफ अपने हाथ को सिगनल की तरह उठाया। उसका इशारा पाकर रोस रुक गया। दोनों आदमी एक साथ टपकते पेड़ों के नीचे आ गये। पेड़ों से बारिश की बूंदें टपक रही थीं, जो उन्हें भिगो रही थीं।

"कोई वेस्टन के लॉज में है।" होलिस फुसफुसाया—"एक आदमी अभी-अभी गैरेज से बाहर आया है। यहां पर एक कार है।"

फिशिंग लॉज से तकरीबन पन्द्रह गज के फासले पर खड़े थे, रोस आगे बढ़ा और बारिश में झांककर देखा। उसने मैरी वेस्टन को देखते ही पहचान लिया। जबकि वह एक कार से सामान निकाल रहा था।

अपने बराबर में खड़े हुए होलिस से उसने कहा—

"वह मिस्टर वेस्टन है।"

"तुम्हारे कहने का मतलब यह है कि वह इस जगह का मालिक है?"

"वही मालिक है।"

एक लम्बे पल तक उन्होंने मैरी को दो सूटकेस ले जाते हुए देखा फिर वह उनकी नजरों से ओझल हो गया।

रोस होलिस के साथ पेड़ों के नीचे से बाहर को निकल आया।

ब्राउन ने खिड़की से बाहर झांककर देखते हुए उन दोनों की वर्दी से उन्हें पहचान लिया।

मैरी लिविंग रूम के अन्दर आया और उसने सूटकेस फर्श पर रख दिये।

"मुझे अपना टाइप-राइटर भी वहां से लाना है।" उसने कहा।

"तसल्ली से बात करो बस्टर!" ब्राउन ने धीमे स्वर में कहा—"वे यहां हैं। साले दो पुलिसिये। तुम जानते हो...तुम्हें क्या करना हैं। तुम्हारी तरफ से एक गलत हरकत होती है...और तुम मर जाते हो। वहां जाओ और अपना टाइप-राइटर ले आओ।"

मैरी ने उसकी तरफ हैरतभरी नजरों से देखा।

"वे यहां हैं?" उसने आश्चर्यपूर्ण स्वर में पूछा—"तुम्हारे कहने का क्या मतलब है?"

"चलते-फिरते नजर आओ...वरना वहां बाहर एक फायर

होगा...और पहले मरने वाले तुम होंगे...क्या समझे? जाओ...।"

ब्राउन की आवाज में पशीदा धमकी मैरी के लिए बर्फीली हवा के एक झोंके के मानिन्द थी। एक लम्बे पल तक वह सकते की-सी हालत में खड़ा रहा। ब्राउन ने उसे एक धमकी दी, फिर वह सीढ़ियों पर दौड़ गया।

"मैं तुम्हें देख रहा हूं, बस्टर।" उसने बुलन्द आवाज में पुकारा—"एक गलत हरकत...और तुम्हारी मौत।"

अपने आपको सम्भालता हुआ मैरी वापिस गैरेज की तरफ चल दिया।

❑❑❑

❑❑❑

शेरिफ रोस और डिप्टी शेरिफ होलिस ठीक उसके पीछे खड़े थे, उन्होंने मैरी को गैरेज में वापिस आते हुए देखा।

"मैं उससे बात करने के लिए वहां जाऊंगा।" रोस ने कहा—"तुम अपने आपको उसकी नजरों से ओझल रखना। हमें यह काम आसानी से करना चाहिये।"

"तुम्हें मैं कवर करूंगा शेरिफ!" होलिस ने कहा—"तुम तसल्ली से काम लो। लोगन वहां पर हो सकता है।"

रोस धीरे-धीरे चलता हुआ रोशन गैरेज की तरफ बढ़ा। उसकी रायफल अलर्ट थी। वह गैरेज के दरवाजे पर पहुंच गया, तभी मैरी ने कार के बूट से टाइप-राइटर निकाला।

"ही देयर, मिस्टर वेस्टन।" रोस ने कहा।

उसकी आवाज सुनकर मैरी चौंका। उस वक्त वह शेरिफ से मिलने की उम्मीद कर सकता था। उसने टाइप-राइटर नीचे रख दिया और मुस्कुराया।

"व्हाई हैलो जेफ।" वह आगे बढ़कर आया—"तुम इस खराब मौसम में यहां क्या कर रहे हो?"

दोनों आदमियों ने हाथ मिलाया।

"मैं भी तुमसे ठीक यही पूछ सकता हूं मिस्टर वेस्टन।" रोस ने उत्सुकता से कहा—"तुम्हें खराब वक्त पर यहां नहीं आना चाहिये।"

"मेरा ख्याल है तुम ठीक कहते हो। मैं एक फिल्म स्क्रिप्ट लिख रहा हूं और मैंने सोचा था कि मैं बड़े शहर से बाहर निकलकर

यहां एकान्त स्थान पर अच्छी तरह लिख सकूंगा। मुझे इस मुसीबत में पड़ने की उम्मीद नहीं थी।"

"क्या तुम अभी यहां पहुंचे हो मिस्टर वेस्टन?"

"मैं यहां पिछली रात आया था। यहां तक आने वाली सड़क बेहद खराब है। मेरा ख्याल है कि मैं खुशकिस्मत था जो यहां सही सलामत पहुंच गया था।"

"क्या तुम इस वक्त अकेले हो मिस्टर वेस्टन?"

"यह ठीक है।"

"तुम्हारा लॉज ठीक है?"

"रुको।" मैरी ने होठों पर जबरन मुस्कान उभारते हुए कहा—"मेरी के लिए एक करोड़ बार शुक्रिया अदा करता हूं। जगह बहुत अच्छी है।"

रोस घूमा और होलिस की तरफ इशारा किया जो आगे बढ़कर आया।

"यह मिस्टर वेस्टन मेरा नया सहायक है, हैंक होलिस।"

"तुम्हारे बारे में जानकर मैं खुश हूं, होलिस।" मैरी ने उससे हाथ मिलाते हुए कहा—"रायफल्स, सही तुम दोनों बाहर शिकार नहीं खेल सकते।"

"हम अब यही काम कर रहे हैं।" रोस ने शान्त स्वर में कहा।

"अच्छा, तुम क्या जानते हो?" मैरी अपने स्वर को संयत बनाये रखने का प्रयास करते हुए कहा—"अन्दर आओ। तुम कॉफी पीना या कुछ खाना पसन्द करोगे?"

रोस और होलिस ने एक-दूसरे की तरफ देखा।

दोनों की नजरों से नजरें मिलीं।

आंखों ही आंखों में इशारे हुए।

और फिर रोस ने सहमति के भाव में सिर हिलाया।

"थैंक्स मिस्टर वेस्टन। हम अवश्य कुछ कॉफी प्रयोग कर सकते हैं।"

मैरी उन दोनों को अपने साथ लॉज में अन्दर ले गया।

उसने उन्हें लिविंग रूम में बैठाकर कॉफी तैयार की।

उन्हें गर्म कॉफी के मग देते हुए मैरी ने उनके सामने सोफे पर बैठकर कहा—"तुमने मुझे यह नहीं बताया था कि तुम दोनों इस साली बारिश में यहां जंगल में क्या कर रहे हो?"

"वैल मिस्टर वेस्टन! हम एक कातिल को तलाश कर रहे हैं।" रोस ने कहा—"मेरे दिमाग में यह ख्याल आया था कि वह किसी फिशिंग लॉज में छुपा हो सकता है। हमने उन्हें चैक कर लिया है। लिहाजा मेरा ख्याल गलत था।"

"एक कातिल! तुम्हारा लोगन नामक व्यक्ति से तो नहीं है। मैंने उसके बारे में रेडियो पर पुलिस की वार्निंग सुनी थी।"

"वही आदमी कातिल है।" इतना कहकर रोस रुक गया। फिर उसने पूछा—"क्या तुम जडलोस को याद करोगे मिस्टर?"

मैरी ने अकस्मात् ही अपने पेट में दर्द-सा महसूस किया।

"जडलोस? क्यों अवश्य। उसका और रेन्ज फार्म है। जब वह गांव में रहता था हम दोनों अक्सर एक साथ ड्रिन्क करते थे। वह बहुत अच्छा आदमी है। उसके बारे में क्या है?"

"कभी तुम उसकी पत्नी से मिले थे... उसकी लड़की से?"

"नहीं कह सकता कि उसकी पत्नी से मिला था, लेकिन मुझे याद है कि उसकी लड़की... एक बहुत अच्छी बच्ची है। उसके बारे में क्या है?"

"लोगन उसके फार्म पर पहुंचा और उसने उन तीनों को कुल्हाड़ी से काट दिया था। उनकी क्रूरतापूर्ण ढंग से निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी।

"गुड गॉड!" मैरी ने भयभीत दृष्टि से रोस की ओर देखा—"वे मर गये हैं।"

"मेरा डिप्टी... टॉम मेसन उनके फार्म गया था। वह किस्मत थी लोगन ने उसी तरह उसकी भी कुल्हाड़ी से हत्या कर दी।" रोमस ने एक झटके से होलिस की तरफ अँगूठा उठाकर कहा—"उसने मेसन के रिक्त स्थान की पूर्ति की है।"

मैरी के दिमाग में जल्दबाजी का ख्याल चमका क्या उसे उन दोनों आदमियों को यह बता देना चाहिये कि ब्राउन वहां था।

तभी उसके कानों में ब्राउन के शब्द गूंजे।

"हम दोहरी शोक सभा में सम्मिलित होंगे?"

"नहीं।"

"वह बहुत खौफनाक बात है जेफ।" उसने कहा—"क्या तुम सोचते हो कि वह आदमी अभी तक इसी जिले में मौजूद है?"

"वह हो सकता है। स्टेट पुलिस और नेशनल गार्ड उसे तलाश

कर रहे हैं। स्टेट पुलिस सोचती है कि उसने एक मोटर वाले को रोक दिया था और रोड ब्लॉक होने से पहले वह निकल गया था और मियामी में है।"

मैरी ने सिर हिलाया। उसे पूरा यकीन था कि ब्राउन अपने हाथ में गन लिए हुए कहीं छुपा खड़ा था और उनकी बातों को सुन रहा था।

अपनी कॉफी खत्म करते ही रोस उठकर खड़ा हो गया।

उसे उठता हुए देखकर होलिस भी कॉफी का आखिरी घूंट भर उठ गया।

मैरी ने उन दोनों से हाथ मिलाया, और वे उसके लॉज से बाहर निकलकर बारिश में पहुंच गये।

"अच्छा, मेरा ख्याल है कि मैं गलत था।" रोस ने कहा।

"बिल्कुल ठीक, तुम हमेशा सही नहीं रह सकते। मेरा अन्दाजा है कि जैकलिन समझदारी की बात करता है, जब वह सोचता है कि लोगन मियामी में पहुंच गया है, जहां पर वह गायब हो सकता है।"

होलिस ने कुछ नहीं कहा। वह कीचड़ और पानी भरे रास्ते पर रोस के पीछे खामोशी के साथ चलता रहा, लेकिन जब वे टपकने वाले जंगल की पनाह में पहुंचे, तब उसने कहा—

"एक पल के लिए ठहरो शेरिफ।"

रोस रुक गया और घूमा।

"यह क्या है, हैंक?"

"मैं सोचता हूं कि लोगन, वेस्टन के लॉज में हो सकता है और वेस्टन, उसकी गन के डर से उसको छुपा रहा है।"

"यह तुम क्या कह रहे हो?" रोस ने होलिस की तरफ घूरकर देखा—"तुम इस तरह की बात कैसे कह सकते हो?"

"एक सुराग, शेरिफ।" होलिस ने शान्त भाव में कहा—"मुझे एक सुराग मिला है कि लोगन वहां पर है?"

"एक सुराग? तुम्हारे कहने का क्या मतलब है?"

"हो सकता है कि तुम मुझे कुछ बता सकते हो शेरिफ।" होलिस की आवाज सर्द और सख्त थी—"टेलीफोन कनैक्शन वायर दीवार में लगे प्लग में से क्यों निकला हुआ है? जब तुम वेस्टन से बातें कर रहे थे, तब मैं कमरे में चारों तरफ देख रहा था। क्या तुम

सोचते हो कि वेस्टन ने टेलीफोन केबिल को खींचकर अलग निकाल दिया होगा? उसने अपने टेलीफोन को बेकार कर दिया होगा?''

रोस चौंका। अकस्मात् ही उसने अपने आपको बेवकूफ महसूस किया। होलिस ने जो कुछ देखा था, वो उसे भी देखना चाहिये।

''हम वापिस जायेंगे। हम मिस्टर वेस्टन से पूछेंगे... ।''

''आदर के साथ शेरिफ।'' होलिस ने कहा--''हमें ऐसा नहीं करना चाहिये। तुम यह नहीं जानते हो कि मिस्टर वेस्टन की हत्या हो जायें, है न?''

मीलों बारिश के पानी और कीचड़ में चलते रहने की वजह से, रोस ने अपने आपको थका, हारा हुआ महसूस किया, उसने कहने की कोशिश की--''क्या तुम वास्तव में यह सोचते हो कि लोगन वहां छुपा हुआ है?''

''मैं नहीं जानता। यह हो सकता है। वेस्टन का टेलीफोन डिसकनैक्ट क्यों है?''

रोस ने सोचा था।

''तुम यह सोचते हो कि यदि लोगन वहां पर छुपा हुआ है तो वह शूटिंग शुरू कर देगा?''

''उसे ऐसा करने में क्या परेशानी होगी! अगर हम अन्दर जाते हैं, तो सबसे पहले मरने वाला वेस्टन होगा।''

''तुम गलत हो सकते हो, है न? मिस्टर वेस्टन ने कहा था कि वह अकेला था।''

''खुद तुम भी ऐसा कर सकते थे यदि तुम यह जानते थे कि एक गन तुम्हारे ऊपर तनी थी।''

''तब तो बेहतर यही होगा कि हम स्टेट पुलिस को अलर्ट कर दें।'' उसने कुछ सोचकर कहा।

''आदरपूर्वक, शेरिफ।'' होलिस ने शान्त स्वर में कहा--''यह खेल इस तरह नहीं खेला जायेगा! यदि लोगन वहां है तो वेस्टन की जिन्दगी नहीं बच सकेगी। मरने वाला वह पहला होगा।''

रोस ने सोचा, फिर सिर हिलाया।

''तो फिर तुम इस बारे में क्या सुझाव देते हो, हैंक? हमें यह काम कैसे करना चाहिये?''

''हमें इस स्थिति को ठन्डा होने देना चाहिये। यदि लोगन वहां

है, वेस्टन के ऊपर गन ताने हुए है और मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन यदि वह है, तो मैं यह चाहता हूं कि वह यह सोचे कि हम ऐसा नहीं सोचते हैं कि वह वहां पर है... । इस तरह वह राहत महसूस कर सकता है... तब हम हरकत में आ सकते हैं।''

''क्या हरकत हैंक?''

''तुम्हारी इजाजत से, शेरिफ! मैं कल यहां वापिस आना चाहता हूं। जब मैं फौज में था, तब मैंने जासूसी की तरबियत हासिल की थी। मैं जानता हूं कि निगरानी और इन्तजार कैसे किये जाता है। मैं तुम्हारी इजाजत चाहता हूं, शेरिफ! यह काम ठीक इस तरह से करने के लिए... निगरानी और इन्तजार! अगर लोगन वहां पर है और वह यह महसूस करता है कि वहां उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है, तो वह राहत महसूस करेगा और आराम करेगा, और यही वक्त उसे दबोच लेने के लिए ठीक होगा, मान लो, हम ऑफिस में वापिस जाते हैं और इस बारे में बात करते हैं?''

''मैं यह नहीं चाहता, हैंक!'' रोस ने सोचते हुए कहा--''यदि लोगन वहां है, तो मिस्टर वेस्टन खतरे में है। मैं सोचता हूं कि हम वापिस वहां जायें और लॉज की तलाशी लें।''

''अगर हम ऐसा करते हैं, और लोगन वहां है, तो वेस्टन एक मुर्दा आदमी है। हम दोनों भी मर सकते हैं।''

''मेरी तरफदारी करो? इस खेल को मेरे तरीके से खेलो। इस मामले को ठण्डा होने दो। मुझे उसकी निगरानी करने दो।''

रोस ने इन बातों को अपने दिमाग में घुसाया। उसने महसूस किया कि होलिस समझदारी की बात कर रहा था, लेकिन अभी भी उसने सोचा था, टॉम मेसन को याद करते हुए।

रोस ने अपना हाथ होलिस के कन्धे पर रख दिया।

''ठीक है, बेटे!'' उसने कहा--''हम इस काम को तुम्हारे तरीके से करेंगे, लेकिन मुझे जेनर को रिपोर्ट देनी चाहिये।''

होलिस ने सिर हिलाया।

''एक बार फिर आदर के साथ, शेरिफ! हमें इस बारे में किसी को कुछ नहीं बताना चाहिये। मैं कल शाम को यहां वापिस आऊंगा, और मैं उसकी निगरानी करूंगा रेडियो के द्वारा हम आपस में सम्पर्क बनाये रहेंगे। यदि तुम उसके बारे में जेनर को बताते हो, तो वह फौरन हरकत शुरू कर देगा। जबकि हम ठीक अब यह नहीं चाहते

हैं। हम नहीं जानते हैं कि यदि लोगन वहां है, इसलिए किसी को मत बताओ।"

रोस ने मायूसी के अन्दाज में कन्धों को सिकोड़ा।

"ओ०के०।"

इतना कहकर वह घूमा और रास्ते पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया. फिर वह रुक गया।

"मुझे जेनर को कुछ बताना होगा।"

"अवश्य।" होलिस मुस्कुराया–"मैं तुम्हें उसे बताने के लिए यह सुझाव देता हूं कि हमने सभी फिशिंग लॉज चैक कर लिये हैं, और हमने वहां पर लोगन को नहीं पाया है। हमने अभी तक उसे नहीं पाया है...है न...शेरिफ?"

❑❑❑

❑❑❑

अभी भी रोस के शब्द मैरी के कानों में गूंज रहे थे।

"क्या तुम जडलोस को याद करोगे, उसकी पत्नी और पुत्री, लोगन फार्म पर आ पहुंचा था और उन तीनों को एक कुल्हाड़ी से काट दिया था।"

मैरी टयोटा कार के सामने झुक गया। उस वक्त वह अपने आपको बीमार महसूस कर रहा था। अपने दोस्त जड़लोस, उसकी पत्नी और पुत्री की हत्या के दुःखद समाचार को सुनकर उसके दिलो-दिमाग को एक जबरदस्त झटका लगा था।

अपनी जिन्दगी भी वह खतरे में महसूस कर रहा था।

क्योंकि वही क्रूर हत्यारा उसके लॉज में मौजूद था, वह किसी भी वक्त उसे मौत के घाट उतार सकता था।

उसने सोचा–'उसे यहां से निकल जाना चाहिये रोम के पीछे भाग जाना चाहिये। इस मुसीबत से अपना पीछा छुड़ा लेना चाहिये।"

"बहुत अच्छा, मैरी!" अचानक ब्राउन का कठोर स्वर उभरा।

उसकी खौफनाक सख्त आवाज को सुनकर मैरी का दिल जोरों से धड़क उठा। वह चौंकते हुए घूमा।

ब्राउन गन हाथ में लिए दरवाजे में खड़ा था।

"बहुत अच्छा!" ब्राउन ने दोहराया–"अन्दर आओ, मैरी हम दोनों आराम कर सकते हैं, ऊंह! वे पुलिसिये वापिस नहीं आ रहे होंगे। तुमने वास्तव में यह खेल ठण्डेपन से खेला था।" उसने गन

मैरी की तरफ लहराई–"अन्दर आ जाओ।"

गन की धमकी के नीचे, मैरी लड़खड़ाते हुए कदमों से चलता हुआ लिविंग रूम के अन्दर आ गया। उसने ब्राउन को गैरेज का दरवाजा लॉक करते हुए सुना, फिर वह कमरे में आ गया।

"इस काम को बढ़िया तरीके से करने के लिए, पुलिसमैन को हैंडिल करने के लिए, मैरी!" ब्राउन ने कहा–"मैं तुम्हारे लिए शानदार खाना बनाऊंगा। तुम चिकन पसन्द करते हो?"

मैरी कुर्सी पर बैठ गया।

"मैं कुछ नहीं चाहता हूं।"

"क्यों?"

"तुम एक क्रूर हत्यारे हो।" मैरी उबल पड़ा–"तुमने मेरे एक अच्छे मित्र की हत्या कर दी।"

ब्राउन ने कन्धे सिकोड़े।

"मैं यह नहीं जानता था कि वह तुम्हारा दोस्त था, अगर मैं यह जानता तो ऐसा यकीनन कभी न करता।"

उसने देखा कि ब्राउन डिस कनक्टिड टेलीफोन केबिल को घूर रहा था।

"साला यह!" ब्राउन बड़बड़ाया–"मुझे इसे ठीक कर देना चाहिये।" वह घूमा–"उन्होंने इसके बारे में कुछ नहीं कहा था है न? मैं सुन रहा था। हो सकता है कि वे इसे नहीं देख गये थे। पुराना पुलिसिया गैर नुकसान, देह था, मगर उसका साथी सख्त दिखाई पड़ता था।" उसकी आंखें सिकुड़ गईं–"मैं जरा बाहर जाकर देखूंगा। तुम ठीक यहीं बैठे रहना, एक बेवकूफ आदमी मत बन जाना।"

इतना कहने के साथ ही वह तेजी से चलता हुआ कमरे से बाहर निकल गया।

उसके चले जाने के बाद मैरी अपनी जगह से उठकर खड़ा हो गया और तेज कदमों से लीक्वर के बिनेट की तरफ बढ़ गया।

उसके स्कॉच का एक लार्ज पैग बनाया और उसे होठों से लगाया, अगले ही पल उसने पैग खाली कर दिया और वापिस अपनी जगह पर आकर बैठ गया।

मैरी ने एक सिगरेट सुलगाई और सिगरेट के हल्के-हल्के कश खींचता हुआ वह इन्तजार करने लगा।

इन्तजार करते हुए आधा घण्टे से ऊपर वक्त हो गया।

तभी ब्राउन खामोशी के साथ लिविंग रूम के अन्दर दिखाई दिया।

स्कॉच के तीन लार्ज पैग पीने के बाद मैरी आर्म चैयर में घूम रहा था।

ब्राउन ने जैसे ही दरवाजा बन्द किया मैरी चौंकते हुए जाग गया।

"वे चले गये हैं।" ब्राउन ने कहा—"बेवकूफ पुलिसिये। वे टेलीफोन को खराब हालत में देख सके हैं। पुलिसिये...वे ऐसी बातों को नहीं जानते हैं। मैंने उनका पीछा ठीक उनकी कार तक किया था, मगर वे मुझे नहीं देख पाये थे। वे यहां से चले गये हैं।"

मैरी ने भी राहत की सांस ली।

"ओ०के० मैरी! मैं खाना तैयार करूंगा।" ब्राउन ने कहा—"अब तुम भूखे हो?"

मैरी ने महसूस किया कि वह वाकई भूखा था।

"अवश्य।"

"आज रात।" ब्राउन ने कहा—"तुम अपने कमरे के अन्दर बन्द रहोगे। मैं हल्की नींद में सोता हूं मैरी! अगर यहां कोई परेशानी पैदा होगी तो मैं उसे दूर करने की कोशिश करूंगा समझे?"

"अवश्य।" मैरी ने कहा।

सिर हिलाता हुआ ब्राउन किचिन में चला गया।

मैरी ने उसकी सीटी बजने की आवाज सुनी।

❑❑❑

❑❑❑

रोस के अतिरिक्त शयनकक्ष को प्रयोग करते हुए, हैंक होलिस आरामदेह पलंग पर सुबह दस बजे तक सोया। यह जानते हुए कि वह रात भर आराम से सोया होगा, वह उठकर बैठ गया और अगले ही पल पलंग से नीचे उतर गया। शेविंग करने शॉवर लेने और अपनी यूनीफार्म पहनने के बाद वह कमरे से बाहर निकल गया।

कुछ देर बाद ही वह शेरिफ के ऑफिस में पहुंच गया।

उसने रोस को अपनी डेस्क पर बैठे हुए पाया।

"हां शेरिफ!" उसने रोस के करीब पहुंचते हुए कहा—"कोई खबर?"

"तुम अच्छी तरह सोये! मैरी ने तुम्हें खाना खिला दिया था?" रोस ने अपनी चेयर में घूमते हुए पूछा।

"अवश्य? क्या खबर है?"

"नकारात्मक! मैंने फोन पर जेनर और जैकलिस से बात की है। वहां पर लोगन का कोई नामो-निशान नहीं है। मैंने सभी फार्मर्स को कॉल की है। वहां भी कुछ नहीं है। वह मुझे ऐसा लगता है कि जैसे लोगन रोड ब्लॉक करने के इन्तजाम होने से पहले ही निकल गया था।"

"जब तक कि वह वेस्टन के साथ मौजूद नहीं है।"

"यस।" रोस ने अपनी मूंछ खींची—"जैकलिन मुझे बताता है कि अब उसने लागन को तलाश करने के लिए दो सौ हथियारबन्द आदमी लगा दिये हैं। क्यातुम अभी भी सोचते हो कि वह आदमी वेस्टन के साथ वहां छुपा हुआ होगा?"

"जैकलिन ने पिछली रात क्या कहा था, मैं नहीं जानता। यह एक सुराग है। मैं चैक करना चाहता हूं।"

"मैं यह नहीं चाहता कि तुम अकेले इस काम को करें हैंक। मुझे भी तुम्हारे साथ चलना चाहिये।"

"हमें फिर इस मामलें में बहस नहीं करनी चाहिये शेरिफ! यह मेरा काम है। हो सकता है कि इससे नतीजा निकले। मैंने वेस्टन की जगह के करीब एक पेड़ पर चढ़ने बैठने और इन्तजार करने की योजना बनाई है। यह तुम्हारा काम नहीं है। इसे मेरे लिए छोड़ दो। मैं रेडियो पर तुमसे बराबर सम्पर्क बनाये रहूंगा... ।"

एक गहरी सांस के साथ रोस ने सिर हिलाया।

"मेरा ख्याल है तुम ठीक कहते हो। वैल, ओ०के०, यह एक कोशिश करने के काबिल है।" वह उठकर खड़ा हो गया—"मैंने तुम्हारी रायफल चैक कर ली है। मेरी ने कहा था कि व तुम्हारे लिए खाना तैयार रखेगी। इसके अलावा तुम और क्या चाहते हो?"

होलिस ने एक लम्ब पल तक उसकी तरफ देखा फिर उसने कहा—"मैं लोगन को ऐसा सबक सिखाना चाहता हूं, जैसा कि मैंने एक बार वियतनामी खतरनाक कातिल को सिखाया था। यदि मैं लोगन को देख लेता हूं, मैं शूट कर देना चाहता हूं! कैसे खड़ा हो सकता हूं?"

रोम ने परेशानी की हालत में पहलू बदला।

"यह काम गैर-कानूनी होगा हैं।"

"मैं जानता हूं, लेकिन कौन यह साबित करने जा रहा है कि उसने पहले शूट नहीं किया था?"

रोस ने अपनी ठोड़ी को रगड़ा। उसने लोस परिवार के सदस्यों की निमर्म हत्याओं के बारे में सोचा। उसने टॉम मेसन के कत्ल के बारे में सोचा।

"तो वह पहले शूट करता है।" उसने सीधे होलिस की तरफ देखते हुए कहा–"ओ०के०! तुम उसे देखो पहचानो फिर उसे जान से मार डालो। इस मामले में तुम हर तरह से मेरा समर्थन प्राप्त करोगे।"

होलिस मुस्कुराया।

"यही सब कुछ मैं जानना चाहता हूं।" वह रायफल रैक की तरफ बढ़ा–"तब मेरा ख्याल है, अब मैं वहां जाऊंगा। क्या तुम मुझे कार से सड़क के उस मोड़ पर छोड़ दोगे जहां से वेस्टन की जगह तक सड़क जाती है। वहां से आगे मैं पैदल चला जाऊंगा।"

रोस उठकर खड़ा हो गया।

"तब हमें चलना चाहिये।" उसने होलिस के कन्धों पर हाथ रख दिया–"भगवान के लिए हैंक तुम कोई जोखिम मत उठाना। मैं नहीं चाहता कि तुम उसी तरह से चले जाओ जिस तरह टॉम चला गया था।"

"मैं खुद भी ऐसा नहीं चाहता।" होलिस ने कहा–"यदि मैं उसका साफ निशाना ले लेता हूं तो मैं उसे ठिकाने लगा दूंगा शेरिफ! यदि मैं उसे देख लेता हूं और उसे पहचान लेता हूं, मगर फिर भी शूट नहीं कर पाता तो मैं तुम्हें अलर्ट कर दूंगा। तब हमें यह सोचना होगा कि हम उसे कैसे अपने काबू में कर सकते हैं?"

तभी मैरी अपने हाथ में खाने का प्लास्टिक बैग लिए हुए वहां आ गई।

"तुम जा रहे हो हैंक?" उसने उत्सुकतावश पूछा।

"बहुत-बहुत शुक्रिया मिसेज रोस।" होलिस ने उसकी बांह थपथपाई–"चिन्ता मत करो। मैं अपने मकसद में कामयाबी हासिल करूंगा।"

वे दोनों आदमी सूरज की धुंधली धूप में बाहर चले गये और पैट्रोल कार में बैठ गये।

□□□
□□□

मैरी वेस्टन धीरे से जाग गया और खुली खिड़की से बेडरूम के अन्दर आने वाली सूरज की गर्म धूप से वाकिफ हो गया। उसने एक नजर अपनी स्ट्रेप वॉच पर डाली। उस वक्त सुबह के साढ़े आठ बजे थे अपने आपको उसने सम्भाला और गर्मी महसूस करते हुए पलंग से नीचे उतर गया। वह दरवाजे पर पहुंचा और उसने पाया कि यह अभी तक कमरे के अन्दर बन्द था।

वहीं पर वह खामोश खड़ा रहा, सुनता रहा, लेकिन उसने नीचे किसी के चलने-फिरने की आवाज नहीं सुनी, खुली खिड़की के पास पहुंचते हुए उसने बाहर झांककर नदी को देखा जिसका पानी सूरज की धूप में चमक रहा था। वैल आखिरकार कम-से-कम बारिश रुक गई थी और सूरज आसमान पर छाये हुए बादलों से बाहर निकल आया था।

अपना वक्त लेते हुए उसने सेविंग किया, शॉवर लिया और फिर ड्रेस पहनी। उस वक्त उसकी ख्वाहिश कॉफी पीने की थी।

मगर वह कमरे में बन्द था।

मैरी कुर्सी पर बैठ गया, एक सिगरेट सुलगाई और कश खींचते हुए इन्तजार किया।

मैरी की स्ट्रेप वॉच के मुताबिक जब तक दस नहीं बज गये थे, तब तक उसने किसी के चलने-फिरने की आवाज नहीं सुनी थी। तभी उसने दरवाजे की तरफ आते हुए कदमों की आहट और ब्राउन की बेसुरी सीटी की आवाज सुनी। दस मिनट बाद उसने ताल में घूमने वाली चाबी की आवाज सुनी और ब्राउन दरवाजा खोलकर अन्दर दाखिल हो गया।

मैरी ने नोट किया कि ब्राउन अब एक लम्बी आस्तीन की शर्ट पहने हुए था और अपनी बांह पर गुंदे कोबरा सांप के नीले निशान को छुपाये हुए था। जब ब्राउन ने मैरी की तरफ एक फीकी मुस्कान फेंकी तो वह राहत में नजर आया।

"मैं अब तक नींद लेता रहा हूं, मैरी।" उसने कहा–"तुम नाश्ता करना चाहते हो? यह पहले से ही तैयार है।" जब ब्राउन बोल रहा था, तब उसकी आंखें कमरे में चारों तरफ देख रही थी, फिर वह बराबर वाली टेबिल की तरफ आगे बढ़ा और उसने शीला

का सिल्वर के फ्रेम वाला बड़ा फोटोग्राफ उठा लिया।

जब ब्राउन ने फोटोग्राफ की ओर गौर से देखा तब मैरी ने उसे स्वीकृति के भाव में सिर हिलाते हुए पाया। उसने फोटोग्राफ वापिस टेबिल पर रख दिया।

"तुम्हारी गर्लफ्रैंड?" उसने पूछा।

"माई वाइफ।" मैरी ने कटुतापूर्ण स्वर में कहा।

"क्या यह ठीक है? बहुत अच्छी... तुम एक खुशकिस्मत इन्सान हो।" ब्राउन ने सिर हिलाया—"कुछ इन्सान खुशकिस्मत होते हैं। मुझे कभी कोई ऐसी लड़की नहीं मिल सकी थी, जिससे मैं शादी करना चाहता था। तुम शादीशुदा जिन्दगी को पसन्द करते हो?"

मैरी उठकर खड़ा हो गया।

"मैं कॉफी के एक कप को पसन्द करना चाहूंगा।"

उसने कमरा छोड़ दिया और सीढ़ियों से नीचे उतरकर लिविंग रूम में पहुंच गया। उसने टेबिल को लगी हुई पाया। वह कुर्सी पर बैठ गया और अपने लिए कॉफी का एक कप बनाया। जबकि ब्राउन किचिन में चला गया। एक पल बाद वह अपने हाथों में खाने की चीजों की दो प्लेटें लिए हुए वापिस लौट आया। उसने प्लेटों को टेबिल पर रख दिया और मैरी के सामने कुर्सी पर बैठ गया।

दोनों आदमियों ने नाश्ता करना शुरू कर दिया।

"तुम यहां पर कितने वक्त के लिए ठहरने का प्लान बनाते हो, जिम?" मैरी ने पूछा।

"जब गर्मी, ठण्डी हो जायगी तब मैं यहां से चला जाऊंगा। मैंने रेडियो सुना था। पुलिस अभी भी सरगर्मी से मुझे तलाश कर रही हैं।" ब्राउन मुस्कुराया—"ये मुझे यहां नहीं पा सकते हैं, इसका पूरा यकीन है।" उसने नजरें उठाकर देखा और मैरी को घूरा—"तुम मुझे पनाह देने जा रहे हो। इसके साथ ही तुम मेरी मदद करने भी जा रहे हो। मैं दस हजार डॉलर की रकम हासिल करना चाहूंगा। ओ०के०?"

"इसे ठीक होना होगा, है न?"

"तुम एक बार फिर कह सकते हो।" ब्राउन ने खाना खत्म कर दिया और कुर्सी में पीछे को बैठ गया।

"यस।" हमें यह देखना होगा कि हम इसका कैसे इन्तजाम करते हैं।"

"यहां से तुम कहां जाओगे, जिम?"

ब्राउन ने कन्धे सिकोड़े।

"मैं लोगों की नजरों से ओझल होने में बहुत अच्छा हूं। तुम्हें मेरे बारे में चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जो कुछ तुम्हें करना है, वो सिर्फ यह है कि तुम्हें अपने बारे में चिन्ता करनी चाहिये।"

"लोगों की नजरों में ओझल होना?" मैरी ने आश्चर्यपूर्ण स्वर में दोहराया—"कितने लम्बे अर्से के लिए? देखो जिम... असलियम का मुकाबला करो। क्या यह तुम्हारी समझदारी नहीं होगी कि तुम अपने आपको कानून के हवाले कर दो? तुम हमेशा कानून से बचकर भाग नहीं सकते। देर-सवेर वे तुम्हें पकड़ ही लेंगे और कानून के हवाले कर देंगे। जेल में भी तुम जिन्दा रहोगे।"

"तुम साले एक पुजारी की तरह बात कर रहे हो।" ब्राउन की आवाज में गुर्राहट थी—"मुझे मेरे हाल पर छोड़ दो।"

"मेरी बाकी जिन्दगी से अपने आपको दूर रखो। यह मेरे लिए नहीं हैं। मैं मृत्यु से भयभीत नहीं हूं, कोई मुझे जिन्दा नहीं पकड़ सकता है।" उसके चेहरे के भाव भयानक रूप में परिणित हो गए—"और मैं अपने एक इतने हरामजादे पुलिसियों को मौत के मुंह में ले जाऊंगा जितने ले जा सकता हूं।"

अभी मैरी कुछ कहने ही वाला था कि तभी अचानक टेलीफोन की घन्टी की आवाज ने उसे चौंका दिया।

"ओह यस!" ब्राउन ने कहा—"मैं तुम्हें इसके बारे में बताना भूल गया था। मैंने टेलीफोन ठीक कर दिया था।"

"मैं एक बड़ा छोटा ठीक करने वाला हूं। तुम इसका जवाब दो, और मैरी यह देखो।" उसने मैरी की तरफ घूरकर देखा—"मैं तुम्हें चाहने लगा हूं, बस्टर। लिहाजा कोई चालाकी मत दिखाना।"

मैरी अपनी जगह से उठकर खड़ा हो गया और तेजी से चलता हुआ टेलीफोन के पास पहुंचा। उसने रिसीवर उठा लिया।

"यह कौन है?" उसने पूछा।

"यह मिसेज ग्रेडी है। रॉकविली पोस्ट ऑफिस।" एक और ने कहा—"मैंने सुना था कि तुम्हारा टेलीफोन खराब हो गया था।"

"वह ठीक है अब वह बिल्कुल ठीक है। मेरा ख्याल है कि उसकी खराबी की वजह बारिश थी। इस वक्त यह बहुत अच्छा काम

कर रहा है।"

"जितनी जल्दी सड़क खुश्क हो जाती, उतनी जल्दी में जोश को वहां भेजने जा रही थी।"

"अब इसको वहां भेजने की कोई जरूरत नहीं, मिसेज कॉल करने के लिए शुक्रिया।"

"तुम्हारा यहां स्वागत है मिस्टर वेस्टन।"

मैरी ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

"वह टेलीफोन को चैक कर रही थी।"

"मैंने भी यही सोचा था।" ब्राउन ने कहा–"मैं किसी आदमी को तुम्हारा टेलीफोन ठीक करने के लिए यहां आने देना नहीं चाहता था। इसी वजह से मैंने खुद पहले ही टेलीफोन ठीक कर दिया था। अब सावधान रहो मैरी। फोन इस्तेमाल करने की कोशिश मत करो। ठीक?"

"अगर इससे तुम्हें कोई परेशानी नहीं है।" मैरी ने कहा–"तो मैं अपना काम शुरू करना चाहूंगा? मैं यहां पर एक फिल्म स्क्रिप्ट लिखने के लिए आया था। तुम क्या करने जा रहे हो?"

"आगे बढ़ो... सामने जाओ... मेरे बारे में चिन्ता मत करो। मैं इस कमरे को पसन्द करता हूं। मैं टी.वी. देखूंगा। कुछ जानते हो मैरी? मैं तुम्हारी इस जगह पर रहते हुए ऐसा महसूस कर रहा हूं कि जैसे वास्तव में अपने घर में हूं। मुझे यहां पर खाने की कोई परेशानी नहीं है।"

"बहुत अच्छा।" मैरी वेस्टन ने कहा और कमरे को छोड़ते हुए वह एक छोटी राहदारी में चलता हुआ अपने स्टेडियम की तरफ बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

शेरिफ रोस और हैंक होलिस सड़क के मोड़ पर पैट्रोल कार से बाहर आ गये। वहां से एक तंग सड़क नदी की तरफ जाती थी। खामोशी के साथ रोस ने एक रायफल होलिस को थमा दी जिसे उसने अपने कन्धे पर लटका लिया। उसने खाने का प्लास्टिक बैग और रेडियो ट्रांसमीटर सैट ले लिया। दोनों आदमियों ने एक-दूसरे की तरफ देखा।

"कोई जोखिम मत उठाना है।" रोस ने परेशानी के अन्दाज में कहा–"मेरी ख्वाहिश है कि मैं तुम्हारे साथ चलूं।"

होलिस मुस्कुराया।

"घबराओ मत शेरिफ! मैं रेडियो पर तुमसे सम्पर्क बनाये रहूंगा।"

"अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मैं अपने आपको कभी माफ नहीं कर सकूंगा।" रोस ने कहा।

"खुश रहो।" होलिस फिर मुस्कुराया–"यह मेरी खासियत है। अच्छा मैं अपने मकसद में जरूर कामयाबी हासिल करूंगा। मेरे बारे में फिक्र मत करना।"

दोनों आदमियों ने हाथ मिलाये फिर होलिस जंगल की सड़क पर आगे बढ़ गया। उसने तब तक इन्तजार किया, जब तक कि उसने पैट्रोल कार के स्टार्ट होने और वहां से दूर जाने की आवाज न सुन ली, फिर उसने सावधानीपूर्वक धीमी गति से आगे बढ़ना शुरू कर दिया। अपने आपको सड़क के एक किनारे पर रखकर वह आगे बढ़ा चला जा रहा था। उसने रायफल को कन्धे से उतारकर हाथ में ले लिया था, प्लास्टिक बैग और रेडियो ट्रांसमीटर सैट बायें कन्धे पर लटका लिया था और लगातार आगे बढ़ना शुरू कर दिया था।

तकरीबन एक घन्टे के बाद होलिस ने अपने आपको सीधे मैरी वेस्टन के फिशिंग लॉज की तरफ देखते हुए पाया था। वह लॉज से कुछ फासले पर रुक गया था। उसने अपने आपको एक पेड़ के तने की आड़ में छुपा लिया था और लॉज को बड़े गौर से देखना शुरू कर दिया था।

वहां इन्सानी जिन्दगी का कोई नामो-निशान नहीं था। उसने यह देखा कि लॉज के सामने वाले कमरे की खिड़कियों पर पर्दे पड़े हुए थे। इसका यह मतलब था कि वहां लोगन वहां पर कहीं लॉज में या लॉज के आसपास नहीं था। चौकन्नी नजरों से वह लॉज की तरफ देख रहा था।

होलिस ने ऊपर पेड़ की तरफ देखा। वह पेड़ उसे अपने मकसद के लिहाज से ठीक दिखाई पड़ा। उसकी पहुंच के अन्दर घनी पत्तियों वाली पेड़ की लम्बी शाखाएं थीं।

यह सावधानी बरतते हुए कि शाखाओं के बीच उसकी हरकत जाहिर न हो सके उसने धीरे-धीरे सावधानीपूर्वक पेड़ कर चढ़ना शुरू कर दिया।

आखिरकार वह पेड़ पर चढ़ने में कामयाब हो गया।

उसने खाने का प्लास्टिक बैग पेड़ की एक शाखा पर लटका दिया, रायफल को रखने के लिए भी उसने एक महफूज जगह हासिल कर ली, उसने रेडियो ट्रांसमीटर सैट को दोनों टांगों के बीच में दबा लिया। उसने फिशिंग लॉज का सर्वे किया। अभी भी वहां पर जिन्दगी का कोई निशान नहीं था। यह वक्त की बर्बादी हो सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं सोचा था।

मैरी वेस्टन ने कमरे में टेलीफोन केबिल उसके सॉकिट से क्यों खींच दिया था? वह एक सुराग था। वह एक इशारा था कि लोगन वहां पर वेस्टन के ऊपर गन ताने हुए छुपा हुआ था। अब यह एक तसल्ली का मामला था और होलिस हमेशा तसल्ली से काम करता था, जल्दबाजी को वह शैतान का काम समझता था।

होलिस ने सोचा था कि अब तक शेरिफ वापिस अपने ऑफिस में पहुंच गया होगा। इस ख्याल के दिमाग में आते ही उसने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया। अपने होठों को ट्रांसमीटर से मिलाये रखते हुए कहा—

"होलिस! क्या तुम मेरी आवाज सुन रहे हो?"

"तेज और साफ हैंक।" रोस ने कहा।

"मैंने एक अच्छा पेड़ पा लिया है शेरिफ। मैं यहां से सीधे लॉज को देख सकता हूं और मैं किसी को नजर नहीं आ सकता हूं। यहां पर जिन्दगी का कोई निशान नहीं है, मगर सामने वाले कमरे की खिड़कियों पर पर्दे पड़े हुए हैं। मेरा ख्याल है कि अभी मुझे इन्तजार करना होगा।"

"जब तुम चाहो तभी मुझे पा सकते हो हैं। मैं अपनी डेस्क से अलग नहीं हट रहा हूं। मुझसे सम्पर्क बनाये रखो।"

"ओवर एण्ड आउट।" होलिस ने रेडियो का स्विच ऑफ कर दिया। उसने अपनी कलाई घड़ी को देखा। ठीक दोपहर बाद का वक्त था।

उसने सोचा... जब मैरी वेस्टन अपने फिशिंग लॉज के अन्दर मौजूद था तो फिर वह दिखाई क्यों नहीं दे रहा था? हो सकता है कि लोगन वहां पर छुपा हुआ धा और वह उसे बाहर नहीं निकलने दे रहा था।

होलिस ने रोस के सैंडविच का जायका लेने का फैसला किया।

उसने प्लास्टिक बैग खोला और उसके अन्दर एक बड़ा हाम का पैक, बीफ सैंडविच और एक पानी की बोतल को पाया।

उसने दो सैंडविच खाये, इस बीच हमेशा उसकी आंखें लॉज पर जमी रहीं। यह अच्छा होगा कि वह एक सिगरेट सुलगाये और कश खींचे... उसने सोचा... मगर ऐसा करना उसके लिए बेहद खतरनाक होगा।

उसने प्लास्टिक बैग को बन्द करके वापिस उसी शाखा पर लटका दिया, अपनी पीठ उसने पेड़ के तने से सटा ली और आराम से बैठकर इन्तजार करने लगा।

इसी तरह इन्तजार करते हुए एक घन्टे का वक्त गुजर गया।

तभी होलिस एकदम सावधान हो गया। एक कार के लो गियर में चलने की वजह से इन्जन की घरघराहट की आवाज उसी तरफ बढ़ी चली आ रही थी, जिसने उसे झुककर आगे की तरफ देखने के लिए मजबूर कर दिया था।

उसके चौंकाने वाले आश्चर्य के लिए, उसने नदी के किनारे कच्ची सड़क पर एक जीप को धीमी गति से उसी ओर आते हुए देखा। अपने दृष्टिकोण से, वह ड्राइवर को नहीं देख सका। उसने अपनी रायफल उठा ली, कीचड़ भरी कच्ची सड़क पर जीप को फिसलते हुए देखकर उसने अपनी रायफल का रुख उसी तरफ कर दिया। फिर उसने जीप को वेस्टन के फिशिंग लॉज के बाहर रुकते हुए देखा। उसने देखा, एक लाल बालों और गोरे गालों वाली खूबसूरत जवान लड़की, पीली लाल शर्ट और चुस्त जीन्स पहने हुए जीप से बाहर कूदी और तेजी से चलती हुई फिशिंग लॉज के दरवाजे की तरफ बढ़ गई।

"ओह! जहन्नुम।" उसने सोचा—"यह साली लड़की यहां कहां से आई? यहां वास्तविक आश्चर्यजनक दृश्य है। यह लड़की कौन है? वह यहां क्या कर रही है? उसने पेड़ की कुछ छोटी टहनियों को एक तरफ हटाया, ताकि वह उस लड़की को बेहतर नजर से देख सके।

वह दरवाजे पर दस्तक दे रही थी। जंगल की खामोशी में होलिस दरवाजे पर होने वाली दस्तक की आवाज को सुन सकता था।

अब वह अपनी जगह पर बुरी तरह परेशान बैठा हुआ था।

वह सदर दरवाजे के सिर्फ आधे हिस्से का नजारा देख सकता था। उसने दरवाजे को खुलते हुए देखा। वहां पर एक लम्बा ठहराव आ गया, हालांकि वह यह नहीं सुन सका था कि क्या कहा गया था... वहां पर किसी किस्म की दलील पेश की गई थी। तब उसने लड़की को खुले दरवाजे से अन्दर जाते हुए और एक झटके के साथ सदर दरवाजे को बन्द होते हुए देखा।

उसने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ?"

"सुन रहा हूं।"

रोस की संयत और गहरी आवाज सुनकर उसे राहत मिली।

"यहां पर एक विकास हुआ है, शेरिफ! एक खूबसूरत जवान लड़की जीप, के जरिये अभी यहां पहुंची है और अब वह वेस्टन के फिशिंग लॉज में है। वह जीप, के बकौल होयन जैक सोनविली से सम्बन्धित है। क्या तुम उसके बारे में चैक करोगे?"

"वापिस पांच मिनट में।" रोस ने कहा और रेडियो का स्विच ऑफ कर दिया।

लॉज की तरफ गौर से देखते हुए होलिस ने इन्तजार किया। वहां पर हरकत का कोई निशान नहीं था। उसने सोचा हो सकता है, मैं गलत था। वह कातिल वहां नहीं। वेस्टन उस लड़की के वहां आने की उम्मीद कर रहा था। कुछ न हासिल करने के लिए वह मच्छरों के गिरोहों के साथ मुकाबला करता हुआ वहां पेड़ पर बैठा रह सकता था।

लेकिन होलिस ने शान्त रहना न सीखा था। अभी भी, मच्छरों को अपने चारों तरफ भिनभिनाते रहने देनें, उसने निगरानी की और इन्तजार किया।

इसी तरह दस मिनट का वक्त गुजर गया, फिर उसका रेडियो जिंदा हो गया।

"हैंक?" दूसरी ओर से रोस की आवाज उभरी।

"मैं तुम्हरी आवाज सुन रहा हूं।"

"वह लड़की मैरी वेस्टन की पत्नी है। उसने जैंक सोनविली से जीप किराये पर ली थी और केब को बताया था कि वह अपने पति के साथ लॉच पर एक हफ्ते या कुछ अधिक समय तक ठहरेगी। देखो, हैंक! मैं सोचता हूं कि तुम वापिस आ सकते हो। तुम वहां

पर अपना वक्त बर्बाद कर रहे हो। मैं इस बात से सन्तुष्ट हो गया था कि वह कातिल मियामी में जाने के लिए वहां से दूर निकल गया था, जैसा कि जैकलिन ने कहा था। उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। भारी पुलिस फोर्स उसकी तलाश में लगी हुई है। लिहाजा तुम वापिस आ जाओ।"

"आदर के साथ शेरिफ! अभी मैं वापिस नहीं आ रहा हूं। हम यह कैसे जानते हैं कि लोगन वहां नहीं है? ओ०के०, मिसेज वेस्टन यहां एक विजिट पर आई होगी। वह किसी परेशानी में पड़ सकती है। मैं यहां पर ठहर रहा हू और निगरानी कर रहा हूं। कोई भी यह कैसे जानता है कि लोगन हमारे जिले से बाहर चला गया है? मैं इन्तजार करने जा रहा हूं।"

"यस! ओ०के०, हैंक! लॉज पर नजर जमाये रखो। मैं तब तक ठीक यहीं पर ठहरूंगा, जब तक तुम मुझे यह नहीं बता दोगे कि तुम वापिस आ रहे हो।"

"ओवर एण्ड आउट।" होलिस ने कहा और स्विच ऑफ कर दिया।

❑❑❑
❑❑❑

शीला जीप से बाहर कूद गई और मैरी वेस्टन के फिशिंग लॉज के दरवाजे की तरफ दौड़ गई। दरवाजे पर लोहे का एक भारी हैंडिल लगा हुआ था। मैरी के लिए उसका अचानक वहां आ जाना, कितना आश्चर्यजनक होगा।

उसने दरवाजे का हैंडिल घुमाया, मगर उसने दरवाजा लॉक पाया। अब उसने देखा कि सामने वाले कमरे की तनी बड़ी खिड़कियों पर पर्दे पड़े हुए थे।

क्या मैरी वेस्टन वहां था? उसने आश्चर्य व्यक्त किया। हे भवगान! यह कितना बुरा होगा, यदि वह वहां नहीं होगा, जबकि वह खराब रास्ते पर इतनी परेशानी उठाकर उससे मिलने के लिए वहां आई है।

उसने दरवाजे पर दस्तक दी। इन्तजार किया। फिर दोबारा दस्तक दी।

शीला ने ताले में चाबी घुमाने की आवाज सुनी और उसका चेहरा खिल उठा।

मैरी!

दरवाजा खुल गया।

वह आदमी, जिससे बातें करने के लिए वह लालायित थी केवल वहीं व्यक्ति, जो उसे समझता था और उसके लिए दयालु था, उस समय उसके सामने खड़ा था।

उसके सफेद उतरे हुए चेहरे के भाव को देखकर, शीला के शरीर में भय की शीत लहर-सी दौड़ गई।

"ओह, गॉड नो।" वह चिल्लाया—"ओह शीला! तुम यहां क्यों आई हो? क्या कर रही हो तुम यहां?"

उस समय उसके चेहरे पर ऐसे भय का भाव उभरा हुआ था कि जैसा भाव किसी दर्शक के चेहरे पर किसी भयानक दृश्य वाली फिल्म को देखकर उभर आता है। यह सब कुछ वहां था... भय, खौफनाक तनाव और आश्चर्य।

"मैरी डार्लिंग!" वह उसकी तरफ दौड़ी और अपनी गोरी-गोरी बांहें उसके चारों तरफ फैला दीं। उससे लिपटती हुई वह बोली—"मैं जानती हूं, मुझे यहां नहीं आना चाहिए था, मगर मुझे तुम्हारी बहुत ज्यादा जरूरत थी। तुम्हारे बगैर मैं रह नहीं सकती थी। इस वजह से मैं यहां आने के लिए मजबूर हो गई थी। डार्लिंग! मुझे बताओ! तुम मुझसे मिलकर खुश हो।"

इतना कहने के साथ ही, शीला ने मैरी वेस्टन के गले में अपनी गोरी-गोरी बांहों का हार डाल दिया और फिर जैसे ही वह उससे लिपट कर, उसके कन्धों पर हाथ रखकर ऊपर को उछली, उसके जिस्म को कंपकंपाता हुआ महसूस करके, उसने जिम ब्राउन को देखा, जो ठीक उसके पति के पीछे खड़ा हुआ था, उसके चेहरे पर एक शैतानी मुस्कान उभरी हुई थी और उसके हाथ में एक गन थमी हुई थी।

मैरी ने अपने कन्धों पर उंगलियों का फौलादी शिंकजों की तरह जकड़ते हुए महसूस किया। हिंसा के साथ व्यवहार उसने सम्भव नहीं सोचा था, उसने अपने आपको एक तरफ फेंका हुआ महसूस किया था। वह लॉबी की दीवार से टकरा गया था। शीला, अभी भी उससे लिपटी हुई, उसके साथ चली गई थी। वे दोनों एक साथ फर्श पर फिसल गये थे।

जिम ब्राउन ने ठोकर मारकर सदर दरवाजा बन्द कर दिया

था और बोल्ट को यथा स्थान सरका दिया था। वह दरवाजे से अलग हट गया था, अब उसकी गन वापिस होलस्टर में चली गई थी, और उसने मैरी और शीला को एक-दूसरे से अलग होकर कांपते हुए ऊपर उठते देखा था।

"यह साली क्या बला है?" शीला कांप गई—"यह बदमाश कौन है? क्या हो रहा है?"

बहुत धीरे से, अपने दिल में घबराता हुआ, मैरी सीधा खड़ा हो गया। उसने मायूस नजरों से शीला की तरफ देखा। उसके उत्तेजना के भाव को देखते हुए, उसने जल्दी से कहा—"सावधान, डार्लिंग! यह आदमी खतरनाक है।"

"यह तुमने कहा था, बस्टर।" ब्राउन गुर्राया—"अब, यह तुम्हारी पत्नी है... ठीक? यह अपनी खूबसूरत नाक को वहां अड़ाती है, जहां इसकी जरूरत नहीं होती है... ठीक? इसलिए कोई चालाकी नहीं, बस्टर।" वह शैतानी अन्दाज में मुस्कुराया—"तुम, दोनों दोहरी शोक सभा में सम्मिलित हो सकते हो।"

एक कोशिश के साथ मैरी ने अपने आपको सम्भाला।

"ओ०के० जिम। यहां पर कोई चालाकी नहीं होगी।"

ब्राउन ने सिर हिलाया।

"वह क्या है?" शीला चिल्लाई—"यह आदमी कौन है? क्या हो रहा है?"

मैरी ने धीरे से उसकी बांह पकड़ ली।

"अब हमें अन्दर चलना चाहिये और आराम से बैठना चाहिए, शीला।"

"मुझे बच्ची मत समझो और बहलाने की कोशिश मत करो।" शीला क्रोध से कांप गई—"इस आदमी से अपना पीछा छुड़ाओ। मैं तुम्हारे साथ अकेली रहना चाहती हूं। इससे अपना पीछा छुड़ाओ।"

ब्राउन किसी कुत्ते के भौंकने के सामान हंसा।

"वह वास्तव में बेवकूफ है... है न? इसे वहां अन्दर ले जाओ वरना मैं इसे ठोकर मारकर अन्दर कर दूंगा।"

उसकी खौफनाक आवाज में मौजूद गुर्राहट ने शीला को भयभीत कर दिया। एक लम्बी नजर से उसे देखने के बाद, वह मैरी के साथ बड़े लिविंग रूम के अन्दर चली गई। वह दीवान पर उसके

बराबर में बैठ गई।

ब्राउन दरवाजे में खड़ा नजर आया।

"कोई चालाकी नहीं, मैरी!"

"नहीं।"

ब्राउन ने सिर हिलाया, फिर वह किचिन के अन्दर चला गया और नजरों से ओझल हो गया।

"मैरी, यह क्या है?"

उसने अपना हाथ उसके हाथ के ऊपर रख दिया।

"बोलो मत। सिर्फ सुनो। मैं एक नजरबन्द आदमी हूं। अब, तुम भी यहां आकर नजरबन्द हो गई हो। पुलिस के जरिये इस आदमी की तलाश की जा रही है। दोस्त पहले इसने छः आदमियों की हत्या कर दी थी। यह ऐसा खतरनाक और भयानक है, जैसा एक कोबरा सांप होता है।"

"छः आदमियों की हत्या!" शीला ने भयभीत दृष्टि से उसकी ओर देखा। उसकी आंखें गोल हो गयीं।

"यस डार्लिंग! तुम यहां क्यों मुसीबत में आकर फंस गयीं?"

"मैं यहां इसलिए आई हूं, क्योंकि मैं तुमसे कुछ बात करना चाहती थी। मैं वहां अकेली बीमार हो गई थी और अपने आपसे परेशान हो गई थी, और जिस तरह मैं हरकत कर रही थी, उससे मेरी जिन्दगी ही बर्बाद हो गई थी। मैं तुम्हें बहुत-सी बातें बताना चाहती थी।"

"ओ०के०। इसके लिए हमें बहुत लम्बा वक्त मिलेगा। फिलहाल, हम दोनों को इस आदमी के साथ सहयोग करना होगा...वरना हम खत्म हो जायेंगे और बेमौत मारे जायेंगे।"

वे दोनों ब्राउन की बेसुरी सीटी की आवाज सुनने के लिए रुक गये।

मैरी उसके करीब आ गया। उसने अपनी बांहें शीला के कन्धों के गिर्द फैला दीं और उसे अपनी बांहों के दायरे में ले लिया।

तभी दरवाजा खुल गया।

ब्राउन अन्दर आ गया।

"तुमने इसे बता दिया, मैरी?"

"हां, मैंने इसे सब कुछ बता दिया और अच्छी तरह से समझा दिया।"

"ओ०के०।" ब्राउन ने कहा। उसने शीला की तरफ देखा—"आराम से रहो, बेबी। और हम सब एक साथ बहुत अच्छी तरह रहेंगे। ठीक?"

शीला ने सहमति के भाव में सिर हिलाया।

"तुम्हें एक काम करना है, मैरी।" ब्राउन ने कहा—"तुम इसी वक्त अपने बैंक में जा रहे हो और तुम वहां से दस हजार डॉलर की नकद रकम ला रहे हो। वहां पर तुम गांव के आदमियों से मिलकर पूछताछ करोगे और यह पता लगाओ कि पुलिस का कितना दबाव है। समझे?"

मैरी कूदकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

"नहीं। मैं अपनी पत्नी को अकेली तुम्हारे साथ नहीं छोड़ रहा हूं। यह निश्चित है। मैं वहां नहीं जा रहा हूं।"

ब्राउन मुस्कुराया।

"यस! तुम ऐसा सोचते हो, मगर तुम वहां जाओगे।"

"व्हाई?"

"अब सुना मैरी।" ब्राउन ने कहा—"शायद तुम्हें इस बात का डर है कि तुम्हारे यहां से चले जाने के बाद मैं तुम्हारी पत्नी के साथ छेड़खानी करूंगा या कोई गलत हरकत करूंगा।" उसने सिर हिलाया—"यह एक ऐसी बात है, जिसे मैं समझ सकता हूं। तुम जाओ और बेफिक्र रहो। मैं उसे छूने भी नहीं जा रहा हूं। हम यहां पर बैठकर और तुम्हारी रकम के साथ वापिस आने का इन्तजार करेंगे। मेरे साथ सीधी तरह खेलो और मैं भी तुम्हारे साथ सीधी तरह खेलूंगा। वहां जाओ, बैंक से रकम निकालो, यह पता लगाओ कि पुलिस का क्या दबाव है और रकम के साथ जल्दी यहां आ जाओ। तुम्हें अपनी पत्नी के बारे में फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है।"

"तुम उसे अकेली छोड़ दोगे? तुम उसे छुओगे नहीं?" मैरी ने उत्तेजित स्वर में कहा।

"जब तक यह खामोश बैठी रहती है मेरे लिए कोई परेशानी पैदा नहीं करती है, तब तक मैं इससे कुछ नहीं कहूंगा, मैं इसे नहीं छुऊंगा, लेकिन यदि यह चालाकी दिखायेगी तो अपने गाल पर एक जोरदार चपत पायेगी कि इसके खूबसूरत चेहरे का हुलिया बिगड़ जायेगा।" ब्राउन मुस्कुराया—"यह काफी साफ बात है।"

"शीला डार्लिंग! मुझे वहां जाना होगा।" मैरी ने कहा—

"अगर जिम मुझे यह बताता है कि वह तुम्हें नहीं छुयेगा तो मैं उसका यकीन करने के लिए तैयार हूं। अब भगवान के लिए, ठीक वैसा ही करो जैसा वह कहता है प्लीज।"

शीला ने जबरन अपने होठों पर मुस्कान उभारी।

"आफकोर्स।" वह मुस्कुराई—"मैं भयभीत नहीं हूं। यदि जिम यह कहता है कि वह मुझे छू भी नहीं सकता, तब मुझे उससे भयभीत क्यों होना चाहिए?"

मैरी ने कुछ सोचा, फिर उसने सिर हिलाया और कमरे से बाहर निकलकर जीप की तरफ चला गया।

होलिस ने पेड़ के ऊपर बैठे हुए, मैरी को जीप में बैठते हुए देखा और जीप को मुड़कर नदी के किनारे वाली सड़क की तरफ जाते हुए देखा, जो हाइवे की तरफ जाती थी। उसने अपने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ?"

"तुम्हें सुन रहा हूं।"

"एक नवीन प्रसार! वेस्टन अभी यहां से जीप में गया है, वह रॉकविली की तरफ जा रहा है। सड़क अभी तक खराब है, लेकिन जीप में वह वहां पहुंच जायेगा। उसकी पत्नी लॉज में है। तुम इसका क्या मतलब निकालते हो?"

"यह ठीक हो सकता है। मैं नहीं जानता। जब वह यहां आयेगा तब मैं उसे देखूंगा।"

"मैं नहीं सोचता कि यह ठीक है। मैं अभी भी यह सोचता हूं कि लोगन अब मिसेज वेस्टन के ऊपर गन ताने हुए है। मैं यहां चिपका हुआ हूं। मुझसे सम्पर्क बनाये रखना।" और होलिस ने स्विच ऑफ कर दिया।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी वेस्टन ने रॉकविली की मेन स्ट्रीट पर जीप ड्राइव करते हुए बैंक के बाहर रोक दी। उस वक्त तीन बजे थे। वह जीप से नीचे उतरा।

अगले ही पल वह बैंक के अन्दर दाखिल हो गया।

अपने बैंक से दस हजार डॉलर की रकम निकाली और सौ-सौ के डॉलर के बिलों को एक बड़े लिफाफे में रख लिया, लिफाफे को

उसने अपने बैग में रखा और बैग हाथ में लिए हुए बैंक से बाहर निकल गया।

तेजी से चलता हुआ वह सड़क पार करके सामने सेल्फ सर्विस स्टोर की तरफ बढ़ गया। वह जैसे ही स्टोर के अन्दर दाखिल हुआ, वैसे ही शेरिफ रोस अपने ऑफिस से बाहर निकला और सड़क पर तेज कदमों से चलता हुआ बैंक में पहुंच गया।

उसने मैरी वेस्टन को बैंक के अन्दर जाते हुए बाहर निकलते हुए देख लिया था। वह स्टोर के अन्दर दाखिल होता हुआ भी उसकी नजरों से नहीं बच सका था।

"फ्रेड!" उसने बैंक मैनेजर से पूछा—"मिस्टर वेस्टन क्या चाहता था?"

"वैल जेफ! हो सकता है कि यह तुम्हारा बिजनेस नहीं है... लेकिन यदि तुम जानना चाहते हो, तो वह दस हजार डॉलर की रकम निकाल कर सौ-सौ डॉलर बिलों में ले गया है... ।"

"थैंक्यू मिस्टर फ्रेड!" रोस ने उसका शुक्रिया अदा किया और उससे हाथ मिलाकर बैंक से बाहर निकल आया।

जब मैरी स्टोर से कुछ चीजें खरीदने के बाद बाहर सूरज की धूप में आया तो उसने सामने रोस को खड़े पाया।

उसने रोस को देखा, उसे देखकर वह चौंका और उसका दिल जोरों से धड़कने लगा।

अपना दायं हाथ आगे बढ़ाए हुए, रोस उसके करीब आया।

मैरी ने उससे हाथ मिलाया।

"मान लो, हम दोनों एक साथ बियर पीते हैं, जेफ।" उसने ब्राउन के हुक्म को याद करते हुए कहा कि उसे यह पता लगाना चाहिए कि पुलिस का क्या दबाव था। उसका ख्याल था कि वह बातों-बातों में रोस से इस बारे में जानकारी हासिल कर लेगा।

"अवश्य! हम दोनों टॉम के बार में चलेंगे।" रोस ने कहा—"वहीं पर हम बियर पियेंगे।"

कुछ देर बाद ही वे दोनों आदमी टॉम के बार में पहुंच गये। मैरी और रोस ने एक कोने में टेबिल पर बैठे हुए दो बियर का ऑर्डर दिया।

बेहद फुर्ती के साथ उन्हें बियर सर्व कर दी गई। वे बियर पीने लगे और आपस में बातें करने लगे।

फ़रार कातिल चेट लोगन का जिक्र करते हुए मैरी ने रोस से पूछा कि पुलिस उसके बारे में क्या कर रही थी।

रोस ने उसे बताया कि पुलिस सरगर्मी से उसको तलाश कर रही थी और स्टेट पुलिस व नेशनल गार्ड उसकी तलाश में उस इलाके का चप्पा-चप्पा छान रहे थे। वह जल्दी ही पुलिस की गिरफ्त में आ जाने वाला था।

उसकी बातों से रोस को यह यकीन हो गया था कि चेट लोगन उसके फिशिंग लॉज में छुपा हुआ था।

"अब।" मैरी ने अकस्मात् ही उठते हुए कहा—"मुझे वापिस लौट जाना चाहिये। यह बात बड़ी यादगार साबित हुई है जेफ... थैंक्स।" और फिर दोनों आदमियों ने हाथ मिलाये। वे दोनों एक लम्बे समय तक एक-दूसरे की तरफ बड़े गौर से देखते रहे।

उसके बाद वे बार से बाहर निकल आये।

बाहर सड़क पर आकर वे एक-दूसरे से अलग हो गये।

रोस अपने ऑफिस की तरफ चला गया।

मैरी सड़क पर तेजी से चलता हुआ अपनी जीप की तरफ बढ़ गया।

❑❑❑

❑❑❑

हैंक होलिस ने पेड़ की एक मोटी शाखा पर अपने पैर फैलाकर बैठने की पोजीशन आरामदेह बना ली। तभी उसने अपने रेडियो से उभरने वाली हल्की भिनभिनाहट की आवाज सुनी और उसका स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ?"

"यस।" रोस की हल्की आवाज उभरी—"अब मुझे साली इस बात का यकीन हो गया है कि लोगन लॉज में है। मैं वेस्टन से बातें करता रहा हूं।" उसने मैरी वेस्टन के साथ हुए वार्तालाप का संक्षिप्त विवरण दिया—"वेस्टन नाजुक हालत में है। जब तक लोगन नजरों से ओझल रहता है... तब तक हम न तो वेस्टन के लिए और न उसकी पत्नी के लिए कुछ कर सकते हैं। मैं नेशनल गार्ड को कॉल कर सकता हूं और लॉज की घेराबन्दी करा सकता हूं, लेकिन इसका मतलब यह होगा कि लोगन वेस्टन और उसकी पत्नी की हत्या कर देगा। वेस्टन स्मार्ट है। वह आइडिया रखता है। वह लोगन को हाजिर

होने के लिए मजबूर कर सकता है। फिर वह तुम्हारे ऊपर है।"

होलिस ने अपने चेहरे का पसीना पोंछा।

"मैं तुम्हारे साथ हूं शेरिफ।"

"यह ऐसा दिखाई पड़ता है कि जैसे लोगन चोरी-छुपे वहां से भागने जा रहा है। वेस्टन ने अपने बैंक एकाउन्ट से दस हजार डॉलर की रकम निकाली थी। शायद लोगन ने उससे इतनी रकम की मांग की थी। अन्धेरा होने पर लोगन इस रकम के साथ वहां से भाग सकता है, मगर मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि वहां से जाने से पहले वेस्टन और उसकी पत्नी की हत्या कर देगा। वह यह नहीं चाहेगा कि वे इसके बारे में पुलिस को सावधान कर दे कि वह वहां से भाग रहा है। यह वाकई एक बहुत बड़ी मुसीबत है हैंक।"

"यस... ओ०के०! मैं निगरानी करता रहूंगा।"

"मेरा ख्याल है कि मैं यहां पर आ जाऊं और तुम्हें ड्यूटी से रिलीव कर दूं।"

"नहीं... यह मेरी समस्या है तुम्हारी नहीं। अपनी समस्या का समाधान मैं स्वयं करूंगा।"

होलिस ने रोस की गहरी सांस की आवाज सुनी।

"तुम इस परेशानी का सामना कैसे कर सकते हो हैंक? उस पेड़ पर बैठे हुए तुम्हें पांच घन्टे से भी ज्यादा वक्त हो गया है।"

होलिस ने सोचा।

"मैं बहुत अच्छी तरह हूं।" उसने कहा—"मेरे बारे में चिंता मत करो शेरिफ! हर हालत में मुसीबत का सामना करना मेरी खासियत है। मैं तुमसे सम्पर्क बनाये रहूंगा।"

"ओ०के०... सावधान रहना। जब वेस्टन वापिस आ जाये तब मुझे बता देना।" और रोस ने अपना स्विच ऑफ कर दिया।

होलिस इन्तजार करने लगा।

इन्तजार करते हुए अगले एक घण्टे का वक्त गुजर गया।

"अपने आपको हाजिर करो तुम हरामजादे।" उसने सोचा—"बाहर आओ, खुद को दिखाओ।"

मगर, लॉज से बाहर आने के जिन्दगी के कोई निशान नहीं थे।

"यस... वह ठीक कहता था। लोगन वहां होना चाहिए, वरना

इस गर्म शाम को वेस्टन की पत्नी लॉज के अन्दर कमरे में बन्द नहीं रह सकती थी। वह अब तक बाहर आ सकती थी। होलिस ने उसके बारे में जो अन्दाजा लगाया था, क्योंकि वह भयभीत थी, इसलिए लोगन जैसे हत्यारे के साथ सहयोग कर रही थी।

अभी वह मैरी वेस्टन की पत्नी के बारे में सोच ही रहा था कि तभी उसने उस तरफ आती हुई जीप की आवाज सुनी। वह एकदम बहुत सावधान हो गया। उसने जीप को लॉज के बाहर रुकते हुए देखा और मैरी जीप से बाहर आता हुआ नजर आया। मैरी ने जीप के पिछले हिस्से से शॉपिंग के सामान का थैला उठाया और थैला हाथ में उठाये हुए अपने लॉज के सदर दरवाजे की तरफ बढ़ गया। उसने सदर दरवाजे को खुलते हुए देखा। मैरी खुले दरवाजे से अन्दर दाखिल हो गया और उसके पीछे दरवाजा बन्द हो गया।

होलिस ने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ!"

"सुन रहा हूं।"

"वेस्टन वापिस आ गया है। उसने जीप को अपने लॉज के सदर दरवाजे के बाहर छोड़ दिया है।"

"ओ०के०... सावधान रहना हैंक।" और रोस ने स्विच ऑफ कर दिया।

❑❑❑
❑❑❑

ब्राउन के चेहरे पर कठोरता तथा सन्देह के मिश्रित भाव उभरे हुए थे और उसके हाथ में गन थमी हुई थी।

"दरवाजा बन्द करो और बोल्ट कर दो मैरी! थैले को नीचे रख दो। अब चारों तरफ घूम जाओ। कोई चालाकी नहीं।"

मैरी ने वैसा ही किया जैसा उससे कहा गया था और उसने ब्राउन के ताकतवर हाथ को अपने जिस्म के ऊपर फिरते हुए महसूस किया।

"ओ०के०!" ब्राउन ने कहा—"अब मैं थैले को देखूंगा। मैं कभी जोखिम नहीं उठाता हूं। यदि थैले के अन्दर गन है तो तुम अपने आपको मरा हुआ समझो।"

बिजली की-सी तेजी के साथ बढ़कर उसने थैला उठा लिया और उसको उलट दिया। थैले से बाहर निकली चीजों को उसने गौर

से देखा। फिर वह मैरी की तरफ देखकर मुस्कुराया।

"तुम स्मार्ट हो! प्याज ऊहं? क्या तुम प्याज पसन्द करते हो?"

"मेरी पत्नी कहां है?"

"कोई समस्या नहीं। वह ऊपर अपने कमरे में है और अपना सामान खोल रही है। मैंने कहा था तुम मेरे साथ सीधी तरह खेलो और मैं तुम्हारे साथ सीधी तरह खेलूंगा। अब हमें बात करनी चाहिये। अपनी गन को होलस्टर में रखते हुए वह लिविंग रूम के अन्दर चला गया—"क्या खबर है?"

मैरी उसके पीछे कमरे के अन्दर दाखिल हो गया और कुर्सी पर बैठ गया।

"मैं बैंक से रकम निकाल लाया हूं। दस हजार डॉलर... सौ-सौ डॉलर बिलों में।"

"मैन! तुम स्मार्ट नहीं हो।" ब्राउन ने दीवार के सहारे खड़े होते हुए कहा—"पुलिस का किस तरह का दबाव है?"

"मैंने इस बारे में शेरिफ से बात की थी। तुम्हें तलाश करने वाली पुलिस मियामी की तरफ भेज दी गई है। अब यहां पुलिस का कोई दबाव नहीं है।"

ब्राउन ने उसकी तरफ घूरकर देखा।

"यह सही है।"

एक कोशिश के साथ मैरी ने अपने चेहरे को भावहीन बनाये रखा।

"सही।"

"क्या तुमने उसके डिप्टी से बात की थी?"

"नहीं।"

"क्या तुमने उसे देखा था?"

"यहां यह बात है।" मैरी ने सोचा अवश्य ही तेजतर्रार और सख्त नजर आने वाला डिप्टी शेरिफ वह आदमी था जो पेड़ पर बैठा हुआ था और छुपकर लॉज की निगरानी कर रहा था। उसने सिगरेट का पैकेट कोट की पॉकिट से निकाला।

"मैंने उसे देखा था।" उसने झूठ बोला—"वह पैट्रोल कार में कुछ कर रहा था। मैं उससे नहीं बोला था।"

"सही।" ब्राउन की आवाज गुर्राहटभरी थी।

मैरी ने सिगरेट सुलगाई।

"सही।"

"शेरिफ कुछ नहीं है मगर वह डिप्टी... ।" ब्राउन ने अपनी ठोड़ी को रगड़ा—"तो सब ठीक है। पुलिस का दबाव खत्म हो गया है। ठीक?"

"हां।"

"रकम कहां है?"

"जीप में।"

ब्राउन की आंखें सिकुड़ गईं।

"यहां मत बैठो। जाओ और उसे लेकर आओ। मैं देखना चाहता हूं कि दस हजार डॉलर की रकम सौ-सौ डॉलर के बिलों में कैसी लगती है।"

मैरी जैसे ही वापिस लौटकर लॉज में आया वैसे ही ब्राउन ने उसके हाथ से लिफाफा छीन लिया और भड़ाक से दरवाजा बन्द करके बोल्ट कर दिया।

"दस हजार डॉलर ऊहं?" ब्राउन मैरी की तरफ मुस्कुराया—"मैन तुम स्मार्ट हो।"

वह सिटिंग रूम के अन्दर चला गया।

"मैं अपनी पत्नी से बात करना चाहता हूं।" मैरी ने कहा—"तुम रकम गिनो जिम! सिर्फ यह यकीन कर लो कि मैंने तुम्हें धोखा नहीं दिया है।"

ब्राउन की फौलादी उंगलियां उसकी बांह पर कस गईं।

"तुम्हारे पास काफी वक्त है मैरी।" उसने कहा—"अपनी पत्नी से बात करने के लिए तुम्हारे पास जिन्दगी भर का वक्त है। वह बिल्कुल ठीक है। तुम मेरे साथ सीधी तरह खेले थे। मैंने तुम्हें बताया था कि मैं भी तुम्हारे साथ सीधी तरह खेलूंगा। अब मैं तुमसे कुछ बात करना चाहता हूं।"

यह जानते हुए कि इन्कार करना उसके लिए खतरनाक साबित होगा... मैरी उसके साथ लिविंग रूम में चला गया।

वे दोनों कुर्सियों पर आमने-सामने बैठ गये।

"बताओ तुम मुझसे क्या बात करना चाहते हो?" मैरी ने पूछा।

"तुमने उस बूढ़े शेरिफ को देखा था... ठीक?"

"मैंने उसे देखा था।"

"और तुम उससे मिले थे... ठीक?"

"हां मैं उससे मिला था।"

"उसने तुमसे बात की थी... ठीक?"

"टॉम के बार में बियर पीते हुए मैंने उससे बात की थी।"

"उसने तुम्हें बताया था कि अब पुलिसिये मुझे मियामी में तलाश कर रहे हैं... ठीक?"

"हां।"

"उसने कहा था कि पुलिस का दबाव खत्म हो गया था... ठीक?"

"हां उसने मुझे ऐसा ही बताया था।"

ब्राउन ने सीधे मैरी की तरफ घूरकर देखा। उसकी भयानक आंखें अंगारे की तरह चमक रही थीं।

"तुमने उसका यकीन कर लिया था?"

"उसका यकीन न करने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था।" मैरी ने इससे भावुक होते हुए कहा कि उसका मुंह सूखता जा रहा था।

ब्राउन ने सिर हिलाया।

"अब पुलिस का दबाव मियामी के चारों तरफ है... ठीक?"

"शेरिफ ने मुझे ऐसा ही बताया था।"

"यहां पुलिस का काई दबाव नहीं है, आह!"

मैरी ने उस पुलिसमैन के बारे में सोचा जो पेड़ पर छुपा बैठा था और उसके लॉज की निगरानी कर रहा था। उसने सिगरेट का एक गहरा कश खींचा और धीरे से मुंह से धुआं बाहर निकाल दिया।

"शेरिफ ने सही कहा था।"

"तुम जानते थे उसे?"

"मैं तो केवल इतना जानता हूं... जितना उसने मुझे बताया था।"

"वह मुझसे झूठ नहीं बोलेगा... है न मैरी?"

"हम दोनों अच्छे दोस्त हैं जिम! मुझसे झूठ बोलने के लिए उसके पास कोई कारण नहीं है।"

"हालांकि हम दोनों अच्छे दोस्त नहीं हैं मैरी। इसके बावजूद भी तुम मुझसे झूठ बोलोगे।"

उसी पल टेलीफोन की घण्टी बज उठी।

ब्राउन चौंका।

खुद-ब-खुद गन उछलकर उसके हाथ में आ गई।

"इसका जवाब दो... लेकिन सावधान रहो। कोई चालाकी नहीं।"

मैरी उठकर खड़ा हो गया और टेलीफोन की तरफ बढ़ गया। अगले ही पल उसने रिसीवर उठा लिया।

"क्या वहां मैरी है?" एक आदमी की आवाज आई।

"यस! यह कौन है?"

"जीनी फ्रैंकलिन। मैं तुमसे फोन पर सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश करता रहा हूं। तुम्हारा फोन खराब था। तुम कैसे हो?"

मैरी ने एक गहरी सांस खींची। अपने स्वर को सयंत बनाये रखते हुए उसने कहा—"मैं बहुत अच्छा हूं।" वह इससे वाकिफ था कि ब्राउन उसके ऊपर गन ताने हुए था—"तुम्हें एक लम्बे अर्से से नहीं देखा है। तुम कैसे हो?"

"बहुत अच्छा। मैं जैक सोनविली में हूं। मैंने एक कान्टेक्ट कर लिया है। मैं उस बारे में तुमसे बात करना चाहता हूं। मान लो मैं कार के जरिये वहां आता हूं... या हो सकता है कि तुम यहां आ सकते हो?"

"सॉरी जीनी! तुमने मेरे कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया है। मैं फिल्म स्क्रिप्ट लिख रहा हूं। मैं इसे अधूरी छोड़ना नहीं चाहता हूं। मुझसे बात करने के लिए तुम्हें कुछ दिनों तक इन्तजार करना पड़ेगा।" इतना कहने के साथ ही उसने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

ब्राउन ने गन वापिस होलस्टर में रख ली।

"तुमने उसे बिल्कुल ठीक जवाब दिया मैरी।" उसने कहा—"तुम स्मार्ट हो।"

"तुमने अपनी बात खत्म कर दी जिम? अब अपनी पत्नी से बात करना चाहता हूं।"

"अवश्य। मुझे ऐसा लगता है कि जैसे तुम्हें अपनी पत्नी के ऊपर विश्वास नहीं है। वह बिल्कुल ठीक है। मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूं। जब अन्धेरा हो जाएगा। अब मैं यहां से जा रहा हूं।" ब्राउन ने कहा—"तुम इसे पसन्द करोगे... है न? मैं जीप ले जाऊंगा। कोई पुलिसिया मुझे कभी नहीं पकड़ सकता है। पहले भी मैं किसी

पुलिसिये से नहीं पकड़ा गया था और आगे भी कोई पुलिसिया मुझे कभी नहीं पकड़ सकेगा। मैं यहां से साफ बचकर निकल जाऊंगा।"

मैरी ने अपने पसीने से सराबोर चेहरे पर हाथ फिराया।

"मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे इसका अफसोस होगा जिम।" उसने कहा और अपने होठों पर जबरदन मुस्कान उभारी—"यह मेरे लिए एक नया तजुर्बा रहा है।"

"मेरा भी ऐसा ही ख्याल है।" ब्राउन अपनी चेयर के पीछे को लग गया—"एक बात है मैरी! तुम सुनो तो तेजतर्रार और होशियार हो और तुम मेरे साथ सीधे रहे हो। तुम अपनी पत्नी पर नजर रखो मैन। उसे निगरानी की जरूरत है, तुम उसकी समस्या को जानते हो। उसकी पैंट लाल और गर्म है। यदि वह मेरी पत्नी होती, तो मैं उसे पीटकर उसके जिस्म से सारी गर्मी बाहर निकालकर उसे बिल्कुल ठण्डी कर देता। मैं तुम्हारे साथ सीधी बात कर रहा हूं। हालांकि यह मेरा बिजनेस नहीं है, लेकिन फिर भी मैं तुम्हें बता रहा हूं।" उसने अपनी बाईं बांह पर गुंदे कोबरा सांप के निशान को दिखाने के लिए कमीज की आस्तीन को ऊपर सरकाया—"मैंने उस पर ऐसे भरोसा किया था जैसे मैं इस सांप पर भरोसा करता हूं, ओ०के०।"

मैरी ने जैसे ही उसका विरोध प्रकट करना शुरू किया वैसे ही दोनों आदमियों ने एक कुत्ते के भौंकने की तेज खौफनाक आवाज सुनी।

□□□

□□□

होलिस ने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया।

"शेरिफ!"

"सुन रहा हूं।"

"एक अजीब परेशानी मेरे सामने आ गई है। मुझे शक है कि मेरी मौजूदगी खत्म हो गई है।" होलिस ने संक्षेप में उसे पेड़ के नीचे भौंकने वाले कुत्ते के बारे में बता दिया—"वह बदमाश कोई बेवकूफ नहीं है। कुत्ते के भौंकने की आवाज को सुनकर वह अन्दाजा लगा लेगा कि इस पेड़ के ऊपर मैं बैठा हूं।" होलिस ने निष्कर्ष के रूप में कहा।

"जहन्नुम! अब बेहतर यही होगा कि मैं इस बारे में जेनर

को बता दूं। है ना?"

"नहीं... जब अन्धेरा हो जायेगा तब मैं इस पेड़ से नीचे उतर कर किसी दूसरे पेड़ पर चढ़ जाऊंगा।" होलिस ने कहा–"तुम इसके बारे में चिन्ता मत करो। अन्धेरा होने से पहले वह बदमाश अपने आपको जाहिर नहीं करेगा। हां हो सकता है कि वह ऐसी कोई हरकत नहीं करना चाहता है कि जिससे उसको देखा जा सके।"

"देखो हैंक। यह अन्धेरा नहीं होगा। मैंने चैक कर लिया है। आज रात को आसमान पर पूरा चाँद चमकेगा और चाँदनी धरती पर फैलेगी।"

"तो वह बहुत अच्छा होगा। उसे हर हाल में अपने आपको जाहिर करना होगा और मैं उसे देखते ही ठिकाने लगा दूंगा। लेकिन मैं तुम्हें सिर्फ इस बारे में बता देना चाहता था। मैं सम्पर्क बनाये रहूंगा।"

"क्या तुम पूरे यकीन के साथ कहते हो कि तुम यह नहीं चाहते हो कि मैं वहां तुम्हारे पास आऊं।"

होलिस ने जबरन मुस्कान उभारी।

"नहीं शेरिफ! मैं इसे हैंडिल कर सकता हूं। मैं आर्मी में इससे भी अधिक मिशन परिस्थिति में रहा था। तब भी मैंने साहस नहीं खोया था और न ही मैं आभारी हुआ था।" और स्क्रीन ऑफ कर दिया।

❑❑❑
❑❑❑

जिस पल कुत्ते के भौंकने की आवाज मैरी और ब्राउन के कानों में पड़ी उसी पल ब्राउन बुरी तरह चौंक पड़ा, चौंकते हुए किसी हमलावर सांप की-सी तेज रफ्तार से एकदम उठकर खड़ा हो गया। उसके हाथ में गन आ गई, तेजी से दौड़कर वह खिड़की पर पहुंच गया।

मैरी अपनी कुर्सी में बैठा रहा और ब्राउन की ओर देखता रहा।

ब्राउन ने सावधानीपूर्वक खिड़की पर पड़ा पर्दा थोड़ा-सा एक तरफ को सरकाया और बाहर झांककर देखा।

मैरी ने कुत्ते के भौंकने की खौफनाक आवाज सुनी थी उसे इसका पूरी तरह यकीन हो गया था कि कुत्ते ने पेड़ पर बैठे पुलिस को देख लिया था। अब क्या होने जा रहा था।

वहां पर एक लम्बी खामोशी छा गई थी।

ब्राउन ने खिड़की के पर्दे को यथास्थान कर दिया और फिर उसने पलट कर मैरी की तरफ घूरकर देखा।

उस समय उसके चेहरे का भाव इतना अधिक भयानक था कि उसे देखकर मैरी भयभीत हो गया।

"इसका मतलब है कि मेरी निगरानी की जा रही है।" ब्राउन गुर्राया–"उस कुत्ते ने एक पुलिसिये को पेड़ पर छिपे हुए देख लिया है। तुम सोचते हो कि मैं कोई बेवकूफ हूं।"

"एक जानवर जिससे कुत्ते नफरत करते हैं।" मैरी ने झूठ बोला–"उन्हें देखते ही कुत्ते भौंकने लगते हैं, मगर तुम्हारे दिलो-दिमाग पर पुलिस का भूत सवार हो गया है। अब तुम्हें ख्वाब में भी पुलिसिये ही नजर आते हैं, जैसे बिल्ली को हमेशा चूहे नजर आते हैं।"

"यस।" ब्राउन खिड़की से अलग हट गया। अब वह ऐसा लगता था कि जैसे मैरी की बातों से वह सन्तुष्ट हो गया था। उसने अपनी गन वापिस होलस्टर में रख ली थी, मगर उसके होठों पर शैतानी मुस्कान और उसकी आंखों में रौनकी का भाव बरस रहा था–"तो तुम यह नहीं सोचते हो कि वहां एक पुलिसिया है। वह सख्त नजर आने वाला डिप्टी वहां ऊपर पेड़ में छुपा बैठा है।"

"मैंने तुम्हें बताया था, जिम।" मैरी ने शांत स्वर में कहा–"मैंने उसको कम-से-कम दो घन्टे पहले रॉकविली में देखा था। भगवान के लिए। तसल्ली से काम लो। आराम करो।"

अभी भी ब्राउन ने उसकी तरफ घूरकर देखा।

मगर वह कुछ न बोला।

खामोश नजरों से वह मैरी की तरफ देख रहा था।

उसकी आंखों में सन्देह का भाव विद्यमान था।

परन्तु इसके उपरांत भी वह उस समय मैरी की बात से सन्तुष्ट हो गया था।

❑❑❑
❑❑❑

इससे नावाकिफ कि ब्राउन झाड़ियों के बीच से होकर रेंग रहा था, अपने आपको कोहनियों और अंगूठों के बल आगे को सरका रहा था और धीरे-धीरे पेड़ के चारों तरफ एक दायरे में घूम रहा

था, होलिस ने रेडियो का स्विच ऑन कर दिया था।

"शेरिफ! मेरे दिमाग में कुछ ख्याल आया है।" उसने कहा—"अगर लोगन यहां से भाग रहा है, तो वह टेलीफोन को डिस कनैक्ट कर देगा। क्या तुम वेस्टन को कॉल करोगे? यदि वह उत्तर देता है, वह कहता है कि यह रांग नम्बर है। मैं यह जानना चाहता हूं... यदि टेलीफोन डिस्कनैक्ट है।"

"ओ०के० हैंक! पेड़ पर लटके रहो।"

वहां पर पांच मिनट के लिए ठहराव आ गया था, बातों का सिलसिला रुक गया था और खामोशी छा गई थी, फिर रोस ने कहा—"वहां पर टेलीफोन की घन्टी के बजने की आवाज सुनाई नहीं पड़ रही है। मेरा ख्याल है कि टेलीफोन डिस्कनैक्ट कर दिया गया है।"

होलिस ने सिर हिलाया।

"तब वह भागने के लिए तैयार है। ओ०के० शेरिफ! मैं उसके लिए तैयार हूं। अब इस काम में ज्यादा लम्बा वक्त नहीं लग सकता।"

"सम्पर्क रखना हैंक।"

"चिन्ता मत करो।" और होलिस ने स्विच ऑफ कर दिया अब वह बहुत अधिक सावधान हो गया था, लेकिन उसकी आंखें बराबर लॉज के ऊपर जमी हुई थीं।

अब तक ब्राउन पेड़ के पीछे पहुंच गया था। उसके कपड़े कीचड़ में लिसड़ गये थे। वह कुछ क्षणों तक जमीन पर खामोश लेटा रहा था। फिर उसने आगे बढ़ना शुरू कर दिया था। वह तब तक जमीन पर रेंगकर आगे बढ़ता रहा था, जब तक कि वह पेड़ से बीस गज के फासले पर नहीं पहुंच गया था। उसने सिर उठाकर ऊपर की तरफ देखा। पेड़ के पिछले हिस्से में शाखायें कुछ कम मोटी थीं, लेकिन अभी भी वह होलिस को नहीं देख सकता था। इसलिये उसने इन्तजार किया था।

होलिस अब यह जान गया था कि मैरी वेस्टन के लॉज का टेलीफोन डिस्कनैक्ट कर दिया गया था। किसी भी पल अब लोगन दिखाई दे सकता था। उसकी आंखें अभी लॉज पर जमी हुई थीं, उसने अपनी रायफल सावधानीपूर्वक ऊपरी दो शाखाओं पर रखी हुई थी फिर उसने अपने आपको उस शाखा से अलग करते हुए

जिसके ऊपर वह बैठा हुआ था, उसने एक राहत की लम्बी और गहरी सांस खींची थी।

वह हर पल उसके लिए बेहद खतरनाक हो गया था। ब्राउन ने उसे देख लिया था। जीत की एक शैतानी मुस्कान के साथ उसने अपनी गन होलस्टर से बाहर निकाल ली थी। उसकी गन का रुख होलिस की तरफ हो गया था। उसने होलिस को गन के निशाने पर ले लिया था। उसकी उंगली ट्रेगर पर जम गई थी।

❑❑❑

❑❑❑

मैरी और शीला बुरी तरह चौंककर एक-दूसरे से अलग हो गये। उन दोनों ने गन के एक फायर की आवाज सुनी थी।

शीला की आंखें खुलकर फैल गयी थीं।

"यह आवाज कैसी थी?"

"गन फायर।"

"किसने किया था फायर?"

"उसने पुलिसिये की हत्या कर दी है।" वह धीरे से फुसफुसाया।

"किसने?"

"चेट लोगन ने।"

"कौन चेट लोगन?"

"जिम ब्राउन।"

"ओह!" शीला ने एक गहरी सांस लीं।

तभी ब्राउन कमरे के अन्दर आ गया। उसके हाथ में गन मौजूद थी। उसे देखकर शीला बुरी तरह घबरा गयी। उसके हाथ खुद-ब-खुद उसके मुंह पर पहुंच गये, मगर फिर भी उसके मुंह से हल्की-सी चीख निकल गई। अपनी जगह से वह हिलने की हिम्मत नहीं कर सकी। बुत बनी वह खामोश बैठी रही और अपने पति की ओर देखती रही।

उस समय वह अत्यन्त भयभीत हो गई थी। जिस समय ब्राउन अपने हाथ में गन लिए हुए मैरी के शरीर के चारों ओर घूम गया था और उसने उसकी तरफ घूरकर देखा था।

"आओ... बेबी।" उसने कहा—"तुम और मैं अब इस जगह से जा रहे हैं। यदि तुम कोई चालाकी दिखाओगी तो मैं तुम्हारी गर्दन मरोड़ दूंगा।" वह उसकी तरफ आगे बढ़ा, अपना हाथ आगे बढ़ाकर

उसकी बांह पकड़ ली और एक झटके के साथ उसे पलंग से उठाकर उसके पैरों पर खड़ा कर दिया—"तुम जीप ड्राइव करने जा रही हो... । जब तक तुम मेरे साथ रहोगी, तब तक पुलिसिये मुझे शूट नहीं कर सकेंगे। आओ मेरे साथ चलो।"

उसकी टांगें मुश्किल से चलने में उसकी मदद कर रही थीं, ब्राउन ने अपने मजबूत हाथ से उसकी नाजुक बांह पकड़ रखी थी। किसी तरह वह उसे अपने साथ सीढ़ियों से नीचे उतार कर ले गया था और बाहर चाँदनी में पहुंच गया था। उसने शीला को जबरदस्ती जीप की ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया था। ब्राउन दौड़ता हुआ जीप के पीछे से घूमकर दूसरी तरफ पहुंच गया था और उछलकर शीला के बराबर में पेसेन्जर सीट पर बैठ गया था।

"कोई चालाकी नहीं, बेबी। सिर्फ जीप ड्राइव करो।"

"मैं नहीं सोचती कि मैं ऐसी हालत में जीप ड्राइव कर सकती हूं।" शीला ने उखड़ी हुई सांस के साथ कहा।

"यह बहुत बुरी बात है। तुम या तो जीप ड्राइव करो... या मैं तुम्हारे गाल पर चपत रसीद कर दूंगा। मैं एक ही चपत में तुम्हारे सारे दांतों को तोड़ दूंगा।"

शीला मजबूर हो गई।

ब्राउन के कहने के मुताबिक उसे काम करना पड़ा। कांपते हुए हाथ के साथ शीला ने इग्नीशन स्विच टर्न ऑन कर दिया।

एक झटके के साथ जीप स्टार्ट हो गयी।

"हाइवे की तरफ चलो।" ब्राउन ने आदेशात्मक स्वर में कहा—"जीप आगे बढ़ाओ।"

भयभीत शीला ने तुरन्त उसके आदेश का पालन किया।

उसने जीप को आगे बढ़ा दिया।

❑❑❑

❑❑❑

अब वह हाइवे को देख सकती थी। ट्रकों की हैडलाइट्स की तेज रोशनी सड़क को रोशन कर रही थी। ब्राउन खिड़की से बाहर झांककर देख रहा था। अभी तक दायें-बायें किसी कार की हैडलाइट्स दिखाई नहीं पड़ी थी।

"अब।" उसने कहा—"तेज रफ्तार से ड्राइविंग करो।" ट्रकों की हैडलाइट्स को पार करो।"

शीला ने फौरन जीप की रफ्तार तेज कर दी। कच्ची सड़क पर जीप उछलने लगी।

"बहुत तेज।" ब्राउन ने कहा—"अब तसल्ली से काम लो। चलती रहो।"

शीला ने उसकी बात नहीं सुनी थी। उसका दिमाग व्यस्त था। वह याद कर रही थी जो मैरी ने उसे बताया था, ब्राउन ने उससे कहा था—"दोहरी शोक सभा में सम्मिलित होगे।" उसने जो भी याद किया था, जो ब्राउन ने उससे कहा था—"मेरे लिए तुम उस गन्दगी की तरह हो जो एक कुत्ता फुटपाथ पर कर देता है।"

"ओ०के०।" तुम चालाक और खतरनाक बदमाश। उसने सोचा यदि मैं मरने जा रही हूं तो तुम भी जिन्दा नहीं बचोगे। तुम भी मेरे साथ मरोगे।

उसने एक तेज नजर ब्राउन पर डाली जो आराम से सीट पर बैठा हुआ था। उसने अपने होठों से बेसुरी सीटी बजानी शुरू कर दी थी।

शीला ने सामने देखा, उसकी आंखें किसी पेड़ को तलाश कर रही थीं। तभी अचानक उसने जोरों से धड़कते हुए दिल के साथ जीप की हैडलाइट्स की रोशनी में सड़क के किनारे पर पड़े एक बड़े पेड़ को देखा।

यह यहां है... उसने सोचा—यह हम दोनों का अन्त है।

अब वे तीस मील प्रति घन्टे की रफ्तार से सफर कर रहे थे। अपने आपको सम्भालते हुए शीला ने अकस्मात् ही जीप की रफ्तार बहुत तेज कर दी थी।

जीप तेज रफ्तार से आगे को बढ़ी।

शीला पीछे को हटकर सीट की पुश्त से लग गई। उसके हाथ स्टेयरिंग व्हील को मजबूती से पकड़े हुए थे।

उसकी बांहें पूरी तरह फैली हुई थी।

"हे!" ब्राउन के पास सिर्फ चिल्लाने के लिए वक्त काफी था, इससे पहले कि शीला ने जीप को बेहद तेज रफ्तार से पेड़ की तरफ दौड़ा दिया था।

अब साठ मील प्रति घन्टे की चाल से दौड़ती हुई जीप पेड़ से टकरा गई थी। जीप के पेड़ से टकराते ही रात के खामोश माहौल में खौफनाक आवाज दूर-दूर तक गूंज गई थी।

किसी तरह शीला टकराव के झटके को एक छोटे से पल के

लिए बर्दाश्त कर गयी थी, मगर उसकी आंखों के सामने अन्धेरा छा गया था।

शीला इससे नावाकिफ थी कि ब्राउन सीट से आगे की तरफ उछल गया था। उसका सिर विन्ड स्क्रीन से टकरा गया था। अगले ही पल वह पीछे की तरफ सीट पर फैल गया था और अब वह अपनी सीट पर बेहोश पड़ा था।

शीला कुछ सेकेन्ड्स में ब्लैक आउट से बाहर आई। एक लम्बे पल तक वह खामोश बैठी रहा फिर उसने ब्राउन की तरफ देखा।

जीप के डैशबोर्ड की लाइन अभी तक काम कर रही थी आसमान पर छाया चाँद चमक रहा था और चाँदनी वहां से मंजर को रोशन कर रही थी।

किसी तरह अपने आपको संभाले हुए शीला ने जीप की मैन पॉकिट से अपना हैंडबैग निकाला। अगले ही पल उसने बैग को खोलकर उसमें से अपना रिवाल्वर निकाला। उसकी आंखें अभी भी ब्राउन पर जमी हुई थीं। ब्राउन ने अपना सिर हिलाया और उसकी तरफ घूम गया।

शीला ने उसके ऊपर गन तान दी और ट्रेगर को दबा दिया गन के फायर की आवाज गूंज उठी। उसने ब्राउन को अपनी सीट से पीछे की तरफ धंसते हुए देखा। उसने फिर फायर किया, इस बार ब्राउन आधा ऊपर को उठ गया और फिर नीचे को गिर गया।

उसने अपनी व्हाइट शर्ट पर लाल खून के कतरे देखे जो खून फव्वारे की शक्ल में तब्दील हो गये।

अपनी जीत की खुशी में वह आगे को झुक गई और उसकी तरफ नफरतभरी नजरों से देखने लगी। उसने देखा...उसके सीने से बहने वाला खून उसकी शर्ट को रंग रहा था। उसने उसे ऊपर उठने की कोशिश करते हुए देखा। उसने उसकी खुली हुई आंखें देखीं।

"तुम यह पसन्द करते हो, जिम ब्राउन।" उसने उखड़ती हुई सांसों के साथ कहा—"तुम इसे इसी तरह पसन्द करो जिस तरह तुमने शानदार, बेगुनाह लोगों को कत्ल करना पसन्द किया था। मर जाओ। अपने गुनाहों की सजा भुगतो।"

ब्राउन की आंखें उस पर जम गईं। उसने उसे घूरकर देखा उसके मुंह से खून बहना शुरू हो गया था। उसने कुछ कहने की कोशिश की, मगर अब उसके मुंह से बुरी तरह खून उबलने लगा था, इस वजह से वह कुछ नहीं कह सका था और वह सिर्फ अपने मुंह से बलबलाने की आवाजें निकाल सका था।

"आगे बढ़ो मर जाओ। तुम बेरहम कातिल।" वह उसके ऊपर चिल्लाई।

आश्चर्यजनक रूप से अपने जिस्म में बाकी बची सारी शक्ति समेट कर अपनी शैतानी मुस्कान के साथ ब्राउन का बायां हाथ ऊपर उठकर हवा में लहराया। अगले ही पल उसका फौलादी घूंसा शीला के जबड़े से टकराया।

शीला की गर्दन टूट गयी और उसका सिर पीछे को झूल गया और वह जीप की सीट पर फैल गई।

❑❑❑

❑❑❑

उन्होंने पांच घण्टे की तलाश के बाद उन दोनों को। शेरू ने अपनी कार कच्ची सड़क पर वहां से काटी जहां पर कार्ल जेनर खड़ा हुआ था...उसके बराबर में पैसेन्जर सीट पर मैरी वेस्टन अभी भी खामोश बैठा हुआ था, उसका दिल जोरों से धड़क रहा था।

"यह खत्म हो गया।" जेनर ने कहा।

मैरी कार से बाहर आया।

"मेरी पत्नी।"

"आई एम सॉरी, मिस्टर वेस्टन! बेहतर यही होगा कि तुम वहां न जाओ और उसको न देखो।" जेनर ने शान्त भाव से कहा।

मैरी उसका सहारा पाकर किसी तरह कुछ गजों तक दौड़ता हुआ दुर्घटनाग्रस्त जीप के पास पहुंचा।

बहुत-से स्टेट पुलिसमैन वहां पर चारों तरफ खड़े हुए थे। वे सिर्फ खड़े हुए देख रहे थे।

मैरी वेस्टन जीप के करीब पहुंचा और अन्दर झांककर देखा—उसने ब्राउन को देखा उसकी आंखें एक दिशा में जमी हुई थीं। खून ने उसकी हालत खौफनाक बना दी थी। मैरी की आंखें शीला की तरफ घूम गई थीं।

वह सीट पर पड़ी थी—उसकी गन अभी भी उसके हाथ में थमी थी। वह मौत के मुंह में चली गई थी, मगर उसके चेहरे पर अब भी जिन्दगी के निशान कायम थे।

:: समाप्त ::

अपराध जगत में उसे मास्टर माइण्ड के नाम से यूं ही नहीं जाना जाता था...उसका दिमाग ब्लेड की धार से भी पैना था...किसी भी खतरनाक योजना को बनाने से पहले वह उसकी बारीक से बारीक कमजोरी को भी नजर अंदाज न करता था...इसीलिए उसने कभी नाकामी का मुंह न देखा था... मगर इस बार उससे एक ऐसी चूक हुई कि...!

कैसी थी वो चूक जिसने उस मास्टर माइण्ड के दिमाग को भी हिलाकर रख दिया ?

कौन था वो मास्टर माइण्ड जिसने आज तक नाकामी का मुंह न देखा था ?

जानने के लिए पढ़िए

विश्व विख्यात थ्रिलर उपन्यासकार

जेम्स हेडली चेईज

का रहस्य व रोमांच के ताने-बाने से बुना

एकदम नया उपन्यास

मास्टर माइण्ड

राधा पॉकेट बुक्स